



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 26, 1985 (कार्तिक 4, 1907)
No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 26, 1985 (KARTIKA 4, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड I

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/81-प्रशा० II राष्ट्रीय भवन संगठन के वरिष्ठ अन्वेषक तथा आयोग के कार्यालय में सम्प्रति कठिण अनुसंधान अधिकारी (अनुसं० एवं विशेषज्ञ) के रूप में कार्यरत श्री एस० रामकृष्णन की सेवाएं 30 सितम्बर, 1985 के अपराह्न से राष्ट्रीय भवन संगठन को पुनः सौंपी जाती हैं।

2. श्री रामकृष्णन को 30-9-1985 से 11-11-1985 तक 43 दिन का अजित अवकाश की समाप्ति पर श्री रामकृष्णन उप निदेशक (सूचना) राष्ट्रीय भवन संगठन, निर्माण भवन, नई दिल्ली में कार्यभार संभालेंगे।

एम० पी० जैन,

अवर सचिव (प्रशा०)

कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 सितम्बर 1985

सं० क० 38014/1/85-प्रशा० III—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० सं० संवर्ग के स्थाई सहायक तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री एस० बी० गुप्त को राष्ट्रपति द्वारा 31 अगस्त,

296 GL/85

1985 अपराह्न से निवर्तन आयु होने के पश्चात सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38013/1/85-प्रशा० III—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० संवर्ग के स्थाई सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री ए० एस० नाट को राष्ट्रपति द्वारा 31 अगस्त, 1985 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 19 सितम्बर 1985

सं० ए० 19014/9/82-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सम्प्रति अवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री डी० लक्ष्मण राव की कार्यविधि समाप्त होने के पश्चात उन्हें 19-9-85 (अपराह्न) से कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

श्री राव को 20-9-1985 से 31-10-1985 तक 42 दिन का अजित अवकाश स्वीकृत किया गया है। अवकाश

(36075)

की समाप्ति पर श्री राव महानिदेशक (निर्माण) के० लो० नि० वि०, निर्माण भवन, नई दिल्ली में कार्य भार संभालेंगे।

एम० पी० जैन,
अवर सचिव का० प्रशा०
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 सितम्बर 1985

सं० ए० 19013/2/81-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के रूप में प्रतिनियुक्त भा० ले० एवं ले० प० सेवा के अधिकारी श्री आर० नटराजन की कार्यविधि समाप्त होने पर उनकी सेवाएं 16 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक को सौंपी जाती हैं।

डा० कैलाश प्रसाद
उप सचिव (प्रशा०),
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० 4 ई० पी० आर० एस-315—निर्वहन की आयु होने पर, इस आयोग में स्थाई सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी, श्री जगदीश चन्द्र कपूर, 30 सितम्बर, 1985 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव, (प्रशासन)
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

का० और प्रशिक्षण, प्रशा० सु०,
लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

सं० ए० 19021/5/82-प्रशा० 5—श्री आर० गण-पाथिअप्पन, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, आर्थिक अपराध स्कंध, मद्रास शाखा की सेवायें दिनांक 31 अगस्त, 1985 अपराह्न से "तत्काल समाप्ति" आधार पर सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने के लिये मद्रास रिफाईनरीज लि०, मद्रास को सौंपी जाती है।

आर० एस० नागापाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-11 दिनांक 3 सितम्बर, 1985

सं० 3/29/85-प्रशा०—राष्ट्रपति, श्री बी० के० जील,

आई० पी० एस० (राजस्थान 1956) को पुलिस अनु-संधान एवं विकास ब्यूरो में दिनांक 18 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से वेतनमान 2500-2750 में अगले आदेशों तक निदेशक (प्रशि०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० मल्लिक,
महानिदेशक,

समन्वय निदेशालय, (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए० 12012/1/81-प्रशासन-II—इस निदेशालय की 6-8-84 तथा 18-3-1985 की समसंख्यक अधि-सूचना के आगे अनुक्रम में निदेशक पुलिस दूर संचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जयचन्द को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में तदर्थ आधार पर 3 मई, 1985 (पूर्वाह्न) के अगले 6 मास के लिये या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा न जाये इसमें जो भी पहले हो तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० ए 12012/1/83-प्रशा०-II—दिनांक 11-9-85 के कार्यालय आदेश भाग-II (सं० 206/85) के द्वारा श्री आर० सी० मिश्रा को अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप इन्होंने दिनांक 11-9-85 को अतिरिक्त सहायक निदेशक (समूह "ख" राजपत्रित) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 3-11-1985 अपराह्न या पद नियमित रूप से भरने तक जो भी पहले हो कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

बी० के० बुवे,
निदेशक पुलिस दूरसंचार

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ओ० दो-4/85-प्रशा० 3—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री रतन सिंह, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 9 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० ओ० दो-6/85 प्रशासन-3:—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री एस० एस० नैयर, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 23 सितम्बर,

सन 1985 (पूर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 4 अक्तूबर, 1985

सं० ओ० दो-902/77/85-प्रशासन-3—इस महा-निदेशालय के श्री बी० पी० मनोवा, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 1 अगस्त, 1985 (पूर्वाह्न) से वेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) लेखा परीक्षक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

किशन लाल,
उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० ई-16013(1)/3/81-कार्मिक-1—राज्य संवर्गों की प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री ए० घटक, भा० पु० से० (पश्चिम बंगाल: 59) ने 16 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० अपठनीय
महानिदेशक के० ओ० सु०ब०

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 अक्तूबर, 1985

सं० ओ० दो 1972/84-स्था०—महानिदेशालय, के० रि० पु० बल ने डा० आर० एन० कामन को दिनांक 7-8-85 (पूर्वाह्न) से केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया।

सं० ओ० दो-1972/84-स्थापना—महानिदेशक, के० रि० पु० बल ने डा० आर० कामन को दिनांक 6-5-85 (पूर्वाह्न) से के० रि० पु० बल में केवल 3 माह अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया।

दिनांक 3 अक्तूबर, 1985

सं० डी० एफ० 30/85 स्थापना 1—निम्नलिखित पुलिस उप अधीक्षकों, के० रि० पु० बल की सेवारत उनके सामने दर्शाई गई नियतियों से जेपुटेशन आधार पर सी० आई० एस० एफ० को सौंपी जाती है:

(पूर्वाह्न)

1. श्री विरेन्द्र सिंह, 37 बाहिनी, 20-8-85
2. सन्त राम, 25 बाहिनी 22-8-85

अशोक राज महीपति,
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अक्तूबर, 1985

सं० 11/1/85-प्रशा०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों को जो नीचे कालम 4 में उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में कार्यरत हैं, पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर 700-40-900-इ० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में उनके नामों के सामने नीचे कालम 3 के दर्शित तारीख से 28-2-86 तक अथवा जब तक पद नियमित आधार पर भरे जायें, जो भी पहले हो, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी समूह 'क' राजपत्रित) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं और उन्हें नीचे कालम 5 में उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तैनात करते हैं:—

अधिकारी का नाम क्र० सं०	नियुक्ति की तारीख	जिस कार्यालय में कार्यरत हैं	जिस कार्यालय में पदोन्नति पर तैनात किया जाता है।
1	2	3	5
	(पूर्वाह्न)		
1. श्री एम० बी० राव	25-6-85	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद।
2. श्री राजेन्द्र प्रसाद	30-7-85	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार पटना	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना
3. श्री ए० बी० अरेकरी	2-8-85	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली

2. उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों संबंधी अधिकारियों को सहायक निदेशक (जागरण कार्य (प्राप्ति) के पद पर नियुक्ति नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवायें उस ग्रेड से वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को सशम प्राधिकारी के विवेक पर तदर्थ भी समय बिना कोई अलग कारण बताये रद्द किया जा सकता है।

दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० 10/44/82-तारा० 1—नई दिल्ली, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के श्री बी० पी० जैन, लेखा अधिकारी को उसी कार्यालय में प्राप्तिनियुक्ति के आधार पर तारीख 3 अक्टूबर, 1985 के पूर्वाह्न से तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिये अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो सहायक निदेशक के पद पर सर्व नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बी० एस० वर्मा,
भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नासिक रोड, दिनांक 11 सितम्बर, 1985

सं० ई० एस० जी०-1-17/2677—महाप्रबन्धक, चतुर्थ पत्र मुख्यालय, नासिक रोड, श्री एम० एल० सोनवणे, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 11 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से सं० 840-40-1000-ड० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

वे दो वर्ष तक अथवा उनकी सेवा नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, परीक्षाधीन रहेंगे।

सं० ई० एस० जी०-1-17/2679—नियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एम० एल० सोनवणे, चतुर्थ पत्र मुख्यालय, नासिक रोड के क्रम अधिकारी कार्यालय का पदमात दिनांक 11 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से त्याग दिया है।

सु० द० इडगुजी,
महाप्रबन्धक

बैंक नोट मुख्यालय,

देवास, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

सं० बी० एन० पी०/सी/5/85—इस कार्यालय की सम संख्या अधिवृत्त दिनांक 20-3-85 तथा 19-5-85 के अनुसार ये नियुक्ति अधिकारियों को तदर्थ नियुक्तियों उन्हें शर्तों व अनुबन्धों पर दिनांक 24-7-85 तक या

भर्ती नियमों के अनुसार नियमित आधार पर नियुक्त किये जाने तक, जो भी पहले हो, बर्दाश्त जाता है।

क्र००० अधिकारों का नाम पद जिसके विरुद्ध तदर्थ नियुक्ति की गई

सर्वश्री:

- | | |
|---------------------------|----------------------------|
| 1. राम वृक्ष (अ० जा०) | सहायक अभियन्ता (यांत्रिकी) |
| 2. आर० एन० ठाकुर (प्रगजा) | सहायक अभियन्ता (वाता०) |
| 3. के० के० गर्ग | सहायक अभियन्ता, (सिविल) |
| 4. ए० के० चौहान (अ० जा०) | सहायक अभियन्ता (विद्युत) |

मु० वे० चार,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा

लेखा विभाग

महोलेखाकार (लेखा तथा अधिकार) का कार्यालय

भुवनेश्वर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० स्था० आ० न० 41—उड़ीसा के महोलेखाकार (लेखा तथा अधिकार) ने हर्ष के साथ भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक अधिकारी, लेखा अधिकारी और लेखा परीक्षा अधिकारी) नियुक्ति नियम, 1969 के अनुसार इस कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एन० श्रीनिवास राव को वेतनमान 840-40-1000 ड० रो०-40-1200 पर दिनांक 2-9-85 (पूर्वा०) से अगले आदेश तक लेखा अधिकारी के पद पर स्थापना के तौर पर नियुक्त किया है। यह पदोन्नति अस्थाई तौर पर है और उच्च न्यायालय उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन मामलों के अन्तिम निर्णय के अंतर्गत है और उनके वरिष्ठ कर्मचारियों के दावों को पक्षगत किये बिना है।

के० एस० मेनन,
वरिष्ठ उप महोलेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110060, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

सं० प्रशा० 1/1909/5/1—श्री मनमोहन सिंह, आई० डी० ए० एस० (जिनका जन्मतिथि 08-09-1927 है) को दिनांक 07-09-85 को 58 वर्ष का आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-9-85 (अस्ताह्न) से सेवा निवृत्ति होने पर रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से हटा दिया जायेगा और दिनांक 01-10-85 (पूर्वाह्न) से पेंशन स्थापना को प्रसरित कर दिया जाएगा।

सं० 1/1930/5/1—डॉ० एन० नाथिन, आई० डा० ए० ए० (जिनका जन्म तिथि 06-06-27 है) को दिनांक 05-06-1985 को 58 वर्ष का आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-06-85 (अंतराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संग्रहालय से हटा दिया गया है और तदनुसार दिनांक 01-07-85 (पूर्वाह्न) से वेतन स्वाकना को अवरुद्ध कर दिया गया है।

दिनांक 30 सितम्बर 1985

शुद्धि पत्र

सं० प्रशा० II/2603/85— दिनांक 10-3-84 के भारत राजपत्र भाग-III, खण्ड-1 में प्रकाशित, स्याई अनुमान अधिनियमों (केब्रा) का, मूल पध्दारी लेखा अधिनियमों के रूप में निरूपित से सम्बन्धित इस विभाग को दिनांक 15-2-84 का अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

क्रम संख्या 4 के सामने	श्री ए० कृष्णामूर्ति 1-4-82 के लिये 1-4-81 पढ़ें
क्रम संख्या 5 के सामने	श्री आर० डॉ० गोयल 1-4-82 के लिये 1-4-81 पढ़ें
क्रम संख्या 6 के सामने	श्री आर० सी० भारद्वाज 1-4-82 के लिये 1-4-81 पढ़ें
क्रम संख्या 84 के सामने	श्री बलराम सिंह 1-4-83 के लिये 1-4-82 पढ़ें

ए० के० घोष,
रक्षा लेखा और महानियंत्रण (प्रशा०)

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० 33/2/85—स्यायना—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई ने श्री बी० बी० अहिरे को प्रशासक अधिकारी के पद पर इस महानिदेशालय के अग्रतस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र, मद्रास में दिनांक 9-9-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया है।

दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० 5/3/85—स्यायना—उप महानिदेशक और विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान, केन्द्र, बम्बई ने श्री तरुण कुमार घोष को सहायक निदेशक (कारखाना और अभियन्ता नियोजन) के पद पर इस कारखाना सलाह

सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में दिनांक 7-1-1985 (पूर्वाह्न) से नॉर्मल रूप से नियुक्त किया है।

एस० बी० हेगडेपटिल,
उपमहानिदेशक और विभागाध्यक्ष

वाणिज्य और पूर्वी मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

कार्यालय विकास आयुक्त काठला उक्त व्यापार क्षेत्र

गांधीधाम (कच्छ)-370230, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० सुश्री/प्रशा/7/2/79/15734—विशाल आयुक्त, काठला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ), श्री एन० आरामचंद्रन, मूल्योक्त अधिकारी, मद्रास जगत कार्यालय, मद्रास, को वित्त मंत्रालय के ज्ञापन संख्या 10(24)/60 ई० III दिनांक 4-5-1961 के आधार पर मूल्योक्त अधिकारी के पद पर, जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-40-1200 है, प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 16-9-1985 के पूर्वाह्न से एक साल के लिये नियुक्त करते हैं।

टी० सी० ए० रंगादुराई,
विकास आयुक्त,
काठला मुक्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग एवं कर्मजनों कार्य मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए० 19018(95)/75—प्रशा० (राज०)—इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, नई दिल्ली में वैज्ञानिक इंजीनियरी, “एस० ई०” के रूप में उक्त नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री आर० बी० कोहने ने, दिनांक 17 अगस्त, 1985 (अंतराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के उप निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018(782)/85—प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री सुभाष चौधरी को दिनांक 17-6-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के अर्धनि विस्तार, केन्द्र, तिनसुखिया में, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्टूबर 1985

सं० 12(331)/62—प्रशा० (रा०)—लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में निदेशक, ग्रेड-II, (लैटर/कुशवियर) के पद से पदावनत होने पर, श्री डी० बी० कार उसी संस्थान में उप-निदेशक (लैटर/कुशवियर) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12(617)/69—प्रशा० (रा०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के सहायक निदेशक, ग्रेड-I

(यांत्रिकी) श्री श्री० के० गुप्ता को उसी संस्थान में 7-6-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(690)/71-प्रशा० (राज०)—नेशनल इम्प्योरेंस कम्पनी लि०, कलकत्ता के अवीन प्रशिक्षण केन्द्र, नरेन्द्रपुर में प्राध्यापक एवम् प्रशासक (फै कलिट-रूम-एडमिनिस्ट्रेटर) के रूप में उनकी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप, श्री एम० के० मजुमदार ने दिनांक 14-3-1985 (अपराह्न) से इस कार्यालय में उन निदेशक (प्रयोगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018(266)/76-प्रशा० (रा०)—जब उद्योग विभाग संघ में रतिगणित की अवधि समाप्त होती है, जब उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के श्री अपनेन्दु मुखर्जी ने 1-7-1985 (पूर्वाह्न) से लेबा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1985

सं० प्र० 1/1(1169)—राष्ट्रपति ने पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) श्री बी० के० दाता को, 23 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में नियमित आधार पर सहायक निदेशक (प्रशा० ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री दाता, दिनांक 23-8-1985 के पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि तक पदवीभावी रहेंगे।

दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० प्र-1/1(1183)—त्राघर्ष आयु प्राप्त कर लेने पर इस महानिदेशालय में स्थायी हितों प्रगति अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री बी० एस० कछराड़ा दिनांक 30-9-1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

राजवीर सिंह
उपनिदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० 14101 सी०/ए-32013/(प्रशा० अधि०)/84/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीन श्री बी० एन० पाल को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में, नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- द० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 26/8/85 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 9575सी/ए०-32013(ए० ओ)/85/197०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- द० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं :—

क्र०सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री एन० जी० चौधरी	12-8-85 (पूर्वाह्न)
2.	श्री यू० आर० मजुमदार	28-8-85 (पूर्वाह्न)

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

सं० ए० 19012(178)/83-स्था० ए०—श्री आर० आर० शेंडे ने भारतीय आयुध निर्माणी बोर्ड, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, मंडारा में सहायक निर्माण प्रबन्धक/रसायनज्ञ के रूप में चुन लिए जाने के फलस्वरूप दिनांक 13 सितम्बर 1985 को अपराह्न में भारतीय खान खान ब्यूरो में सहायक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए० 19011(354)/84-स्था० ए०—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री पाथी प्रतिम चक्रवर्ती को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 6 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्टूबर 1985

सं० ए० 19012(185)/83-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री गुरदेव सिंह, नृनक्षा एवं

आरेखन अधिकारी (तदर्थ आधार पर) को भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 16 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्न से नियमित रूप से नक्शा एवं आरेखन अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19012(184)/84-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एच० एन० सेन, सर्वेक्षण अधिकारी (तदर्थ आधार पर) को भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 16 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्न से नियमित रूप से सर्वेक्षण अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है।

जी० सी० शर्मा
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए० 12026/3/85-एम० (एफ० एण्ड एस०)—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती ए० चटर्जी को 9 जुलाई 1985 से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में उप अधीक्षक, उपचर्या के पद पर नियमित एवं अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई
उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

मि० सं० 2(4)/79-स्थापना(1)—दिनांक 9-9-1985 से विशेष अधिकारी (परियोजना) के पद के पदनाम को बदल कर सहायक प्रशासन अधिकारी कर दिए जाने के फलस्वरूप श्री एन० सी० जैन ने, जो विशेष अधिकारी (परियोजना) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न तौर पर काम कर रहे थे, 9 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार त्याग दिया है।

2. विभागीय पदोन्नति समिति ग्रुप 'बी' की सिफारिशों पर श्री एन० सी० जैन, स्थायी अधीक्षक (ग्रेड-I) को 9 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक विस्तार निदेशालय, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में रु० 650-1200 के वेतनमान में सहायक प्रशासन अधिकारी, ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

आर० जी० बनर्जी
निदेशक (प्रशा०)

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

सं० ए०-19023/2/85-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री एस० पी० शिन्डे को इस निदेशालय में तारीख 12-8-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

विपणन अधिकारी के पद पर उनका चयन होने के उपरान्त श्री शिन्डे ने 5-8-85 के अपराह्न को सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

जे० कृष्णा
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार
भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कामिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 23 सितम्बर 1985

सं० पी० ए०/80(5)/84/आर-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत संपदा प्रबंध निदेशालय में स्थानापन्न तथा तदर्थ रूप में सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त श्री पी० जगदीश को 29 अगस्त 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में नियमित आधार पर सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त करते हैं।

म० व० गाडगिल
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 19 सितम्बर 1985

क्र० न० प० वि० प०/भर्ती/II(6)/84-एम०/10979—परियोजना निदेशक, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना न० प० वि० प० के अस्थायी सहायक लेखाकार श्री टी० एम० गोविन्दन कुट्टी को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ रूप में रु० 650-30-740-35-880-इ० री०-40-960 के वेतन मान में दिनांक 16 मई 1985 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक अथवा निरन्तर पदधारी की नियुक्ति होने तक दोनों में से जो भी पहले हो, के लिए सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/भर्ती/II(6)/84-एस-10980—परियोजना निदेशक, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना,

नं० प० वि० प० के अस्थायी सहायक लेखाकार श्री एम० के० सुरेश को नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ रूप से रु० 650-30-740-35-880-रु० री०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 10 जून 1985 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक अथवा निरन्तर पदवारी की नियुक्ति होने तक, दोनों में से जो भी पहले हो, के लिए सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

आर० के० बाली
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई 400008, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० 0512/4/स्था०/पदो०/3616—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र (तृतीकोटिन) के सहायक लेखाकार, श्री अभ्रामलाई नटराजन को इसी कार्यालय में अप्रैल 29, 1985 (अ०) से जून 5, 1985 (पूर्व०) तक के लिए श्री एस० रामन, सहायक लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी
प्रशासन अधिकारी

निदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० ए० 32014/7/84-ई०सी०—महानिदेशक, नागर विमानन, निम्नलिखित तहसीली सहायकों को (जो इस समय सहायक तहसीली अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं) प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से और अगले आदेश होने तक, रु० 650-1200/- के वेतनमान में सहायक तहसीली अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	नियमित आधार पर नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री		
1.	सम्पूर्ण सिंह	1-12-84
2.	आर० पी० गंधार	1-6-85
3.	एस० के० नन्दा	1-7-85
4.	पी० एस० डोलकिशा	1-7-85
5.	टी० एम० सैनुदीन	1-7-85

वी० जयचन्द्रन
उपनिदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहृतलय

कानपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० 4/85—निम्नलिखित निरीक्षकों (प्रवर श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में अजीश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" के वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-रु० री०-35-880-40-1000-रु० री०-40-1200/- के पद पर पदोन्नति होने पर अजीश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिए गए स्थान तथा तारीख को ग्रहण कर लिया है :—

क्र० सं०	नाम	स्थान का नाम जहाँ पर कार्यभार कार्यभार ग्रहण किया	ग्रह करने की तारीख
सर्वश्री—			
1.	पी० एन० जैरवार	मुख्यालय कानपुर	9-1-85
2.	एम० एल० कुरीज	बरेली प्रखण्ड	5-2-85
3.	राम प्रकाश	फर्रुखाबाद प्रखण्ड	28-2-85
4.	जगरूप राम	कानपुर-I प्रखण्ड	2-4-85
5.	सब्बू राम	कानपुर-I प्रखण्ड	4-4-85
6.	ए० एन० शर्मा	कानपुर-II प्रखण्ड	8-4-85
7.	अशर्की लाल	कानपुर-I प्रखण्ड	13-5-85 (अपराह्न)
8.	सी० पी० संतोहर	फर्रुखाबाद प्रखण्ड	3-6-85
9.	आर० एम० सहाय	मुख्यालय कानपुर	2-8-85
10.	के० एन० वीजि	मुख्यालय कानपुर	6-8-85
11.	एन० आर० पन्ना	मुख्यालय कानपुर	5-8-85

सं० 5/85—इस समाहृतलय के निम्नलिखित वर्ग "ख" अधिभार अधिवर्षिता का प्रायु पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं :—

क्र० सं०	अधिभारिता का नाम एवं पद	दिनांक
सर्वश्री		
1.	नयाना राम, अधीक्षक कानपुर-II प्रखण्ड	30-3-85 (31-3-85 को छुट्टी होने के कारण)
2.	सी० पी० सिंह, अधीक्षक सीतापुर प्रखण्ड	30-4-85
3.	हरचरण सिंह, अधीक्षक आगरा प्रखण्ड	31-5-85
4.	जे० पी० शर्मा, अधीक्षक आगरा प्रखण्ड	31-7-85
5.	एल० पी० साहू, अधीक्षक मुख्यालय कानपुर	31-7-85

सं० 6/85--इस समाहर्तार के निम्नलिखित वर्ग "ख" प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखाधिकारी/लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अधिवर्षिता की आय पर उनके नाम के सामने दो वर्षों तारीख से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गए हैं :--

क्र० अधिकारी का नाम सं०	सेवा निवृत्त होने की तारीख
----------------------------	-------------------------------

सर्वश्री

- | | |
|-------------------|---------|
| 1. आर० एल० भाटिया | 30-4-85 |
| 2. आर० एस० सिन्हा | 31-5-85 |
| 3. गणपत सहाय | 28-6-85 |
- 29 व 30-6-85 को
छुट्टी होने के कारण)

जो० एस० मैगी

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर

वडोदरा, दिनांक 27 नवम्बर 1985

सं० 8/1985--केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, मण्डल-III, वडोदरा के श्री वं० के० उपाध्याय, सहायक समाहर्ता (वर्ग "क") दिनांक 16-9-1985 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-9-1985 के अग्रगण्य में निवृत्त हो जाएंगे।

अरविन्द सिन्हा

समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क,

वडोदरा

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० ए-19012/1096/85-स्थापना पांच--विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री अवदेश शर्मा पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 9-5-1985 की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

सं० ए-19012/1121/85-स्था० पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एम० सी० दास, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक को सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर केन्द्रीय जल आयोग में ह० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर 13 सितम्बर 1985 की पूर्वाह्न से 6 माह की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० ए-19012/1112/85-स्थापना पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री मोहम्मद अनवर अहमद पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूप के वेतनमान में 31-5-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा

अवर सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

सं० 85-आर० ई०/161/6--"पश्चिम रेलवे" के निम्नलिखित खण्डों पर स्थित रेल लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इन लाइनों की शिरोपरि कर्षण तारों को निम्नलिखित खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या से 25,000 वोल्ट ए० सी० से ऊर्जायुक्त कर दिया जायेगा। उक्त तारीख से शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय ऊर्जायुक्त समझा जाए और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के निकट नहीं आना चाहिए और न ही कोई काम करना चाहिए।

खण्ड

तारीख

मथुरा-बयाना

(कि० मी० 1243 से 1168)

14-09-1985

सं० 85-आर० ई०/161/6--"मध्य रेलवे" के निम्नलिखित खण्डों पर स्थित रेल लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इन लाइनों की शिरोपरि कर्षण तारों को निम्नलिखित खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या से 25,000 वोल्ट ए० सी० से ऊर्जायुक्त कर दिया जायेगा। उक्त तारीख से शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय ऊर्जायुक्त समझा जाये

और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के निहत नहीं आना चाहिए और न ही कोई काम करना चाहिए।

खण्ड	तारीख
भांडई-ग्वालियर (फि० सी० 1332 के 1221/29-30)	31-7-1985

अमर नाथ बाबू
सचिव, रेलवे बोर्ड

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गार्डेन मिटिज एण्ड होम
फ़ैब्रिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 17 सितम्बर 1985

सं० 14311/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गार्डेन मिटिज एण्ड होम फ़ैब्रिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वि० वि० जि० इंजीनियरिंग
इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर 1985

सं० 26682/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वि० वि० जि० इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दर्शात न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

पवित्र कुमार चटर्जी
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और बिहार कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० 668/560/4231—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि बिहार कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डा० सिंहम इन्स्टीच्यूट
आफ पैथोलोजी एण्ड ब्लड बैंकिंग प्रा० लि० के विषय में।

पटना, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० (1286)/560/4184—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डा० सिंहम इन्स्टीच्यूट आफ पैथोलोजी एण्ड ब्लड बैंकिंग प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अलविट इण्डिया प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० (1078)/560/4222—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि अलविट इण्डिया प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कटयाल इण्डस्ट्रीज
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० (701)/560/4225—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कटयाल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कटिहार क्रेडिट एण्ड
इन्वेस्टमेंट कं० प्राइवेट लि० लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० (1078) 560/4228—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कटिहार क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कं० प्रा० लि० का नाम आज रजि कम्पनियम के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आर्यनॉय रजिणर्स लिमिटेड
के विषय में।

पटना, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० 448/560/4339—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि भारतीय पब्लिशर्स लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ए० बहाब अन्सारी
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री बंशी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

सं० 598/560/4342—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बंशी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्पार्क प्रैस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

सं० 449/560/4346—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्पार्क प्रैस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लाइफ सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 5 अक्तूबर 1985

सं० (1155)/560/4219—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लाइफ सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० प्रा०

कम्पनी अधिनियम, 1956, श्रीनी पैकेजिंग प्राइवेट लि० के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 1 अक्तूबर 1985

सं० 3827/टी ए-III/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रीनी पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० 36/4/82-प्रशा०-सं० प्र० सं० नि०/4280--निवर्तन की आयु होने पर श्री परमेश्वरी सहाय ने, जो निरीक्षण निदेशालय (आयकर और लेखा परीक्षा) में अधीक्षक थे तथा वर्तमान में इन निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर अपर सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे, दिनांक 30-9-1985 के पूर्वानु में संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली से अपर सहायक निदेशक का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० एम० चिक्करमने
निदेशक

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/12339/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,00,000/- रु. के आगे है।

और जिसकी सं० गुनिट नं० बी. बंगला नं० 30, मानसून
लेक काटेजेव को० ग्राम० हाउसिंग सोसायटी लि० आई एन० एम०
शिवाजी रोड, लोनवला ले० वे. ए. लोनवला (क्षेत्रफल 1100
चौ० फुट, है तथा जो लोनवला में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में आय पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जुन रेंज, रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि अथवा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स त्रिवेदी इस्टेट्स एण्ड कन्सल्टेशन प्रा० लि०
514, रहेगा सेंटर प्लॉट नं० 214,
नरमिन पाइन्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) राजू हरि हरन,
माया प्लॉट नं० 533, 17वीं रोड, खाट,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/12339/84-85
जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 13-9-1985
मोहर .

इसमें धारा 1, टी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/511/84-85—अन: मुझ, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वहीला नं० 15, अक्षलीया गार्डन देवलानी गाँव काम्प० सर्वे नं० 210/सी/1 और 210/सी/2 (क्षेत्रफल 1018 चौ० फुट) है तथा जो नागिक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

तो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुए किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कथित्व से कभी करने या उसके करने से सुविधा के लिए; बाँट/बा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिवों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनाय अस्तंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीतात इंदिया ।
डेवेल्पर्स एन्ड बिल्डर्स, मेहर बिल्डिंग,
शिवाजी नगर, नासिक ।

(अन्तरक)

(2) रसी काबमजी ट्राम्बेवाला., और अन्य
रेहना मंजिल, माहिम, बम्बई-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहृतक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/511/84-85 जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रकृति भाग, 21, 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/23122/85-86--

अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 104, पहला माला है जो प्लॉट नं० 174 शिवाजीनगर नागपुर में स्थित है (आर इससे उपरोक्त अनुसूची में धीरे-धीरे पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीद्वारा अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डकुमेंट नं० 46116/84-85) में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 अत्र (1) (ब), के प्रधान तारीख 5-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथास्थिति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से एक दसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अक्षरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए राय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था विधान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रेणुका गृहनिर्माण सहकारी संस्था,
119 डीगा लेआउट उत्तर उवाअरी रोड, नागपुर।
(अन्तरक)

(2) रामचन्द्र मेघजी गोपलान,
प्लॉट नं० 28, विद्यानगर, यवतमाल :
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बराबर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लॉट नं० 104, पहिला मंजिल रेणुका गृहनिर्माण सहकारी संस्था, प्लॉट नं० 174 सर्कल नं० 20, वार्ड नं० 73, शिवाजी नगर नागपुर।

एम० सी० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

दिनांक : 3-9-1985

गोष्ठर :

प्रकरण भाई टी एम एम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 मितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य/21/22 85-86—अत
मूझे एम० सी० जी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 102 है या जो रेणुका गृह
निर्माण सहकारी संस्था प्लॉट नं० 174 नकल नं० 20, वार्ड
नं० 73, शिवाजी नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी
के कार्यालय नागपुर (शकुन्तल सं० 461161/84-85) में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन
तारीख 5-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
कोई/या

(ख) ऐसी किसी बाप या किसी भन या अन्य व्यक्ति को
को, जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया गया अन्तरण का, विधानों में परिवर्तन

उक्त उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रेणुका गृह निर्माण सहकारी संस्था,
मर्यादित प्लॉट नं० 174, नकल नं० 20, वार्ड नं०
73, शिवाजी नगर, नागपुर।
(अन्तरिती)

(2) श्रीमती बनिता वनमानी बोरदार,
19, शिवाजी नगर, नागपुर।
(अन्तरिती)

(3) श्री भारतराव म पिपल,
212, गौधीनगर, नागपुर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि
बाद में सहायक आयुक्त द्वारा, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों या से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ग्राह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे। या उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 107, पहिला माला, रेणुका गृहनिर्माण सहकारी
संस्था, मर्यादित प्लॉट नं० 174, नकल नं० 20, वार्ड नं०
73, जो शिवाजी नगर नागपुर में स्थित है।

एम० सी० जी०
सक्षम प्राधिकारी
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

दिनांक 3-9-1985

मांहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 सितम्बर

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/24/22/85-86—अतः
मुझे एम० सी० जोशी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० पुराना मकान प्लॉट नं० 13 है जो नमूल सिट
नं० 81 सी अमरावती में स्थित है (और इससे उगावट अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अफ़ीस के
कार्यालय अमरावती (डाकुमेंट सं० 37184-85) से
भारतीय आयकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 2-1-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि आधारभूत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यवाही में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 श्रीमती कमलाबाई मुरलीधरजी जितगाडीया
2 श्रीमती माराबाई व्दारकादासजी अग्रवाल,
जवाहर गेट, अमरावती।

(अन्तरक)

(2) 1. पन्नालाल चौधमलजी चाडक,
2. बालकिशन पन्नालाल जी चाडक,
3. अमप्रकाश पन्नालाल जी चाडक,
जवाहर गेट, अमरावती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाकाय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पुराना मकान प्लॉट नं० 131 नमूल सिट नं० 81-सी
जो अमरावती में स्थित है।

एम० सी० जोशी
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 3-9-1985
मोड्यु :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

(1) श्री निलय पाहन और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेमर्स आरडिलथ इनवस्टमेंट को० लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-4/रेंज-47/कल०/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विस्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जमकी सं० 105/1 है तथा जो उल्टाडाँगा मेन रोड,
कलकत्ता में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभिमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
परिचय से कभी करने या उससे करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या जो कि प्रकट नहीं किया गया, लिखित में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-296GI/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पंजीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9 बिघा 16 गठ्ठा 15 छिटाँक 32 वर्ग फुट जमीन के सा
मकान का 1/2 भाग 105/1, उल्टाडाँगा मेन रोड, कलकत्ता
में स्थित है।

(दलील सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई 49)

शेख नईमुद्दीन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

इसका आदेश जारी किया गया है—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आहत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी० 48/अर्जन रेंज, कल०/85-86—अतः

मुझे शेष नईमुहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब में अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 105/1 है तथा जो उल्टाडांगा मेन रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचना से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निलय पार्सन और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आलकब इन्वेस्टमेंट को० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करावा हें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

9 बिघा 16 कंठा 15 छिटांक 32 वर्गफुट जमीन का साथ मकान का 1/2 भाग 105/1, उल्टाडांगा मेन रोड, कलकत्ता में स्थित है।

(लेख सं० धार० ए० कलकत्ता का 1985 का आई 48)

शेष नईमुहीन

सहायक प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर

रख्य बाई.डी.ए.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर० 34/85-86 एस० एल० नं० 1064/

अनः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ग के अधीन सहाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1, है तथा जो दुर्गा रोड़, कलकत्ता
17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 29-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष्पत्ति तय पाया गया प्रवि-
क्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराया धन या अन्य वास्तविक-
ताओं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कल्पना रोड़, श्री अभिजीत राय एवं
श्रीमती उमा गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) मेशिनो टेकनो (सेल्स) प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) वाल फोर्ड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विषय
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सूचना में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तमवर्गी व्यक्ति या वर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्वा 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस बध्वा में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 21/1 दुर्गा रोड़, कलकत्ता-17 में अवस्थित
है, मोजा तिन प्लॉट सं० डि, एसबेस्टस रोड़ तथा 18 कंठा 6
छिटां 42 वर्गफीट जमीन जो रजिस्ट्रार अब एन्शुरेन्स के दफ्तर
में डीड सं० I-1377 के अनुसार 29-1-1985 में
रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सहाय प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एच. एच. -----

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माध्यम संयोजक

कार्यालय, सहायक भाष्यकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० आर०-28/85-86/एस० एल० 1067

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है तथा जो ईमदाद अमल लेन, कलकत्ता
16 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 17-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायजमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्त दायजमान प्रतिफल से, ऐसे दायजमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायजमान से कमी करने या उसके बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोच-
नार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) तुलीप प्रोडक्शंस को०,
(अन्तरक)
- (2) फाराज कन्सल्टिंग कम्पनी।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 37 ईमदाद अमल लेन कलकत्ता -16 में
स्थित है, 6 कंठा 8 छिटांक 4 3/2 वर्गफुट जमीन तथा
एक नला महान जो रजिस्ट्रार अब एन्शुरेंस के दफ्तर में डीड
संख्या 1-797 के अनुसार 17-2-1985 तारीख में
रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाष्यकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 13-9-1985
मोहर :

प्रमाण पत्र की प्रतः एवं -----

(1) श्रीमती कल्धन राणी जालुई।

(अन्तःरक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जोगिन्दर कौर श्रीर श्री अवतार सिंह,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विश्व कार्यवाहियों शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० IACAcqR-I Coalसी० ए० 133/85-86/

एम० एल० 1066—अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 61 बी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुपूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० ए० आई० ए सी० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के मन्वृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित से वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाक अन्तस्क्र के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में द्विविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्तन्मन्वि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 61बी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 26 में अवस्थित, मकान 'नीला' का चौथा तला फ्लैट व 813 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, के पास सिरियल नं० सी.ए. 133 के अनुसार 12-2-1935 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

अर्जन रेंज-1, के पास सिरियल नं० सी० ए० 133 के अनुसार 12-2-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 13-9-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रमाण नम्बर टी. एन. एन. २२/८५-८६/एस० एल० १०५३

(1) श्री सुनील बरण चौधरी।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) मोहम्मद मोजाहिद शामीम एवं
मोहम्मद अरसाद शामीम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-22/85-86/एस० एल० 1053—

अतः मझे शेख नईमुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ह इन्होंने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 84 है तथा जो मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 18-1-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रविष्टि में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तर्गत है कि किसी नाम की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सहित में कमी करने या उचित रूप में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, चिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, विधानों में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
के, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 84 मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में अव-
स्थित 7 काठा 24 वर्गफीट जमीन एवं दो तला मकान का
एक चौथा हिस्सा जो रजिस्ट्रार अब एन्गुरेसेस के दफ्तर में
डीड नं० 1-883 के अनुसार 18-1-1985 तारीख में
रजिस्ट्री हुआ।शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-20/85-86/एस० एल० 1052
आई० ए० सी/एम्पु० रेंज-I/कलकत्ता घत : मुझे, शेख नईमुद्दीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 278 है तथा जो आचार्य जगदीश चन्द्र
बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
बावित्त्य में कमी करने या उसके वर्धन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती चम्पकलता दत्ता एवं श्रीमती विपानी दत्त
(अन्तरक)

(2) श्री संदीप मेहता एवं श्री अश्विन मेहता।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बावित्त्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बन्धन में दिया
गया है।

अनुसूची

176, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में
स्थित मकान का एक तला का सम्पूर्ण अंश जो रजिस्ट्रार
प्रभ एम्पु० के दफ्तर में डीड सं० I-662 के अनुसार
25-2-1985 को रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-1, कलकत्ता

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्णित हूँ—

दिनांक : 22-9-1985

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एम. एम. -----

भाषा.र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सूचना

आयुक्त, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० आर०-28/85-86/एस० एल० 1067

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्पात करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है तथा जो ईमदाद अल्लि सेन, कलकत्ता
16 में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 17-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायजान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायजान प्रतिफल से, ऐसे दायजान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कांभित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक में
क्षीपण में कभी करने या उसके बचने में सीधे
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोच-
नार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सीधे के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) तुलीप प्रोडक्शन को०,

(अन्तरक)

(2) फाराज कन्सल्टेशन कम्पनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्तें हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 37 ईमदाद अमल सेन कलकत्ता -16 में
स्थित है, 6 कंठा 8 छिटाक 4 3/2 वर्गफुट जमीन तथा
एक तला मकान जो रजिस्ट्रार अब एन्शुरेंस के दफ्तर में डीड
संख्या 1-797 के अनुसार 17-2-1985 तारीख में
रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्राकृतिक बाई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
का धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-23/85-86/एस. एल० 1054

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 84 है तथा जो मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के उक्त अन्तरण विधि
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी बाल की बाल, उक्त
निर्देशन के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण
में कमी करने या उक्त बाल में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एसी किसी बाल या किसी बाल या अन्य वास्तविक
धर्म किन्हीं भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, किमान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-296GII/85

(1) श्री सुनील बरण चौधरी।

(अन्तरक)

(2) महम्मद अन्जुम शाहीम एवं
महम्मद खालिद शाहीम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्ति :—इसमें प्रयुक्त बालों और पत्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 84 मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में
व्यवस्थित 7 कोठा 24 वर्गफीट जमीन एवं दो तला मकान का
एक चौथा हिस्सा जो रजिस्ट्रार अब एन्शुरेंस के पास डीड
नं० 1-884 के अनुसार 18-1-1985 तारीख में
रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर

अन्वय भाई.टी.एन.एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज; 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-24/85-86/एस० एल० 1055

प्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 84, मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रमाणित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मेरे में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुनील वरण चौधरी ।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद शामीम ईराकी ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तासारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 84, मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 7 काठा 24 वर्गफीट आयतन जमीन एवं दो तथा मकान का एक चौथा हिस्सा जो रजिस्ट्रार अब एन्कुरेसेस के दफ्तर में डीड नं० 1-885 के अनुसार तारीख 18-1-1985 को रजिस्ट्री हुआ ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुनील वरण चौधुरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मोहम्मद रशिद शामीम एवं मोहम्मद शाहिद शामीम।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-25/85-86-एस० एल०

1056-अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 84 है तथा जो मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 84 मुजफ्फर अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 7 काटा 24 वर्गफीट जमीन एवं दो तला मकान का एक चौथा हिस्सा जो रजिस्ट्रार अथ एन्गुरेसेस के पाग डीड नं० 1-886 के अनुसार 18-1-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

प्रत्येक बाईं टी. एन. एच.

(1) श्री बासुदेव मान्डेलिया ।

(अन्तरक)

(2) बासुदेव मान्डेलिया फेमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरिस्ती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-29/85-86/एस० एल० 1057-

अतः मुझे, शेख नईमुदीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० 210 है तथा जो जमुनालाल बाजाज स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस्ती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए इस बात का प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरक निम्नलिखित वार्षिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वार्षिक, उक्त अधिनियम के अधीन काटने के अन्तरक के शासक में कमी कर या उक्त करने के द्वारा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय बाव-कट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रभु नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. विधान में प्रायोजन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक न, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादपूर्वक के बाद निश्चित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

210 जमुनालाल बाजाज स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 24 काठा 2 छिटांक जमीन के उपर 6 तला मकान में अन्तरक का अधिभक्त 10 का प्राधा हिस्सा जो रजिस्ट्रार अब एन्क्यूरेस के दफ्तर में डीड नं० 1-832 के अनुसार 17-1-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुदीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एच. २५५५५५५५

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-32/85-86/एस० एन० 1058

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो 30 स० एन० ब्रह्मचारी समाय,
कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के अथवा
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गढ़ा है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल में, ए० अद्यतन प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
प्रदान; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारत के आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पूबीसा निर्माण उद्योग प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र लाल एवं श्रीमती माया लाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमाण

3ए ड० सु० एन० ब्रह्मचारी समय, कलकत्ता-16 में स्थित प्रब
सम्पत्ति का प्लॉट नं० ज/बी० 970 वर्गफीट आयतन का एवं
ग्राउन्ड फ्लोर में कार पार्किंग स्पेस नं० 1, जो रजिस्ट्रार अब
एन्ग्लेन्मेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-1014 के अनुसार
21-1-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

नोट

प्रथम आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए०-118/85-86एस० एल-
1059—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो केमांक स्ट्रीट, कलकत्ता-17
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सि० ए० आई० ए० सि० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
3-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना बाह्य था. रिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) आजिमगंज इस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) झुनझुनवाला जनकल्याण ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्षक किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7, केमांक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का दूसरा
तला में 37.45 वर्गमीटर जगह जो सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 के पास
सिरियल नं० सि० ए० 118 के अनुसार 3-1-1985 में
रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक: 11-9-1985

माहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) आजिमगंज एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) भुनभुनवाला जनकल्याण ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए० 119/85-86/एस० एल० 1060

अतः मुझे

शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, है तथा जो कैमांक स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए०
आई० सि०, अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बाउ/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

7, कैमांक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान का दूसरा
तला में 149.48 वर्गमीटर जगह जो सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता
के पास सिरियल नं० सि० प० 229 के अनुसार 3-2-1985
में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः

दिनांक : 22-9-1985

साइन :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

(1) आज़िमशंज इस्टेट्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मुनमुनधाना जनकल्याण ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए०-120/85-86/एस० एन० 1061

अतः मुझे श्रेष्ठ नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, है तथा जो कैमॉक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित
है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० आई० ए० सि०
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, आदि :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधने :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्बोधनः--इस प्रयुक्त सब्ये बारे सब्ये का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
47वीं ब्रह्म होना जो उक्त अधिनियम में दिशा दिया है;

अनुसूची

7 कैमॉक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का दूसरा तल्ला
में 136.41 वर्गमीटर जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक
आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 के पास सिरियल
न० सि० ए० 120 के अनुसार 3-1-1985 को रजिस्ट्री हुआ ।

श्रेष्ठ नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए०-122/85-86/एस० एल० 1062

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो लॉर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० आई०
ए० सि० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-1985

रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकमे) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमा करने या उसमें अक्षेप में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
करना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
ए० ए०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
की शर्त, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

5-296GII85

(1) श्रीमती लीला रामनाथन ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपीराम शर्मा एवं श्रीमती गीता देवी ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर स्वयं
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
बहुधा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष निर्दिष्ट में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बगुसूची

1/1 लॉर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में अर्ब स्थित नटराज बिल्डिंग
का प्लॉट नं० 4, जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 के पान सिग्नल नं० सि० ए०
122 के अनुसार 11-1-1985 में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

प्रूप बाई. टी. एन. एन. २२२

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० सी० ए०-124/85-86/एस० एल० 1063

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह प्रस्ताव करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1 है तथा जो डा० यु० एन० ब्रह्मचारी
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सि० ए० आई० ए० सि० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इस प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रारम्भार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाँहिए था छिपाने में सविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पेरी एन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) तेज करण बैद्य एवं अन्याय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि जाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7/15 डा० यु० एन०, ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता 17
स्थित सम्पत्ति का ग्राउन्ड फ्लोर में एपार्टमेंट जि-4, जो सक्षम
प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1
के पास सिरियल नं० सि० ए० 124 के अनुसार 29-1-85
में रजिस्ट्री हुआ ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-9-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) पशुपति को-अप हाउसिंग सोसाइटी लि० ।
(अन्तरक)भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री जी० सी० मखिजा ।
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1882/एक्यू० आर-III/85-86— अतः मुझे,
शेख नईमुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसका सं० 62/7/13 है तथा जो बालोगंज, सरकूलर रोड,
में स्थित है (और इतने उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार/वर्ती अधिभार के माध्यम, आई.एस. आर-III,
कलकत्ता में रजिस्ट्रार/वर्ती अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 13-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो कि अध्याय 2
में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई क्रम अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-9-1985
मोहर ■

प्रकृष्य आइ. टी. एन. एस. -----

(1) डा० निर्मल कुमार, ब्रह्मचारी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० 1881/एक्यू०/आर-III/85-86— अतः मुझे,
शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 82/3ए है तथा जो विधान सभा, कलकत्ता, में
स्थित है (और इसमें उपावय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार की अधिकार के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-1-1985,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
हायत से कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) 1. मानिक लाल मुखर्जी,
2. सान्ता मुखर्जी,
3. सुनाल कुमार मुखर्जी,
4. आशिष मुखर्जी
5. शोभा मुखर्जी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोह्यताओं के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसर्ज:

महान जो 82/3ए विधान सभा पर अवस्थित निबन्ध
हुआ डोड नं० I 759 से I 763 तक तारीख 16-1-1985

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 13-9-1985

मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एन. एल. - - - - -

(1) रमेश चन्द्र वर्माकार ।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरिक्षण)

भारत सरकार

अर्जन रैंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1880/एक्यू० रैंज III 85-86-- अतः मुझे,
शेख नईमुद्दीन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20ए है तथा जो हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता,
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रार कर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन,
तारीख 22-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
धारा 269-ब के अन्तर्गत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या जिससे वकन में सूचना के लिए
और या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को चिन्ह भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रसूचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किवा जाना चाहिए था. छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषा
है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान का 1/5 अंश जो डी. सं० I 1093
तारीख 22-1-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रैंज-3, कलकत्ता

तारीख : 13-9-1985

सोहर

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1879/एकप्र० रेंज-III/85-86- - अतः सुझे,
शेख नईमुद्दीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० 20ए है तथा जो हरिया मुखर्जी रोड, कलकत्ता,
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है); रजिस्ट्रार अधिभार के तहत, बरतन में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-1-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्रास्तविक रूप में अधिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त से कभी करने या उससे बचने में रुचि
न लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित हो वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में
रुचि के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हेमन्द चन्द्र, कर्मकार ।

(अन्तरक)

(2) कांचन डी० सिंघ

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संज्ञान को 1/5 अंश जो डीउ नं० I 1094 तारीख
22-1-1985 अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 13-9-1985

मोह

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1878/ए सी यू/आर-3/85-86—यतः सुझे,
शेख नईमुद्दीन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 20-ए है, तथा जो हरिणमुखजी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22 जनवरी, 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल्ल में कमी करने या उसमें बचने में सहायता
के लिए; और/या

अनुसूची

मकान की 1/5 अंश जो डीउ नं० 1 1095 तारीख
22-1-85 अनुसार निबन्ध हुआ।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति का
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सहायता के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. समरेन्द्र चन्द्र कर्माचार

(अन्तरक)

2. कांचन डी० सिन्धी,

मंजु डी० सिन्धी,

राजकरण सिन्धी तेज करण सिन्धी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 13-9-1985

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. -----

(1) पुनर्गठन चर्चा तार।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1877/ए.सी.क्यू.आर.-3/85-86—यन्तः, मुझे

शेख नईमुद्दीन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जो भी
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि की सं० 20 है तथा जो हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रॉप पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
फल रिकॉर्डलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) कांचन डी० सिधी

मंजु डी० सिधी,

राजकरण सिधी,

तेजकरण सिधी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान की 1/5 अंश जो डीड नं० 1 1096 तारीख
21-1-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 13-9-1985

मोहर

प्रारूप आर्.टी.एन.एल.-----

(1) शेलेन्द्र साध मुखर्जी।

(अन्तरक)

(2) कांचन डी० सिंधी,
मंजू डी० सिंधी,
राजकरण सिंधी,
तेजकरण सिंधी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 1876/ए/यू० रेंज III/85-86—अतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैआर्.जिसकी सं० 20ए है तथा जो हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (आर्.इसे उपान्वद्ध अनुसूची में आर्.पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिनियम के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रारता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-1-1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बै. वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) एतत् किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए.अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6--296GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।एप्लीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान को 1/5 अंश जो डीड नं० 11097 तारीख
21-1-1985 अनुसार निबन्ध हुआ।शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 13-0-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 1875/एनयू० रेंज/III/85 86— अतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री ए जिएकी सं० पी-82 है तथा जो लिज रोज में स्थित है (और
इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिनियम के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुमानित की गई है और मुझे यह निश्चित करने
का कारण है कि उक्त अधिनियम के अधीन सूचित या उचित
बाजार मूल्य, इसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
पूरी किया गया है :—

(1) श्री अमलेन्दु कर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. रास बिहारी दास और अन्य ।
2. रणजीत सिंह कुमार दास ।
3. रेवती रंजन दास,
4. रसमय दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तक्षेप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में शिक्त
गया है।

प्रतिसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा उक्त से कटी करने या उससे कटने में अन्तरण
के लिए और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता या निर्धारित था, विधायक से संपत्ति
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम के धारा 269-ए के अन्तरण
के लिए, उक्त अधिनियम के धारा 269-ए की धारा 269-ए (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जमीन-7के-1इंच-25वर्ग फुट ।

क्षेत्र-2900व०फु० ।

1000व०फु० ।

डीड नं० I 1053 तारीख जनवरी, 1985

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. - - -

(1) श्री विष्वनाथ दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० हेडगेवर स्मारक समिति।

(अन्तरिती)

बाउल सुरक्षा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1874/एक्यू० रेंज-III/85-86— अतः मझे,
शेख नईमद्दीन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सैं० 9वीं है तथा जो अमेदानन्द रोड, स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता से रजिस्ट्रारकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीया)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
व्यय से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

अधीन सं० —5क: 8 छ: 30ब०फ०।

डीड नं० 1 682 तारीख 15-1-1985

अनसार निबन्ध हुआ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

शेख नईमद्दीन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
मोहर :

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) आ.भा.सं. सूच.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मिसेस नमिता सरफ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1873/एक्यू.रेंज-III/85-86-- अतः मझे,

शेख नईमउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है तथा जो वाली गंज सरकूलर रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई.ए.सी. एक्यू.रेंज-III
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 8-1-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अंशतः जमीन कुल जमीन 1650 वर्गमीटर जो 9आई.ए.
ए.सी. एक्यू.रेंज-III, कलकत्ता दफ्तर द्वारा निबन्ध हुआ।

शेख नईमउद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-9-1985
मोहर :

प्रकृष आर्द्र. टी. एन. एम. - - - - -

1. श्रीमति मनिता होषल

(प्रभारित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) सुनिती कुमार चटर्जी।

(प्रभारित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (नियंत्रण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावापत्र :-

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 1872/एक्यू रेंज-III/85-86— अतः मझे,

शेख नईनउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20एहै तथा जो चारू चन्द्र प्लेन (ईस्ट),
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनसूवा में और
पूर्णरूप से वर्गित है, रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूचा

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

क्षेत्र-1150 व० फु०।

डीड नं० 11261 तारीख 28-1-1985

अनुसार निबन्ध हुआ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 11-9-1985

मोहर

शेख नईनउद्दीन
सहायक आयकर अधिकारी (नियंत्रण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

प्ररूप माह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1871/एफ्यू० रेंज-3/85-86— अतः मुझे,
शेख नईमउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39/1 है तथा जो लेन्स डाउन रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनमूबा से और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता से
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-1-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिनेश एम० शाह और राकेश एम० शाह।
(अन्तरक)

(2) मिनिगमा प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

घो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा हस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० बी-5

क्षेत्र-1660 वर्ग फु०

शेख नईमउद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच. -----

1. श्रीमती रेखा मजुमदार।

(अन्तरक)

2. सोम मुखर्जी।

(अन्तराली)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी० न० आर/3/85-86—यशः मुखी,
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 30,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14/144 है, तथा जो गल्फ नगर रोड में
स्थित है (ओरइंगे उल्लव अनुवृत्ति में ओर पूर्ण रु. से वर्णित
है) खिन्नी गी अगि नारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
कर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
राशियम में कमी करने या उसमें बचने में सौबधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया जा रहा था, निष्पन्न में सौबधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का अन्तरण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्तारण के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डीड नं० I874 ता० 18-1-85

जमीन—3 गट्टा 5 छ० 20 व० फुट

(3 के—5 वा०—10 व० फु०)

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री रजनी बोंडा

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री रजनी कुमार बसु ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1869/ए० सी० न्यू० आर-3/85-86—यतः,

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

अन्तरित सं० 27/6 है, तथा जो शेखी मोहिन दत्त लेन,
कलकत्ता में स्थित है (अर्थात् इन्हीं उल्लेख अनुसूची में प्रोत्तपूर्ण
रूप से वर्णित है) अन्तरित अधिकारी के कार्यालय, कल-
कत्ता में अन्तरित अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख, 25 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
अन्तरित (अन्तरितों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्युत्पन्न से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
बाधित्व के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डीड नं० आई० 1259 ता० 25-1-85 अनुसार

सम्पत्ति—प्रकार: तीन तरफा पक्का मकान सह जमीन

3 गद्दा 12 छ० 30 वर्ग फुट ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1868/ए० सी० क्यू० आर3/85-86--पत्र;

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो अब्दुल रमूल एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, (आई.ए.सी० सं० क्यू० आर 3) कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मूल्य के अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के लिखित में कभी करने या उक्त करने के लिये को लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठा नहीं किया गया था या किया जाता जा रहा था।

1. (1) श्री पंकज कुमार, पारेख
- (2) श्री जगमोहन लाखोटिया
- (3) इन्द्र देवी लाखोटिया
- (4) सरला देवी कांकानी
- (5) राज कुमार कांकानी

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पोद्दार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अधिसूचना

जमीन क्षेत्र—2251 वर्ग फुट।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—
7—296GI/85

एकल भाग में छे एवः एवः-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1867/एक्यू० रैंज-3/85-86—यतः,
मुझे, शेख नईमुद्दीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 13 है, तथा जो क्रैड लेन, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्री 5ता अधिकारी के कार्यालय (एक्यू० रैंज-3)
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 8 जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
यह विश्वास करने का कारण है
कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के बिना भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, किाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पोपाट एवं कोछा प्रापर्टी

(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार सांगभि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकट किये गये हैं, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कमरा—क्षेत्र—806 वर्ग फुट ।

शेख नईमुद्दीन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सक्षम प्राधिकारी
अर्जुन रैंज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. ए. - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निवेदन सं० 1866/एकवी० आर०-3/85-86-अतः सु-
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58/14/8 है तथा जो प्रिंस आनवार साह,
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गद्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देवे के अन्तरक के कारण
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
आदि/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भव या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रसंगमार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहीए या, छिपाने में सूचना
के लिए;

(1) श्री आफता चौधरी और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधुश्री दास और अन्य ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कबाहस्ताक्षरी के पाठ
निश्चित के किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सन्तुष्टी

2/3 अंश कुल जमीन—4 कट्टा 2 छटांक 10 वर्ग
फुट उसकी साथ एक काठाम निबन्ध हुआ डीड नं० 625
ता० 30-1-1985 के अनुसार ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० सत्यम् पोजेक्ट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरला देवी मुन्दा और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 1865/एक्यू० रेंज-3/84-85—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 2 है तथा जो रोल्फ रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० ए०
अरर०-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
रहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

एक प्लॉट नं० 1, डी० ई० जो 37 ईई फार्म के अनुसार
निबन्ध हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-9-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पिछूप उमेश बेनेगल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) सुजुकि (इण्डिया) लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 1864/अर्जन रेंज-3/84-85—अतः मुझे नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35 जे है तथा जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 ।

क्षेत्र—7000 वर्ग फुट डीड नं० I, 1239 तारीख 25-1-1985 के अनुसार।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन.ए.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर, 1985

निदेश सं० नोटस नं० 47689/85-86-- अतः मुझे,
आर० भारद्वाज,
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 134/9 डोर नं० 29-130 और 29-
131 है तथा जो बीदि मजलु रोड, पुत्तूर टाउन में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है,) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुत्तूर रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० शशिधरा राव
राजाजीनगर,
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सतीश शेटी,
श्री सीताराम शेटी के पुत्र,
कामबेहु, पुत्तूर एस०के० डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

(3) के० प्रभाकर राव,
नं० 29-130, बीदि मजलु रोड, पुत्तूर टाउन,
एस० के०

2. श्री एम० के० प्रभाकरा राव,
नं० 29-131, बीदि मजलु रोड,
पुत्तूर टाउन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 9/85-86 तारीख 2/4/1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० एस० 134/9, डोर नं० 29-130,
और 29-131, जो बीदि मजलु रोड, पुत्तूर, टाउन, में स्थित
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-9-1985

मोहर

प्रमुख बाई.टी.एच.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक सितम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46804/84-85—अतः मुझे,

श्री० भारद्वाज,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 44 है तथा जो गंगेनहल्लि, बंगलूर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रमाणित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में अभिमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री एन० एस० श्री निवास,
नं० 57, I मैन रोड,
शेसाद्रिपुरम, बंगलूर 20

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुस्तार अहमद,
नं० 6, ई-नं० 12, पेंशन मोहल्ला,
ब्रावे रोड, क्रास, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में प्रेषित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 629/84 तारीख 21-1-1985)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 44, जो गंगेनहल्लि, बंगलूर, में
स्थित है।

श्री० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

इसमें उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-9-1985
मोहर :

प्रकट जाई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिसन० 45967/84ब85— अतः सूत्रे
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 2/2 है, तथा जो हुथिस रोड, फ्रास, बंगलूर,
में स्थित है (और इसमें उणाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर,
में रजिस्ट्रीकृष्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 15 जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सीमा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित किया जा रहा था, छिपाने
या किसी अन्य प्रकार से छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० जे० मोनिसिंग,
नं० 2/2, हुथिस रोड,
फ्रास बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) विन्सेंट तामस,
2. श्री जगन वि० तामस,
नं० 10/2, बैकटरामन लोटे,
मारुति सेवा नगर, बंगलूर।

(अन्तरित)

(3) अन्तरक

वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके व्यक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3073/84 तारीख 15-1-1985)

सम्पत्ति जिसकी सं० 2/2, जो हुथिस रोड का 1, रोड,
बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-1-1985

मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 2 फरवरी, 1985

निर्देश सं० नोटिफा सं० 5974/84-85— आ: मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एन० 1682/2ए 1683/2ए०

एस० नं० 10/2ए 9/2ए है, तथा जो कसबा बाजार विलेज,
बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है)। राजिस्ट्री जर्नल अतिरिक्त के कार्यालय, बंगलूर,
में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24 जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
निगम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—296GI/85

(1) जनाब अब्दुल खादर मावेद,
अपोजिट : जुम्मा मसजिद

(अन्तरक)

(2) बंदूर डी० के०,
ऐशा, कुद्रोलि, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में सम्पन्न होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1659/84 तारीख 24-1-1985)

सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एन० 1682/2ए, 1683/
2ए, टी० एन० नं० 10/2ए 9/2ए, जो कसबा बाजार विलेज,
में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-9-1985

माहूर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं. 46457/84-85—यतः सू. आर. भारद्वाज
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वंस करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 80 है, तथा जो पि. और टि. कालोनी,
 गंगेनाहल्लि, बेंगलूर में स्थित है
 (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारों के कार्यालय गंधीनगर में दिनांक फरवरी 1985
 का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और सू. यह विश्वास
 करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतोरती
 (अंतोरतियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में सामाजिक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 भागीदारी के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) के. एस. कमला,
 (2) एस. सुरेश,
 (3) एस. सुभाष,
 (4) एस. सतीश,
 (5) कुमारी एस. सुनिता नं. 40, 5 फ़ास,
 (6) श्रीमती सुधा, नं. 71,
 वसंतनगर, बेंगलूर, 80 फीट रोड,
 प्रकाशनगर, बेंगलूर

(अन्तरक)

2. जि. एन. राजाकुमार,
 नं. 162, हेथ. जि. हेथ. लेओट,
 111 मैन रोड, गंगेनाहल्लि, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति है जिसकी सं. 80, जो गंगेनाहल्लि, बेंगलूर में
 स्थित है।

आर. भारद्वाज
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख: 2-9-1985
 मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 46283/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० जिसकी सं० आर० एस० 447/1, टी० एस० 188-1,
है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (आर० इससे
उपावद्ध अनुसूची में आर० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 11-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, एक
दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जोहरा,
रोसार्थिओ चार्ज रोड,
मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अब्दुल रशीद,
फैवर आफ जीता इंटरेन्शनल सप्लैस,
नं० 20/18/1115, मोहम्मद हाउस,
रोसार्थिओ चार्ज रोड, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रुटिबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वस्तुची

(वस्तावेज सं० 1766/84 ता० 11-2-85)
सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 447/1, टी०
एस० 188-1, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-9-85 .

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46822/84-85—अतः मुझे,
आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 84-बी है, तथा जो करकनाडि विलेज,
मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 28-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
राशित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छेपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती ऐलम्मा
पाकलडा, कनकानाडि,
बंगलूर,

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अनवर,
सी० पी० सी० काम्पोंड, कुद्रोलि,
मंगलूर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 15/84-85 ता० 28/2/85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 84-बी०, जो कनकानाडि
विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-9-85

मोहर:]

प्रकाश बाई. टी. एम. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 85

निर्देश सं० नोटीस नं० 46329/84-85—अंतः मुझे,
आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 4/1 है, तथा जो जान आरमस्ट्रांग रोड,
रिचार्ड्स टॉन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपवादा
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०
8/2/85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिस्ती (अन्तरिस्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री एम० अहमद हुसैन,
नं० 40, लावले रोड, रिचमंड रोड,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री तामस जे० डिर्साजा,
प्रतिनिधि : श्री वि० वि० जान,
नं० 27/4, दामोदर मोदलवार रोड,
अलसूर, बंगलूर-8

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3400/84 ता० 8/2/85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 4/1 (भाग), जो जान आरमस्ट्रांग
रोड, रिचार्ड्स टॉन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-9-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

विदेश सं० नोटिफ सं० 46328/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आर. जे. की सं० 4/1 है, तथा जो जान आरमरुद्राग रोड, रिचार्ड्स टोन, बेंगलूर में स्थित है (आर. इससे उपरि उद्धृत अनुसूची में आर. पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 8-2-85 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बज्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आर., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री एम० अहमद हुसैन
नं० 40, लावेल रोड, रिचमंड रोड,
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री तामस जे० डिस्सीजा,
प्रतिनिधि श्री वि० वि० जान,
नं० 27/4, दामोदरा मोदलवार रोड,
अलसूर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 8399/84 ता० 8/2/85)

सम्पत्ति है जिसे सं० 4/1 (भाग), जो जान आरम रुद्राग रोड, रिचार्ड्स टोन, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-9-85
मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 3933/84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 241 है, तथा जो 16 'ए' मैन रोड, IV ब्लॉक,
जयानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अर्जिन, दिनांक 3-1-1985, जयानगर,
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्वा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० ए० पद्मावती,
सं० 13, 80 फीट रोड,
राजाजीनगर, बंगलूर-10 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० आर० शेट्टि,
सं० 46, XV क्रॉस, III ब्लॉक,
जयानगर, बंगलूर-II

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3933/84, दिनांक 3-1-85)

संपत्ति है, जिसकी सं० 241, जो 16 'ए' मैन रोड, IV
ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-II, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 5-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० 46015/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 241 है, तथा जो 16 'ए' मैन रोड, IV
ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अर्जन, दिनांक 5-1-85,
जयानगर,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) श्रीमती वि० ए० उमादेवी,
"ओया", सं० 408,
राजार्जुनगर II स्टेशन,
बेंगलूर-10

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० आर० शेट्टि,
सं० 40, XV फात, III ब्लॉक,
जयानगर, बेंगलूर-II

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3932 84, दिनांक 5-1-85)

संलग्न है, जिसकी सं० 241, जो 16 'ए' मैन रोड, IV
ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 5-9-1985

मोहर :

प्रत्येक बाईं टी.एन.एस.-----

बाबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अधिवक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० 45998/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
बाबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40/2 है, तथा जो पटलामागुडि रोड, बसवन-
गुडि, बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-1-85, बसवनगुडि
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग का बाबर, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य भागियों
को, जिसमें भारतीय बाबर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बा-
बर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, या उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-296GI/85

(1) श्री बी० एम० जयसिंह,
सं० 40/2, पटलामागुडि रोड,
बसवनगुडि, बेंगलूर-4।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनीसा खालून,
सं० 30, नंजाप्पा, रोड,
शांतिनगर, बेंगलूर-27

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबर :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
गए लिखित में किताब में अर्जों से।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 422084, दिनांक 19-1-85)
संपत्ति है, जिसका सं० 40/2, जो पटलामागुडि रोड,
बसवनगुडि, बेंगलूर-4, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त अधिवक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 5-9-1985
मोहर

प्रथम भाग, टी. धन. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० 46017/84-85-यतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो 37 कास, -VIII ब्लॉक, जयानगर, बेंगलूर-II में स्थित है (और इसमें उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिपादित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए 5% राखा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिक में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी धन या धन-सम्यक् उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी करने या उसके बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आस या किसी धन या प्रत्यक्ष आयिष्ठ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में उल्लेखित अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती लीला पि० परीक,
अलेंद्रिक ग्लास कालोनी क्वाटर्स,
वैटफाल्ड, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगत सिंग बैद,
2. श्री किरण सिंग बैद,
8. श्री अनन्द सिंग बैद,
सं० 59, जमुनलाल बजाज स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3969/84 दिनांक 5-1-85)
संपत्ति है, जिसका सं० 5, जो 37 कास, -VIII ब्लॉक, जयानगर बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 5-9-85
मोहर :

प्रश्न बाई. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 7/जनवरी/85— अतः सूच, सं० वेणुगोपाल
राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रजिस्ट्रार कादर मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 197/2, जागीर अम्मापालयम,
सेलम है, तथा जो सेलम में स्थित है (और इसमें उत्तराधिकार अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिभार के कार्यालय,
सूर्यमंगलम (दश सं० 97/85) में भारतीय विभाजन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लागू 16 जनवरी,
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काफ़ी कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम. एडव. प्रा. सुभाष का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी भाग को दावा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में बाधित हो लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्ति या
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या पुराने अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त अधि-
नियम या किया जाता चाहिए था, विधान में सुधार
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, ई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधाई :—

(1) श्रीमति स्वमणियम्माल और 6 अन्यो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति के० यशोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी की जाये पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाईस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रति भूमि—रा० सं० 197/2 जागीर अम्मापालयम,
गोव, सेलम,

(ए० ए० आ० सूर्यमंगलम—दश सं० 97/85)।

वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
नई बंगलादास प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 10-9-1985

महेश :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ईश्वरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नटेश गौण्डर :

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 18 अक्टूबर 85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मेरे द्वारा प्रेषित की गई यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेसं० 62/1, और 59/8 तन्तम्पट्टी, गांव, है, तथा जो सेलम फार्म घर के साथ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रारण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता में अधिकारी के कार्यालय, सेलम ईस्ट (दस 81/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए प्रेषित किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान—सर्वेसं० 62/1 और 59/8, तन्तम्पट्टी गांव, सेलम फार्म घर के साथ

(एस० आर० ओ० सेलम ईस्ट—दस : सं० 81/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति सकुन्तला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एस० अप्पाबू मुवलियार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 20 जनवरी/85-अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 48, कैलासम्पालयम्पटी, तिरुचेगोडु तालुक, है, तथा जो सेलम जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय तिरुचेगोडु (दस सं. 161/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 61) के अधीन जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय (बाधा), उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

भूमि और मकान--48, कैलासम्पालयम्पटी तिरुचेगोडु, तालुक, सेलम जिला ।

(एस० आर० ओ० तिरुचेगोडु-दस सं० 161/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

माहूर :

प्रकट बाह्य. टी. एन. ए.-----

(1) ए० सकुन्तला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० नाचिउत्तु (मैनर)

माता श्रीर गार्डियन जयसदमी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 21 जनवरी, 1985--प्रतः मुझे, के० वेणु गोपाल राजू,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 158/2, ए० के० एफ० रोड, है तथा जो तिरुचेगोडू स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय तिरुचेगोडू, (दस० सं० 162/85) में भारतीय आयकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आय अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में बाधित हो करती कराने या वास्तविक रूप से स्थायी के लिए और बा/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एपेक्शनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि किया जाना चाहिए था, जिन्हें में सुविधा है लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण से, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धितः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और भूकान-सर्वे नं० 158/2, ए० के० एफ० रोड, तिरुचेगोडू (एस० आर० ओ० तिरुचेगोडू दस० सं० 162/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप अर्द्ध.टी.एन.एस. —————

1. श्री एम० मा.पन और अन्यो (अन्तरक)

2. श्री टान इन्डिया वाट्ल (अन्तरिती)
रोकस्ट्रकट्स कम्पनी लिमिटेड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 24/जनवरी/85—यत्तः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 207/2 और 207/3 है, तथा जो
सोतापुरम गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय,
संकगिरी (दस्तावेज सं० 22/85) में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, विभिन्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्वं में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्वों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना बाहिर था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, वर्षात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 207/2 और 207/3, सोतापुरम गांव
(ए० आर० ओ० संकगिरी—दस्तावेज सं० 22/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. डाक्टर के० आर० जी० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० नागप्पन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 28/जनवरी/85—यतः, भुक्ते, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सूचना प्राधिकारी की यह गिम्प्रास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 179 है, तथा जो सेलम
टाउन में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय ताडगपट्टी
दस्तावेज सं० 19/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
प्रतिफल, निम्नलिखित उपलब्धियों से उक्त अन्तरक निश्चित में
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाध की बाधक उक्त अधि-
विषय की अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष में
कमी करने या उसके बचने में सूचना के बिना
कीर/या

अनुसूची

भूमि और मकान—III बार्ड, टी० एस० सं० 179, सेलम
टाउन (एस० आर० ताडगपट्टी—दस्ता० सं० 19/85)।

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय बाध-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिनके में
सूचना के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
की, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित है—

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

उक्त सम्पत्ति के अर्थों की सम्पत्ति में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

रूप में, टी. एन. एल.-----

1. श्री एस० जी० एस० साहिबजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० पी० गोपालकृष्णन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 27/जनवरी/85—यत्तः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रैम मिल—सं० 388, डाक्टर वरदराजुल,
नाइट स्ट्रीट है, तथा जो ज्योति नगर, आतूर, सेलम जिला
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय, आतूर (दस्तावेज
सं० 42/85) में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे दान के अधिकारों
के लिए; और/वा

जुलूसी

श्री और मकान—रैम मिल—388, डाक्टर वरदराजुल,
नाइट स्ट्रीट, ज्योति नगर, आतूर, सेलम।

(एस० आर० ओ० आतूर—दस० सं० 42/85)।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—296G1185

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

प्रश्न नॉई.टी.एन.ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जाबूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 38/अनारो/85—अतः, सुके, के० वेणुगोपाल
राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० डोर सं० 30/59-डा-1, 30/59 डा-2
30/59-ब और मो है, तथा जो येरुडि गांव, सेलम जिला में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रार हर्ता अधिधारा के कार्यालय, येरुडि (दस०
सं० 12/85) में रजिस्ट्रार हर्ता अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जूनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक व
मालिक में कहीं करने या उसमें करने में मविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
जो, निम्न भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को अति:—

1. श्री तारिख मात्सुस और दूसरे

(अन्तर)

2. श्री लक्ष्मणन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिये
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 30/59 डा-1, 30/59
डा-2, 30/59-ब, और 30/59-मा, येरुडि गांव, सेलम जिला।

(एस० आर० श्री० येरुडि गांव—दस० सं० 12/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एब.-----

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाष्य सन्दर्भ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 40/अनवरी/85---यतः, मुझे, क० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 106/2 है, तथा जो नामम्कल गांव में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामम्कल (दस० सं० 40/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को व्यक्तित्व सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तब प्रेषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विनिवेश में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० मुन्वरया गोजर और अन्यो

(अन्तरक)

2. श्री एस० काशी अण्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए कार्यवाहियां कियीं हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्विस्ताअरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्तः

भूमि—सर्वे सं० 106/2, नामम्कल गांव, सेलम जिला।
(जे० एस० आर०-2, दस० सं० 40/85)।क० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

नोहर ॥

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० सुब्बराय गौन्डर और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री नरली गौन्डर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं. 41/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 106/2 है, तथा जो नामम्कल गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामम्कल (दस० सं० 41/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विदा जाना चाहिए था, विदा के सुविधा के लिए;

यतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोब :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख त 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 45 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भा अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणी:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—नामम्कल गांव (सर्वे सं० 106/2) सेलम जिला।
(जे० एस० आर०-3, नामम्कल—दस० सं० 41/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

रत्न बाई. टी. एन्. एन्. ---

1. श्री एस० ओ० बाणा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. धर्मपुरी पोरा मिल्म प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

कार्य संचालक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 2/जनवरी/85—यनः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित कुछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० सर्वे सं० 384/1, 387/2, 388, 389/1, 391 और 392 है, तथा जो केलवल्ली गांव, धर्मपुरी जिला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारूर (दम० सं० 20/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में तात्त्विक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में दक्षिणा के लिए; और/या

कृषि भूमि (ग्राई)—केलवल्ली गांव, धर्मपुरी जिला

(एस० सं० 384, 387/1, 388, 389/1, 391 और 392)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दक्षिणा के लिए;

(एस० आर० बारूर—दम० सं० 20/85)।

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, त्वा :—

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकृत आइ. टी. एन. एस. -----

1. श्री तन्काषेत के० हरिन्जेन

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० चन्द्रवल्ली

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 43/जनवरी/85--प्रतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० डोर सं० 19 है, तथा जो देन्कनिकोट्टे गांव
धर्मपुरी जिला में स्थित है (और इनमें उगावद्ध अनुसूची में
और पूरा रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देन्कनिकोट्टे (दस० सं० 138/85) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जारी की जाने वाली 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरिनिर्देशों) के अधीन अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उक्त है उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
1985 में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम,
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या जो कि ज्ञात नहीं है, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः वत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
क, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—देन्कनिकोट्टे गांव, धर्मपुरी जिला
(एस० आर० देन्कनिकोट्टे—दस० सं० 138/85)।

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकृत आर्. टी. एम. एड. - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन गेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46/जनवरी/85 अतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7/1ए, ब्लॉक 17, वार्ड "सी",
है, तथा जो पेयियेरी गांव, सेलम शहर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1/मद्रास नार्थ (दस०
सं० 120/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

1. अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में किसी कर में या उसके बचने में मूषिका के लिए
कोई छूट

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
का, अन्तर्गत भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० जगदीश

(पन्तरक)

1. स्टीन डीनर्स एसेथिएशन मद्रास प्राईवेट लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना देया करके सूचित किया कि अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कमावलाभ के
पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हें इस सूचना, जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 7/1-ए, ब्लॉक 17, वार्ड "सी"
पेरियेरी गांव, सेलम शहर ।

(जे० एस० आर०-1/मद्रास नार्थ—दस० सं० 120/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन गेज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकटित आई.टी.एन.एस.-----

(1) बी० रविसंकर बापू ।

(अनारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) स्टोल डीलर्स एसोसिएशन
मद्रास प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मिनम्बर 1985

निदेश सं० 46/जनवरी 85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी०एस० सं० 7/1 सी और 7/2ए,
ब्लॉक 17 है, जो बार्ड "सी", पेरिगरी गाँव, सेलम शहर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस० आर० I
मद्रास नार्थ, (दस सं० 119/85) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
थावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
है, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि—टी०एस० सं० 7/1 सी और 7/2ए, ब्लॉक 17,
बार्ड "सी", पेरिगरी गाँव, सेलम शहर, (जे०एस० आर०—I
मद्रास नार्थ, दस सं० 119/85) ।

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एल.-----

1 (श्री प्रो. जगन्नाथन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सिवराज मोटर्स लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेद्य सं० 47/जनवरी 85--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० और सं० तन्ज मुसगप्पा चेट्टी स्ट्रीट है,
जो पार्क टोन, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के
के कार्यालय, मद्रास नार्थ दस० सं० 23/85 में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्ती
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

11-296GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान-डोर सं० 1, तन्ज मुसगप्पा चेट्टी
स्ट्रीट, पार्क टोन, मद्रास ।

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी, एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 71/जनवरी/85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 242, कीलपाक गार्डन रोड है,
जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पेरियमेट दस०सं० 110/85 में भारतीय रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 37)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उक्त
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर डी० रवी संकर और 3 अन्यो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ताहीर उमिदा बेगम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि डोर सं० 242, कीलपाक गार्डन रोड, मद्रास-10,
(एस०आर०ओ० पेरियमेट—दस०सं० 110/85) ।

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) आर० भक्तवत्सलम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी०एस० रायलू ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन, रेंज-1 मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास दिनांक 12 सितम्बर 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 74/जनवरी 85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1882 है, जो अण्णा नगर,
मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अण्णा नगर (दस०सं० 88/85) से भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 1985
में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है) और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के
एक प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

भूमि और मकान—प्लॉट सं० 1882, अण्णा नगर,
मद्रास-40, (एस०आर० अण्णा नगर—दस०सं० 88/85)

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
[1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-9-1985
मोहर

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

प्रकट नार्थ. टी. एन. एच. —

(1) के० वेंकटरामन आचार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद सुलैमान और दूसरे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० 91/जनवरी/85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 81, मूर स्ट्रीट, मद्रास-1
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे०एस०आर०-6, मद्रास नार्थ—दस०सं०-148/85) में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अर्जन जनवरी 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—सं० 81, मूर स्ट्रीट, मद्रास-1,
(जे०एस०आर०-1, मद्रास नार्थ—दस०सं० 148/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1985
घोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्री डा० अमृतलिंगम और अन्यो

(अंतर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती के० वसन्ती मट्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1985

निवेद्य सं० 92/आर०/85—यत्न, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि त्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 44, आस्मिन्ध भुदले स्ट्रीट है, तथा जो मद्रास 21 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अर्थात् के कार्यालय, रायपुरम (एस० सं० 49/85) में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्माणाधिकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बसुकी

भूमि और महान—सं० 44, आस्मिन्ध भुदले स्ट्रीट मद्रास-21
(एस० आर० श्री० रायपुरम—एस० सं० 49/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

1. ओ० जयभावन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. विमल चन्द चोडिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा ---

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 48/जनवरी/85—अतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और भूजमा सं० प्लॉट सं० 2892, अण्णा नगर, मद्रास-40
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की आधिकारिक कार्यालय,
जे० एस० आर०-1/मद्रास नार्थ (वस० सं० 24/85) में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और भूकान—प्लॉट सं० 2892, अण्णा नगर, मद्रास-
40।

(एस० आर० ओ० जे० एस० आर०-1/मद्रास नार्थ—वस०
सं० 24/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री श्री जगन्नादन

(अन्तर 5)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री पुष्पारवन्द चोडिया (मैन्टर)

पिता श्री गण्डियन सैनिकराज चोडिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 49/जनवरी/85—अतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट सं० 1690, अण्णा नगर है, तथा जो
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय जे०
एच० आर०-1, मद्रास नार्थ (वृ० सं० 25/85) में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—प्लॉट सं० 1690, अण्णा नगर,
मद्रास।

(एस० आर० ओ०, जे० एस० आर-1/मद्रास नार्थ/
वृ० सं० 25/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रकृति भाग, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 51/आयकर/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितन सं० 31-III लाइन बीच रोड, मद्रास-1
में स्थित है (श्रीर इससे उपायुक्त अनुधुवः में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है) एमिडू एमिडू के कार्यालय, जे० एस० आर०
2, मद्रास उत्तर (सं० सं० 114/85) में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत :—

1. श्रीमती प्रभावती जैन

(प्रारंभ)

2. (1) श्रीमती स्नेहलता हिरावत

(2) श्रीमती सुरेश हिरावत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्रीर जितन सं० 31, 3 लाइन बीच रोड, मद्रास-1,
(जे० एस० आर० 2, मद्रास उत्तर—सं० सं० 114/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-8-1985

मोहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कंत्रासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 56/जनवरी/85—यतः, मुझे के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, तम्बू नाइकन स्ट्रीट है, तथा जो सन्नाम-79
में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकरपेट
(दस० सं० 3/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया।
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
जै, जै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-296GI/85

1. श्री सी० एस० विष्णु

(अन्तरक)

2. श्री टी० महावीर बोन्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 5, तम्बू नाइकन स्ट्रीट, मद्रास-79
(एस० धार० ग्रो० सौकरपेट—दस० सं० 3/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-8-1985

मोहर :

प्रकृति 26, 1985 (कार्तिक 4, 1907)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 59/जनवरी/85—यतः, मुझे के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20, कालती पिल्लै स्ट्रीट, है, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिका के कार्यालय सौकारपेट (दस० सं० 48/85) में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरक है कि किसी धन की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के कारण से नहीं करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती सुमित्रा गोती

(अन्तरक)

2. (1) श्री केवल चन्द ग्रास्टवाल

(2) श्रीमती अमराव देवी

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 20, कालती पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-1।
(एस० आर० ओ० सौकारपेट—दस० सं० 48/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-8-1985

मोहर :

रजनी बाई.टी.एम.एच. ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रोज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० 65/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको-पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अंशित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 3 एफ० बी, 111 फ्लोर है, तथा जो
813, पी० एच० रोड, मद्रास-600010 में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० पेरियमेट (दस०
सं० 69/85) में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए राय पाया गया प्रवि-
क्त विनिर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाग का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या
बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्वयार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) की
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री एम० एल० पटवारी,
(2) रक्षा शा
(3) रजत चन्द
(4) सुभा देवी

(अन्तरक)

2. श्री के० ए म० पेरियकरुप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 एफ० बी, 3 फ्लोर, 813, पी० एच० रोड,
मद्रास-600010।

(एस० आर० ओ० पेरियमेट—दस० सं० 69/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रोज-1, मद्रास

तारीख : 31-7-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

उपर्युक्त सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्राह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्ष्यताकारी के पक्ष निश्चित में दिये जा सकेंगे।

समाधीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસૂચી

भूमि और मकान सं० 17, स.मी. पिल्ले स्ट्रीट, चूल
मद्रास-7 ।

के० वेणुगोपाल राजू

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 29-8-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती सावित्री ताराचन्द

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती डी० जीमत

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही कराता हूँ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 68/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
 राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 105, डोर सं० 15, मारशलस
 रोड एगमोर और है, तथा जो अभिन्न स्वामी भूमि—1/16
 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरि-
 यमेट (दस० सं० 85/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 85

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षित करने
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 इसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्ना
 प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरर्षी) और अन्तरिती
 (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पावा नवा
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वास्तव में कभी करने या उससे करने में विवक्षा
 के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विवक्षा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का भाग 269-ब के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के बाब
 निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों की पढ़ी का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—प्लॉट सं० 105, डोर सं० 15,
 मारशलस रोड, एगमोर, मद्रास और अभिन्न स्वामी भूमि—1/16।

(एस० आर० ओ० पेरियमेट—दस० सं० 85/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

गोदर ३

प्रमाण पत्र सं. 1, 1985

भाषाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रमाण पत्र सं. 1, 1985

कार्यालय, सहायक भाषाकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं. 72/जनवरी/85—यतः, मुझे, के. वेणुगोपाल राजू,

भाषाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा था) की धारा 269-ब के अधीन सज्जम प्राधिकारी को यह पत्र लिखना करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट सं. 1074, अरिगनर अण्णा नगर स्कीम है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस. आर. ओ. अण्णा नगर (दस. सं. 68/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिक्रम से, ऐसे व्यवसाय प्रतिक्रम का कुछ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिता (अन्तरिता) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय बाधा बना प्रतिक्रम, विम्बितसिद्ध उद्देश्य से उक्त अन्तरक प्रतिक्रम में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) व्यवसाय से हुई किसी नाम की बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन करने के सम्पत्ति के विषय में कमी करने या उचित करने के उद्देश्य से किया और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी नाम या अन्य वास्तविक को, जिसे भारतीय भाषा-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित किया गया प्रकट नहीं किया गया या या-किना-बाधा-बाधित-आ-उपान में सुविधा के लिए

यदि यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम के, तो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, विम्बितसिद्ध व्यक्तियों, अन्तरक—

1. श्री पीटर काव

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी. एस. सुमती देवी

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के प्रतिक्रम कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच—

(क) इस सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बाधा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की बाधा, जो की बाधा बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवशुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाठ लिखित में किया जा सके।

स्वाक्षरकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अन्तरक

भूमि और मकान—प्लॉट सं. 1074, अरिगनर अण्णा नगर स्कीम, मद्रास।

(एस. आर. ओ. अण्णा नगर—दस. सं. 68/85)

के. वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 10-9-1985

मोहर:

प्रकृष माह. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 75/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौरजिसकी सं० एस० सं० 30/1, 31/1, और 32/1 (पार्ट)
है, तथा जो मुल्लम गांव में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अण्णा नगर, दस सं० 103/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के लिए तब तक
यहां प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
विषय की अधीन कर देने के अन्तर्गत के बाविल्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० जेलियन

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० वरगीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के बिना
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के अन्तर्गत में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—एस० सं० 30/1, 31/1 और 32/1 (पार्ट)
मुल्लम गांव ।

(एस० आर० ओ० अण्णा नगर—दस सं० 103/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-9-1985
मोहर :

इच्छा बाई-डी.ए.ए.ए.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

अर्जन, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 79/जनवरी/85—यतः, मुझे, वेणुगोपाल राजू,
बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3912, अरिग्नर अण्णा नगर,
है, तथा जो मद्रास-40 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित जस्टीफ़ीकेशन अधिकारी के
कार्यालय, अण्णा नगर (दस० सं० 153/85) में 'जिस्ट्रीकर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्प्रेषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ब की अन्तरण
से, मैं उक्त अधिनियम की पारा 269-ब की उपपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्रीमती कमला नायर और 3 अन्य

(अन्तरक)

2. श्री ए० पी० राजेन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान—प्लॉट सं० 3912, अरिग्नर अण्णा
नगर, मद्रास-40।

(एस० आर० ओ० अण्णानगर—दस० सं० 153/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सहायक आयकर अधिकारी
(निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रक. भा. टी. एन. ए. - - - -

(1) श्री पी० वेंकटाचलम

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० आर० बालकृष्णन और दूसरे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्जाब, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :—

निर्देश सं० 80/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 4713, अण्णा नगर, मद्रास-40
(नडुवक्करै) है, तथा जो मद्रास-40 में स्थित है (और इससे
उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस० सं० 178/85)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे कम प्रतिफल से, ऐसे कम प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कालिदा में कमी करने या उक्त वचन में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजन के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः मझे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31—296GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—प्लॉट नं० 4713, अण्णा नगर मद्रास-4
(नडुवक्करै) ।

(ए स० आर० ओ० अण्णा नगर—दस० सं० 178/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

इसमें आर्टी. एड. एड. ...

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मूर्जन रैंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अगस्त 1985

निर्देश सं. 83/जनवरी/85-अतःमुझे, के. वेणुगोपाल
राजू,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट सं. "एफ" और अभिन्न स्वामी भूमि—

1/6 प्लॉट सं. 799 है, जो अण्णा नगर, मद्रास-40
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर
(दसं. सं. 228/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
राशियत्व में कमी करने या उद्धृत करने के लक्ष्य
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. श्री एल. के. मारकण्डेयन

(अन्तरक)

2. श्री एस. बालसुब्रमणी

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन में निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :—इसमें पृथक् कम्प्यूटिंग पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष प्रयोग को उक्त अध्याय में विव
रित है।

अनुसूची

प्लॉट सं. "एफ" और अभिन्न स्वामी भूमि—1/6 प्लॉट
सं. 799, अण्णा नगर, मद्रास-40।

(एस. आर. ओ. अण्णा नगर—दसं. सं. 228/85)

के. वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मूर्जन रैंज-1, मद्रास

तारीख : 22-8-1985

मोहर :

सहायक आयकर अधिकृत (निरिक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अगस्त 1985

निर्देश सं० 84/जनवरी/85—अतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कहना है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० "ई", प्लॉट सं० 799, अण्णा नगर, और अभिन्न स्वार्थी है, तथा जो मद्रास-40 भूमि 1/6 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस० सं० 229/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत बन्दगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० के० मारकण्डेयन

(अन्तरक)

2. श्री एस० सेल्वकुमार

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का उत्तरदायी व्यक्ति को इस सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि पहले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति को दे दे किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

प्लॉट सं० "ई", प्लॉट सं० 799, अण्णा नगर, मद्रास-40 और अभिन्न स्वार्थी भूमि—1/6।

(एस० आर० ओ० अण्णा नगर—दस० सं० 229/85)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 22-8-1985

मोहर :

प्रमाण भाग टी. एन. एन.

1. श्रीमती एम० आन्डालम्मास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. डाक्टर एन० चन्द्र प्रभा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 85/जनवरी/85—यत्तः, मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट "बी", प्लॉट सं० 269, आर० एस०
45, 3, 4/4-ए है, तथा जो पेरियकूडेल गाँव में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० अण्णा:
नगर (दस० सं० 244/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के लिए किसी बाजार की बाजार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के कारणों के
वर्णित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाभ —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हरेगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—प्लॉट सं० "बी", प्लॉट सं० 269,
आर० एस० सं० 45, 3, 4/4-ए, पेरियकूडेल गाँव ।

(एस० आर० ओ० अण्णा नगर—दस० सं० 244/85)

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर

प्रमुख बाध, टी. एन. एच. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाड़ा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5845—अतः मुझे, जे० एल०
गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाड़ा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1803 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सुविधा
के लिए;

(1) श्री हरीश्रोम नन्दा पुत्र खैराती लाल,
95-सी, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह हैयर पुत्र हाकम सिंह
श्रीमती निर्मल कौर पत्नी बलवन्त सिंह,
95-सी, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधना :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्वरूपी के
अस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2099,
दिनांक मार्च 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा
ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जन :-

दिनांक : 12-9-1985

मोहर :

प्रकाश, टी.एन.एच. 22-222

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

मातृगत सूचना

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5846/—प्रतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची से लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से दर्शाया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वस्तु उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तर्क के दायित्व में
कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, ज्ञान में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रीता भल्ला पत्नी सुनील भल्ला,
55, न्यू जियव नगर, जालन्धर।

[(अन्तरक)]

(2) 1. करतार सिंह भसीन पुत्र वियन्त सिंह,
2. श्रीमती बीरेन्द्र कौर पत्नी सतपाल सिंह,
3. रविन्द्र कौर पत्नी सुरिन्द्र पाल सिंह,
4. धरनजीत कौर पत्नी हरिन्द्र पाल सिंह,
5. सतवन्त कौर पत्नी जगमोहन सिंह,
6. सुरिन्द्र कौर पत्नी दधिन्द्र पाल सिंह,
7. वासी बी IV 90, प्रभात नगर, जालन्धर।

[(अन्तरिणी)]

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शोध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहारी के
राज सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4245, दिनांक
जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 12-9-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एच.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जालन्धर दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5847—अतः मुझे जे० एल०
गिरधर

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास्त करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास्त
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाना नक्त
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विधिवत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) बन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक की
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
की बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु...
को, बिना भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनाथ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की बन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बन्तरित—

(1) कुमारी सीमा गुप्ता, पुत्री जे०के० गुप्ता,
425, एल, माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री जरनैल सिंह पुत्र अमर सिंह और
श्रीमती अवतार कौर पत्नी जरनैल सिंह,
23, न्यू माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरिती)

जहाँ यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के बिना
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माफोप—

(क) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बन्धि, जो भी
बन्धि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4058,
... लिखा।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 12-9-1985

मोहुर

प्रथम भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० ए० पी० न० 5848-5849—अतः मुझे
जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अर्थात् :—

(1) डा० ओम प्रकाश तोस्वी पुत्र साधु राम,
वासी धन्नीवाली, तहसील जालन्धर,
मुख्तयारग्राम श्री राम तिरथ पुत्रीसालिंग राम,
493, कृष्ण नगर, जालन्धर,
विलेख नं० 4069) और
राकेश उप्पल पुत्र राम तीरथ,
वासी—उपरोक्त विलेख नं० 4070 ।

(अन्तरक

(2) डा० मोहन लाल तोस्वी,
पुत्र श्री साधु राम,
गांव धन्नीवाली, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4069,
4070, जो दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर ने लिखा ।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 12-9-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निष्ठ सं० ऐ० पी० नं० 5850—अतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—296GJ/85

(1) श्रीमती सन्या देवी विधवा जी० डी० माधर,
द्वारा ग्राम अटानी श्री महेश आनन्द
पुत्र स्वर्गीय श्री वी० आर० आनन्द,
293, लाजपत नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) स्वर्णराम पुत्र गुरुदासगाम,
गुरमेज कौर पत्नी स्वर्ण राम,
वामी-गांव मलियां खुर्द तहसील तकोदर,
जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4124,
जो दिनांक जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
ने लिखा में।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 12-9-1985

मोहर :

अक्षय नाथ, टी. एर. एस.

(1) श्री हरी प्रकाश पुत्र लेख राज,
179-आर, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त्युपकरण

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5851—अन: मुझे, जे० एल०
गिरधर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वास्तिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;नतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र हरबन्स सिंह और,
हरपाल सिंह पुत्र खेल सिंह और,
जरनैल सिप, पुत्र गुरलाय सिंह,
वासी-326-एल० लाजपत नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के निम्न
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसे कि विलेख नं० 4330,
दिनांक जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर ने लिखा।जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धरदिनांक : 12-9-1985
मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 350/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मांडी विलेज, रामनगर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इटी गोपाला सायमल राव पिता रामा राव, डी० नं० 7-207, मांडी विलेज, रामनगर विशाखापटनम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० सूर्यावती पति श्री निवासा राजू और अन्य मांडी विलेज, रामनगर, विशाखापटनम।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1032 चौ० गज, मांडी विलेज, (अपोजिट बि० एच० पी बी० गेट) में रामनगर, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेज नं० 3531/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 351/85-86--प्रतः
मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो केसरपल्ली, मुन्नावरम
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुन्नावरम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जिसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
भन्दा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक
को चिह्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नहीं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री राजा वेंकट गोपाला क्रीष्णा अम्पारान,
पिता आर० बी० मुरली गोपालकृष्णा अम्पारान
जमीनदार न्यूज विडु, क्रीष्णा जिला।
(अन्तरक)

(2) श्री चीता रवि कुमार,
पिता डा० चीता रंगाधमा राव,
मुन्नावरम, क्रीष्णा जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पदोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वेत कृषि भूमि केसरपल्ली विलेज, मुन्नावरम क्रीष्णा जिला,
विस्तीर्ण 12.86 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 44/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुन्नावरम।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

ओहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 352/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो केसरपल्ली गन्नावरम, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गन्नावरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत :—

(1) श्री राजा वेंकट रामक्रीष्णा अप्पाराव बहादुर, पिता आर० व्ही० मुरलीगोपाल अप्पाराव जमीदार, न्यू झविड, क्रीष्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता भानूमजी, पति डॉ० सरपंच रंगाधमा राव, गन्नावरम, क्रीष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेट एग्रीकलचरल लेन्ड, आर० एम० नं० 162/2, विस्तीर्ण 17.31 एकड़, केसरपल्ली, विलेज, गन्नावरम तालूक क्रीष्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 43/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गन्नावरम।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-9-1985

सांहर :

प्रमुख भाग. टी. एम्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 353/85-86---अतः
मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो अरुण बिल्डर्स मोगलराज-
पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अरुण बिल्डर्स,
आई मेनेजिंग पार्टनर श्री वी० एस० पी० राजू,
मोगलराज पुरम, विजयवाडा ।
(अन्तरक)

(2) श्री एन० वेंकटरामया पिता रामा नरसिम्हा शास्त्री,
ए फ्लेट, मेसर्स अरुण बिल्डर्स मोगलराजपुरम,
विजयवाडा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए० फ्लेट इन मेसर्स अरुण बिल्डर्स विस्तीर्ण 900 चौ० फुट
मोगलराजपुरम, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 30/85
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 354/85-86---अतः
मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो मोगलराजपुरम, अरुण
बिल्डर्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसका
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की नणधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अज्ञित्यों के अर्थात् :-

(1) मेसर्स अरुण बिल्डर्स,
बा मेनेजिंग पार्टनर, श्री बी० एस० पी० राजू
मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मागती सत्यानारायण मूर्ति,
पिता चीदाम्बरम, जेनरल मेनेजर,
मेसर्स पेट्रोकेमीकल लि० बरोडा।
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट प्रेमीसेस मेसर्स अरुण बिल्डर्स, विस्तीर्ण 900 चौ०
फुट, प्राउन्ड फ्लोर, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 585/85. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 355/85-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो मोगलराजपुरम विजयवाड़ा
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वै वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहेगा था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अरुणा विल्डर्स,
नाउ पार्टनर श्री बी० एस० पांडुरंगा राजू,
मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) 1. डी० ए० द्वारकानाथ सिविल असिस्टेंट सर्जन,
गवर्नमेंट हास्पिटल तनूक्कु।
2. श्रीमती द्वारकानाथ तनूक्कु जिला वेस्ट गोदावरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विश्व
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० इजी 2, ब्लॉक नं० 1 (इस्ट) विस्तीर्ण 835
चौ० फुट ग्राउन्ड फ्लोर, मोगलराजपुरम, अरुणा विल्डर्स विजयवाड़ा
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 525/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आ.नं० सी० सं० 356/85-85—आ.नं०
मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसका मूल्य धारा है तथा जो भेन बाजार, येलूर में स्थित
है (श्री० एस० एन० अन्तर्गत में श्री० पूर्ण रेड्डी द्वारा
है) अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम द्वारा
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्धारित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् :—
15—296G1185

(1) जिनका पहचानित अधिनियम द्वारा देरम
पति डा० भोला लाल अल्लु राहुब,
भेन बाजार, येलूर वेस्ट पोस्टादर।

(अन्तरक)

(2) श्री० एस० एस० मुश्मल चारंगुलू और उसके पुत्र
भेन बाजार, येलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, दशहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डा० नं० 37/58, धारा आई.टी.एन. सं० सी० सं० 356/85-85
283 जी, नं० भेन बाजार, येलूर, एमिस्ट्रिक्टा जिले
नं० 161/83, एमिस्ट्रिक्टा अधिनियम येलूर।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

माहूर

प्रकृष बाह्य डी.एन.ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

मातृसहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 357/85-86—अतः
मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसकी वृद्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर और भूमि है तथा जो इन्सपेक्ट
राजमुंडी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधीकारी के कार्यालय
राजमुंडी में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या इससे उठने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) कोई किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तिगत
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
हो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः 5—

(1) श्री एन० साह राममुर्ती,
पिता प्रसाद राव और अन्य ।
लवापेट, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० कलसीअन्तपुरनम्मा,
पति श्री सोत्ताराम शास्त्री,
इन्सपेक्ट राजमुंडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

अन्तरिती :—इसमें प्रयुक्त जगहों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डी० नं० 6-8-7. (विस्तारण 500 ची गज) इन्सपेक्ट,
राजमुंडी, रजिस्ट्रार विनेख नं० 268/85, रजिस्ट्रार
अधीकारी राजमुंडी ।

एम० जगन मोहन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 358/85-86—यतः
मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन निम्न प्राधिकारी को, यह निश्चय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्न सं० भूमि है तथा जो विजयवाड़ा जिले में
स्थित है (और इसने उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय येल्लु में
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को
राजस्व में कमी करने या उचित वषर्ण में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जदरा चन्द्रा भूज,
पिता नरसि और अन्य,
बिल्लि पारा, वेस्ट बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राघवेन्द्रा राव,
सीने डायरेक्टर, महालिंगपुरम,
मद्रास-34 ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन को विश्व
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादित के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

विस्तीर्ण 47.55 एकड़, भूमि विजयवाड़ा, येल्लु तालुक,
वेस्ट गोदावरी, जिला, रजिस्ट्रार विलेख नं० 305/85,
रजिस्ट्रार अधिकारी, येल्लु ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985
मोहर :

प्राप्ति आई.टी.एच.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 दिसंबर 1985

निदेश सं० आर० ये० सं० नं० 359/85-86—प्रतः सूक्ष्म
एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह आश्चर्यजनक कारन का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जिजता सं० दावा है ता जो आर० पेड विजयनगरम
में स्थित है (प्रीः बन्ना उतायव आर्जुन में आर० पूर्ण का
से योनि है) से आर० विजयनगरम में आर० विजयनगरम,
में आर० विजयनगरम अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अनुसार जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
नहीं लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
नहीं लिए;

अतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० गोपालकृष्ण (रिटायर्ड) वैष्णव,
पिता सुइयनगर, घर नं० 4-2-54,
कोषा आग्रहम, आंतापेट, विजयनगरम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंगलनिरी यथः/आग्रम,
पति गोपालकृष्ण, 6-1-13, हाजिरी/फर्स्टेट,
विजयनगरम ।

(अन्तरित)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमास्त डी० नं० 4-2-84, न्यू आग्रहम कोषपेट,
विजयनगरम, विस्तार नं० 325 चौ गज, रजिस्ट्रार
विनेड नं० 432/85, रजिस्ट्रार अधिहारी, विजयनगरम ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकाारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेदन सं० आ० ए० सी० नं० 324/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसका उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
आयकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
अर्जुन रेंज सं० आ० ए० सी० नं० 324/85-86—अतः
अर्जुन रेंज सं० आ० ए० सी० नं० 324/85-86—अतः
अर्जुन रेंज सं० आ० ए० सी० नं० 324/85-86—अतः
अर्जुन रेंज सं० आ० ए० सी० नं० 324/85-86—अतः

का पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
उक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या इस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाध अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० बी० रामकृष्ण कुमार,
विभागाध्यक्ष,
अम्बिका बाग, बिलाखापटनम

(अन्तरक)

(2) मैजिस्ट्रेट श्री सी० ई० जे० वि० प्रो० वि०
बाइ मैजिस्ट्रेट डी० ए० सी० सुब्बा रामी
रेड्डी,
रोड नं० 1, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समगन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—एतानि प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1742 चौ० गज टीमस
नं० 1011 बिन्त पादुरंगा बिन्त, बाल्डीयर बाई, बिलाखाप
पटनम, रजिस्ट्रार विन्त नं० 5626/85, रजिस्ट्रार
अधिकारी बैसाग।

एम जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-9-1985
मोहर

प्रकृपः बाई टी एन एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 325/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और रजिस्ट्री सं० फ्लैट है, जो महारानीपेट, विशाखापटनम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विभाग
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी कटान या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति शों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पेरासाऊंड कन्स्ट्रक्शन्स,
बाई पार्टनर श्रीमती बी० लक्ष्मी,
पति बी० प्रभातकुमार,
वासपल्ली हील्स, विशाखापटनम,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० मनोरमा,
फ्लैट नं० 6, सेकंडर फ्लोर,
डी० नं० 16-1-16, महारानीपेट,
विशाखापटनम

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, दूसरा मजला, घर नं० 16-1-16,
महारानीपेट, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 965/
845 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 326/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ैट है, जो महारानीपेट विशाखापटनम
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विभाग
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पेरामाऊंट कन्स्ट्रक्शन्स,
बाइ पार्टनर श्रीमती बी० लक्ष्मी,
पति बी० प्रभातकुमार,
दासपल्ली हील्स, विशाखापटनम,

(अन्तरक)

(2) डी० सी० एच० हारीप्रसाद,
पिता सी० एच० वेंकटप्पा,
15-12-5, महारानीपेट, विशाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए फ़ैट प्रथम तल, डी० नं० 16-1-16, महारानीपेट
विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 960/845 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी विभाग।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-85

संहर 2

प्ररूप बाह्य: टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 327/85-86—अतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो विजया अपार्टमेंट्स, अमीर पेठ
में स्थित है (और इसे उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), सार्वजनिक अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय राजस्व अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 2/85.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
हासिल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैक्स विजया विल्डर्स,
घर नं० 7-1-70/बी/1, एन० सी० एच० रोड़,
धरम करन रोड़, अमीर पेठ
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वाइ लक्ष्मी कान्त
601, विजया अपार्टमेंट्स, एन० सी० एच० रोड़
धरम करन रोड़, अमीर पेठ
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, विजया अपार्टमेंट्स, एन० सी० एच०
रोड़, अमीर पेठ हैदराबाद विस्तृति 1200 चौ० फुट, घर
नं० 7-1-70/बी/1, हैदराबाद राजस्व अधिनियम नं०
765/85 सार्वजनिक अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० पे० सी० नं० 329/85-86—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिनित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट है, जो तीरुमला टावर्स, हैदराबाद स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अंतरित की गई
है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1927 (1927 का 11)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाता था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स तीरुमला टावर्स कन्स्ट्रक्शन
वाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री एम० एस० चंद्रम्या,
1-1-593/सी०, गांधीनगर, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) 1. डा० पी० जी० कृष्णा मुर्ती,
2. श्रीमती पेराली इंदीरा
पति डा० पी० जी० कृष्णा मुर्ती,
घर नं० 5-5-106, खलीलवाड़ी,
निलामाबाद, ए० पी०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 10, सी-ब्लॉक तीरुमला टावर्स, प्रथम तल,
एम० नं० 1-4-1011, गोलकोंडा रोड, हैदराबाद
रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 115/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खैरताबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 330/85-86--अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो ईदरगुडा ऊटपल्ली विलेज में स्थित है (श्रीर हमने उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1/85

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अदम पिता श्री अब्दुल रहीम,
2 श्री इब्राहीम पिता श्री बापू,
घर न० 11-1-305, अगापुरा
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री माहम्मद नऊमन सूलैमान
पिता सूकमान गीलेटवाला
श्रीर अन्य, घर न० 20-3; 278, हूशानि जालम
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितगृह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्रेड गार्डेन 7.17 एकड़, ईदरगुडा हामलेट, ऊटपल्ली, विलेज, रंगा रेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेज न० 511/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगा रेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 331/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो बंगारा सदन हीमायत नगर
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एम० जगन मोहन के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा
बाध और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जनाब खादुन,
पति श्री इश्तेकार महेदी खान,
जीपीए, श्री अली खाजा,
बजारा केस्टल, रोड़ नं० 12,
बंगारा हील्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेकट विफवेस्वर शास्त्री,
पिता लेट श्री पदमानाभराव,
बी-42/एफ०/1, विजयनगर कालोनी,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मिकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, बंगारा सदन, तीसरा मजला, घर नं०
3-6-782 हीमायतनगर हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
136/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 332/85-86—यतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन स्थित अधिनियम को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि की संपत्ति 5, जो राजारा सदन हिमायत नगर में
स्थित है (गोरखो भवन मुकुंदी में आगे पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण संख्या 10 हायिन्द, खैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरित) के अन्तर्गत के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरित होकर प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जनाब खातुन पति श्री इफते कर मेसूदी खान,
जी० पी० ए०, अली खाजा,
बंजारा केस्टल, रोड़ न० 12, बंजारा हिंसा, हैदराबाद
(निरीक्षक)
2. इंडीयन बैंक इम्लाफज यूनियन (ए० पी०),
केअर आफ इंडीयन बैंक, बाई प्रेसीडेंट रोड न० 10
एल० नरसिम्हा शर्मा बरकतपुर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को इस के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी सम्पत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के भीतर, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को प्राप्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरण के लिए
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अर्थ उक्त
अधिनियम के अध्याय 1 के अनुच्छेद 2 में
है वही अर्थ होगा, जो अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 8, ग्राऊंड फ्लोर, बंजारा भवन, घर न० 3-6-782,
हिमायतनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकरण लिख न० 137/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जगन मोहन
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 333/85-86—यतः, मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो स्कायलार्क अपार्टमेंट्स, बशीराबाग में स्थित है (और इसी उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संदर्भ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स प्रोप्रेटिव्ह विल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर
श्री गदिर पुताभ, घर नं० 3-6-309, के० बी०
नाल स्ट्रीट, बशीराबाग, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्र के० वसुपति श्रीराम के० वेपा,
फ्लैट नं० 33, बबल्ला न, 3-6-309, स्कायलार्क
अपार्टमेंट्स, बशीराबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 33, बी-ब्ला न घर नं० 3-6-309, स्कायलार्क
अपार्टमेंट्स, बशीराबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विलेज नं०
78/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जगनमोहन
सक्षम प्राधिकारी
आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 334/85-86—यतः मुझे
एम० जगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विशाल स्थित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं०, तथा जो रामकृष्ण शारदा अपार्टमेंट्स
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त भुवनेश्वरी में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिककडपल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण को भर्त्ता है। अतः मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नग्न राखा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में हुई किसी काम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया गया था और/या उक्त अधिनियम में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स युनाइटेड इन्स्ट्रक्शन्स को०
घर नं० 3-6-236, हिमायतनगर,
उर्दू गली हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री बी० एन० मूर्ती क्वार्टर नं० आई सी 346,
बोहारो स्टील सिटी, धनबाद जिला (बिहार)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना को तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें उपायुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, ग्राऊंड फ्लोर, रामकृष्ण शारदा अपार्टमेंट्स,
एम० नं० 3-6-223, उर्दू गली, हैदराबाद, रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 24/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिककडपल्ली।

एम० जगन मोहन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-9-1985
मोहर :-

प्रमुख बाई. टी. एन. एच. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 335/85-86—यतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब (1) अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो नन्दनम अपार्टमेंट्स, नामपल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पंजीकृत करने के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से इस प्रकार की बात की जाय, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रजिस्ट्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

इस प्रकार उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जवाब है—

1. मैसर्स नन्दनम इन्स्ट्रक्शन को० बाई मैनेजिंग पार्टनर श्री पी० शिवकुमार रेड्डी,
एम० नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद
2. श्रीमती सौदर्यम्मा पति श्री के० चन्द्रशेखर रेड्डी,
फ्लैट नं० बी-306, नन्दनम अपार्टमेंट्स,
एम० नं० 5-8-42, नामपल्ली, हैदराबाद
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रस्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-306, एम० नं० 5-8-42, नन्दनम अपार्टमेंट्स,
नामपल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 627/84,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :

प्रकृति बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आ० ए० सी० न० 336/85-88—यतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसका सं० फनेट है, तथा जो पूरम अगार्टमेंट्स, चिराग
अली लेन, में स्थित है (और इनमें उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिपति के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिन, तारीख 9 नवंबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) एस किसी भाव का किसी धन या अन्य भास्त्रियों
1. उक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजन से अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाता चाहिए था, अथवा जो
सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थाओं अधिनियम, ---

17—296GI/85

1. आमतः सुमा लता संवा. पति. लेट ए० ए० संवा.,
घर न० 5-9-58, बतार बाग, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री. मुरली परमानन्द पति. लाल जन्म परमानन्द,
बाई० जा० पा० ए०, डिवा. जन्म संवा.,
चिराग अली लेन, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फनेट न० बी-2/एफ-6, तीसरा मजला, घर न० 5-8-
512/517/नो, पूरम अगार्टमेंट्स, चिराग अली लेन, हैदराबाद
रजिस्ट्रार कृति विलेख न० 218/85 रजिस्ट्रार की अधिपति
हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाध, टी. एन. एम्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सशम

आयकर अधिकारी

आयकर अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 337/85-86—यतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिष्ठित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो मातृश्री अपार्टमेंट्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में श्री. पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चौकडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वक सम्पत्ति का अधिष्ठित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिकूल से ऐसे दायित्व प्रतिकूल का पक्ष प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिष्ठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए, बाध/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं धाना चाहिए था, छिपाव में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सम्पत्ति :—

1. मैजर्स मातृश्री इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स, प्रा० लि०, बाई मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन, श्री एम० वी० सुब्बाराव, घर नं० 3-5-873, हैदराबाद, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुसाला देवी पति वेंकटरामन रसम्या, डी नं० 202 मातृश्री अपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-873, हैदराबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी-202, दूसरा मजला, मातृश्री अपार्टमेंट्स, हैदराबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 26/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चौकडपल्ली।

एम० जगन मोहन
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985
मोहर

प्रकृति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश नं० आ.ए.एस. नं० 338/85-86—व्यतः मुझे
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका नं० फ्लैट है, तथा जो ग्राउंड फ्लोअर नल्लाकूट
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) को सहायक आयकर अधिकारी के कार्यालय, खैराबाद
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अनुसार, तारीख 11 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों:—

1. श्री प्रकाश सदरे,
प्रकाश अर्थाटमेंटस,
घर नं० 2-1-494,
नल्लाकूटा, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री जी० बी० ए० एस० प्रकाश राव,
आंध्रा बैंक, पोद्दुलावारी पालेम,
जिला—गुटूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, विस्तार 500 चौ० फुट, घर नं० 2-1-
513/3, नल्लाकूटा, ग्राउंड फ्लोअर हैदराबाद, रजिस्ट्रेशन
विलेज नं० 82/85, रजिस्ट्रेशन अधिकारी खैराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेजि, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सं० नं० 339/85-86—यतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि है तथा जो रावलकोले मेडिकल कॉलेज
के, में स्थित है (प्रो० डा० डा० अरुण में और पूर्ण रूप से
अपित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, मेडिकल
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधिनियम, सं० खण्ड अन्तर्गत, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्यवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री उपपल नरसय्या,
(2) श्री उपपल कुमार स्वामी,
रावलकोले विलेज, मेडिकल कॉलेज
रंगा रेड्डा जिला

(अन्तरक)

2. मेसर्स मोगल एस्टेट, आई मैनेजिंग पार्टनर
श्री श्रीकृष्ण मिर्जा, प्लॉट नं० 501,
स्टूरलिंग अपार्टमेंट्स, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शुची जमीन, विस्तार 52.53 एकर, रावलकोले विलेज
मेडिकल कॉलेज, रंगा रेड्डा जिला, रजिस्ट्रार विलेज नं०
822/35 रजिस्ट्रार अधिकारी मेडिकल ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेजि, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 340/85-86—अंतः मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दायीं पक्ष पर लिखी है, जो अनुसूच्या दम्पत्य
हिमायत में लिखी है (जो इसमें उपाध्व अनुसूची में भी
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी को कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्री अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अर्वात दिनांक 2/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स, एस० जे० चि० बिल्डर्स, वाई पार्टनर्स,
1, के० जयप्रसाद और भारत प्रि०, एम० नं० 3-6-10,
अनुसूच्या दम्पत्य काप्लैक, हिमायतनगर,
हैदराबाद । (अन्तरक)
2. मैसर्स शाम इंटरप्राइजेस, वाई पार्टनर्स,
श्रीमती मल्लीका, अन्नास अर्वा,
2. सैयद, बेनम घर नं० 1-2-53, दोमलगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रेसीसेड नं० 101, और 103, अनुसूच्या दम्पत्य
काप्लैक, प्रथम तल, घर नं० 3-6-10, हिमायतनगर,
हैदराबाद, रजिस्ट्री की अर्वा नं० 1193/85, रजिस्ट्री की
अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, हैदराबाद

दिनांक 6-9-1985

मोहर

प्रथम भाग. टी. ए. ए. नं. 1-1985

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 341/D5-D6—अतः मुझे एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो नाम अपार्टमेंट्स, बात नामपल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को प्राप्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था/है या, छुपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैकर्स, नन्दनम, कान्दूरुषण को० बाई,
मैनेजिंग पार्टनर श्री पी० शिवकुमार रेड्डी,
एम० नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० वसन्ता पति लेट, के० राजरेड्डी,
केअर आफ फ्लैट नं० बी-102, नन्दनम, अपार्टमेंट्स,
घर नं० 5-8-42, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावेस्तुतरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-605/85, छट्ठा मजिला, ब्लाक नं० सी, नन्दनम, टाक्स, घर नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली हैदराबाद रजिस्ट्रार अतः चिलेख नं० 1253/85, रजिस्ट्रार अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 6-9-1985

मोहर

प्रकृष आइ. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 342/85-86—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट है तथा जो नंदनम्, अपार्टमेन्ट्स,
नामपल्ली, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
हायत से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स, नंदनम्, इन्स्ट्रक्शन, को० आई
मैनेजिंग पार्टनर श्री पी० शिवकुमार रेड्डी
एम० नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री भूपेन्द्र सिंह चबाडा और
(2) श्रीमती सुरजीत कौर चबाडा पति भूपेन्द्र सिंह
फ्लैट नं० सी-701/67, एम० नं० 5-8-42,
नंदनम् अपार्टमेन्ट्स, नामपल्ली, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-701/67, सातवां मंजिला एम० नं०
5-8-42, नंदनम् अपार्टमेन्ट्स, नामपल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्री त
विलेख नं० 1254/85, रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-9-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 343/85 86—अतः मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निचकी सं० पनैट है, जो प्रकाश अपार्टमेंट्स, नल्लाकूटा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, चीकाडपल्ली,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश सखरे,
प्रकाश अपार्टमेंट्स,
घर न० 2-1-494,
नल्लाकूटा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती व्ही० नामरत्नम, पति व्ही० एल० नारायणा,
एम-6, मेट क्वार्टर्स, एच.पॉर्ट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 9, दूसरा मंजिला, घर न० 2-1-513/3
प्रकाश अपार्टमेंट्स, नल्लाकूटा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख
न० 178/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीकाडपल्ली।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, हैदराबाद

दिनांक : 6-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 344/85-85—अतः मुझे
एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लोट है, जोतरदार पटेल, रोड, सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान
प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के द्वाबार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किना जाया बाह्य या छिपते में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-296GJ/85

1. श्री हाशिमन्दपिता श्रीबधुमल।

4, अवाहरा निगर का मोर्नी,
पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० रामू पिता के० नरसय्या,

घर नं० 2-2-53, पान बाझा,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में सम्यक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाह लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें आयुक्त शर्मा और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लोट नं० 66, त्रिस्नीर्ग 26605 बा० गज, घर नं०
2-11-30, (156 या 159) सरदार देव रोड, कान्दोतमेंड
सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकरण क्रि.सं. नं० 112/85 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 345/85 86—अतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजित्री सं० प्लॉट नं० है, जो सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर डापे उभावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1/85

का पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेज रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरिप्रसाद, पिता श्री बधुमल,
4, जवाहरनगर कलानी,
पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० वेंकटेश पिता के० नरसय्या,
घर नं० 2-2-53, पान बाजार,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 65 विस्तीर्ण 266.35 चौ० गज, घर नं० 2-11-30, और 156 से 159 सरदार पटेल रोड, डे कन्टोमेड, सिकन्दराबाद दिनांक 10-11/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-9-1985

मोहर:

रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 346/85-86—अतः मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है जो तारनाका, तारनागाँवा में स्थित है
(और इसमें उपग्रह अनुसूची में श्रेणी जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
जानवरी, 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम्पादा नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने या अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रकांत, 12-13-284, रोड, नं० 9,
तारनाका, तिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. के० प्रदीप 12-13-245, रोड, नं० 5,
तारनाका, तिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या परसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट और भूमि सर्वे नं० 182/10 और 183/14,
विस्तीर्ण, 864 चौ० गज, तारनागाँवा तारनागाँवा, तिकंदराबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 152/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश नं० आर० रे० सी० नं० 347/35-81—अन्त. मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन स्थावर संपत्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री अर्जुन रेज, फ्लैट नं० 6, प्रेमीवें घर, हैदराबाद में स्थित है (श्री अर्जुन रेज उपावस अनुसूची में आता जो पूर्ण रूप से दर्जित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1/85

को प्रत्यक्ष संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल ले लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जगजीवन इन्टरप्राइजेस, आई श्री गुरदीप सिंह पिता दीवीप सिंह घर नं० 1-2-593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वद कुमारी, फ्लैट नं० 6, घर नं० 1-2-593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टि

फ्लैट नं० 6, प्रेमीवें घर नं० 1-23593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विनेख नं० 413/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

रक्षक आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए०सी० नं० 348/85-86—अतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट है, जो गंगमहल रोड, दोमलगुडा, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1/85

को प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववत् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्याय 6—

1. मैमर्स एंजेलिस्ट, आई
पार्टनर श्री श्री० बी० रामन,
1-2-24, गंगमहल रोड, दोमलगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री जी० प्रभारराव पिता जी० वेण्कटेश्वर राव,
1-2-593/17, गंगमहल, चालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्सम्भनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहायक

फ्लैट नं० 203, विस्तीर्ण 985 चौ० फुट, गंगमहल रोड,
दोमलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री त घिनेख नं० 102/85,
रजिस्ट्री की अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 349/85-86—अतः मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसे सं० शैड है, जो इन्डस्ट्रियल इस्टेट, सनतनगर में
स्थित है (और इसे उदाहरण अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छद्म
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गोपनीय रूप से अधिनियम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियमों के
अधीन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधीन कर देना पड़ेगा, या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स इंजीनियरिंग, लेबोरेटरीज, और वर्कस प्रा० लि०
बाइ श्री आर० सुब्बनारायणा, 3-4-874,
बरधतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स, भावे इंजीनियरिंग को०, बाइ
श्री प्रमदवर्मा, भाटिया, घर नं० 6-3-345/3
रोड, नं० 1, बशागा हील, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल शैड नं० सी-30, सनतनगर, इन्डस्ट्रियल इस्टेट
हैदराबाद, चिरतीर्ग, 125335 चौ० म०, प्लथ एरिया
2993 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकरण विवेक नं० 604/85, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-6-1985

मोहर

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1985

विधिग मं० आई० ए० सी०/पं०/भोपाल/5874—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्वा० एल० आई० जी० नं० 303 है, तथा जो पद्मनापुर, दुर्ग में स्थित है (और जो उक्त अधिनियम में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) यजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विभाजित उत्तरवी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मूल्यित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निगमन में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मूल्यित व्यक्तियों, अधिनि :—

1. श्री प्रहलाद राम भाई कोटे पिता श्री आ० डब्ल्यू० कोटे
पि० क्वार्टर नं० 20-ए, स्ट्रीट, नं० 31,
मिनाई गंग ।

(अन्तरक)

2. श्री भगवती प्रसाद देवांगन पिता अयोध्या प्रसाद देवांगन
विधासी एल० आई० जी०
ब्रांच आफिस, मिनाई ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वा० एल० आई० जी० 303, पद्मनापुर, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिणी द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज, भोपाल

दिनांक 29-8-1985

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5875—अतः मुझे
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तथा बंदा हुआ मकान, प्लॉट नं० 5 (ख०
नं० 438/5) है, तथा जो न्यू शान्ति नगर रायपुर में स्थित है
(जो इन्फेन्ट्री अड्डे अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण
अविवरण, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

1. श्रीमती हरी कुमारी, पत्नी श्री आर० एस० शर्मा,
लेक्चरर, गर्ल्स गवर्नमेंट डिग्री कालेज,
रायपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री हेमन्त कुमार पिता जे० पी० निधारी,
निवासी छोटा पारा, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नया बना हुआ मकान, प्लॉट नं० 5 पर (ख० नं० 438/5)
न्यू शान्ति नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा, स्थापित फार्म नंबर
37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-8-1985

मोहर

प्रकृति आई टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5876—अतः
मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मजान प्लॉट नं० 443 है, तथा जो ए-सेक्टर,
शाहपुरा, अरेरा, कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इसका उपा-
बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अधिश्रा के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या भुन या अन्य वास्तविकता
का, जिसका अन्तरक आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या कि या जाना जाइए या, विधान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—296GI/85

1. श्रीमता पुष्पा हेमनाता, पत्नी श्रीमोह हेमनाता
निवासा एल०आई० जे० 103, कोटरा,
मुल्तानाबाद, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. शशिबाला चौकम पत्नी जे० पी० चौकसे,
21 ई-रेलवे कालोनी, द्वाराका (गुजरात) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मजान, प्लॉट नं० 443-ए, सेक्टर शाहपुरा, अरेरा कालोनी,
भोपाल में स्थित है • यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिता, द्वारा, सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में
निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज भोपाल

दिनांक 29-8-1985

माहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल-5877--अतः

मुझे एम० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्ट्री सं० क्वा० एम० आई० जे० नं० 178 है, तथा जो
ए-सेक्टर, शाहपुरा, अरेरा जालोनी, भोपाल में स्थित है (श्रीर
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार
की अधिपति के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या नमसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिनका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संजय कुमार मेहता, पिता एन० के० मेहता,
बापना जालोनी, 21, बेरसिया रोड, भोपाल
द्वारा, ए० आर श्री गिरेन्द्र कुमार पिता श्री रमाशंकर
विवाहा, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्री रमाशंकर विवाहा, पिता स्व० श्री बुद्धमन विवाहा,
निवासे: भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करने के लिए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिखित जांचें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

महान एम० आई० जे० नं० 178, ए-सेक्टर, शाहपुरा,
अरेरा जालोनी, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मन्व्यापित फार्म नं०
37 जी में निहित है ।

एम० सं० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 29-8-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई०एन० सं०/अर्जन/भोपाल/5878- अतः सुधे
एम्स० सं० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 131/1 है, तथा जो महाराणा
प्रताप नगर, जोन-2, मेजर गान्धि वेंडर, हवाबगंज, भोपाल
में स्थित है (और इसके उचित अनुसूची में और जो पूर्णरूप में
वर्णित है) निम्नलिखित अधिनियम के अन्तर्गत, भोपाल में
रजिस्ट्रार जन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम
जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० सी० जोशी, पिता बी० डी० जोशी

निवासी 139/1, प्रोफेसर कालोना, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्री विहंगम मोह० खाँ, पिता अब्दुल समद खाँ,

द्वारा श्री मोह० साहिद खान, दानिश गृह निर्माण

सोसायटी, कारजः मियाटेंट हाउस के पास, गली नं० 2,

इतबारा, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 131/4, महाराणा प्रताप नगर, जोन-2, मेजर
गान्धि वेंडर, हवाबगंज, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर
सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा, सत्यापित
फार्म नंबर 37 जो में निहित है ।

एम्स० सं० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

दिनांक : 29-8-1985

मोहर :

प्रकाश जाई.टी.एच.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5879—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला प्लॉट नं० 53 ए पर है, तथा जो
ईदगाह, हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय
भोपाल में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दरमामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
गिर/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षातु :—

1. श्रीमता सुरजीत कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह कोहली
निवासी 53 ए, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द खत्री, पिता श्री लेखराजमल खत्री
निवासी 50 बा, रिज रोड, ईदगाह हिल्स,
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला, प्लॉट नं० 53 ए पर, ईदगाह हिल्स, भोपाल में,
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण
अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

दिनांक : 29-8-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5880—

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आउटहाउस क्वार्टर्स नं० 1031/1 से
1013/8, साथ में प्लॉट नं० 6/3 प्लॉक नं० 4 है, तथा
जो नार्थ सिविल लाईन्स, नेपियर टाउन के पास, जबलपुर
में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय,
जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का,
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बसमान प्रतिफल से ऐसे बसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा बनी प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से काँचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
धन, में उक्त अधिनियम की धारा 269-अ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जोहरबाई फली श्री नानाभाई
1008/9, नेपियर टाउन,
जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री धीरज लाल मेहता
पिता श्री मोरारजी मेहता,
निवासी-48, नर्बदा रोड,
द्वारा राजुल कंस्ट्रक्शन्स, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करनी हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आउट हाउस क्वार्टर्स नं० 1013/1 से 1013/8
साथ में प्लॉट नं० 6/3 (प्लॉक नं० 4) नार्थ सिविल
लाईन्स, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह
स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

तारीख : 29-8-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष बाल, जी. एन. एन.

आज्ञाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5881-—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 6 है तथा जो
मार्तण्ड चौक, हिन्दू कालोनी, इंदौर में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रार कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रार कार्यालय
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल में एक दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की वास्तव., उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के कारण से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० दत्तात्रय आठले पिता भैरवाजी आठले,
6, मार्तण्ड चौक, इंदौर,
2. वंजजी व कुमार दत्तात्रय आठले।
(अन्तरक)

2. मैं० आशीर्वाद ट्रेडिंग कम्पनी,
पार्टनरशिप फर्म 136,
देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर
तर्फे पार्टनर श्री मदनलाल पिछा दरबारीखाला जी
बगैरा, 6, नि० देवी अहिल्या मार्ग,
इंदौर, मकान नं० 136।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित न किया जा सके।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6, मार्तण्ड चौक, हिन्दू कालोनी, इंदौर में
स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3882---अतः
मुझे, एम० सी० शर्मा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिनमें सं० भूमि ख० नं० 61/2 है, तथा जो
ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इंदौर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय में इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिरिक्त; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिखे गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मदनलाल पिता अम्बाराम तम्बोल,
नि०-ग्राम पिपल्या कुमार
तह० व जिला इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र बाबूलाल बाहेली, एच० यू० एफ०,
द्वारा कर्ता डा० रमेश बं० बाहेली
पिता मेठ श्री बाबूलालजी बाहेली,
22, पुराना पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमसूची

असिचित भूमि ख० नं० 61/2, ग्राम पिपल्या कुमार
तह० व जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति
है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म
नंबर 37 जो में निहित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 3-9-1985

मोहर:-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5883-अंतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 56, 61/1 है, तथा जो
ग्राम पिपल्या कुमार जिला इंदौर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मनोहरलाल पिता अम्बाराम तम्बोली,
नि०-ग्राम पिपल्याकुमार तह० व जिला,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश एन० गर्ग, एच० यू० एफ०,
द्वारा कर्ता श्री कैलाशचंद्र गर्ग
पिता नारायणलालजी गर्ग,
निवासी-22, पुराना, पलासिया,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 56, 61/1, ग्राम पिपल्या कुमार तह०
व जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर
37-जो में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

मोहर:

प्रकाश जाट, टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/5884—प्रतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 2 है, तथा जो
इन्द्रपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुषंग से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हूँ किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
02—296GI/85

1. (1) सरदार कुंदनसिंह पिता उजागरसिंह भुल्लर
एवं (2) सरदार हरमिन्दर सिंह पिता कुन्दन
सिंह भुल्लर, निवासी—1-ए०, इन्द्रपुरी कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मीदेवी पति अशोक कुमार गुप्ता
एवं (2) अशोक कुमार पिता काशी प्रसादजी
गुप्ता, निवासी—24, लोधी मोहल्ला, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या ससम्बन्धी व्यक्ति को पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 1, मदन मकान के प्लॉट का
क्षेत्रफल 5400 वर्गफिट है। इन्द्रपुरी कालोनी, इंदौर में
स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित
है।

ए० सी० शर्मा

नभ्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 4-9-1985

मोहर :

प्रकृष माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5885—अतः

मुझ, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बाय 60 के प्लॉट पर बना
मकान नं० 168 है, तथा जो श्रीनगर कालोनी, इंदौर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
मूल्य में कटित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में
कभी कटौत या उचित करने में सुविधा के लिए
की/या

(ख) ऐसी किसी बाबत या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवर्णनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः—

1. श्री चन्द्रकान्ति महादेव सुकथनकर,
निवासी—168, श्रीनगर कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रानी माहिबा मोहीनी कुंवरजी,
निवासी—529, बाबल,
जिला मंदसौर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्य
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचनाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 40 बाय 60 पर बना हुआ मकान नं० 168,
श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

मोहर:

इस. भाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5886—अतः

मुझ, एम० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जाय विल्डर्स कालोनी स्कीम नं० 2, प्लॉट नं० 1 व 2 व उस पर निर्मित मकान (अपूर्ण) है, तथा जो जाय विल्डर्स कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की श्रेष्ठतम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रेष्ठतम प्रतिफल से, ऐसे श्रेष्ठतम प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता प्रतीत था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत :-

1. श्रीमती शुभांगी पति श्री जीवाजी मंगेश नाइकर्णी,
5/2, यशवंत निवास रोड,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विद्यावती पति श्री रामचन्द्रजी गर्ग,
(2) चन्द्रकांताबाई पति स्व० मोहनलालजी गर्ग,
निवासी—16/1, शक्कर बाजार,
इंदौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जाय विल्डर्स कालोनी स्कीम नं० 2, यहाँ पर प्लॉट नं० 1 व 2 व उस पर निर्मित अपूर्ण मकान इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
मुख्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 4-9-1985
मोहर :-

प्रकाश जाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5887—प्रतः
मुक्त, एस० सी० शर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 व उस पर बना हुआ
मकान है, तथा जो श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इन्द्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उसमें बढ़ाने में बाधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् :—

1. श्री राजन्द्रसिंह पिता श्री दुलैसिंहजी, मेहता
तरफे ग्राम मु० विपेन्द्रसिंह मेहता पिता श्री दुले-
सिंह मेहता, 108, श्री नगर कालोनी, इंदौर।
(अन्तरक)

2. श्री सीताराम पिता श्री नामदेव खोत,
(2) श्री राजेश पिता विजयकुमार खोत,
निवासी-15, एम० टी० एच० कम्पाउण्ड,
इंदौर।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी
नव्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के पात लिखित में
से किए जा सकेंगे।

सम्पीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 108 व उस पर बना हुआ मकान, श्रीनगर
कालोनी, इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
तक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 4-9-1985
हस्ताक्षरः

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/8888--अतः
मुख्य, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

मकान नं० सी०-1, सीताबाग कालोनी,
जो इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
होने के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रसार, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूत यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए एक
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित या वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण में हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में हविधा
के लिए; आई/आ

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे था, छिपाने में हविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी शकुंतला शिन्दे पुत्री श्री मार्तण्ड. राव शिन्दे,
निवासी—सी०-1, सीताबाग कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र दत्त ग्यानी पिता श्री विष्णुदत्त
निवासी—एम० जी. रोड,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

सत्यापनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी०-1, सीता बाग कालोनी, इंदौर
में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी०
में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 8-9-1985
मोहरः

प्रूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5889-अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० मकान नं० सी-1, सीताबाग कालोनी,
इंदौर है, तथा जो इंदौर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कड़ने या उससे बचने में व्यक्ति
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
नं० में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. कुमारो शकुंतला शिंदे पुत्री श्री मारुण्ड राव शिंदे,
निवासी—सी०-1, सीताबाग कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमन ग्यानी पत्नी श्री वीरेन्द्र दत्ता ग्यानी
निवासी—एम० जी० रोड,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म्यु० मकान नं० सी०-1, सीताबाग कालोनी, इंदौर
में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी०
में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-9-1985
पांहर 2

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5890-अत,
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 142/1 से 161 है, तथा
जो ग्राम कबीर खेड़ी, डवलपमेंट स्कीम नं० 54, इंदौर में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय
प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पूरा प्रतिफल से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
इस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाबित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नं०, नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

- 1 श्रीमती कार्णाबाई पत्नी श्री नारायण,
(2) मांगोल, (3) श्रीराम, (4) रामप्रसाद
पिता नारायण, (5) सिद्धीबाई पत्नी सालाग्राम,
(6) स.वंत, (7) भरेश्वर पिता सालाग्राम,
(8) रमेश, (9) रमेश (10) सोमेश्वर पिता नागी
(11) ब्रिजलाल पित. फाजीनि—ग्राम कबीर खेड़ी,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी मेसर्स न्यायिक कर्मचारी गृह निर्माण
सहकारी संस्था मर्यादित जिला कोर्ट प्रीमिसिस,
एम० जी० रोड, इंदौर,
द्वारा धिनकर राव उपाध्याय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवध्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 142/1, से 161 ग्राम कबीर खेड़ी
डवलपमेंट स्कीम नं० 54, इंदौर में स्थित है। यह वह
स्थायर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985
मोहर

प्रारूप बिल, टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5891—अतः

मुझे एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० नवीन क्रमांक 27 है, तथा जो रेलवे
स्टेशन रोड, नवीननाम सुभाष मार्ग, उज्जैन में स्थित है
(और इसमें उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण व है किसी जाय की वास्तविक व्यय
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वास्तविक में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री दर्शनलाल आत्मज अर्माचन्द्र जी डाबर अरोग
निवासी—मोहल्ला कंचनबाग,
इंदौर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. मेसर्स रामकृष्ण इन्टर प्राइजेस इंदौर, जि०
फर्म द्वारा भागीदार प्रदीपकुमार आत्मज भोला
रामजी जायसवाल, निवासी-53/4, रेशमवाला
कल्याण्ड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है,

अनुसूची

पुराना नगर निगम क्रमांक 1/171 व 1/171/1
नवीन क्रमांक 27, रेलवे स्टेशन रोड, नवीननाम सुभाष
मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985
मोहर :

प्रमुख कार्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5892—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भवन नं० नि० क्र० 1/171 का पीछे
का भाग नया नं० 28 है, तथा जो स्टेशन रोड़, सुभाष
मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपानयन अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

में पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह से उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक की
वास्तव में कमी करने या उक्त वजह से सूचना
के लिए की/या

(ख) इसी किसी बात या किसी बात या अन्य वास्तविकी
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोक्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सूचना के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित—

21—296GI/85

1. श्रीमती सत्यवतीबाई पत्नी दशरथाजी डोंबर अरोरा
निवासी—मोहल्ला कंचनबाग,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स रामाकृष्णा इंटरप्राइसेस इंदौर रजि०
फर्म द्वारा भागीदार प्रदीप कुमार
आत्मज भोलारामजी जयसवाल,
निवासी—रेशमवाला कम्पाउन्ड,
इंदौर, (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए
कार्यवाही करा गया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहम्याक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिगत नोट :—इसमें प्रयुक्त पद्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन नं० नि० क्रमांक 1/171 का पीछे का भाग,
नया नं० 28, स्टेशन रोड़, सुभाष मार्ग, उज्जैन में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-बी में किया है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 4-9-1985

मोहर

प्रकटन आई.टी.एन.एन.-----

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5893—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूकान प्लॉट नं० "बी०" पर प्लॉक नं०

1, पलासिया 11-सी०, है तथा जो न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अनिल कुमार पिता श्री मोतीलालजी
(2) श्री सुनील कुमार पिता—तदैव—
(3) श्री अजीत कुमार पिता—तदैव—
द्वारा पिता श्री मोतीरामजी पिता श्री राधेलम निवासी—19, ग्रीफड पलासिया, इंदौर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स जावेरी कन्स्ट्रक्शन्स प्रायवेट लिमिटेड,
11/5, न्यू पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजान, प्लॉट नं० "बी०" पर प्लॉक नं० 1, पलासिया
11 "सी०" (न्यू पलासिया) इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-9-1985

मोहर:

प्ररूप जारी टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालिव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5894—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि ख० नं० 10 20/4, 20/5, 20/6,
20/9, 51 एवं 52 एक मकान एवं दो कुएं हैं, तथा जो
ग्राम पालड़ा जिला इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
शास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयुक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भूपेन्द्र कुमार
सेठी कमल विला,
देवास रोड़, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी नारायण पिता पन्नालाल,
68, उषागंज, मेन रोड़,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि-बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नुताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान, दो कुएं, एवं अन्य चीजें, कृषिभूमि ख०
नं० 10, 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 एवं 52
ग्राम पालड़ा, जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित
फार्म नंबर 37 जी० में निहित है।

एन० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-9-1985
मोहर :

व्यापक बाढ़, टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आ.सं० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5895—अतः

मुझे, ए० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 20 है तथा जो पलासिया
इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय,
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्व उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यह पूर्व उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वह प्रतिफल से
अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती (अंतर्गतीयों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तबिक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) यस्तथा उक्त किसी बाव के बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा पकड़ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—

1. (1) श्री वेणगोपालन पिता श्री गोपालजी,
(2) श्रीमती उषा पति श्री वेणगोपालन,
निवासी—रोड़ ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन गोडाउन,
देवास, नाका निरंजनपुर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला पति श्री गुरुदास रंगनानी,
निवासी—29, अम्बर बिल्डिंग,
8वां माला, 13/2, महात्मा गांधी मार्ग,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 20, पलासिया, इंदौर में स्थित है यह वह
स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तर्गती द्वारा
सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

ए० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-9-1985

माहुर ५

राज्य कायदा, 1985

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5896/—

प्रति: भुले, एस० सी० शर्मा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह सूचना करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 17, ब्लॉक नं० 10, 11, म्यु० नं० ग्रीड 19, नया 22 है, तथा जो यशवन्त निवास रोड, इन्दौर, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मूल्य में बहुत विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के शायिल में कभी करने या उससे बचाने में सूचना के लिए और/या

(ख) इसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य भागियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन सूचना अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किन्तु न के सूचना के लिए;

(1) विजय कुमार पुत्री स्व० मेजर मोहन सिंह जी, वर्तमान श्रीमति विजय कुमारी देव पत्नि श्री प्रभाकर देव,
2. कस्तूरी रंगा इस्टेट, 2 स्ट्रीट, पट्टा-86 द्वारा मु० ग्राम श्रीमति भानु कुमारी पत्नि श्री अरशाद रशीद,
रशीद कोठी, 22 यशवन्त निवास रोड, इन्दौर ।
(अन्तरक)

(2) श्री द्वारिका प्रसाद सुरेका
2. रमेश चन्द्र सुरेका
3. सुरेश चन्द्र सुरेका
4. नरेन्द्र कुमार सुरेका
सभी पुत्र श्री राधेप्रियाम जी सुरेका
निवासी—110 कोठरी मार्केट, इन्दौर ।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है ।

उक्त सूचना के अधीन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 17, ब्लॉक नं० 10 एवं 11, म्यु० ग्रीड नं० 19 नया 22, यशवन्त निवासी रोड, इन्दौर में स्थित है ।

एस० सी० शर्मा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत 4, ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 16 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5897--

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लाट नं० 30 पर बना हुआ मकान है, तथा जो केसर बाग रोड, पर स्थित इन्दिरा गांधी नगर, इन्दौर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जमनादास पिता शिवदयाल जो साहू,
निवास :—हेमसन पालोनी, 11 इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार

2. कमलेश कुमार पिता माणिक चन्द जी जैन,

3. श्रीमती माणिक बाई पति माणिक चन्द जैन,

निवास :—9/3, महेश नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 30 पर बना हुआ मकान, केसर बाग रोड पर स्थित इन्दिरा गांधी नगर, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-9-1985

मोहर :

रूप बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती सरला कुमारी पति वर्तमान जी
उफरिया ऋतुवन, रामबाग, रतलाम।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5898—

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन गण्य अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० खुली भूमि साथ में सर्वेन्ट क्वार्टर्स है, तथा जो
म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के लिए भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को, बताने :—

(2) श्री मोहम्मद हुसैन पिता नजमुद्दीन पाकावाला
2. युनुस अली पिता श्री नजमुद्दीन पाकावाला
3. शब्बार हुसैन पिता श्री नजमुद्दीन पाकावाला
4. इशाक अली पिता श्री नजमुद्दीन पाकावाला
निवासी—ताहिरपुरा, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

मन्सूरी

खुली भूमि साथ में सर्वेन्ट क्वार्टर्स, म्यु० स्ट्रीट नं० 19
के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति
है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं०
37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सहायक प्र. अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-9-1985

मोहर :

अर्थ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5989—

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० खुली भूमि साथ में सर्वेन्ट क्वाटर्स है, तथा जो म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल के पत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला कुमारी
पत्नी स्व० श्री वर्द्धमान जी डफरिया,
ऋतुवन, रामबाग, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जरीनाबाई
पत्नी श्री नजमुद्दीन पाकावाला,
ताहिपुरा, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुले भूमि 25,983 स्के० फीट साथ में सर्वेन्ट क्वाटर्स,
म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास रामबाग, रतलाम में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुनरेंज, भोपाल

जन्मोपल दिनांक 9 मिनम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5902/—

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16, खसरा नं० 92/7, प० ह० नं०
79 है, तथा जो कमानीडोह, तहसील दुर्ग जिला दुर्ग में स्थित है
(और इसमें उपाबुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—296GI/85

(1) श्री दीनानाथ भट्टाचार्य पिता
श्री अम्बिका चरण,
निवासी—1ए, 65, 6 भिलाई नगर,
जिला दुर्ग।

(अन्तरक)

(2) श्री चित्तरंजन चटर्जी
पिता स्व० श्री एस० सी० चटर्जी,
निवासी—क्या नं० 4ए, स्ट्रीट 3, सेक्टर 10,
भिलाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16, खसरा नं० 92/7 है, तथा जो कमानीडोह,
दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण
फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा जो अन्तरिती द्वारा सत्यापित
किया गया है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुनरेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकट भाई.टी.एन.एस

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोगाल दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आर्ह० ए० सी० अर्जुन/भोपाल/5904—

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि एकड़ 11.58 है, तथा जो ग्राम विस्तार, में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उसके अर्थ में परिवर्तन के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्थान में परिवर्तन के लिए;

तब 2 वाक्य, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेमर्स एस० पी० लाइन वर्क्स,
784, नेपियर टाउन, जबलपुर
भागीदार श्री एनउडीन व श्रीमती अपरा बेगम ।
(अन्तरितों)
- (2) श्री सुनील मिश्रा पिता श्री जे० पी० मिश्रा
निवासी—पावरकर बाई, नई बस्त, कटनी ।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों या सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती है, के अन्तर्ग पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एकड़ 11.58 है जो ग्राम विस्तार, कटनी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितों द्वारा सत्यापित किया गया है ।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहूर

प्रकृति भाग. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/5905-

अतः मुझे, एम० सी० शर्मा

प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैं यह निश्चय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम विस्तार लिखा है)

और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ए० दृश्यमान प्रतिफल का
ए० प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य जागतिक
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) मेमसे एम० पी० लाईन वर्क्स

नि०-784 नेपियर टाउन जबलपुर,

श्री एनेउडोन एवं श्रीमति अपरा बेगम भागीदार।

(अन्तरक)

(2) श्री जमना प्रसाद व मिश्रा जगमोहन प्रसाद मिश्रा

पिता श्री माणक जी, कटनी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तता पर
सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किंगी अन्य व्योक्त द्वारा अधाक्षताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ धारा 2, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी खसरा नं० 25/1क, 26/1, मौजा विस्तार, जिला
कटनी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यातपि फार्म नं० 37 जी में निहित
है।

एम० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 9-9-1985

मोहर ५

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

मातृगत सरकार

महाजन्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 फ़रवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5913--

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुपि भूमि खसरा नं० 2 है तथा जो ग्राम
देवड़ा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत से वास्तविक
प्रतिफल से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सहित में करी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रताप कोठारी पिता गंगाराम कोठारी
निवासी—सारपाल, जगदलपुर—तहसील
जिला—बस्तर।

(अन्तरक)

(2) बस्तर सेवक मंजील, जगदलपुर
द्वारा अध्यक्ष जीजोमफ कुठेनेकल, जगदलपुर,
जिला—बस्तर।

(अन्तरिती)

यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या अत्यल्पतया व्यक्तिगत रूप से
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन:—इसके प्रमुख कर्तव्य और धारा 2, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रसूची

भूमि खसरा नं० 2, ग्राम देवड़ा तह० जगदलपुर जिला
बस्तर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित
है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-9-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5914—यतः,
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि एरिया 2.5 है, तथा जो रतनपुर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बोंदर सिंह आत्मज श्री भोरजी पनवार,
रतनपुर, सड़क, फंदा
(अन्तरक)

2. (1) श्री बी० के० दवेआत्मज श्री जे० एस० दवे,
निवारी बबरिया फाटका हटा, जिला दामोह,
(2) श्री संतोष पंड्या, रोड हटा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि एरिया 2.5 है, जो रतनपुर रोड फंदा में स्थित है
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल--अतः, 5915

मुखे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि ख० नं० 3, 16 एकड़ है, तथा जो ग्राम सौरपाल, देवरौड़ा तह० जगदलपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

का प्रयोजन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पदावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बानादेवी कोठारी
निवासी—ग्राम सौरपाल तह० जगदलपुर,
जिला बस्तर
(अन्तरक)

2. बस्तर सेवक मण्डल, जगदलपुर द्वारा
अध्यक्ष श्री जोसेफ कुंटुनेरुल, जगदलपुर,
जिला बस्तर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 3, ग्राम सौरपाल, देवरौड़ा तह० जगदलपुर, जिला बस्तर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मिनम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5916—अतः,
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 700/9, प्लॉट नं० 7 पर, मोदी हाउसिंग को० सोसायटी लिमिटेड है, तथा जो ग्वारी गेट (टैगोर छे नगर), जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती च्यामनी देवी पत्नी श्री एस० बी० राय
(2) कमला भट्टाचार्य पत्नी श्री भट्टाचार्य,
(3) मुबारकसु विकास राय पिता श्री एस० बी० राय
(4) सीतार्मणु पिता श्री एस० बी० राय,
निवासी—टैगोर नगर, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. कर्नल पी० सी० बेनर्जी पिता स्व० जे० एन० बनेर्जी मिलिट्री हॉस्पिटल, जबलपुर
(वर्तमान सैनिक अस्पताल मिलिट्री हॉस्पिटल बरेली)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 700/9, प्लॉट नं० 7 पर मोदी को० हाउसिंग सोसायटी, रामपुर, खेटनगा, टैगोर नगर, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5917—यनः,
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 320/1, एरिया 4.31 एकर
खाना नं० 350 है, तथा जो ग्राम श्रीमागिर्द, तहसील
बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री विठ्ठल (2) भीका, (3) चम्पालाल
(4) निर्मला बाई (5) जमोदा बाई पिता नापीराम
(6) द्रौपदी बाई विधवा नापीराम महाजन आलमगंज,
बुरहानपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री काए० जे०हर पिता इस्माइलभाई सुस्री,
निवासी इनवारा बुरहानपुर
(2) श्री रतनलाल भैवरलाल माहेश्वरी,
सनवारा बुरहानपुर
(3) श्री यशवन्त पिता माकनचन्द सोलंकी बुधवारा,
बुरहानपुर
(4) श्री ईश्वरदास ठाकुरदास मर्चेन्टम
बुधवारा बुरहानपुर
(5) चन्द्रलाल कांतिलाल सोलंकी
बुधवारा, बुरहानपुर,
(6) सं० छायादेवी पति ईश्वर दाम बुरहानपुर,
(7) मधुसूदन घनश्यामदास सनवारा बुरहानपुर,
(8) रामस्वरूप पिता चांदमल चौधरी सनवारा,
बुरहानपुर,
(9) भीमकरण रतनलाल माहेश्वरी सनवारा
बुरहानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम श्रीमागिर्द, तहसील बुरहानपुर जिसका
खसरा नं० 320/1 एरिया 4.31 एकर और खाना नं०
350।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-9-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5925:-अनतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या तीन मंजिला एक मकान नं० 18 है,
तथा जो व्यायामशाला, उज्जैन में स्थित है (और इससे
उपावद्ध असूनुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23— 96GI/85

1. श्रीमती ककुमणी बाई पत्नी मदन सिंह जी नीमामहोजन
निवासी 8, व्यायामशाला, की गरी,
उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश पुत्र देवी चन्द्र
2. प्रेमलता पत्नी जगदीश चन्द्र जी
निवासी खत्रीवाडा,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्गहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान नम्बर 18, व्यायाम-
शाला, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5926:—प्रतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या म्यु० नं० 43 का भाग, है, तथा जो
कोट गली क्रमांक 5, उज्जैन में स्थित है (और इससे उम
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल पिता मोती लाल जी
निवासी गुदरी बाजार,
उज्जैन।

(अन्तरकमें)

2. श्री बिनेश चन्द्र पिता राधाधरण पण्ड्या
निवासी फीगंज,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान म्यु क्रमांक 43 का भाग, मोहल्ला काट गली
क्रमांक 5, उज्जैन में स्थित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रजन/भोपाप्र 5927:—प्रतः भुक्ते
सेएस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 46/1 है, तथा जो
विश्वविद्यालय मार्ग क्रमांक 1, उज्जैन में स्थित है (और इससे
उत्पन्न आयुक्तों में और पूर्ण दाय से वर्तित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहम्मद इदरीस पिता मोहम्मद ईसाक
निवासी-349, कानियादेह गेट, उज्जैन
सर्क राज हुसैन पिता मोहम्मद ईसाक
निवासी-349, कानिया देह गेट,
उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र पिता बाबूराम जी आर्य
निवासी कार्तिक चौक,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमसूची

म्यु० मकान नं० 46/1, विश्व विद्यालय मार्ग, 1, उज्जैन
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में
निहित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 9-9-1985

मोहर

प्रकार आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5428:—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन रखम प्राधिकारों को यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त स्थान, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख नं० 1081 का भाग है, तथा
जो मोजा टिकरी जिला बैतूल में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बैतूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा-वर्णित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे दक्षे में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगन्नाथ प्रसाद वर्मा

वलद रामदीन वर्मा

निवासी-टिकरी तहसील व जिला बैतूल।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र नाथ भार्गव

वलद भोला नाथ भार्गव

निवासी बैतूल गंज जिला बैतूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख नं० 1081 का भाग, मोजा टिकरी जिला बैतूल
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में
निहित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5929—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० महान नं० 32/241 है, तथा जो
जिन्दा की छावनी, महाराजा लक्ष्मीबाई रोड, लखनऊ में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार-ऑफिस के कार्यालय, खानपुर
में रजिस्ट्रार-ऑफिस अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधिनियम तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित का गढ़ा है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री आर० जी० दाते,
निवासी एम० एन० बी० रोड,
लखनऊ, खानपुर।

(प्रत्यक्ष)

2. डा० उदय भोसले,
निवासी एम० एन० बी० रोड, लखनऊ,
खानपुर।

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म्यु० महान नं० 32/241, जिन्दा की छावनी, महाराजा
लक्ष्मीबाई रोड, लखनऊ खानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर
संपत्ति है जिसे राजपत्र द्वारा अंतरिती द्वारा अधोहस्ताक्षरित
फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 9-9-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सा०/ग्रजन/भोपाल/5930:--अतः मुझे,
एम० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सूचना प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मूल्यांकन एम० आई० जे० 7 है, तथा जो
श्रद्धालुओं, देवालय रोड, उज्जैन में स्थित है (और इससे
उत्पन्न आय में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
संपत्ति प्राधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में स्थित
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम,
तारीख जनवरी, 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि संपत्ति प्राधिकारी के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्णयित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कोटित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एम्भी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रामेश्वर पित्त माणिक्यार्ण
निवासी गोदा चौक,
उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा पति श्री प्रकाश चन्द जो साइल
निवासी पाटनी बाजार,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तराबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन क्रमांक एम० आई० जे० 7-7, श्रद्धालु नगर
कालोनी, देवालय रोड, उज्जैन में स्थित है।

एम० सी० शर्मा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

माहूर :

प्रमुख आइ. टी. एम. एण्ड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल-5931—प्रतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पन्ना 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख. नं० 159, 161 है, तथा जो
ग्राम सावेरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय पेटलावद (झाबुआ) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपर्युक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम. एम. अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई गलती को ध्यान में रखते हुए,
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया तो के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
तब से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 श्री भागीरथ

2 रतन लाल पिजा लाल चन्द मेहता जैन
निवासी-वामनियों परगना पेटलावद जिला झाबुआ
(अन्तरक)

(1) 1. सुभाष चन्द्र,
2 राजेन्द्र कुमार पिता लक्ष्मी चन्द मिजा जैन
निवासी करवड हाल मुकाम, 4,
सावेरी बाजार, बम्बई।
3. अशोक कुमार पिता लक्ष्मी चन्द मिजा जैन
करवड तहसील पेटलावद जिला झाबुआ,
धमेन्द्र कुमार पिता लक्ष्मी चन्द जैन निमजा
निवासी-करवड हाल मुकाम 4,
सावेरी बाजार, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
आक्षेपों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादों के भाग
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 159, 161 ग्राम सावेरा जटवारी हल्ता
कमांक 1, परगना पेटलावद (झाबुआ) में स्थित है। यह
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यवित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० ई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5932:-प्रति: मुझे,
ए० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० सं० 65, 100, 102, 103, 104, 51, 226, 300 है, तथा जो ग्राम सावेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पेटलाबाद (झाबुआ) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० सी० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ए० सी० अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शब्दों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ए० सी० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। स्थानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. 1. वजे चन्द्र ,
2. भागीरथ
3. रमनलाल पिता लाल चन्द मेहता जैन
निवासी बामनिया, परगना, पेटला बन्द
जिला झाबुआ।

(अन्तरक)

2. 1 श्री मुभाप चन्द्र पिता लखमी चन्द,
2. राजेन्द्र कुमार पिता लखमी चन्द निमजा जैन
निवासी करवड हाल मकाम 64, सावेर, तह०
पेटलाबाद जिला झाबुआ,
4. धमेन्द्र कुमार पिता लखमी चन्द जैन निमजा
निवासी करवड हाल मकाम 64, सावेरी, बाजार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० सं० 65, 100, 102, 103, 104, 151, 226, 300 ग्राम सावेर जिला झाबुआ स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्य पित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

ए० सी० शर्मा,
सक्षम-अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज भोपाल,

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5933—अतः सूझे,
एस० सी० शर्मा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान म्यु नं० 49 का भाग है, तथा
जो महात्मा गांधी मार्ग वार्ड नं० 11, सनावर का नगर,
ब्लाक बडवाहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिवारी के
कार्यालय सनावर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या, सिंगने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

24-296GI/85

- 1 श्री अमराजी पिता यतराम गुजर
- 2 जगन्नाथ पिता सीता राम गुजर
- 3 गोपी लाल पिता सीता राम गुजर
- 4 गबरू पिता सीताराम गुजर
- 5 सुजान बाई पत्नी सीताराम गुजर
निवासी खेड़ी तहसील बडवाहा।

(अन्तरक)

- 2 श्री हरीहरमा पिता मगनलाल साजी लोड महाजन
कर्ता संयुक्त हिन्दू परिवार निवासी अदुद खास
तहसील खडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क. के भी आलोचना:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान म्यु नं० 44 का भाग, ब्लाक बडवाहा नगर
सनावर का नगर, महात्मा गांधी मार्ग वार्ड नम्बर 11 में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37
अजी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5934—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या मकान नं० 400 है, तथा जो भवानी
मार्ग, वार्ड नं० 9, सनावद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
मिम्पन के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० सोहन लाल कांसी राम,
भवानी मार्ग मकान नं० 400,
सनावद।

(अन्तरक)

1. बाबू लाल पिता गोपाल जी गुजर,
2. सुन्दर लाल पिता बाबू लाल जी गुजर,
3. कडवाजी पिता बाबू लाल जी गुजर
4. इन्दर लाल बाबू लाल
अ० पा० कर्ता माता गोदावरी बाई पति
बाबू लाल गुजर सबका।
निवासी दसगांव टप्पा तहसील सनावद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 400, भवानी मार्ग, वार्ड नं० 9, सनावद
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में
निहित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रोज, भोपाल

तारीख 9-9-1985
मोहर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5935---अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 131/3 है, तथा जो
ग्राम रेवती तहसील सावर जिला इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

1. श्रीमती अंजुला बाई पति कन्हैया लाल जी सोनी
निवासी 65, तसिह बाजार, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. नरेन्द्र कुमार पिता मांगीलाल जी वाला
निवासी खातेगां जिला देवास।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन को सित
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या की
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 131/3 ग्राम रेवती तहसील सावर जिला
इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज भोपाल,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 9-9-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5936---अतः मुझे,
एस० सी० गर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सर्वे न० 172 है, तथा जो ग्राम
पिटवारा बड़नावर जिला धार में स्थित है (और इसमें उप-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिशारी के कार्यालय, बड़नावर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री अनिल कुमार ठुकराल,
डायरेक्टर समिति मेटल्स लिमिटेड,
नलबानी प्रेस रोड, भोपाल।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ऑगसको केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
5, रामबाग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे न० 172, ग्राम पिटवारा बड़नावर जिला
धार में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में
निहित है।

एस० सी० गर्मा,

राक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख 9-9-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5937—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम एकलदूना (दिगठान), में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा रजिस्ट्रार के कार्यालय, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भूरीबाई पन्तः
श्री गंगा राम कुल्मी,
निवासी ग्राम एकलदूना (दिगठान)।

(अन्तरक)

(2) श्री० इन्दौर प्रा० लिमिटेड,
फारेन लिक्स डायरेक्टर :
श्री एम० एम० नेवेडिया, इन्दौर।

(अन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम एकलदूना (दिगठान) जिला इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जुन/भोपाल/5938—अतः

म०, एस० सी० शर्मा

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० मकान म्यु० नं० 157 (1) है तथा जो जवाहर मार्ग, रतलाम स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्घाटित किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की राशि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तनसुखलाल पिता
श्रीमती सोमस्यमल जी तलाटी,
सरस्वती भवन फ्रीगंज, उज्जैन।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती रईशदानों पति
श्री जाकिर हुसैन जी,
खदीजा मंजिल,
स्टेशन रोड, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० 185 (1), जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. ए. ए.-----

बाबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबर बावस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/9939—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबर मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (नई भूमि) प्लॉट नं० 92 का प्लॉट है
तथा जो अग्रवाल नगर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिष्ठाता
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अर्जन तारखे जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बजने में सीमा से लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जगदीशचन्द्र पिता
श्री मूलचन्द जेठालिया,
निवासी 52, श्रद्धानन्द मार्ग,
(छावनी), इन्दौर।
- 2) श्रीमती हेमलता पति
श्री मुलाबचन्द शाह,
निवासी 132,
स्नेह नगर, इन्दौर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(नई भूमि) यहाँ पर प्लॉट नं० 92 का प्लॉट, अग्रवाल
नगर, इन्दौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी
में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/5940/अत.

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है तथा जो श्री राम नगर कालोनी, केसरवाग रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वारत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग का नव्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल पिता श्री हरिश्चन्द्र मिश्र,
9 लाड कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी पति
श्री राजेन्द्र कुमार गंधी,
निवासी 4/3, नार्थ राज
मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, श्रीराम नगर कालोनी, केसरवाग रोड,
इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रकट आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर्. टी. एन. सी० /अर्जन/भोपाल/5941—

अतः मुझे, एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वादा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो सेठ अर्पाटमेंट,
कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वादा
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए एक बाधा
नया प्रस्ताव, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से पूर्व किसी बाध की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने से सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जा रहा था कि पाने से
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

25-296GI/85

(1) श्री बल्लभ दास मंगन लाल सेठ,
द्वारा बैंक आफ बीदा,
मेन ब्रांच, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला पत्नी
श्री कृष्ण कांत सेठ,
सेठ अर्पाटमेंट, कैलाश पार्क,
कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त प्रकृति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि-बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित-
वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किया जा सकेगा ।

लक्ष्य :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुमोदित

फ्लैट नं० 3 सेठ अर्पाटमेंट, कैलाश पार्क कालोनी,
इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी
में निहित है ।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-9-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5942—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसमें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- ₹. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 सी, सेठ अपार्टमेंट फ्लैट नं० 4,
है तथा जो कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) व बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से केषस नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बल्लभ दास पिता
श्री मगन लाल सेठ,
निवासी ब्रेक ऑफ इण्डिया,
मेन ब्रांच, बड़ीडा (गुजरात)।

(अन्तरक)

(2) श्री किरिं कांत पिता
श्री विट्ठल दास सेठ,
7-सी, सेठ अपार्टमेंट्स,
कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 सी फ्लैट नं० 4, सेठ अपार्टमेंट्स, कैलाश
पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

इसका बार्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

- (1) श्री जयराम पिता
श्री राम जी निवासी बिचौली हप्सी,
कनाडिया के पास, इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) महाराजा भारतेन्द्र सिंह पिता
स्व० एच० एच० यशोधर सिंह,
निवासी खिलजीपुर नया 100/2,
साकेत, नगर इन्दौर।

(अन्तरिती)

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5945—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 72, 73 है तथा जो
ग्राम बिचौली हप्सी, कनाडिया के पास, इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल विम्बितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहे या, छिपाने के
सुझाव के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 72 एवं 73 ग्राम बिचौली हप्सी,
कनाडिया के पास, जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित
फार्म नं० 37-जा में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रकरण बाई.डी.एन.एच.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5946—अतः

सूक्ष्मे, एस० सी० शर्मा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 144 है बना हुआ मकान है
तथा जो विष्णुपुरी इनक्लेव, कालोनी, इन्दौर में स्थित है
(और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985

को पूर्वावस्था सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे
समयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण का लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाष या किसी भूत वा अन्य जातिवां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, विधान में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल पिता
श्री गोविन्द राम जी बबलानी,
निवासी 144, विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी,
इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरविन्दर कौर पती
श्री परमजीत सिंह निवासी 960,
खाती वाला टैंक, इन्दौर ।
2. श्री मीतपाल सिंह पिता श्री गुरदयाल सिंह,
निवासी 144, बी, प्रेमनगर, कालोनी, इन्दौर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की अवधि के लिए
परिभाषित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 144 पर बना हुआ मकान विष्णुपुरी कालोनी,
इन्दौर में स्थित है ।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5947--अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 38 पर बना हुआ मकान दो मंजिला है तथा जो काटजू कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हक्यमान प्रतिफल से, एस० हक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तित्व के रूप से कोषित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय का किसी मूल या अन्य वास्तविकताओं का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल पिता श्री व्यवहारी मलजी,
श्री नारायण दास पिता श्री व्यवहार मलजी,
निवासी सिन्धू नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री घनश्याम दास पिता श्रीचन्द जी व
श्रीमती कमलाबाई पति श्री घनश्याम दासजी,
निव० मकान नं० 38, काटजू कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 38 पर बना हुआ मकान दो, मंजिला,
काटजू कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5948—अतः मुझे

एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 72 है तथा जो जानकी नगर,
एक्सटेंशन, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुनीता चोपड़ा पत्नी
श्री इन्द्रमोहन चोपड़ा
निवासी 10/2,
उपागंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगा देवी पत्नी
श्री मदन मोहन पाठक दत्तिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 72, जानकी नगर एक्सटेंशन, इन्दौर में स्थित
है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

माहूर :

प्रकृप आर्. टी. एन. एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5949--अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 196 पर बना हुआ गोडाउन है तथा जो ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रिक्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में जिस्ट्रिक्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हक्याय प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हक्याय प्रतिफल से, ऐसे हक्याय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय कया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यता के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या तो अज्ञात या छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० जा० एम० ट्रांसपोर्ट कम्पनी निवासी 196/1, ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर तरफे प्रोप्राइटर श्री गुरुमीत सिंह पिता बलवंत सिंह निव० 162 एम० खातीवाला टैंक, इन्दौर में स्थित है।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीना पति ताहेर अली
(मालिक मै० अमीना ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर)
ठिकाना 160/1, ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अज्ञातरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 196 पर बना हुआ गोडाउन ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकट जाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

पारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जुन/भोपाल/3950 अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भवन क्रमांक 128 है तथा जो विष्णुपुरी
कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रार करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावद, उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी कहने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, विधानों में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की पारा 269-ब की उपपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) डा० भानु सिंह पिता श्री भाग सिंह,
नियाम 128, विष्णुपुरी एनेक्स, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रंजी बाई पति श्री निमन लाल
एवं श्री निमन लाल पिता
श्री दहलदास करमचन्दानी,
47, कुमावतपुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि प्रायः समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

संकेतकरण :—इसमें प्रकट किये गए और वहाँ का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन क्रमांक 128, विष्णुपुरी कालोनी, इन्दौर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण
अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल

दिनांक : 9-9-1985

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5951---अतः

मुझे, एस०सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या स्यू० सजान नं० 7 है, तथा जो पिपली
बाजार, इंदौर में स्थित है (और इसमें उणावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) गजिस्ट्रीकरण अधिकारियों
के कार्यालय, इंदौर में गजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशित्व में कभी करने या उसमें बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जहाँ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—296GI/85

(1) श्रीमती मुशीदा रानी गुप्ता पिता
रामदयालजी गुप्ता 2. सुदर्शन पिता
स्व० रामदयालजी गुप्ता,
निवासी-10/4 मनोरमागंज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार पिता शंकरलाल सोनी,
मनीष कुमार पिता कमल कुमार,
62, महावीर मार्ग, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्यू० सजान नं० 7, पिपली बाजार, इंदौर में स्थित
है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग की एन एच

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5952-अतः
मुझे, एस०सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 9 है, तथा जो न्यू देवास
रोड, ग्राहिल्या माता कालोनी, में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुभूती में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति का वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
को लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति ज्योतिबाई पति गंगाधरजी शर्मा
निवासी-मकान नं० 68, न्यू देवास रोड,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति दिलीप कुमार पिता कान्तीलालजी,
व वसंत कुमार पिता बाबूलालजी,
निवासी-85, बल्लभ नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9, न्यू देवास स्थित ग्राहिल्या माता कालोनी
देवास में स्थित है।

एस०सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

माहुर :

अन्तर्गत. डी. एच. कृष्ण—

भाषागत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल-5953—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

भाषागत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 37/3, है, तथा जो मोहन
पुरा, इंदौर में स्थित है (और इनमें उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण करने वाला है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इस के व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
व्ययमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) श्री अब्दुल मजीद पिता मोहम्मद ईशाक,
37/4, मोहनपुरा, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री जबीर हुसैन पिता आबेद अली,
बोहरा बाजार, खुशहाल गेट इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 37/3, मोहनपुरा, इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्रा कारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

प्रथम भाग, डी. ए. ए. सूचना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/भोपाल-5954-अतः मुझे,
एस०सी० शर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको मंड्या प्लॉट नं० 365 है, तथा जो विष्णुपुरी
एनेक्स कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त वचन में सूचना के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री स्वर्ण सिंह पिता जागीर सिंह,
निवासी-मकान नं० 24, नंदा नगर, रोड़ नं० 1,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्यारा सिंह पिता दिलीप सिंह व
कर्नल सिंह पिता
दिलीप सिंह व बलजोत सिंह पिता
होशियार सिंह,
निवासी-13, जानकी नगर कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 365, विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी, इंदौर में
स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल-5955—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3 है, तथा जो इन्द्रपुरी कालोनी,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बच-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या निगम जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्ताने—

(1) श्री शिवशंकर शर्मा
पिता श्री राजेन्द्र शर्मा
तरफे ग्राम मु० ताराचन्द
पिता बुधरामजी टूटेजा
149, जावरा कम्पाउन्ड,
इन्दौर -

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोगेन्द्र कौर पति ग्यान सिंह व ग्यान सिंह
पिता भगतसिंह
निवासी—77, प्रतापनगर,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अवधि

प्लॉट नं० 3, इन्द्रपुरी, कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल 5956—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 बी० पर बना मकान नं० 123/1
है, तथा जो लबारिया भेरू, इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती मनजीत सिंह पिता असबन्तसिंह,
निवासी-123/1, लबारिया भेरू,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हुकीमुद्दीन पिता नजरहुसैन
2. इकबाल हुसैन पिता नजरहुसैन
निवासी-लबारिया भेरू,
धार रोड, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 बी पर बना मकान नं० 123/1, लबारिया
भेरू में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित
है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मितम्बर 1985

(1) श्री खुशीराम पिता मूलचन्दजी सोमानी
नि०—97, जयरामपुर कालोनी,
इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० लता देवी
पति सुरेश कुमार चावला
नि०—55 एम० आई० जी० कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल—5957—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 97 है, तथा जो जयरामपुर
कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बावत से कमी करने या उसके बचने में सूविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बातें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 97, जयराम पुर कालोनी, इन्दौर में स्थित
है।

एम० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल 9558--अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 58 (तल मंजिल) है, तथा जो
अग्रवाल नगर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से है कि किसी बात को बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है—

(1) प्रगति कंसल्टेशन कम्पनी
तरफे पार्टनर सनत कुमार कल्याणमल
बड़जात्या, नि०-146,
जाबरा कम्पाउन्ड, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरला देवी
पति श्री रमेश कुमारजी तिवारी
नि० 53, न्यू अग्रवाल नगर,
इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई० सी० शर्मा :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख :
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
वास्तविकता में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख :
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में कि जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 58, परबना प्लॉट नं० 1 (तल मंजिल), अग्रवाल
नगर, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल।

तारीख : 11-9-1985

माहर :

इसका बार्ड: श्री. एन. एन. एन.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5959—प्रतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिठ्ठा इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 106 पर स्थित प्लॉट नं० (प्रथम
मंजिल) है, तथा जो स्कीम नं० 47, इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिवारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
90 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल के
पक्ष प्रतिकूल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी
(अन्तरीक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब बाधा गया प्रति-
कूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विधित से वास्त-
विक कम से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाधा की बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कटुत या अन्तरक करने के दृष्टि
से निम्न: और/वा

(ख) ऐसी किसी बाधा या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तर्गामी द्वारा इच्छा नहीं किया गया
या या किया गया वास्तव या, जिन्हें से दृष्टि
से निम्न।

नमः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

27-296G185

(1) मैसर्स बड़जात्या कंस्ट्रक्शन कम्पनी
25, जावाग कम्पाउण्ड,
इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री भारती बंसल
पति सत्यप्रकाश बंसल
बड़जात्या प्रापर्टमेंट, 106, स्कीम नं० 47,
इन्दौर

(अन्तर्गामी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाधा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
निहित से किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 106 पर स्थित प्लॉट नं० 3, स्कीम नं० 47,
इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 11-9-1985
मोहर

प्रमुख आई. टी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5960—प्रतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 46 व उस पर बना हुआ मकान
है, तथा जो राजमहल एस्टेट (एक्स्टेटेशन), इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
सर्वोत्तम बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उपपाया गया प्रतिफल अन्तर्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, स.
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जो, जहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हासानन्द पिता श्री वादूमल जेठवानी
45, राजमहल एस्टेट, बालोनी,
इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा यादव
पति श्री जगदीश प्रसाद यादव
ग्राम धिर्वा, जिला होशंगाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही कराता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ है जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 46 व उस पर बना हुआ मकान राजमहल बालोनी
(एक्स्टेटेशन), इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 11-9-1985
मोहर

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5961---प्रतः

मुझे एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 77 पर निर्मित मकान नं० 6
है, तथा जो मनीपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) नजिदीयती
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में नजिदीयती अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान
प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
लघुवचन से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चात्रिण था. छिपाने में सविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मेसर्स वृन्दावन अपार्टमेंट्स तरफ पाटनर

बाजार अग्रवाल

पिता श्री दौलतरामजी अग्रवाल निवासी--158,
साकेत नगर, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीरा एच० लाल

पति श्री एच० एस० लाल

निवासी-43, साकेत नगर,
इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 77 की पर निर्मित प्लॉट नं० 6, मनीपुरी
कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख 11-9-1985

मोहर

प्रकाशित, सी. एन. एड. —————

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ सूचना

कार्यालय, सहायक भाष्यकार आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रजन/भोपाल 5962—घत मुष्टे
एस० सी० शर्मा

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके अधिकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मं० 44/1042, तथा जो खालगी
रोड, मन्दिर के पीछे गली, खालियर में स्थित है (और इससे
उपाध्वज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीरता अधि-
कारी के कार्यालय खालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के
हासिल से कमी करने या उक्त करने से सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाष्यकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किबा बाव बाहिए था, छिपाव में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

(1) श्री बीरानाथ शाहीजी
आत्मज हेमनदास शाहीजी
नि० छत्री बाजार, लखन खालियर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार आत्मज श्री श्रीचन्द्रजी
नि-वत मन्दिर खासगी रोड,
लखन, खालियर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन में दिष्ट
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बावत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यक्तिगत :—इसमें प्रकृत व्यक्तियों और वक्तों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा जो
उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मं० 44/1042, खालगी रोड, वत मन्दिर के पीछे
गली, खालियर में स्थित है ।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाष्यकार आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-9-1985
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

स पत्नी श्री मंगलसेन बजाज

मृ श्री किरन बजाज

निवासी 71, पत्रकार कालोनी,
इन्दौर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5827—अतः
मुझे, एस० सी० शर्माआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या तल मंजिल एवम् प्लोर एवम् गैरेज 2.77
स्के० मी० 247, है तथा जो साकेत नगर, इन्दौर में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसके अन्तर्ण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की
धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
भोपाल में जनवरी 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्वयार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, बर्णातः :—(2) श्री मास्टर नितिन नाबालिंग
पुत्र श्री टेकचन्दानी
3, अम्बर बिल्डिंग, 13/3,
एम० जी० रोड, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग (ग्राउन्ड एवम् प्लोर) 247, साकेत नगर, इन्दौर
में स्थित है।एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपालतारीख : 12-8-85
योग ६

अथवा 'टी. ए. ए.

भाषा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निदेश सं० धाई० ए० सी०/प्रजनन भोपाल/5828—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 247, प्रथम मंजिल है तथा जो साकेतनगर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाययुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में प्रकटीत 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दस्खान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का एकत्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक अंतरकी और अंतर-रिडी (अंतरांतरकी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा न हो अंतरक, विनिर्दिष्ट कृषि के उक्त अंतरण विनिर्दिष्ट से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी बाधा की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित से कमी करने या उक्त करने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाधा या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संबंधित अंतरांतरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, विनिर्दिष्ट व्यक्तियों, यथा :-

(1) श्रीमती सोहनलाल पन्नी मंगलसेन बजाज
श्री हिरन बजाज, 71, पतकार कालोनी,
इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इकमती टंकवन्दानी
3, अम्बर बिल्डिंग, 13/2, एम० जी० रोड,
इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन से सम्बन्ध में कोई भी बाध :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बिल्डिंग), प्रथम मंजिल, मकान नं० 247, साकेतनगर,
इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रैंज, भोपाल

तारीख : 12-8-1985

सोहर:

प्रथम बार: टी. एन. सुब्रह्मण्यम

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भाषकर आयुक्त (निरक्षर)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5900—प्रतः

मुझे-एस० सी० शर्मा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सबसे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्धार करने का
अर्थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पुकान नं० 20 (तल मंजिल) हितवा को
साबुआ टाउन, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित
है, (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की
धारा 209 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
भोपाल में जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल को
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए यह गवा नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बावत से कमी करने या उचित करने से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या किया जाने
सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स पारिजातो सेनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्राइवेट
लिमिटेड

170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री भरत कुमार विजय कुमार खजौरी,

खोद्यो निवास, अमरावती

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत की विधि
कार्यवाहियों शुरू कराया है।

उक्त अन्तरक के अन्तर्गत से संबंध से कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी व्यक्ति द्वारा, अपवादवादी के पास
निहित से लिए या किये।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क के अधिनियम में,
वही अर्थ होना जो उस अन्तर्गत से दिया गया है।

अनुसूची

पुकाननं० 20, तल मंजिल, साबुआ टाउन, 170, आर० एन०
टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषकर आयुक्त (निरक्षर)

अर्जुन रेंज, भोपाल

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
से, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-9-1985

मोहर:

प्रमुख बाह्य टी. एन. एच. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरिक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/मर्जन भोपाल 5901—प्रतः
मुझे, ए० सी० शर्मा,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या आफिजनं० 6 ए (प्रथम मंजिल) है तथा
जो साबुआ टावर, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में
स्थित है (और इसे उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसके अन्तर्गत से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम
की धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
भोपाल में जनवरी 1985
को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त के अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के बाधकिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी कटने का उससे बचने के उद्देश्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अपूर्ण
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मैजिस्ट्रेट परिजात जिनेमेडिक इन्टरप्राइसिज प्रायवेट
लिमि० 170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्त गोपाल फडके
वासुदेव नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्य-
वाहिवां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वादोपवादः—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों को
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयुक्त
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के साथ
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना या
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिजनं० 6ए (प्रथम तल), साबुआ टावर, 170
आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

ए० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरिक्षण)
मर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 5-9-1
मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्य करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5903—अतः मुझे,

एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं० 6-बी (प्रथम मंजिल)
है तथा जो आबुआ टावर्स, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम
की धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
भोपाल में फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम को व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्स्था
(अंतर्स्थाओं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया अति-
कम निम्नलिखित अनुबंध से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

28—296GI/85

(1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्रायवेट
लिमि०

170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बोन्ना मुखर्जी,
डा० डी० मुखर्जी
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हलेंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 6बी (प्रथम मंजिल) आबुआ टावर्स, 170,
आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 5-9-1985

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5906—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं० 1ए (प्रथम मंजिल) है तथा जो माबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उचित करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्रायसेस प्रायवेट लिमिटेड
170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रियमसुन्दर मालपानी
4/1, साउथ तुकोगंज,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 1ए (प्रथम मंजिल), माबुआ टावर्स, 170,
आर० एन० टी० मार्ग इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)
अर्जुन रंज, भोपाल।

तारीख: 5-9-1985
मोहर:

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5907—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं० 5 (प्रथम मंजिल) है तथा जो
झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा
269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल
में मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत क
वास्तव में कर देने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों
अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ~~संज्ञित~~ —

(1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्रायवेट
लिमि०

170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी सुगनचन्द अग्रवाल

91, हमली बाजार, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 5 (प्रथम मंजिल) झाबुआ टावर्स, 170,
आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 5-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एम. एल. -----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5908—अतः

मुझे, एन० सी० शर्मा,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का कारण है कि उक्त संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या दुकान नं० 17, 24, एवम 26 ए (तल मंजिल)

है तथा जो साबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तर्गत से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम

की धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा पड़ा जाई-फल निम्नलिखित ज्ञापन से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण से हुई किसी बाधा का बाधा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कारण से नहीं करने या उक्त अन्तरण के उचित बाजार मूल्य/बा

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषाकरण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बाधा किया गया चाहिए था, जिन्हें नो दूधिया के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मुझे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड।

170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार गोवर्धनदास

183, विद्या नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त संपत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाधा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 17, 24 एवम 26 ए (तल मंजिल), साबुआ, टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एन० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 5-9-1985

मोहर :

व्यक्त नाम: टी. एन. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

सं. आई. ए. सी. 0/अर्जन/भोपाल/5909:—अतः मुझे,

एस. सी. शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मूल्यांकन नं. 21 (तल मंजिल) है तथा जो ब्राह्मण टावर, इलाहाबाद रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मार्च, 1985

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती अंतरांतरियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गतिमा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स परिताल सिनेमेटिक एण्ड टूरिस्टिक (प्राइवेट) लिमिटेड, 170 आर. एन. टी. मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री जी. एस. जाधव, 48, ए. प्रेम नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 21 (तल मंजिल ब्राह्मण टावर, 170, आर. एन. टी. मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस. सी. शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

आयकर भवन, होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख: 5-9-1985

माहुर :

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

सं० आर्.टी.एन.एस. सी०/अर्जन/भोपाल/5910:-प्रथम मुद्दे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कागज़ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या दुकान नं० 10 (तल मंजिल) है तथा
जो साबुआ टावर्स, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित
है और इससे उपादक अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम
की धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय भोपाल में तारीख 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समानान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जो यह विश्वास
करने का कारण है कि संपत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके समानान प्रतिफल से, ऐसे समानान प्रतिफल का
कम प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित से वास्तु-
निक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कभी कभी या कभी कभी से विधि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या विधि के
लिए;

नमः ४४, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक
के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन अभिलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइजिज (प्राइवेट)
लिमिटेड, 170; आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र नारायण अवस्थी
153, रेडियो कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

दुकान नं० 10. (तल मंजिल) साबुआ टावर्स, 170,
आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

आयकर भवन, होशंगाबाद रोड, भोपाल-

तारीख: 5-9-1985

मोहर:

प्रकृति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5911:—अतः मुझे,

एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 23/25 (तल मंजिल) है तथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए ब ० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस (प्राइवेट) लिमिटेड 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मदनलाल आनंद स्व० लाला दीनानाथ आनंद 12 यशवंत कालोनी, इन्दौर

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संकेतकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 23/25 मंजिल, झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग इन्दौर में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ई/16197/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, भोपाल

दिनांक : 18-8-1985

कोडर 8

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, भोपाल

भोपाल दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5912:—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 19 (तल मंजिल) है तथा
जो आबुग्रा टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुवर्ती में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त
अधिनियम की धारा 269-ए की के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय भोपाल में तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लिमिटेड 170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री एवम् श्रीमती मदन मोहन बगिया,
10, संगम 16, लिटिल गिफिट्स रोड,
मलबार हिल्स बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 19, (तल मंजिल), आबुग्रा टावर्स, 179
आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर स्थित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन क्षेत्र भोपाल,
आयकर भवन, मैदा मिल के सामने,
होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख 5-9-1985
मोहर:

प्रत्येक बाईं टी.एन.ए. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० लाई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5918:—अंतः मुझे,
ए० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ऑफिस नं० 3 ए (प्रथम मंजिल)
है तथा जो साबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके अन्तरण से संबंधित
विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में तारीख जून 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—296GI/85

1. मैजर्स परिवार लिमिटेड इन्टर प्राइसेस प्राइवेट
लिमिटेड, 170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रावती बाई,
315, नार्थ राज मोहल्ला,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्दा किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 3 ए (प्रथम मंजिल) साबुआ टावर्स,
170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

ए० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन क्षेत्र भोपाल,
आयकर भवन, मैदा मिल के सामने
होसंगाबाद, रोड, भोपाल

तारीख : 5-9-1985
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहाय सरकार

कार्यवाही, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5920:—प्रतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं० 7 (प्रथम मंजिल) है तथा
जो क्षात्रा टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसके अन्तर्गत्त में संबंधित विवरण उक्त
अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय भोपाल में तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिती) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
परी किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टर प्राइसेस प्राइवेट
लिमिटेड 170, आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री अमित कुमार
पिता अनिल कुमार
315 नार्थ राज मोहल्ला,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करवा रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 7, (प्रथम मंजिल) 270, आर० एन० टी०
मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहाय आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

आयकर भवन, मैदा मिल के सामने

होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख : 5-9-1985

इन्दौर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं. आई. एं. सी. अर्जन/भोपाल 5921:—अतः मुझे,
एस. सी. शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं. 4, बी (प्रथम मंजिल) तथा जो आबुआ टावर्स, 170, आर. एन. टी. मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैक्स परिवर्तित सिनेमेटिक इन्टर प्राइवेट प्राइवेट लिमिटेड 170, आर. एन. टी. मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती संध्या परनी महेश कुमार
12, शास्त्री मार्केट,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं. 4 बी, आबुआ टावर्स, 170, आर. एन. टी. मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस. सी. शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल
आयकर भवन, मैदा मिल के पास
होशंगाबाद, रोड, भोपाल

तारीख : 5-9-1985
मोहर :

प्रारम्भ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5922:—प्रतः मुझे,

एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आकृति नं० 4, ए प्रथम मंजिल है तथा जो मातृगा टावर्स, 170 नं० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसे अन्तर से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए वी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स परित्तत सिनेमैटिक इस्टर प्राइसेस प्राइ लिमिटेड 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री संदीप कुमार
पिता सुनील कुमार
35, नार्थ राज मोहल्ला,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकृति नं० ए (प्रथम मंजिल), मातृगा टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल
आयकर भवन मैदा मिल के सामने,
होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख : 5-9-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्दालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन,भोपाल/5923---प्रत मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो राम बाग, रतलाम
में स्थित है (और इसी उपखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
अर्जित है), और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त
अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय भोपाल में तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मूल्य का प्रमाण प्रस्तुत किया गया है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उल्लेख करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री सरला कुमारी
पत्नी श्री बद्धमान फरिया
निवासी अहनुवन, रामबाग,
रतलाम

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हुसैन
2. युनुस अली
3. शम्बीर हुसैन
4. इशाम अली सभी नाबालिग पुत्र
पिता श्री नजमुद्दीन अब्बास भाई पांडावाला
रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, म्यु स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामबाग, रतलाम
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 ईई में
स्थित है।

एस० सी० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीख 5-9-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/65924:—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि तथा सर्वेन्ट क्वार्टर्स है तथा जो
म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास, क्वार्टर्स है तथा जो न्यू स्ट्रीट
नं० 19 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसके अन्तरक से संबंधित दिवर्णन उक्त अधिनियम
की धारा 269 ए की के अंतर्गत सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय
भोपाल में तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरला कुमारी
पत्नी श्री वर्द्धमान फरिया
निवासी ऋतुवन रामबाग, रतलाम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जरीनाबाई
पत्नी नजमुद्दीन पाठावाला
निवासी ताहिरपुरा, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्गत

भूमि तथा सर्वेन्ट क्वार्टर्स, म्यु स्ट्रीट नं० 18 के
पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है।

ए० सी० शर्मा,
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
आयकर भवन, मैदा मिल के सामने,
होशंगाबाव रोड, भोपाल

तारीख 5-9-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एस-1/एस आर-3/1-85/643:---

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इतने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या के०-21 है तथा जो कैलाश वालोनी, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सामयिक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध का बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक से बाधित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाध या किसी धन या अन्य जातिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश कुमारी
पत्नी श्री करतार सिंह चन्दर,
निवासी के-21, कलाश वालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निना सेठ
पत्नी श्री सतीश सेठ,
निवासी जी 1/16, दरिया गंज,
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिवाल स्टोरी बना हुआ घर, प्लॉट नं० के०-21, तादादी 311 वर्ग गज, कैलाश वालोनी, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली,

तारीख : 12-9-1985
मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी/एक्यू/1/एस आर-3/1-85/644:—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर. जे. की संख्या एम-73 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (आर. इससे उपाबद्ध अनुसूची
पूर्व से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिवारी के कार्यालय
नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० सी० मलहोत्रा,
ई-348, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री० आनन्द एपार्टमेंट (प्रा०) लि०,
ई-207, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन को किए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गणों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एम-73 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादावी
501 अर्ग गज,

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/1-85/
645—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस 349, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षा
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा क्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में अधिकार
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

30—296GI/85

1. श्रीमती स्वरूप कौर

पत्नी श्री हरबल्लभ सिंह बक्शी,
निवासी-131, पालिका बाजार,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० डैनी डेयरी और फुड इंजीनियर्स (प्रा०) लि०
वेहराडून रोड, सहारनपुर,
द्वारा डायरेक्टर श्रीमती नरगिस मणिक,
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्वयः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूसरी मंजिल, (बरसाती फ्लोर) प्रो० नं० एस० 439,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

आर० पी० राजेश,

सहायक प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० एसी०/एक्यू/1/एस-आर-3/1-85/647—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-170, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि अधोव्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी भाग की बावत, भायकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सहायता के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी सिमा अग्रवाल
पुत्री श्री एम० पी० अग्रवाल,
निवासी ई-482, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमिन्दर बेरी
पत्नी पी० आर० बेरी,
मास्टर पंकज, बेरी,
मास्टर नीरज बेरी,
निवासी-328, लाजपत नगर,
जालन्धर (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्यमान हैं।

अनुसूची

ग्राउण्ड प्लोर, और बेसमेंट प्रोप्लोर नं० एस०-170,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तावादी 300 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. एन. एच. 22-22-22-22

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू/1/एस आर-3/1-85/648:-

अतः मुझे, आर० रो० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3, ब्लाक नं० 'ए' है तथा जो एम० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ग) वही किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ—

1. श्री शिव प्रहलाद सिंह
पुत्र श्री दिवारी सिंह,
निवासी हाऊस नं० 112, हरी नगर सिहाड़
डी० डी० ए फ्लैट्स, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार
पुत्र श्री सतपाल विर (2)
श्रीमती किरन देवी परनी
श्री पवन कुमार
निवासी 168, 3 सी नेहरू, नगर,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि की उत्प्रेषणी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

फ्री होल्ड प्लॉट नं० 3, ब्लाक नं० 'ए', नाद दी 200
वर्ग गज, एम० सी० एच ई भाग-1, नई दिल्ली

आर० पी० राजेण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/1-85/
649- अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पूर्व
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह पता चल गया कि
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो० नं० 2-एफ०/63 है तथा जो
लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रामस्वरूप दुआ
2-ई/49, लाजपतनगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला रानी
परती स्व० अजित सिंह,
2 एफ/63, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करा जाता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों का
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2-एफ 63, लाजपतनगर, नई दिल्ली, तादादी 10 वर्ग
मी।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
मोहर :

प्रकृ. आई. टी. एन. एच. ----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

माहृत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/एस० आर०-3/

1-65/650—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए/464 है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिनियम के अन्तर्गत,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रारता अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
ग्रहणीयता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
नियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन लाल पुत्र श्री ठाकुर दास,
नं०-160, हरि नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरख स कौर पत्नी
एस० गुरनाम सिंह कालोटी,
निवासी सी-1, गौर 3,
कारवाला कालोनी लोधी रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी बरिग नं० ए-464, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,
छावाडी 236 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/एस० आर०-3/

1-85/84-85—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-607 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अंकित नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एल० शिकारी पुत्र
श्री एम० एल० शिकारी,
कर्ता आक्र में एच० एल० शिकारी
(एच० यू० एफ०), निवासी 217,
डी० डी० ए० फ्लैट्स कालका जी हौस
खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज सबरवाल पत्नी
श्री इन्दर राज बरवाल,
निवासी एस-405,
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेजिडेंटल फ्लैट्स/दूसरी मंजिल, प्रो० नं० ई-607,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ताबादी 1100 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकरण. आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/

1-85/653—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग-4, नेशनल पार्क लाजपत नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
जका प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हरबंस कौर नरुला पत्नी
स्व० राम सिंह नरुला,
निवासी 9914, प्रभा स्ट्रीट,
नवाब गंज पुल, बंगस, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हंसराज मेहता पुत्र
श्री आत्म प्रकाश निवासी -196,
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

छांट नं० 46, एन० एच० भाग-4, तादादी 200
बगं गज, नेशनल पार्क, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

जोड़

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
1-85/654—अतः सूत्रे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० ई-101 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के धीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूत्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कभीपन नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक में
वास्तव में कभी करने या करने करने में सविधा
की विधि

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपा में सविधा
की विधि

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) मै० भगवती बिल्डर्स,
ई-588, ग्रेटर कैलाश,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या रानी डन्ना पत्नी
स्व० श्री लक्ष्मी दास,
निवासी 16, नेशनल पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

प्रत्यक्ष

द्वारी मंजिल, प्रो० नं० ई-101, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली तादावी 1350 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

महेश्वर

प्रकृष बाई. टी. एम्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/-

1-85 255 आर० पी० राजेश;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी-42, है तथा जो एन-जी-एम-ई
भाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
31-296 GI/85

(1) श्रीमती श्याम सुन्दर टुकरालश्रीमती मनोरमा टुकराल,
निवासी-डी-42, एन० डी० एस० ई०-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) म० अजन्ता सनायसं (प्रा०) लि०,
ए-6, लिग रोड, एन० डी० एस० ई०-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2, स्टोरी विल्डिंग नं० डी-42, एन० डी०
एस० ई०-1, भाग-1, नई दिल्ली, तादादी-143 वर्ग
गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
मोहर :

रूप बर्त, डी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०, 1/एस० आर०-1/

1-85/656—अतः मुझे, आर० पो० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जितका सं० डी-395 है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (आर एन० उपवास अनुसूच) में आर
पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), रजिस्ट्रार अधिपति के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 1908 ए116)
के अर्जन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लेफ्टिनेंट कर्नल कस्तार सिंह,
72/ए, जवाहर क्वार्टर,
सर्माप बेगम ब्रिज, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) ऊपर गैंग्वैस सुगर एण्ड इण्डिया लि०,
9/1, आर० एन० मुखर्जी रोड,
कलकत्ता।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० डी-395, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
तादादी 354 वर्ग गज

आर० पो० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

माहुर :

प्रकृष बाई, टी. एन. एस.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सडकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/

1-85/657-अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० ई० 605, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वदाता अधिभार के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्वदाता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाष की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रदीप शंकर भट्ट और श्री अभि शंकर भट्ट पुत्र श्री अम्बा शंकर भट्ट, द्वारा अटार्नी : सता/ससेठ निवासी जॉ-1/16, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधा शर्मा पुत्र श्री नन्द लाल शर्मा और श्रीमती रूपिन्दर शर्मा पत्नी श्री सुधा शर्मा, निवासी एस-21, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार्श्व लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल, ग्रेटर आफ प्रो० नं० ई-605, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। सादादा 696 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सं० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/

1-85/659-अतः सुबे, आर० पो० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 6 है या जो पृथ्वी राज रोड, नई दिल्ली में
स्थित है (श्री गुरुदेव उतावड़ अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से
वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अर्जन तालिका अनुसार, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्रीमती उमिला देवी,
6, पंचशाल मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) रोहित टावर बिल्डिंग लि०,
28, नजफगढ़, रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोइस्ताभरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6, पृथ्वी राज रोड, नई दिल्ली टोटल एरिया, 2
52 एकड़ ।

आर० पो० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एच. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-3/

1-85/660—अन: मुझे, आर० के० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० ए० 267 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-तारिख-अधीन के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशोक चौहान,
8/1, साउथ पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पंकज कुशवाहा पुत्र
श्री एस० एम० कुशवाहा,
निचामी सी० बी-6/8,
लोकल शापिंग सेक्टर,
रुफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई० आ० ए० ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, कागजातों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट आन पहली मंजिल, प्रा० नं० एन० 267,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
1-85/661--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-233 तथा जो डिफेंस
क्वार्टरों, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिपत्ती के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रीतपाल सिंह पुत्र
श्री त्रिलोचन सिंह,
57, हेमकुण्ड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) द इण्डिया एंसेलेस कम्पनी लि०,
गुलाब भवन, 6,
बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आयवाहक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-253, डिफेंस क्वार्टरों, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकृष माह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आई०-3/

1-85/662--अत, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-2/34 है तथा जो लाजपत नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (आर.इ.ए. उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल मोनजा,
सी-20, दरियागंज,
नई दिल्ली ।

(अंतरः)

(2) श्री मोहन लाल साहूनगरी,
सी-2/34, लाजपत नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सरकारी बनी हुई प्रोप नं० सी-2/34, लाजपत नगर,
नई दिल्ली ताशदी 100 वर्ग गज,

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 12-9-1985

मोहर

प्रकृ. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं. आई. एं. सं. प्रकृ. 1/1-85/

363—अतः मुझे, आर. पी. राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एम-114 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में प्रचालित, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एस. अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) श्री निरंजन दास सहगल,
श्री सुनिन्दर कुमार सहगल,
निवासी ए-40/सी,
साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह अरोड़ा,
श्रीमती जगदीश अरोड़ा,
निवासी एम-114,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्रो. नं. एम-114, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,
(दूतरी मंजिल), तादादी 505 वर्ग गज।

आर. पी. राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 13-9-1985
मोहर

प्रकृष आर्द्र.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक : 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर्द्र० ए० सी०/एफ्यू०/1/एम० आर्द्र०-3/

1-85/664-अर्ज० मुझे, आर्द्र० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० बी/85-ए. में स्थित है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (जो इन उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), निम्नलिखित अधिकारियों के कार्यालय, नई दिल्ली में तारीख 1 नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम० दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32-296 GA/85

(1) श्री सुरिन्दर कुमार तनेजा,
श्री शान्ति स्वरूप तनेजा पुत्र
स्व० श्री श्रीवन और श्रीमती शीला तनेजा
एण्ड अथर्व, 339, गगन विहार, नई दिल्ली।
(अन्तर्क)

(2) श्री ओम प्रकाश रंजना पुत्र
स्व० श्री कन्हैया लाल,
निवासी बी/85-ए,
कालकाजी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० बैरिश न० बी/85-ए, तादासी 100 वर्ग गज,
कालकाजी, नई दिल्ली।

आर्द्र० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एग० आर०-311-8

665—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 98, प्लॉट "एस" है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपा-बन्ध अनुसूच में पूर्ण कागज दर्ज है), राजिन्दीवती अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली 1 में भारतीय राजिन्दीवती अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवधान अतिरिक्त के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें व्यवधान अतिरिक्त, इस व्यवधान प्रतिफल का पक्ष प्रोत्साहित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच में अन्तरण के लिए इस धारा का प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में वस्तुविक्रय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुखचम सिंह भसीन सुपुत्र

श्री हरसाम सिंह भसीन,

निवासी-9/6,

कालका जी एक्सटेन्सन, नई दिल्ली,

द्वारा जनरल अटारनी अमरजीत सिंह भसीन,

(अन्तरक)

(2) श्री एस/श्री हरभजन सिंह नरला सुपुत्र

एम० मोहिन्दर सिंह और

एस० गुरविन्दर सिंह नरला सुपुत्र

एस० हरभजन सिंह नरला,

निवासी-29/6,

वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-98, प्लॉट 'एस' तादादी-300 वर्ग गज,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 4।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एच. - - -

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए० यू०/1/एस-आर-31-85/666

-अतः मुझे, आर०पी० राजेश

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओ-11/26 ई तथा जो लाजपत नगर
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था विधान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गेम चन्द भाटिया सुपुत्र

स्व० श्री ज्ञान-राम दास,

निवासी-6/21, ईस्ट पटेल नगर,

नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकुर दास सुपुत्र

श्री गुरदिलोमन दादवानी,

निवासी-39/24,

ग्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत सूचना में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की आधि या सम्पन्न भी व्यक्तियों पर
सूचना को वासीय न 30 या 40 की आधि, को भी
अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
संपत्ति में कोई भी परिवर्तन न होना।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर अन्तर्गत सूचना के अधीन में किसी अन्य व्यक्तित्व द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

अतः यह सूचना जारी की गई है, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही सूचना या सूचना अधिनियम के अधीन
होती है।

सूचना

प्रोपर्टी नं०-ओ-11/26, गोदादी 200 वर्ग गज, लाजपत
नगर, नई दिल्ली,

आर०पी० राजेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

प्रोपर्टी :

प्रकरण नम्बर टी.ए.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए/यू०/1/एस/आर-3/1-85/667

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-डी/162 ई तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (यहाँ इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी-85।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री गुरबक्श सिंह सुपुत्र श्री प्रधान सिंह,
निवासी-1-डी/162, लाजपत नगर,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशि गाबा पत्नी
श्री रमेश कुमार गाबा,
निवासी-1-ए-211, लाजपत नगर,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व. एस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं०-1-डी/162, लाजपत नगर, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग गज,

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फ़रवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०३-1-85
/670—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० ई-540, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाखण्ड अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिप्रीति अधिप्रीति के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय अधिप्रीति, अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रोत्साहन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दायरा पकड़ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित ---

- (1) मैक्स भाटिया एप्टिमेन्ट,
ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, द्वारा
पाटनर श्रीमती राज कुमार भाटिया,
(अन्तरक)
- (2) कुमारी प्रकाश कुमारी पुत्रो
स्व० श्री लाखा सिंह,
ई-540, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउड फ्लोर (फ्लैट प्रोजेक्ट) फ्लैट तादादी-950 वर्ग
फिट, प्रीपटी न०-ई-540, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1100 02

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकृति भाग 4, एन. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर० 3/15-85/

671—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-बी/109, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसकी मालिकी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय निजिस्तीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी-85

का परामर्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सम्पत्ति —

(1) श्रीमती राठी बाई पत्नी

स्व० श्री ईश्वर दास,

1-बी/109, लाजपत नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार राम सिंह, एस० लाभ सिंह और

एस० जोगिन्दर सिंह, अञ्जल पुत्र

एस० जान सिंह,

डब्लू जेड-3, ए/112, विष्णु गार्डन,

एकस्टेन्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस सं०-1-बी/109, लाजपत नगर, नई दिल्ली,
तादादी-100 वर्ग गज,

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष कार्य के दीर्घ प्रपत्र

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/1-
85/672—उत्तः मुझे, आर० पी० राजेश,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राप्तकर्ता को, यह विवक्षा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं०-ई/106, है तथा जो ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन जारी जनवरी,
1985

को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षा
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) श्रीमती रत्ननन्द कौर पत्नी
श्री दीपक सिंह खोन्पर,
निवासी—डब्ल्यू-19,
ग्रेटर कैलाश 1, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर दास गिरधर,
निवासी—ईटि 41, अमर कालोनी, लाजपत नगर-3,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वागत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी शक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वागत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
रखने किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-ई/106, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली, तादादी—
251 वर्ग गज,

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

उत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि—

तारीख : 9-9-1985
सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/1-85/

672-ए ---आर० मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० जिला मंडरा प्लॉट नं० 1546 है तथा जो चितरंजन
पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (यहाँ इसका उल्लेख अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्थानी अविधायी के कार्या-
लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी 1985

यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-
रिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीया) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुकुमार बोंस पुत्र श्री बी०के० बोंस,
निवासी-1546, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति राय चाँधरी पत्नी
श्री डी० एन० रायचाँधरी,
(2) श्री अरुण रायचाँधरी, निवासी ए-145,
लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधापुः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 8
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 8
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1546, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली, तादादी
233 वर्गगज, ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/1-85/
672-बी—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० एम-33 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
खयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती बिमला कपूर पत्नी
स्व० श्री जगमोहन कपूर,
निवासी-सी-407, श्रीरागनी बिहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० भुवानिया और
श्रीमती मीनू भुवानिया,
निवासी-ई-139, मस्जिद मौंठ,
नई दिल्ली,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में सूचना देकर;

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्सूफी

प्रोपर्टी नं० एम-33, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,
तादादी-250 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अनुसार, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
33-296 GI/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयू०/1/एस०आर०-3/1-85/
672-सी—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-1919, है तथा जो चितरंजन पार्क,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथाप्रवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मेरे द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः E—

(1) श्री बी० पी० मुकर्जी,
4/14, डब्ल्यू०ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति बालापतरा,
जे-1919, चितरंजन पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता कराया है।

उक्त संघर्ष के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बहुधा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जे-1919, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली, ताबादी 233
वर्ग गज,।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-1985
मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/37ईई/1-85/

1451—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं०-415 है तथा जो 19, बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) बन्तहण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाई/बा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाचक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बन्तहण—

(1) मेसर्स कैलाश नाथ एण्ड एसोसीयेट्स,
1006, कंचनजुगा, 18,
बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गौतम देव शर्मा और
श्रीमती ऊषा शर्मा,
एफ-71, भगत सिंह मार्किट,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाई कराई जायेगी ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तरम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

धनसूची

आफीस स्पेस नं० 415, तावादी-500 वर्ग फिट, चौथी मंजिल, प्रोपोजिड कमर्शियल मल्टी स्टोरीड बिल्डिंग, 'अरुनाचल' 19, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/37-ईई/1-85/

1449--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेसमेन्ट बी-14, है तथा जो 90, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अभिलेखित अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित गे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मैसर्स सिद्धार्थ, द्वारा पार्टनर
श्रीमती बाला बतारा,
निवासी-बी-4, मानसरोवर, 90,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कविता सायल और
श्री सी० एल० सायल,
निवासी-ई-275, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्याहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेन्ट नं० बी-14, तादादी-424, वर्ग फिट, "मानसरोवर" 90, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

पतेर ४

प्रश्न बाई.टी.एन.ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/1-85/

1452—अनः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिह्न इन्होंने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 708, है तथा जो 17,
टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण हा से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयुक्त
अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
हस्ताक्षर से कही करने का उक्त करने में दुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, चिह्न भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकोटार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने न
दुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1985—

(1) कुमारी गीता आनन्द (माइनर) यू/जी डा०
(श्रीमती) जे० आनन्द,
निवासी—ई-11,
डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री सस० एन० सहगल पुत्र
स्व० श्री जे० एन० सहगल,
श्रीमती सरलजीत पत्नी
श्री एस० एन० सहगल, कुमारी सीनिका सहगल,
(माइनर) मास्टर सुमित सहगल,
(माइनर) निवासी—डी-2/78,
काका नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस बध्नाय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 708, सानवी मंजिल, 1 टालस्टाय मार्ग,
नई दिल्ली, तादादी-361 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
माहुर :

प्रकरण भाग दो, खण्ड एक —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आवृत्ति

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमयू०/1/37-ईई/1-25/
1454—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7, ब्लॉक नं० 2, है तथा जो 3, औरंगजेब रोड़ 4, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन दिनांक जनवरी-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कट होने के अन्तरक के बावजूद से कमी कटने या उद्धरण करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बिजोयानन्दा पटनायक,
निवासी-3, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डिस्ट्रिक्ट कन्ट्रोलर एन्ड प्रोपरटीज (प्रा० लि०),
22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7, ब्लॉक नं० 2, औरंगजेब रोड़, 4,
पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली, तादादी-3071, वर्ग गज,

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकाश, बी. ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-85/

1455—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 7, ब्लॉक नं० 2, है तथा
जो 3, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (और
इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के समयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गये हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अभाव में कभी करने या उन्हें करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री विजयोनन्दा पटनायक,
3, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) तेज प्रोपर्टीज प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7, ब्लॉक नं० 2, 3, औरंगजेब रोड़, 4,
पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली, नादावी-2535 वर्ग मज।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकाशित की गई सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110001 दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37-ईई/1-85/

1456—अतः सू०, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० सी(बी) बी एफ-4, है तथा जो 15, ईश्वर नगर, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची है पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाँट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्त्रिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) जाकारिया शाहिब इमामख (प्रा०) लि०,
जाकारिया हाऊस, पीरगाहिव गली,
मुगादाबाद, (उत्तर प्रदेश) ।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद जफार नार्मिस सहामसी मुपुव
श्री मोहम्मद शाहिब सहामसी,
जाकारिया हाऊस, ई-37,
कालनन्दी कालोनी, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तादादी-1042.57 वर्ग फिट, वेसमेंट नं० 'सी'
बी एफ-4, 15, ईश्वर नगर, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया,
नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मो हः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 - नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए/यू०/1/37-ईई/1285/

1457—अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी (जीएफ-3) है तथा जो
15, ईश्वर नगर, ग्रीष्म इन्डस्ट्रियल एरीया-3, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34-296GI/85

- (1) श्री जाकारिया शाहीद इम्पकम (प्रा०) लि०,
जाकारिया हाऊस पीरगाहिब गली,
मुग़लबाद, (उत्तर प्रदेश)। (अन्तरक)
- (2) श्री मारिया जावेद डी/प्रो श्री एम० एस०
जावेद, सी/प्रो जाकारिया हाऊस, ई37,
कालवदी कालोनी, नई दिल्ली,। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कारवाहियां करत हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कवर्ड नादादी-1090.57 वर्ग फिट - ग्राउंडी फ्लोर,
फ्लैट नं० "सी" जी०एफ०-3, 15, ईश्वर नगर, ग्रीष्म
इन्डस्ट्रियल एरीया 3, नई दिल्ली,।

आर० पी० राजेश
सहाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकृष आर्डी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एचयू०/1/37-ईई/1-85
1458—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी गंख्या जी० एफ०-4, ईश्वर नगर, है तथा जो
श्रीबला इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली, में स्थित है (और
इसने उक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता विभागों के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख
जनवरी 1985।

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जाकारिया शाहिद इम्प्लस (प्रा०) लि०,
जाकारिया हाऊस,
पीरगाहिया गली, मुराबाबाद, (उत्तर प्रदेश)।
(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अमिर सामसी पुत्र
श्री मोहम्मद अब्बास सामसी,
जाकारिया हाऊस, ई-37, कालन्दी कालोनी,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तादादी-1090.57 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर, फ्लैट
नं० 'सी' जी० एफ०-4, 15, ईश्वर नगर, श्रीबला इन्डस्ट्रीयल
रीया-3, नई दिल्ली,

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/1/37-ईई/1-85/

1459—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संप्लॉट नं० 102, है तथा जो 16, कुन्दन
हाऊस, नेहरू पक्ष, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरी
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री ज्ञान चन्द आहुजा पुत्र
स्व० श्री स० डी० आहुजा,
निवासी-ई-9, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुजाता दिवान पत्नी
श्री सुरिन्द्र कुमार दिवनन,
और श्रीमती रुपा दिवान पत्नी
श्री शिव कुमार दिवान,
निवासी- -346, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में गमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिष्ठातृ के पास
लिखित में लिखा जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-102, तादादी-284 वर्ग फिट, पहली मंजिल,
बिल्डिंग नं० 16, कुन्दन हाऊस, नेहरू पक्ष, नई दिल्ली,

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

अध्यक्ष आर्. पी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-85

1461—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-540, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली में स्थित है ((और इसका उपावृद्ध अनुसूचक में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम
1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
मूल्य से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन और इसके अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथास्तः :-

(1) श्री सतानिसला वस जोहन्स भरनारव गोसाल
वेस,
निवासी— स-170, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कुमार,
ई-540, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रिखी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्रेटर सन आफ ग्राउन्ड फ्लोर, ई-540, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली, तादावी-925 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985]
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) स्कीपर सैल्स प्रा० लि०,
22, बाराबम्बा रोड, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-85

1462—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1324, है तथा जो 89,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

फ्लैट नं० 1324, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,
ताबादी-150 वर्ग फिट

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्याधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम०/1/37-ईई/1-35/

1464—यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 19 है, तथा जो बाराखम्बा रोड़
नई दिल्ली में स्थित है (प्रो० इसमें हितबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961,
के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्राप्तफल से ऐसे दृश्यमान प्राप्तफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट,
1006, कंचा जंगा, 18, बाराखम्बा रोड़,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री संजीव तरेन,
बी-540, न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वन ओपन कार पार्किंग स्पेस इन द लोवर बेसमेंट,
प्रोपोजिड मल्टी-स्टोरीयड कमर्शियल बिल्डिंग,
'अरुणाचल', 19, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्रमुख आर.पी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० पी०/एक्यू०/1/38-ईई/1-85/

1465—फतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्तृत उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

घोर निरक्षरी सं० फ्लैट नं० 10-ए, तथा जो 16, बाराखम्बारोड़, नई दिल्ली में स्थित है (आर० पी० राजेश का अनुसूची
में आर० पूर्ण रूप से वर्णित है) की निरीक्षण अधिकारी के
कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई।

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता बाहुल्य था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० एम० कैमि एल०,

14/1, मयुगा रोड, फरीदाबाद

(अन्तरक)

2. मै० मैरा जॉर्जिंग (इण्डिया) (प्रा०) लि०,

204, रोहिता हाऊस, टागोरस्टाय मार्ग, नई दिल्ली 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना द्वारा कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को या किसी व्यक्ति द्वारा उचित शब्दों में

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष में उक्त सम्पत्ति का वर्जन।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो कि अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10-ए (1001) डी० सी० एम० बिल्डिंग,
16, बाराखम्बारोड़, नई दिल्ली, तादादी—1000 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आ० पी० राजे०/एम्पू०/1/37-ईई/1-85 /

1466---यतः, मुझे, आ० पी० राजे०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 10-डी, डी० सी० एम० है, तथा जो
बिल्डिंग, 16, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता-अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन जारी की गई, 1 जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० बारा एसोसिएट प्रा० लि०,
ए-39, एन० डी० एस० ई० भाग-11, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. मै० अमित एपार्टमेंट (प्रा०) लि०)
रोहित हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

प्लेट नं० 10-डी सी० एम० बिल्डिंग, 16, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली, तादावी—1000 वर्ग फीट ।

आ० पी० राजे०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-198

मोहर :

प्रकटन आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ई ई/1-85---

1468—यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-52 है, तथा जो 23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शक्ति :—

35—296GI/85

1. मारोस पायरीचा,
जी-3, महारानी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा विज पत्नी श्री रमेश कुमार विज,
और मास्टर रजनीश विज और ललित विज,
बोध पुत्र श्री रमेश कुमार विज,
निवासी—ए-5/1, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-52, पांचवीं मंजिल, हिमालया हाऊस, 23
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली,
नावादी—1778 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाग: टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/

1469--यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, ई-492 है, तथा जो ग्रेटर
कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के
कार्यालय अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिसमें वास्तविक
मूल्य से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
से है; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम खन्ना,
बी/24, सेक्टर-5, राऊरकेला 'उडीसा'-769002
(अन्तरक)

2. श्रीमती रमण कक्कड़ और श्री रविन्द्र कुमार कक्कड़,
कक्कड़ कोल्ड स्टोर, जी० टी० रोड, जालन्धर कैन्ट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फाईल नं० 1/605, सी० विहार, आर० के० पुरम, नई दिल्ली,
ता० दादो—1430 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/
1470--गत, मुझे, आर० पी० राजेज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लट नं० 1-605 है, तथा जो सोम विहार आर० के० पुरम, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रोज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधिनियम तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा देना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. त्रिगेडियर सदान डू गोत, सालवेज,
101, भाटिया एपार्टमेंट, ई-540, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० सर्री घर बारपेट (प्रा०) लि०,
21, पटेल नगर, कालोनी, वाराणसी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क रखा किया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची

प्लट नं० 1-605, सोम विहार, आर० के० पुरम
नई दिल्ली, तादादी:—1430 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेज
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रत्येक बार, टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/
1471--यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1224 है, तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्जन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्रमो करने वा उचित करने में अन्तरण के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमों को दिये।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० स्कीपर सेल्स (प्रा०) (लि०),
22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरि/श चन्द्र पुर श्री दाता राम, और
श्रीमती संतोष कुमारी चन्द्र पत्नी श्री हरि/श चन्द्र,
सेक्टर नं०-9, हाऊस नं० 858, आर० के० पुरम,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कवरड एरिया, फ्लैट नं० 1224, बारहवीं मंजिल,
ताबादी—150 वर्ग फुट, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकृष आई.टी.एन.एस. -----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आय कायदा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/
1473—यस, मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जी० एफ०-2, मधुबन, है, तथा जो 55
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रारकी विलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान
प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जबड़े से उक्त अन्तरण निम्नतम में वास्तविक रूप से अधिक नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० नन्दा ब्रदर्स (ई० एक्स० पी०) (प्रा०) लि०,
फ्लैट नं० 15-ए, शंकर मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर जितेन्द्र कपूर (माइनर) द्वारा

श्री एम० एल० कपूर,

रौड़ नं० 8, हाऊस नं० 15, ईस्ट पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास
निश्चित हो कि या सूचित है।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जी० एफ० -2, मधुबन ; 55, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,
तादादी—1330 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/
1474-यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, प्लॉट नं० 36 है, तथा जो
कैलाश कालोर्नी एक्सटेन्शन, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और

इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतिय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिपत्र
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ने की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री जिनेंद्र कुमार जैन,
117, वजाज हाऊस, 97, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार, श्री मनोहर कुमार,
निवास:—एन०-2 (शार्कीट) ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, ईलाइट हाऊस 36,
जमहदपुर, कमिश्नल सेन्टर, नई दिल्ली, कैलाश कालोर्नी,
एक्सटेन्शन।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई ई/1-85/
1475-यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1105 है, तथा जो 24, बाराखम्बा,
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपावृद्ध संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चरणजोत सिंह सचदेव, अमिता रेनु जुनेजा,
निवासी—20, बंगला रोड, दिल्ली
(अन्तरक)

2. मै० जैक होम्स प्रोडक्ट्स लि०,
1106, अगोहा इस्टेट, 24, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफ्रिस फ्लैट नं० 1105, तादादी—640 वर्ग फीट,
मारहवीं मंजिल, 'अगोहा इस्टेट' 24, बाराखम्बा रोड, नई
दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985
मोहर

प्रथम भाई.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37-ईई/1-85/

1476—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

की सं० फ्लैट नं० बी-6 है तथा जो प्लॉट नं० 36,
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ईलाइट डिवलप्रेस (प्रा०) लि०,
115, ग्रन्थल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दिरा बोहरा

ई-143; लाजपत नगर-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभावेस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-6, प्रोपोजिड ईलाइट हाऊस, प्लॉट नं०
36, कम्प्यूटरी सेंटर, कैलाश कालोनी, एक्सटेन्शन (जमसदपुर)
नई दिल्ली।

तादादी—327 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/

1477—प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति बिराका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिला सं० फ्लैट नं० बी-2 प्लॉट नं० 36 है, तथा जो कैलास फालोन्ग, नई दिल्ली में स्थित है (अर्थात् इसमें उपाबद्ध अनुचितों में और पूर्णता में वर्णित है) निम्नलिखित अधिनियम के अधीन, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारत सरकार अधिनियम 1961 के अधिनियम, तारीख अक्टूबर, 1985

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और माला यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) ईनईट डिप्लोमा (प्रि०) लि०,
115, प्रमोद भवन, 16, एस्तुवा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) अमरुत चन्दर भान्सा परती श्री जे० पी० विमलानी
सी०/प्रि०, म० प्रमोद निमोज, 3525, कुतुब रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-2, प्रोपोजिड ईलाइट हाऊस, प्लॉट नं०-36,
अनुचितों सेंटर, कैलास फालोन्ग एक्स्टेंशन (जमरुदपुर)
नई दिल्ली, ताबादी—420 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

राक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमता राज राना गुप्ता, ई578, ग्रैंटर कैलाश-2 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ब्रह्मनाथ पेवा निधि, 1ए, लव लोक पलेस
कलकत्ता-19

(अन्तरितः)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रतिनिधि-1, लखी बिल्ल:

नई दिल्ली, दिनांक : 10 अक्टूबर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं. आई. ए. सं./एकू/1/37ईई/1-85/
1478-अतः सूत्रे, आर. सं. रजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'अच्छा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम परिभाषित जहाँ यह विधायक करने का कारण है कि इसका सम्पत्ति बिलम्बों से जित्त वाज्जदर मन्त्र 1,00,000/- से अधिक है

और जितना स० वेतनमें स० 4, ई-578, है तथा जो ग्रेटर कलकत्ता-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अन्तुका में पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रविष्टा, अथवा अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रोड-1, नई दिल्ली में भारतीय आयाम अर्थनियम 1961 के अन्तर्गत तारख जनवरी, 85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्णविकृत संपत्ति की उचित वाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिकूल को लिए अंतरण की गई है और मूल्य का निमास करने का कारण है कि पथवर्धन संपत्ति को उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पद्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-
ह है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क). आगण या हार्ड किसी आय की गारंटी, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी कण्ड या किसी धन या सन्त आस्तियों को, जिनमें अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

बेसमेंट नं०-4, ई-578, ग्रैंटर कैलाश-2 नई दिल्ली,
तादादा-368 वर्ग फिट।

અનુસૂચી

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिवार्ता
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक : 10-9-1085

आदेश ४

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भाषकर अधिनियम, -1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सं० /एक्यू०/1/37ईई/1-85/
1479—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० फ्लैट नं०-2-डो, है तथा तथा जो अशोक
एपार्टमेंट-1, देवली (खानपुर) नई दिल्ली, में स्थित है
(और इस से उपावद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई
दिल्ली, में भारत-य आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
तारीख जनवरी, 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल
में कमी करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
बार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अमता सरला माटिया ए-8, एन० डी० एस०
ई-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अमता बन्दा दत्ता पति श्री रजनीत दत्ता
निवासः ए०-2/95/1, सफ़दरजंग इन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त संपत्ति में निहित बन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवेदन में प्रस्तुत नहीं किया जा सके।

स्पष्टीकरण —इसमें उक्त सूचना के अन्तर्गत आने वाले, जो उक्त
अधिनियम के अधीन (1961-85) में परिभाषित
हैं, उक्त सूचना के अन्तर्गत आने वाले, जो उक्त
सूचना के अन्तर्गत आने वाले, जो उक्त

अनुसूची

फ्लैट नं०-2-डो, अशोक एपार्टमेंट-1, तिसरी मंजिल,
देवली (खानपुर) नई दिल्ली, तादादों-48 वर्ग फी

आर० पी० राजेश

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक: 10-9-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

(1) नै. स्कापर सेल (प्रो.) लि., स्कापर भवन,
22, दाखिवा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रमग. माला आनन्द पति श्री जस्टिस ए.
एस. आनन्द निवास-ख. क. जस्टिस अफ ए.
एण्ड कमर्शर, हाई कोर्ट, जम्भू।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं. आई. ए. ०/१००/एक्यू/1/37ईई/1-85/1480—

अतः मुझे, आर. पी. राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लैट नं. 1225 है तथा जो 89, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिधारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधारी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं. 1225, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, स.दाकी
150 वर्ग फिट।आर. पी. राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्लीतारीख : 10-9-85
मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० नं०/एकू०/1/37ईई/1-285/
1481--आतः सुखे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि सत्तार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या फ्लैट नं० 602 है तथा जो 7, टावरदाय
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में अंग्रेजी पूर्ण रूप से वर्णित है), परिसरगत अधिकार के
कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारत सरकार अधि-
नियम 1961, के अन्तर्गत तारीख अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अरुण कुमार वोहरा सुपुत्र,
मेजर जनरल एस० पी० वोहरा
अर्थात् वसति वोहरा पत्नी
श्री अरुण कुमार वोहरा,
मास्टर आरिफा कुमार वोहरा और
मास्टर अमित कुमार वोहरा,
निवासा-ब्लॉक-8 बंगला, वेस्टएन्ड कोलोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वजीत पृथ्वीजीत सिंह पुत्र
श्री राज कुमार पृथ्वीजीत सिंह,
निवासा 80, लोवा इस्टेट, नई दिल्ली।

(अन्तरितः)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सत्तार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

फ्लैट नं० 602, छठे मंजिल, प्रताप दीप, 7, टावरदाय
मार्ग, नई दिल्ली, तारका-709 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85

आह्वय :

प्रकृत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 85

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/

1482—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट इन वेस्ट टावर है तथा जो
9, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) मै० कैलाश नाथ एन्ड एसोसिएट्स,
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुलपी भार्गवा
ए-11/ए, साउथ एसकेशन भाग-1,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धन 'बी' रिसीडेंटल प्लैट इन वेस्ट टावर, तावाही
1600 वर्ग फीट, पहली मंजिल, प्रोजेक्ट मल्टीस्टोरीयड
ग्रुप हाउसिंग स्कीम 'नोलगिरी' एपार्टमेंट 9, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली एक और एक अधीन कार पार्किंग स्पेस

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10 9 85
मोहर:

प्रथम भाग: टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/37ईई/1-85/
1483—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
सक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विनयास करने का
कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मू
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० एम० 6, है तथा जो 89, नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिनियम अन्तर्गत्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मास्टर सन्दीप गोयल यू०/जी
श्रीमती मालती गोयल,
निवासी एस०-83, पंचशिला पार्क,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीटा महाजन पत्नी,
श्री के० जी० गुप्ता (अलाईज महाजन)
2-डी, पाकेट-3, मयूर विहार,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रष्ट
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० एम०-6, सकीपर टावर, 89, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली, तादावी 350 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85
मोहर :

प्रत्यक्ष बाइ-टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/1/37ईई/1-85/

1484—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कार पार्किंग स्पेस, है तथा जो 17, टाल-
स्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख, जनवरी-
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए या, विधान में
उपविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2--

(1) श्रीमती सुरेन्द्रा देवी तुलसेन पत्नी,
श्री प्रह्लाद राय तुलसेन,
निवासी 983, कुचा नटवा, चांदनी चौक,
विद्वली

(अन्तरक)

(2) मास्टर वरुन जैन पुत्र,
श्री तरुन कुमार जैन,
निवासी डी० 400, हिल्फेंस कालोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार पार्किंग सेज नं०-2, आउट्रैज वज़ोर बिल्डिंग,
11, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
संजन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
[अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली]

तारीख: 10-9-85
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/

1485—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 106, सूर्या किरन है तथा
जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
नास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण यह है कि किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन सूचना के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उक्त सूचना में सुधार
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37-296GI/85

(1) श्रीमती सपिन्दर कौर,
बी०-95, ग्रेटर कैलाश,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवन्त सिंह,
मास्टर कुलवीर सिंह, बी०-95, ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अक्षर

फ्लैट नं० 106, सूर्या किरन कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली, तादादी 760 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/1/37ईई/1-85-

1486—अतः मूले, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 203 है तथा जो प्लॉट नं०
36 कलाश कालोनी एम्बेडगेन, नई दिल्ली, में स्थित और
इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उत्तरे बचने में सविधा के लिए
घीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
में किए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० विलाइड रिक्लेर्स (प्रा०) लि०

115, अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गोटिस पन्डित,

सी-700, न्यू फेडर कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के लघुपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्न-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथावस्थाकारी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्लेट नं० 203, प्रोजेक्ट ईनाइट हाउस, प्लॉट नं०
36, कन्स्यूनिटी सेंटर, कलाश कालोनी एम्बेडगेन (जनकपुर)
नई दिल्ली, ताशदी 492 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली दिल्ली

तारीख : 10-9-85

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० जए० सी०/एम्पू०/1/37ईई/1-85/

1487—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 202, ई. ए. जे. प्लॉट नं० 36, कल्याण कॉलोनी एकाडेज नई दिल्ली में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरितियों) के क्षेत्र में सम्पत्ति से प्राप्त होने वाला प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित सम्पत्ति के क्षेत्र में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० ईनाइट डिवेलपर्स (प्रा०) लि०,
115, अम्बल भवन, 16, हस्तूरवा गांधी मार्ग
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री शोफिया पन्डित
बी-70, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरितियाँ)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कायदा भी आदेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, रोडोवड ईनाइट हाउस, प्लॉट नं० 36, कल्याण कॉलोनी, एकाडेज (जनकपुर) नई दिल्ली नादादी 364 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 10-9-85
माहूर :

इसका भाई.टी.ए.एस.-----

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
1488—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, है तथा जो प्लॉट नं० 36, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु का स्थानांतरण, बिना भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० ईनाइट डिवलर्स (प्रा०) लि०,
115, अन्वेल भवन, 16, कस्त्रबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री शाहिद पन्डित,
सी-700, न्यू फ्रेंड्स कालोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, प्रोपोज्ड 'ईनाइट हाउस' प्लॉट नं० 36, कम्युनिटी सेक्टर, कैलाश कालोनी, एक्सटेंशन (जनरुदपुर) नई दिल्ली, तादादी 430 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85

हस्ताक्षर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ईई/1-85/

1489—अन : मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट आन 5वीं मंजिल है तथा जो 34, फिरोजशाह रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय-आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कैलाश नाथ एन्ड एसोसिएट्स
1006, कंचनजंगा 18, बाराखम्बा रोड़,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० जीवन टेक्सटाईल्स परीकरस (प्रा०) लि०,
56, बुटावाला बिल्डिंग, न्यू सिल्क मार्केट,
कालबा देवी, बॉम्बे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट आन द 5वीं मंजिल, तादादी-1600 वर्ग फीट,
एक कार पार्किंग स्पेस, प्रोपोजिड मल्टी-स्टोरीयड, ग्रुप हाउसिंग
स्कीम, अदिसवर एपार्टमेंट, 34, फिरोजशाह रोड़, नई
दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85

संदेश :

प्रकृष भाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
1490--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० टी० 101 (जी-एफ)
है तथा जो शापिंग सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री की प्राधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख
जनवरी-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
परिग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
की जाय और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री . राजेन्द्रा,

एन० 52-ए, कनाट प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अग्निन चन्द्रा,

सी-33, तारा अपार्टमेंट, नियर कालकाजी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के निम्न
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० टी० टी० 101, (ग्राउंड फ्लोर) जी-2 शापिंग
सेन्टर, कम कम्प्यूनिटी फैसलेटिज, कालकाजी, नई दिल्ली,
तादादी 72.5 वर्ग फीट।

(आर० पी० राजेश)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/

1491--प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० ए०-19 है तथा जो कनाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिचारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तांगीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैगर्स रुचिता कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लि०
15/4581, दरीया गंज, अग्रवाल हादुराई,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री ध्याम विशोर,
श्रीमती कमला मेहता,
श्री प्रकाश विशोर,
श्री प्रेम विशोर,
श्री जगत नारायण,
निवासी-105, जार बाग,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे या सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकिंग एज कमर्शियल फ्लैट तादासी-340 बर्ग फीट
तीसरी मंजिल, बिल्डिंग अन्डर कन्स्ट्रक्शन, प्लॉट नं० ए-19
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
1492—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सोफ नं० 5 है तथा जो 49-50,
नेहरू प्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० के० वी० पायरी,
ई-326, निर्माण विहार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० बालसुब्रमन्यम
ए-3/129, जनकपुरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराई गई है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सोफ नं० 5, पहली मंजिल, रेड रोज बिल्डिंग 49-50,
नेहरू प्लेन, नई दिल्ली, ताबादी 229 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैजिस्ट्रेट सीकर सेवा (प्रान्) सि०,
22, बानासकुन्दा रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री प्रकाश चन्द (एच० यू० एफ०),
56, राम नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/3755/1-85/

1493--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन दक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1025 है तथा जो D9, नेहरू
प्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसका उपादक अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अविधारी के
दायित्व, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैकि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

38-296 GI/85

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1025, D9, नेहरू प्लेन, नई दिल्ली
ता.दादी 15 वर्ष फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

[कम बाई. टी. एन. एच.]

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
1494—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतबारी, तावादी 10 बीघे, 13 बिघे, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पर्याप्त रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की दायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी आना बाहिरे या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

(1) चाहु खान
निवासी चावदनहुला तहसील महरौली,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) कुमारी सुनीता मजुमदार
सी-5/6, सकदरजंग डिपलॉमेंट एरीया,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्थ के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी-10 बीघे, 13 बिघे, सतबारी,
तहसील महरौली, नई दिल्ली, खसरा नं० 1053/2 (3-9),
1054 (3-12), 1055 (3-12)

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-85

मोहर :

प्रारूप आर्ट. टी. एन. एच. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
1495--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अवि भूमि 11 बीघे, है तथा जो 11
बिघे, ग्राम-पतवारी, तादादी महरोली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसका उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), निम्नलिखित प्राधिकारी के आयाम, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोल का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्ध प्रतिलक्षण में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अवश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) चाहु खान और माजिद,
ग्राम: चान्दनहुला, तहसील महरोली,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) कुमारी सुनीता मजुमदार,
सी-5/6 सफदरजंग डिपलॉमेंट एरीया
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अवि भूमि, ग्राम-पतवारी, तादादी 11 बीघे, खसरा
नं० 1056(4-16), 1057(4-16), 1058 (1-19)
नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-85

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

इस्य भाग टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आर्.ई० ए० सी०/एचयू०/3/एस० आर्-2/1-85/2520--अ०: मुझे चुनीय चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 13 है तथा जो ब्लाक जे-4, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिद्वितीय अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्विकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा दे लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किमा जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा दे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार धर्मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम :-

(1) श्री गोपाल धात आर.ए.ए. पुत्र श्री वायु राम, पिछ जे-4/13, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन कुमार पुत्र श्री एम० आर० गुलाटी, निवासी बी-1/277, पश्चिम विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 13, ब्लाक जे-4, तादावी-173
जग गज, राजौरी गार्डन, तादपुर, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 10-0-1985
मोहर :

प्रारूप भाग टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आ.ई.० ए० सी०/एफ्यू०/3/एत० आ.ई.०-2/1-85/

2521-सूचना मुक्त, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जिन रेंज-3, नई दिल्ली, नं० 283 है तथा जो अजय इन्फोटेक प्रिवेट लिमिटेड में स्थित है (अर्जिन इन्फोटेक अंतर्गत में पूर्ण रूप से स्वामित्व में है), अर्जिन इन्फोटेक प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अर्जिन तारीख जनवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बाँट/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार कर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री विरमा नाथ अरोड़ा पुत्र,
श्री डी० एन० अरोड़ा
निवासी फे० 19, राजारो गार्डन नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री सोन नाथ विज
(2) श्री रमेश कुमार विज
(3) श्री सुरेश कुमार विज,
पुत्र स्व० श्री द्विवेद दास विज
निवासी डी० 16, अजय इन क्लेब, नई दिल्ली
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2, संजिना हाउस नं० डी-16, खसरा नं० 283
सादादी 200 वर्ग गज, अजय इन क्लेब, नई दिल्ली

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-85

सहीर :-

प्रूप. जाई. टी. एन. एस्. - - - -

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-आर-2/1-

85/2523--अतः मुझे सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/6, है तथा जो तिहाड़-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृष्टि प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतरणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत नै बायिल्व में कमी करने या उससे वर्धन के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री खानत राम पुत्र श्री नानक चन्द,
निवासी—बी/25, महावीर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री कुन्दन लाल,
निवासी—11/6, तिहाड़-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्ग

प्रो०-सं० 11/6, तादात्री-100 वर्ग फिट, तिहाड़-2,
नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रकृप. भाई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी/एयू०/3/एस०-आर-2/

1-85/2524-अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/6, है तथा जो तिहाड़-2, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जनवरी-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री चानन राम पुत्र श्री नानक चन्द,
निवासी-बी/25, महावीर नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री कुन्दन लाल,
निवासी-11/6, तिहाड़-2, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं०-11/6, तादादी-100 वर्ग गज,
तिहाड़-2, नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/एस-आर-2/1-

85--अतः मुझे, सुनील चौधड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० बी/215-ए, है तब जा तो तारपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसे उतावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक अन्तरित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की दायरता की दायरता में कमी करने या उसके वर्धन को सीमित करने लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भग्न या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री आर० ए० महजोत्रा पुत्र राजन सिंह,
निवासी--बी/215-ए, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम सेठी पत्नी श्री सुभाष सेठी,
निवासी--आ-14, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

हाउस नं० बी/215-ए, तादादी-220 वर्ग गज, ग्राम-
तातर पुर, दिल्ली ।

सुनील चौधड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 0-9-1985

मोहुर

प्रारूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइत सुदकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सा०/एकू०/3/एन०-आर-2

1-85/2520--प्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
14 सितम्बर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
के अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 102, है तथा जो प्लॉट जे-3,
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसे उपायुक्त
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
39-2946GI/85

- (1) श्री सतनाल कपूर पुत्र श्री विद्वाल,
निवासी—जे-3/102, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सतनाम कौर पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह नन्दा,
निवासी—1/100, लाजपत नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बना हुआ घर, प्लॉट नं० 102, प्लॉट जे-3, राजोरी-160
वर्ग गज, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर- 2/1-
85/2527-प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू-जैड-592-सी, है तथा जो खसरा
सं० 357, प्लॉट नं० 10, रिशी नगर, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितिये) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल ग्लोबललिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
बायत्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

- (1) श्री तेजभान पुत्र सुधा राम
निवासी—क्यू-जैड-592-सी, रिशी नगर,
नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नी श्री राम प्रकाश,
डब्ल्यू-जैड-2221-ए, राजा पार्क, शकुर बस्ती
नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विव-
रणा है ।

अनुसूची

अनी हुई प्रो० नं० डब्ल्यू-जैड-592-सी, दो सोफ तीन
हूकमरे, किचन, एक बरामन्डा, तादात्री-120 वर्ग फिट, प्लॉट
नं० 10-खसरा सं० 357, रिशी नगर, नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985
साहुर :

प्रकाश आई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर-2/

1-85/2528—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-ए-21, प्लॉट सं० आर०-ए-21,
खसरा सं० 1601 और 1603 नारायना, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,
1985,

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बचत की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिर
में कमी करने का उद्देश्य यहाँ में ध्विषा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था छिपाने में रूचि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—

(1) श्री दीप चन्द पुत्र श्री हर चन्द जल्लहा,
निवासी—डब्ल्यू-जैड-21, टोडर पुर, दिल्ली
2. श्रीमती भरपाई पत्नी श्री फकीरा
निवासी—डब्ल्यू-जैड-21, टोडर पुर दिल्ली,
3. सरिता देवी पत्नी श्री जयलाल,
निवासी—डब्ल्यू-जैड-107, टोडर पुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री सतिश शर्मा पुत्र श्री सेवा नाथ और
श्रीमती सुरेखा शर्मा, पत्नी श्री सतीश शर्मा,
निवासी—281, पहाड़ गंज, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ:

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस सं० आर-ए-21, प्लॉट नं० आर-ए-21, तावादी-
200 वर्ग गज, खसरा सं० 1601 और 1603 नारायना, दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए सं०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/

1-85/2520--आ० मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 5, कोला सं० 10, है तथा जो 11/1, रेक्ट
सं०-51, कोला सं० 47, बापडोला, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूचों से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारों
प्राधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत में रजिस्ट्रारों
अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, दिनांक जनवरी
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार सैनी, राकेश कुमार सैनी,
पुत्र श्री मोहिन्द्र कुमार सैनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी के० सी० काह्लो,
निवासी--आर०-50, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

तारादी-18 बिबे, 18 बिबे, कोला सं० 5, 6/1, 15,
रेक्ट सं० 50, कोला सं०-1, 10, 11/1, रेक्ट सं० 51, कोला
सं० 47, रेक्ट सं०-79, भाग-4/5, बापडोला, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/3/एन आर-2/1-85/
2530--आ० मुझे, सुनील चीनड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ओरिसा में सं बी-127, हेमरा जो नारायण विहार, दिल्ली
में है (और इसके उपरान्त अनुपूर्व से पूर्ण रूप से वर्गीकृत
है), रजिस्ट्रार की अविहारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत-ज
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरांत को भई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री बनारस सिंह,
आरबा जोगिन्द्र पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह,
निवासी--193, जॉर बाग, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री बाली राम पुत्र चन्नाया मल और
श्रीमती माया देवी पत्नी श्री बली राम,
निवासी--बी-47, नारायण विहार, दिल्ली।
(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विधि
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनुसूची

तादादी—300 वर्ग गज, प्लॉट सं० बी-127, नारायण
विहार, दिल्ली।

सुनील चीनड़ा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

दिनांक : 10-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-आर-2/1-
85/2531—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रेक्ट नं० 6, कीला नं० 19, है तथा जो
ग्राम-पोंशांगीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उपवर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
गही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विनोद ओबराय पत्नी श्री त्रिलोक नाथ,
बी-एक-50, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) द्वारका नाथ भदलाका पुत्र श्री ठाकुर दास,
ए-2/ए/48, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-ए-12, तावावी-200 वर्ग फिट, रेक्ट नं० 6,
कीला नं०-19, ग्राम-पोंशांगी, पुर, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-आर-2/1-85/
2532—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० प्लॉट नं० ए-2, खसरा सं० 5/1, 9, 10,
19, 20, ग्राम न्यू मुल्तान नगर, नई दिल्ली स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती प्रकाशवती डी/ओ० तेजा सिंह सरदार,
पत्नी श्री डी० एन० मलहोत्रा,
निवासी—प्लॉट नं० 8/521,
लोधी कालोनी, लोधी रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री छाजू राम पुत्र श्री सोहनलाल,
निवासी—हाउस सं० बी-31, मुल्तान नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
30 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ताबाही-200 वर्ग गज (30' + 60')

प्लॉट नं० ए-2, खसरा नं० 5/1, 9, 10, 19, 20 न्यू
मुल्तान नगर, नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-85

माहुर

प्रत्यक्ष बाई. सी. एल. एल. एल.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/एस०/3/एस-आर-2/1-85/

2533--अतः मुझे, सुनील चौधरी,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी-एल-17, है तथा जो खसरा
सं० 845-846, ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसने उत्तमवर्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), रजिस्ट्रारकी
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रारकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी-
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बी० के० चड्ढा सी०/श्री श्री राम लुभाया चड्ढा,
निवासी:-दुरी नगर ब्लाक टावर, नई दिल्ली,
(अन्तरक)

(2) श्री रघुबीर सिंह मन्जित सिंह पुत्र स्व० श्री सरादार
सिंह,
निवासी:-61/7, अशोक नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

प्लॉट सं० बी-एल-17, तादारी-200 वर्गज, खसरा
सं० 845-846, ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली ।

सुनील चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-100002

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रारूप बाह्य. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम-आर-2/1-85/
2534—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-एल-52, खसरा सं० 870, है तथा
जो ग्राम—तिहाड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती नीलम खुराना श्री पत्नी बी० एम० खुराना
जे-11/42, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण पुत्र कृष्णलाल,
निवासी—8922, पाल बाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० बी-एल-52, तादादी-200 वर्ग गज, खसरा
नं० 870, ग्राम—तिहाड़, नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा
तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

40—296GI/85

दिनांक : 13-9-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर-2/1-

85/2535—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-43, खसरा सं० 1651, है तथा जो
ग्राम नारायना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्माणादि व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुचारीता वर्मा पत्नी श्री एम० वर्मा,
निवासी—सी-43, इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री माजिब भूपन डिग्रोरा, श्री राजीव कुमार डिग्रोरा, और श्री अरुन कुमार डिग्रोरा, पुत्र श्री
विरेंद्र भूपन,
निवासी—4/2602, बिडन पुरा, करौल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० सी०-43, एक ड्राइंग रूम 5, बैड रूम, 3
कमराईण्ड टायलाट, बाथ रूम, किचन आदि प्लाट तादादी—
500 वर्ग गज खसरा नं० 1651, ग्राम नारायना, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेष्टा सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर/2/1-
85/2536—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० -6 है तथा जो खसरा नं० 245
ग्राम बुराड़ी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रोशनलाल पुत्र श्री मीर सिंह,
निवासी—बी-15, भगवान दास नगर, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास, ओम प्रकाश, अर्जुनलाल पुत्र
श्री मीर सिंह, सावित्री देवी पत्नी श्री श्याम लाल,
श्रीमती रक्मणी पत्नी श्री कुंज बिहारी।
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्तन होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तादादी-2 बिघे, 4 बिघे, 2 बिघे, 13-1/2, बिघे, (मेन)
5 बिघे, 7 बिघे, प्लॉट सं०-6, खसरा नं० 452, ग्राम बुराड़ी,
दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज- दिल्ली, 3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस-आर/1-85/

2537—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-जैड-167, है तथा जो प्लॉट सं० 17,
खसरा सं० 394, रानी बाग, दिल्ली, में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,
1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से एतद् दायमान प्रतिफल के
वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरिती (अन्तरिचितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी काम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बावत से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या कि वा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती विमला गोयल पत्नी श्री धरम पाल गोयल
निवासी—1495, रानी बाग, शकुर बस्ती,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तेजभान सचदेवा पुत्र श्री साधु राम,
592जी, रिशी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अर्थात् साक्षरी के पास
लिखित में किसे जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसू...

प्रो० सं० डब्ल्यू जैड-17, रुम और बाउण्ड्री वीधार की
तादादीं-150 वर्ग गज, प्लॉट सं० 17, खसरा सं० 394,
खेवट नं० 44/148 रानी बाग, शकुरबस्ती दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनांक : 10-9-85

बोर्डर ■

प्रथम भाग, बी. एम. एफ. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/3/एस-आर-3/1-85/
946—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/1135, गली नं० 10-11, है तथा जो
नाईवाला करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ।
वास्तव में कमी करने या उच्च वर्ग में वर्द्धि
के लिए; कोई/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के शब्दबोध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
विवक्षा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिदार सिंह पुत्र श्री मेहणा राम,
जी-नं० 10-11, 16/1135, नाईवाला करील
बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. बी० एल० गुप्ता एण्ड सन्स (एच० यू०-एफ०)
द्वारा श्री बी० एल० गुप्ता 2. श्रीमती नीला बती

(3) धर्मवीर 4. अवतार सिंह और श्रीमती कमला
देवी,

निवासी—बी-37, अशोक विहार-1, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

हाउस सं० 16/1135, गली नं० 10-11, नाईवाला,
करील बाग, नई दिल्ली, तादादी-117 वर्ग गज, खसरा नं०
1075 ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-9-1985

बोहर ।

शारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर-3/

1-85/948—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/8 करोल बाग है तथा जो नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निशी तलवार
निवासी-493, सैनिक विहार दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश
निवासी-16/8, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/12वें भाग का सम्पत्ति सं० 16/8, करोल बाग, नई
दिल्ली।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश नं० एज० सी०/एक्यू०/3/एस० आर० 3/1-85/

949—अन: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 16/8, करोल बाग है तथा जो नई दिल्ली में
स्थित है और इसने उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन,
दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उद्योग के स्थान प्रतिफल से, ऐसे स्थान प्रतिफल का
बहुधा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यय
में कमी करने या उद्योग के धन में वृद्धि के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में :—

(1) श्रीमती नलिनी कपूर।

निवासी—7ए/80, मोती नगर,
नई दिल्ली-15।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश

निवासी—16/8, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/12वें भाग का सम्पत्ति नं० 186/8, करोल बाग,
नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

प्रमाण आदि. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ग० सी०/एम्पू०/3/एम-आर-3/

1-85/950--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/8, है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का कारण प्रतिफल
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिकतम निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/वा

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयेण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री युवराज तलवार

निवासी-493, सैनिक विहार,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश

निवासी-16/8, करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पक्ष में लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/12वें भाग की सम्पत्ति संख्या 16/8, करोल बाग, नई
दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

मोहर :

अथवा डॉ. एन. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आय-सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन०/3/एस०-आर/3/1-
85/951—प्रति: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/8 है तथा करोल बाग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), की मालिकता में अति गंभीरता के साथ, नई दिल्ली में भारतीय
राजपूत्री अर्थ प्रणाली, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 13 अक्टूबर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, समर्थ :—

41—296GII85

(1) श्रीमती रेनु कपूर
मकान सं० 23, चन्दर लोक,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश
निवासी 16/8, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

निष्कर्ष:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/12वें भाग की समाप्ति सं० 16/8, करोल बाग, नई
दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

न म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-85

मोहर :

प्रत्यक्ष जाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/1-85]

953—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5040, ब्लॉक 'एम' है, तथा जो सन्त नगर,
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
वस्तु प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिस्वी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
क्या बका प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निष्पत्ति से वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायिल में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ-व्यवस्थाओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिस्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए; और/या

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राम राखी पत्नी श्री केसर मल,
ग्राम—कारवा, जिला भन्डारा (महाराष्ट्र)
प्रेजेन्ट 16/23, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली,
(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास, राज कुमार, कृष्ण लाल और
रोशन लाल, पुत्र श्री नारायण दास,
निवासी—52/4577, रेगपुरा करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिस्वी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्पन्न व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी बिल्डिंग हाऊस नं० 5040, ब्लॉक 'एस'
खसरा नं० 3289/719 और 3290/719, प्लॉट नं० 36,
और 37, तादादी—214 वर्ग गज, सन्त नगर, करोल बाग,
नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिनांक नई दिल्ली - 11002

दिनांक : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/1-85/
954—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-15 है, तथा जो हाजि खास, इनक्लेव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(भा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० पी० प्रोपर्टीज प्रो० सुरिन्द्र पाल सिंह,
एफ-62, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. (1) डा० (श्रीमती) देविन्द्र पाल,
(2) मास्टर अमित पाल सिंह,
(3) कुमारी सुमित पाल कौर,
निवासी—जे-295, साकेत, नई दिल्ली,
(4) कुमारी प्रियंका कालरा,
(5) कुमारी मोनिका कालरा,
(6) कुमारी सूरत कीर्ति कालरा,
(7) श्रीमती चन्द्र कालरा,
निवासी—डी-120, साकेत, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-15, हाजि खास इनक्लेव, नई दिल्ली, तादादी—
200 वर्ग गज, तथा घर 1

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 9-9-1985.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/1-85/

956—यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11708, वार्ड नं० 16 है, तथा जो गली
नं० 2-3, ब्लाक-यू, करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख,
जनवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की वजह, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स० गुरचरण सिंह महेन्द्रा,
सपुत्र सरदार सोहन सिंह और
श्रीमती सुदर्शन कौर,
निवासी—12/1, डब्ल्यू० ई० ए० करील बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

2. श्रीमती उर्मिला गोयल धर्म पत्नी श्री ज्ञान चन्द,
और श्री अतुल गोयल सपुत्र श्री ज्ञान चन्द,
मकान नं० 3, गली नं० 1, राम नगर,
नई दिल्ली

(अन्तर्निती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 11708, वार्ड नं० 16, गली नं० 2-3,
ब्लाक-यू, खसरा/प्लॉट नं० 3581/651/2, स्थित सन्त नगर
करील बाग, नई दिल्ली, तावादी—75 बर्ग गज ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-9-1985

होहर :

प्रकृ. प्रा. टी. एन. एच. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

नरेश सुरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रा.ई० ए० सी०/एकमु०/3/एस-प्रा-3/1-85
960/—प्रति: मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रतिष्ठान सं० 449-450 है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (जो इसका उपायुक्त अधिसूचना में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), अधिरक्षित अधिकार के कार्यालय
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रा.न. सराख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लगभग
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके लगभग प्रतिफल से, ऐसे लगभग प्रतिफल का पम्प
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्माणांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव
में कमी करने या उसके करने में बाधा के लिए
कर/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी बंध या अन्य बाधितियों
को बिना भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अपवादार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा-किया जाना चाहिए या, कियाने में बाधित
के लिए।

वहा. वहा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निर्माणांकित व्यक्तियों, वर्तित :—

1. श्री योगेश राम नाथ चिन्ता दास योगेश शिव नाथ,
श्री शिव नाथ योग अश्वम,
भायार काला कुई, रमेश नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री तिलक राज अरोड़ा, पुत्र स्व० श्री राम लाल अरोड़ा,
निवासी—एच-338, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बचप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्तकारी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और धारों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बनी हुई सरकारी प्रो० लादाही—127.666 वर्ग गज ।
प्रो० नं० 449-450, डबल स्टोरी फ्लाट, न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

कोडर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3

1-85/561--य०, मुझे, सुनल चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 'के' 62 है, तथा जो हीज खात इन्क्लेव
नई दिल्ली में स्थित है (और इसका उपाय्य अनुसूची में
श्री पूर्णदा से वर्णित है) रजिस्ट्रार/अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार/अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, साराख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० के० भाटिया,
श्री ए० के० भाटिया,
श्री अनिल भाटिया और
श्री सुनल भाटिया अल पार्टनर आफ भाटिया
एण्टेमेंट द्वारा जो० ए० अ मं० राज कुमारी,
निवासी—डब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री मं० शकुन्तला मसनी पत्नी श्री एम० आर०
मं०,
निवासी—सी-44, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री० नं० के-62, हीज खात, इन्क्लेव, नई दिल्ली, चौथी
मंजिल ।

सुनल चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

माहुर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितंबर 1985

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस. सं०/एक्यू/3/एस. प्रान-3
1-85/963-अतः, मझे, सुनल चौकड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 16/80 एण्ड 16/86 है तथा जो जोशों
रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदाहरण
आसूचना में और पूर्णता से वर्णित है) एजिड्रारता अधिनियम
के प्रारंभ, नई दिल्ली में एजिड्रारता अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बादियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
इका था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सुराज,
ए-50, कार्ति नगर, नई दिल्ली;

(अन्तरिती)

2. श्री रमेश राजपाल सुपुत्र श्री आशा नन्द,
833, जोशों रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली;

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाइनस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

हकूत नं० 16/80 एण्ड 1686, त.द.दो.—111 वर्ग गज,
जोशों रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली।

सुनल चौकड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-9-1985
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन्-रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/3/एस० प्रार०-3/
1-83/964--प्रत, मुझे, सुनील बोपडा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाधर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसे सं० 60/11 है तथा जो रामजस रोड, करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (जो इसमें उल्लेख अनुप्राप्त में
श्री० प्रो० का है निर्दिष्ट है) निम्नलिखित प्राधिकारी के आयालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अंतर्गत, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक
में फर्मो करून दा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजीव प्रोहरी,
6, ईश्वर नगर, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. श्री राज कुमार मनोवा एण्ड प्रदर्स,
60/11, रामजस रोड, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वधर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्सूची

श्री० बैरि ब्लाक नं० 80, प्लॉट नं० 11, रामजस रोड
करोल बाग, नई दिल्ली, त.कां०—624 बर्य गज, (1/4
प्रतिभाजित भाग)।

सुनील बोपडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन् रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-9-1985
मोहर :

प्रकाशक: ए.टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अ-ई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/1-85/
985—प्रतः, मुझे, सुनील घोषड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 60/11 है तथा जो रामजस रोड़, करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रार प्राधिकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अंतर्गत, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्वरूप में कमी करने या उचित वर्णन से दृष्टि
को लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी बात या किसी रूप या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया, धारणा में दृष्टि
को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिदिष्ट है—
42—296GI/85

1. लेफ्टि० कर्नल अशोक वोहरा,
6, ईश्वर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार, श्रीमती सुदेश मानोचा,
श्रीमती मीनू मनोचा,
श्रीमती रेनू मनोचा,
निवासी—60/11, रामजस रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीधरः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री० जेफिंग प्लॉट, नं० 11, ब्लॉक नं० 60, रामजस रोड़,
करोल बाग, नई दिल्ली (1/4 अधिभाजित भाग)।

सुनील घोषड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-3/1-85/966—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 11 है तथा जो ब्लाक नं० 60, रामजस रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बड़े प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा प्रदान के लिए।

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर अनिल मोहरी,
पैटर कैलाश-21, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार,
श्रीमती सुदेश मानोचा,
श्रीमती मीनू मानोचा,
श्रीमती रेनु मानोचा
निवासी 60/11, रामजस रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 11, ब्लाक नं० 60, रामजस रोड, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

सं०आई० ए० सी०/एक्यू/3/एसआर-3/1-85/967:—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 60/11 (60/11) है तथा जो रामजस
रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
वापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की, अनुसूचना
में, स, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (f)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुनील ओहरी,
सी०-34, ग्रैंडर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार,
श्रीमती सुदेश मानोचा,
श्रीमती मिनु मनोचा,
श्रीमती रेनु मनोचा,
निवासी 60/11, रामजस रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तम्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कलक नं० 60, प्लॉट नं० 11 रामजस रोड, नई दिल्ली
तादादी 634 वर्ग गज (1/4 अविभाजित भाग)।

सुनील चोपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 10-9-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एच.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एफ्यू/3/एस आर-3/1-85/968:-

अतः सुभे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 96/बी-7, एक्सटेंशन है तथा जो
सफदरजंग रिजिडेंसल स्कीम, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
स्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में
पुस्तिक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री राममन इस्टेट प्रा० लि०।

जी-56, ग्रीन पार्क,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एल० खुराना

पुत्र स्व० श्री पी० आर० खुराना

और श्रीमती सुषमा खुराना

पत्नी श्री जी० एल० खुराना,

निवासी 1/301, सरोजनी नगर,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

प्रौ० सं० 5-96/बी-7, तादात्री 132.06, वर्ग मीटर,
सफदरजंग रिजिडेंस, स्कीम, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली

तारीख: 9-8-1985

मोहर

प्रकृष बाह्य टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

सं० आई. ए० सी०/एक्यू/3/एस अर०-3/1-85/970

अधः मुझे, सुनील चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-1/41 है तथा जो हांस खास इन्डस्ट्री,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री सोमनाथ मेहता
पुत्र पालामल मेहता,
5475, सोहरा कोठी, पहाड़ गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह
पुत्र एस० अजित सिंह जोहर,
सी-139, ब्रिफेस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहमा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुमोदी

सिमल स्टोरी हाउस बना हुआ सादावी 202 वर्ग गज,
बी-1/41, हांस खास इन्डस्ट्री, नई दिल्ली।

सुनील चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 10-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस धार०-3/1-85/

971:--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-40 है तथा जो एन० डी० एस, ई
भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध्व अनु-
सूचक में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्व विभाग की अधि-
कारिता नई दिल्ली में भारतीय राजस्व अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारे में कमी करने या उससे बचने में अधि-
क कि; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिनके में अधि-
क के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :-

1. (1) श्री इन्दर लाल
पुत्र सरदारी लाल बाहरी,
(2) विरेन्द्र लाल बाहरी
पुत्र सरदारी लाल बाहरी,
5/5, रूप नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. (1) श्री गिरधर चन्द जैन
पुत्र स्व० श्री सुमेर चन्द जैन
(2) राजीव जैन पुत्र गिरधर चन्द जैन
(3) संजीव जैन पुत्र श्री गिरधर जैन और
श्रीमती पुष्पाला जैन पत्नी गिरधर जैन
निवासी बी-33, पंचशिला इन्वलेव,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० बैरिंग नं० ए 40, नई दिल्ली साउथ एस्टेटेशन
भाग-2, नई दिल्ली, तावादी 250 वर्ग गज

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

हस्ताक्षर :

अध्यक्ष बाई.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर 3/1-85/974:—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/24, पुराना रजिन्द्र नगर है तथा
जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985।

क्योंकि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तरित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू-भाग या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922
धारा 269-ब अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है :—

1. श्रीमती जय धर्ती सुखनानी
निवासी सी-24/16/203
जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी,
निवासी 23/24, पुराना रजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, प्रोक्लामेरी के पाठ दिखाने
में किये जा सकें।

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 10-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना फ्लैट संख्या 23/24 पुराना रजिन्द्र
नगर, नई दिल्ली। साघदा 88.1 वर्ग गज।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, दिल्ली

तारीख: 13-9-1985
मोहर

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एफयू/3/एस आर०-3/1-85/
975:—आर्.टी.एन.एस. चीपडा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 166, ब्लॉक ए-1, है तथा जो सफर
जंग डिवलपमेंट रिसिडेन्टल स्कॉम, साउथ दिल्ली, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसका उपायवाह अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिपति के कार्यालय नई दिल्ली
में भारत में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अर्जन, धारा ख अन्तर्गत, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
वर्तमान के लिए अन्तरित की गई है और मंचे यह विश्वास
रखने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सम्बन्धित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक
वैध प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. श्री राम गोपाल गोबल
पुत्र स्व० श्री लाला राम गजान दास
निवासी 25/सी, रायचंद स्ट्रीट,
कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी
पुत्र श्री देवल राम,
निवासी 166, ब्लॉक ए-1,
सफरजंग रिसिडेन्टल स्कॉम,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री० बोरक नं० प्लॉट नं० 166, ब्लॉक ए-1, सादादी
303 वर्ग गज, सफरजंग डिवलपमेंट रिसिडेन्टल स्कॉम,
साउथ दिल्ली, नई दिल्ली (1/2 भाग)।

सुनील चीपडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

मोहर:

सक्षम बाह्य, डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-3/1-85/976:—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान पर स्थित, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-196, है तथा जो पंचशिला पार्क,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिवासी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के दायित्व बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच के अंतर के लिए तय पाया गया प्राप्ति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य या उक्त अंतरक निम्नलिखित में वास्तविक
रूप में अधिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी बाध की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सविधा
के लिए;

1. श्री दिवान चन्द कालरा,
358, चिराग दिल्ली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजित सिंह साह,
सी-118, शक्ति नगर, एक्सटेंशन,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के बाध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सबों की बातों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/1-2, मंजिल हाउस, नं० एस-196, पंचशिला पार्क,
नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

43-296 GI/85

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकाशित: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

बम्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर-3/1-85/
977—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या टी-10 है तथा जो ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्थिती द्वारा प्रयोज्य नहीं किया गया था या प्रयोज्य
माना जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति में अन्तरण :—

1. श्री सी० एन० पुरी,
(2) श्री निदिन पुरी
(3) श्रीमती कृष्णा पुरी,
निवासी एन०-488, ग्रेट्ज कैनाज-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शिला मोधे
पत्नी श्री आर० सी० मोधे
वाई-42, होज खास, इन्वलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अन्तरण के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/8 भाग, भूमि तादादी 322 वर्ग गज, टी-10, ग्रीन
पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली तथा भवन।

सुनील चोपड़ा
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1985

महंर :

प्ररूप आर्ष.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू/3/एम आर-3/15/5/

978:—अतः मुझे, सुनील चौधड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3, आनन्द लोक, है तथा जो ग्राम मस्जिद मौठ, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख तदवारी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे पचस में सीमा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तराती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीमा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह बिन्दरा
पुत्र श्री चरन सिंह बिन्दरा,
निवासी बी-3/43 एपाटमेंट
महरोली रोड, नई दिल्ली।
(2) श्री मोहिन्द्र पाल सिंह बिन्दरा
पुत्र श्री चरन सिंह बिन्दरा
निवासी 9 मंगल, बिल्डिंग, बिहाइन्ड स्टेट बैंक,
चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री इन्दर मोहन खानिया
(2) श्रीमती कल्याण खानिया,
(3) श्री सुमित खानिया
(4) मास्टर अमिन खानिया
निवासी बी-223- सी०,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त धब्बों और चर्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही चर्च होंगे जो उस अध्याय में किया गया है।

अवसूची

प्रो० नं० 3, तादादी 793, वर्ग नया, आनन्द लोक,
एरिया मस्जिद मौठ, नई दिल्ली।

सुनील चौधड़ा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

हर :

राज्य प्राप्ति, टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-4/1-85/

1413—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 4, खसरा नं० 411, है
तथा जो हरी कृष्णनगर, दिल्ली में स्थित है (आप इससे उपा
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से ऐसे समयमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा नया प्रति-
फल निर्माणाधीन हटाने से उक्त अंतरण विहित के वास्तविक
रूप से अभिन्न नहीं किया गया है।

(क) कर्तव्य से मुझे किसी बात की बाधा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
कोई/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए या, जिसने से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमित्रा देवी
डी/ओ दिवान दहल बन्द
पत्नी श्री बिहारी लाल नामपाल,
निवासी एच-15 बी, साकेत,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता जैन
पत्नी श्री विजय कुमार जैन,
निवासी 1580 ई/1, नवीन शाहदरा,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्थों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मिकरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला, एक बिल्डिंग बमम तहत आराजी लगभग
202 वर्ग गज, मुंदरजे प्लॉट नं० 4, खसरा नं० 411,
वाक्या रकबा मीजा उल्दभपुर अन्दरून आबादी, हरी कृष्ण
नगर, ब्लाक 'बी' अन्दरून हदूद कमटी, शाहदरा, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

माहूर :

प्रकाशक: ड. एन. एच. - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एच० आर०-4/1-

85/1414:—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई० 14/68 कृष्णा नगर है तथा जो
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), पञ्जीकरण अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय पञ्जीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बचत या अन्य जास्तियों
के बिन्दु भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री सांगी राम

सुपुत्र श्री रतन चन्द

निवासी 13 2बी, पश्चिमी आजाद नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला रानी चुग

धर्म पत्नी श्री सूरज प्रकाश चुग

निवासी /240, कैलाश नगर,
दिल्ली-31।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायने :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में सम्पन्न होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए
गया है।

अनुसूची

संख्या एफ-14/6 सी, कृष्णा नगर, दिल्ली, तादादी 55
वर्ग गज,

सुनील चौपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी

साहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, दिल्ली

तारीख : 13-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-4/1-85/1415:-

प्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा नं० 1948/824/3 है तथा जो
प्रो० नं० 38, ईस्ट कृष्णा नगर, दिल्ली में स्थित है (अर्थात्
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में परिलक्षित है), निम्नी
कृती अधिारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्वी-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष को भारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. डा० सुनील भटनागर
पुत्र श्री राजेन्द्र नगर भटनागर,
निवासी हाउस नं० डी 5-10,
कृष्णा नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० राजेन्द्र कुमार भटनागर
पुत्र श्री बिजय लाल भटनागर,
निवासी डी-5/10, कृष्णा नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति को पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

तादासी 166 वर्ग गज, प्रो० नं० 38, खसरा नं०
1948/824/3, ईस्ट कृष्णा नगर, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रज 3, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रमुख भाई :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-4/1-85/

1416—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिशानिर्देश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या जे-1/10, है तथा जो कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डली, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हकमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हकमान प्रतिफल से, ऐसे हकमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तदनुसार गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पर एकत्र वन्दरण तिथि में आत्मविश्रुति से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण वं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के कारणों के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रजिस्ट्री-कर्ता द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, अधिमान में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग में अनवरण में सी०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती कुसुम तन्वा
पत्नी श्री जगदीश तलवार,
(2) श्रीमती सुमन महगल
पत्नी श्री नरेश मागदग महगल
(3) श्रीमती कमल मेहरा
पत्नी श्री जवाहर कृष्ण मेहरा,
निवासी ए-23, रिंग रोड,
लाजपत नगर-4 नई दिल्ली।
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन लाल
पुत्र श्री दिवान चन्द
निवासी सी० ए० 1/12, कृष्ण नगर, दिल्ली।
(2) श्री प्रेम प्रकाश पुत्र श्री पिशोरी लाल,
कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डली,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

बनी हुई प्रो० प्लॉट नं० जे-1/10, तादादी 118-1/18 वर्ग गज, कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डली, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष मादः टी एन एच

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर्इ० ए० सी०/एड्यू/3/एस आर-4/1-85/

1417-अतः मूले, मुनील चौपड़ा,

नाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या जे-1/10 है तथा जो कृष्ण नगर, इलाका, गाहदगा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुमोक्षों में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985।

को जौंसम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वजित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण तै हूएँ किसी बाय की बायत, ऊसत अधिनियम में अधीन कर बने के अंतरक में बाकिरन में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया हो या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कुशुम तन्वार् पत्नी श्री जगदीश तन्वार्,
श्रीमती पुनत सिंह,
पत्नी श्री कंचन नारायण सहगल,
श्रीमती कमल भद्रा,
पत्नी श्री जवाहर लाल कृष्ण मेहरा,
निवासी- 3, ब्लाक ए, रिंग रोड, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव राय और श्री जीवन दास,
निवासी ए-4/9, कृष्णा नगर, दिल्ली
(2) श्री यशपाल पुत्र श्री राम जी दास,
निवासी-6, माउथ अन्डर, बाली एक्सटेन्शन,
दिल्ली।

(अन्तर्द्विती)

श्री यह सचन! जारी करके, प्रजापति मस्यास के मर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है ।

सर्वत्र सम्पादित न हो सकने के कारणों से तोड़ भी बाधते :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, पत्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्प्राप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

[illegible]

समाधान:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ऊपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ तथा जहाँ जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनार्य

बनी हुई प्रा० प्लॉट नं० जे-1/10, तादादी 118/1/18
वर्ग गज, कृष्णा नगर, ग्राम गोंडली, इलाका, शाहदरा,
दिल्ली-5।

मुनील चौपड़ा,
रक्षक प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, दिल्ली.

तारीख : 10-9-1985
 मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एसआर-4/1-85/

1418--अन: मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-1/10, है तथा जो कृष्णा नगर,
ग्राम गोंडली, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
से कभी करने या कबल कबल से सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन: तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
44-296GI/85

1. श्री कुसुम तलवार पत्नी श्री जगदीश तलवार
(2) श्रीमती सुमन सहगल पत्नी श्री कंचन नारायण
पत्नी श्री सहगल,
(3) श्रीमती वसन्त मेहरा
पत्नी श्री जवाहर कृष्णा, मेहरा,
निवासी ए-23, रिग रोड, राजपुत नगर-4,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

2. श्री भारत प्रकाश चौपड़ा
पुत्र श्री बाल कृष्णा चौपड़ा,
निवासी सी ए 1/12, कृष्णा नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को
पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बनी हुई प्रो०, प्लॉट नं० जे-1/10, तादादी 118/1/
18, बंग गज, कृष्णा नगर, ग्राम गोंडली, दिल्ली।

मुनील चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-4/1-85/1420-

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 167 बी, ब्लाक जी है ई तथा जोखसरा
 नं० 1076/5, 12/921, दिलशाद कालोनी दिल्ली, में
 स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तागिख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 सावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आशा गुब्बनारी
 पत्नी श्री बी० सी० शर्मा,
 श्रीमती मन्तोप रस्तोगी,
 पत्नी श्री के० आर० रस्तोगी,
 निवासी सी 7/5, माडल टाउन,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० कौशिक
 पुत्र श्री आर० एन० शर्मा,
 निवासी एच-12, चन्दर नगर,
 दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्साक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मकान बनी हुई बैरिंग प्लॉट नं० 1672 बी, ब्लाक सी,
 कृषि लादादी 175 वर्ग गज, खसरा नं० 1076/5/2/921,
 ग्राम झिलमिल नाहिर पुर दिलशाद कालोनी, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985
 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एम आर०-4/1-85/
1419—अतः मुझे, सुनील चौधड़ा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लॉट नं० जे-1/10 है तथा जो कृष्णा
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) सम्पत्ति से हुई किसी भी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भी या किसी भी या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंधान
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1 श्रीमती कुसुम तलवार
पत्नी श्री जगदीश तलवार,2 श्रीमती सुमन सहगल
पत्नी श्री कंचन नारायण सहगल3 श्रीमती कमल मेहरा पत्नी
पत्नी श्री जवाहर कृष्ण मेहरा,
निवासी ए-23, रिंग रोड, लाजपत नगर-4,
भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री जीवन दास,
निवासी-77, अनार कली ऐकसटेशन,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
निहित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बनी हुई सम्पत्ति, बना हुआ पिछला हिस्सा, प्लॉट नं०
जे-1/10, भादादी 118/189 वर्ग गज, स्थित कृष्णा नगर,
ग्राम गान्दली, दिल्ली-51।सुनील चौधड़ा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 13-9-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/1-85/7844--

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 302, है तथा जो 20, युसुफ सराय,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन,
तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिस्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि- :-

1. मै० ओक्मफोर्ड इंजिनियरिंग प्रा० लि०,
18/48, कमणियल कामप्लेक्स,
माल्वा मार्ग, डिपलोमैटिक, इन क्लेव,
नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्रीमती ए० सीला
सेक्टर III/567, आर० के० पुरम,
नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, 'ओरिएन्टल, एपार्टमेंट,
20, युसुफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 404.51 वर्ग फिट

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-9-1985

मोहर :

प्रकृति 26 का अनुच्छेद 4

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी/एक्यू/3/37ईई/1-85/745—अतः

मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 311, है तथा जो 19 यूसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य वास्तिमानों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मे० बॉम्बे बिल्डर्स (इण्डिया) प्रा० लि०,
18/48 कमर्शियल काम्पलेक्स, माहवा मार्ग,
डिप्लोमैटिक इन क्लेब, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री एम० जितेन्द्र सिंह,
14 न्यू डबल स्टोरी, एक्सटेन्शन
लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 311, तीसरी मंजिल, ओरियेंटल्ड स्पार्टमेंट,
19, युसुफ सराय, कम्यूनिटी सेक्टर, नई दिल्ली, तादादी
405.87 वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/37ईई/1-85/
746—अतः मुझे, मुनील चौधड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 901, है तथा जो 6 राजेन्द्रा पलेस, पूसा रोड, नई
दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्र मोहन गुप्ता,
सुपुत्र श्री अर्जुनदास गुप्ता,
1/9, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला अनेजा,
पत्नी स्व० श्री श्री० पी० अनेजा,
निवासी-ई-85, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) मैतर्स नोवा पॉन इंडिया, लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं०-901, 6, राजेन्द्रा पलेस, पूसा रोड, नई दिल्ली,
तादादी-570, वर्ग फिट।

मुनील चौधड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

प्रकृष्ट कार्य-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एनयू०/3/37 ईई/1-85/747--

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़मकी नं० 321, है तथा जो 9, बिकाजी कामा प्लेस नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय

आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख, जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रविन्द्र कुमार सुपुत्र,
श्री लक्ष्मण स्वरूप,
34, नेहरू बाजार, पहाड़गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुदीप सिंह वेदी,
पुत्र श्री टी० एस० वेदी,
209, गोलफ लिंक,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 321, तीसरी मंजिल, 9, बिकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली, ताकदी 320 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.

प्रमुख कार्य: टी. एन. एच. ...

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269--ब (1) को अधीन सूचना .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर्इ० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/748

—अतः मूक्षे,, मनील चोपड़ा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० बी-31, प्लॉट नं०-1 है तथा जो प्रोलेट रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का 43 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तररक्त को नहीं है और नूतन यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल पर पण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तररक्त (अन्तररक्तों) और अन्तररिती (अन्तररितीयों) के बीच ऐसे अन्तररक्त के लिए अब नया नया प्रतिफल नियमितित उद्देश्य से उक्त अन्तररक्त नियमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) वास्तव में हमें किसी मात्र की वास्तव उपाय की-
विषय में वास्तविक कार्य करने की आवश्यकता है। वास्तव में
कर्म करने या उपाय करने में बुद्धिमानों की आवश्यकता है।
कर्म/या

[illegible]

बस: कम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अन्वयण
नहीं, नही, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
(क) प्रचीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, प्रतीति :-

(1) रूपा कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लि०,
जी-एल-4, अशोक इस्टेट,
बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय लक्ष्मी गुप्ता,
पत्नी श्री ज्ञान चन्द गुप्ता,
निवासी-6, जोर बाग, मार्किट,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथक्पृथक् समिति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

सर्वतः सम्पत्ति को धर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) श्रुत सूचना में उल्लेख में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके समन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा हो समाप्त होती हो, के भीतर संबंधित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ निहित में किया जा सकेगा।

प्रश्नोत्तर—इसमें प्रयुक्त सबों की उम्र वर्षों की, जो उसमें अभिवृद्धि के अन्धारे 20-क में परिवर्धित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस अन्धारे में दिया गया है।

अनुसूची

बैसमेंट नं० बी-31, प्लॉट नं०-1, ओल्ड रोहताक रोड,
दिल्ली, तादादी-275 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-३, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/
750—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 बी है तथा जो के-84, ग्रीन पार्क
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री कार्यालय, अर्जुन रेंज-3,
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, जनवरी-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बाय वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का
संशोधन अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
45—296GI/85

(1) श्री पी० एस० जगपाल, एन्ड सन्स,
(एच० यू० एफ०),
जे-4, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० शक्ति चैम,
1130, रंग महल,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी गयी करके या सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
बहुधा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9 बी, दूसरी मंजिल, तादावी, 400 वर्ग फिट,
अन्डर कन्स्ट्रक्शन बिल्डिंग, के-84, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा,
सक्षम धिकाप्रासी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एल. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/751

—अन: मुझे, मुन. ल. चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 203 प्लॉट नं० 6 है तथा कोयला पार्क
होज खास नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, आयी 11, अर्जुन रेंज नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित व्यवस्थाओं में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल
में उक्त अन्तरण का उक्त अन्तरण में संशोधन के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिकों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता बढ़ाए या, छिपाने में संविधान
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) कौमल्या एजुकेशनल ट्रस्ट,
द्वारा, विवेक कपूर, 11/48,
पूसा रोड़,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शरद राव,
204, राजा राम मोहन राय रोड़,
बोम्बे।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैट नं०-203, यूनिट 'I', पहली मंजिल, प्लॉट नं०-6,
कौमल्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, दिल्ली - 110002

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/752

प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० प्लॉट नं०-6, है तथा जो कौशल्या पार्क, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में पूर्ण रूप से
वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अर्जन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. (1) कौशल्या एंजुशन्स ट्रस्ट
द्वारा, श्री विवेक कुमार,
11/4 वास, पूसा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शरद राव,
204, राजा राम मोहन राय, रोड,
बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वरपत्नी फ्लोर, ब्रिटिश प्लॉट नं०-6, कौशल्या पार्क,
हौज खाज, नई दिल्ली, तद नं० 880 रजि. फ्लॉट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/
753:—अतः मुझे, सुनील घोषड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घोप नं० 30 है तथा जो मस्जिद मोठ, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1988

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से,
ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की मागत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा :—

(1) श्री अनूप मलिक,
ड/-21, पंचशिला इनक्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक)

2) श्रीमती अनिता भाटिया,
ई-160,
मैटर् कैलाश-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घोप नं० 30, मस्जिद मोठ, सी० एस० सी०, नई दिल्ली
आकार:—10.98 मीटर ।

सुनील घोषड़ा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.
मोहर :

प्रमाण पत्र, टी. ए. ए. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/

784--प्रति मुझे, मुनीस चौपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्हा सं० 101, है तथा जो कौल्या पार्क, हीज खास, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसी उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-रती अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि भूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में दृष्टि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों पर जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना था, छिपाने में दृष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गते में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि०,
एल-34,
कांति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं शान्ति 'इन्डिया' (प्रा०) लि०,
29, यशवन्त पलेस,
चानकपुरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नि कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं०-101, पहले मंजिल, 1, कौल्या पार्क, हीज खास, नई दिल्ली, ता.दां-1406, बंग क्रॉट।

मुनीस चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37 ईई/1-85/
755:—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-314 है तथा जो 3, बिका जी कामा प्लेस,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अतिरिक्त के कार्यालय, अर्जन
रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्प्रेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अनूत सेा और,
डा० श्रीमती एमवाज हाजूरिया,
ई-14, ग्रेटर कैलाश-एम्प्लेक्स,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० भल्ला और,
श्रीमती एस० भल्ला,
जी-15, जंग पुरा एक्सटेन्शन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सन्तुष्टि

फनेट न० ए-314, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग 3 जी कामा प्लेस,
नई दिल्ली, तावादी-294 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.

(1) श्री वरनजीत सिंह,
70, रीगल बिल्डिंग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइरू बरकात

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

(2) श्रीमती उषा नन्दा,
निवासी आई-44,
हीज खास,
नई दिल्ली।

(अन्तरांती)

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/
756 : आ० मुझे, चुनील च पड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जिनकी सं० 202 है तथा जो आर-1, हीज खास, नई दिल्ली
में स्थित है (अर्जिन उपावृत्त अनुसूची में अर्जिन पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1961 के अधिनियम,
तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यक्तिगत रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
थे या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के अन्तर्गत उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैल नं०-202, आर-1, हीज खास, नई दिल्ली, तादादी-
872 वर्ग फीट।

चुनील चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.
मोहर :

प्रत्येक भाग टी. एन. ए. 1-85/757—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/757—

अतः सुभे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जन रेंज सं० 5, है तथा जो कौशला पार्क, होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (अर्थात् से उपायय अनुसूची में अर्थात् पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपायय संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की भाव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण से कभी करने या उक्त अन्तरण के अन्तरण के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी वास्तव्यो का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिन्हें से अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कौशला एजुकेशनल ट्रस्ट,
द्वारा श्री विवेक शर्मा, ट्रस्टी,
निवासी—अर्चना मधुबन,
करनाल इन द स्टेट आफ हरियाणा।

(प्रत्येक)

(2) श्री अशोक कुमार जैन पुत्र
श्री आर० एस० जैन,
फ्लैट नं० 101,
ग्राउंड फ्लोर, 5,
कौशला पार्क, होज खास,
नई दिल्ली।

(प्रत्येकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सि कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरण

बरसाती फ्लैट नं० 402, तादादी-69B वर्ग फीट, टाप फ्लोर, आफ द बिल्डिंग, 5, कौशला पार्क, [होज खास, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 0-9-1985.
मोहर:

प्रकृष आर्ट. टी. एच. एच.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 गितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्बू/3/37 ईई/1-85/
758—अतः, मुझे, मुनील चौपड़ा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 205, 19 है तथा जो राजेन्द्रा पलेम, नई दिल्ली;
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रोज-3, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
जनवरी, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह
तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच गृहे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घरण से उक्त अन्तरण निश्चित
कि वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल में
कमी करने या उससे एकने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

46 —296 GI/85

(1) श्रीमती डी० एम्० गांधी,
श्री एम्० एन० गांधी,
ई-1/166, अरांडा कालोनी,
भोपाल (एम० पी०)।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय चौधरी पुत्र,
श्री शादीलाल चौधरी,
सी-108, राजेन्द्रा नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायोप :—

[क] इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्पन्नी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
बाध निश्चित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं०-205, तादादी-321 बग फीट, दूसरी मंजिल,
कीर्ति महल, 19, राजेन्द्रा पलेम, नई दिल्ली।मुनील चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37 ईई/1-85/759:---

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ने इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-408 है तथा जो 5, ब्रिगाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० अ० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में स्पष्टाधिक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
के, चिन्ने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फरीद अहमद भिदकी,
डी-5/2,
वसन्त विहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला दत्तल ओर,
श्री सन्दीप दत्तल,
निवासी-एच-203,
सोम विहार,
आर० के० पुरम,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योद्धारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

प्रकाशक

बी-408, 5, ब्रिगाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-
270 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985.

मोहर :

शारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आबूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/
760:—अन: मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 402 है तथा जो आर-1, हौज खास, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई
दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख जनवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाविले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिका
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरन जीत सिंह,
12, रीगल बिल्डिंग,
पार्लियामेन्ट स्ट्रीट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र खुराना,
एच-56, क्रिती नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

(3) मसज्ज पाल एण्ड पाल बिल्डर्स लिमिटेड,
12, रीगल बिल्डिंग,
नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए
गये हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं०-402, आर-1, हौज खास, नई दिल्ली, तादादी-
1000 वर्ग फीट।

मुनील चोपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3-37 ईई/1-85/
761:—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 007, है तथा जो 5, बिका जी कामा पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भरला भाटिया,
ए-8, एन० डी० एन० ई०,
पार्ट-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रोहित चोहरा पुत्र,
श्री आर० सी० चोहरा,
एन-57,
कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेसमेंट नं० 007; 5, बिकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली,
सादादी-280 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली।

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आर. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37 ईई/1-85/762:—

अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन लक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट 'बी' फ्लैट नं० 102 है तथा जो बिल्डिंग
नं०-6, कोश्यला पार्क, हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कोश्यला एजुकेशनल ट्रस्ट,
6 द्वारा ट्रस्टी श्री विवेक कपूर,
निवासी—11/4-बी,
पूसा रोड़,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) लेफ्टि० कर्नल जे० बी० कुचाल,
108, बसन्त एनक्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट युनिट 'बी' (फ्लैट नं०-102,) बिल्डिंग नं०-6,
कोश्यला पार्क, हौज खास, नई दिल्ली, तादादी-830 वर्ग फिट,

मुनील चोपड़ा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आय का उद्घाटन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/
763—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट "ए" फ्लैट-101, है तथा जो
बिल्डिंग नं० 6, कोश्यला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचनाव
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था कि किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कोश्यला एजुकेशनल ट्रस्ट,
द्वारा ट्रस्टी श्री विवेक कपूर, निवासी—,
11/4-बी, पुसा रोड, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री जे० बी० कुचाल (एच-यू-एफ) द्वारा कर्ता
लेफ्टि० कर्नल जे० बी० कुचाल,
निवासी-108, बसन्त इनक्लेव,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी जांच —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्वि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बफोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेसमेन्ट यूनिट 'ए' (फ्लैट नं० 101) बिल्डिंग नं० 6,
कोश्यला पार्क होज खास, नई दिल्ली, तादादी-685 वर्ग
फिट,।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकटन नम्बर 101/एन.एच.9/-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/

764—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसका
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्देश करने का
आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-58, है तथा जो गुजरात को-ऑपरे-
टिव हाऊसिंग सोसायटी, लि०, नई दिल्ली, में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्तावेज प्रतिफल के लिए पूर्वोक्त दस्तावेज प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस
बाधा तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निमित्त में वास्तविक रूप से कनिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अपेक्षा के
अभाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की जाए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य परिस्थितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की जाए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नितीन कुमार शाह,
निवासी-13/19, शक्ति नगर, दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ता बेन पटेल,
ई-47, जवाहर पार्क, लक्ष्मी नगर,
दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

प्लेट नं० जी-58, गुजरात को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसायटी लि०, दिल्ली,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37-ईई/1-85/765

—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाऊस नं० 2, रोड़ नं० 25, है तथा जो
पंजाबी बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुप्रेम बस्मल,
निवासी-1/15-बी, लाजपत नगर-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश दुआ,
निवासी-457, गिरी नगर,
शकूर बस्ती, दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी-199.42 वर्ग गज, हाऊस नं० 2, रोड़
नं० 25, पंजाबी बाग, एक्सटेन्सन, नई दिल्ली,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एच. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/

766—अतः मुझे, मुनीन चौपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-8, है तथा जो वेस्टएण्ड कालोनी,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,
के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्थितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावार्थ अन्तरिती स्वयंसे प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर:—

47—296 GI/85

- (1) श्री यशवन्त कुमार मेठी पुत्र
श्री रामचन्द्रा मेठी,
निवासी-एफ-90, किर्ती नगर, नई दिल्ली,
(अन्तरक)
- (2) श्री सुदर्शन कुमार कोहली, कुम कुम कोहली,
निवासी-14, पालम मार्ग, वसन्त विहार,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)
- (3) मैसर्स प्रीमियर ट्रेडर्स,
0-8, बेस्ट एंड कालोनी, नई दिल्ली।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डी-8, वेस्ट एण्ड, कालोनी, नई दिल्ली,

मुनीन चौपड़ा

पक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष माह. टी. एच. एच. प्रत्यक्ष माह. टी. एच. एच.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन प्रस्ताव

५१३५३ ५१३५३५३

कार्यालय, सहायक जायकर जाधूस्त (गिरडीज)

अर्जन रेंज-3 नहीं दिहली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर्द्द० ए० सी०/एक्यू०/३/३७-ईई/१-८५/

767—अतः मृक्षे, मृत्नील घोषड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
260-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वायत्त समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी स० 201 है तथा जो 3, एन-इक्ल्यू-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से शक्तिव से अभी करने या उमके करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या कितनी धन या अन्य वास्तविकताएँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रभावित नहीं होनी चाहिए, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या डिपॉजिट में रखा है कि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० रिशी पाल प्रोपरटीज (प्रा०) लि०,
704, प्रगती टावर, राजेन्द्रा पलेसे,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) सरदार रविन्द्र सिंह साहूनी,
जे-162ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली,

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कर्तव्यवाहियां शुरू करता हूँ।)

सकल इन्धन के अवन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीर्य व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाधान:- इसमें प्रयुक्त कक्षाओं की संख्या का, जो इस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनासखी

फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल 3, एन-डब्ल्यू-ए, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नईदिल्ली

तारीख : 9-9-1985

माहिर : ३३

प्रकृतु आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सादर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/

768—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेसमेन्ट नं० 5, है तथा जो 6, बिका जी
कामा पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाया जाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कमान्डर जी० एस० गुप्ता और
कुमारी सुमाति गुप्ता,
निवासी—डी-110, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या गुप्ता पत्नी
कमान्डर जी० एस० गुप्ता,
और कुमारी सुमाति गुप्ता डी/ओ कमान्डर जी०
एस० गुप्ता,
निवासी—डी-110, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेसमेन्ट नं० 5, 6, बिका जी कामा पलेस, नई दिल्ली,

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एच.एफ.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मितम्बर 1985

निवेदन नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/

769—अनः सुनील चोपड़ा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर. जिम्की संख्या सी-70, है तथा जो पंचशिला इनक्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर. इसके उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक नामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचप में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अन्तः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० के० मदानाथ सी/श्री श्री पी० आर० खन्ना, पार्टनर खन्ना और
अखदानाम, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट,
706-707, आकाश दीप, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री जय सिंह मेहता सी/श्री
श्रीमती एस० एस० कोठारी,
एन्ड कं०, 9-ए, आत्मा राम हाऊस, 1,
टालस्टाय, मार्ग, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सुनील चोपड़ा

हाऊस नं० सी-70, पंचशिला इनक्लेव, नई दिल्ली,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ज.आय.कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/
770—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू-जी-11 है तथा जो 5, विकाजी
कामा पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (आप इसके उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) अधीन
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इससे दसगुना प्रतिफल का, अर्थात् दसगुना प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तर का मिला हो पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से वर्णित नष्ट किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का भक्षण, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उक्त भक्षण में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भक्ष या अन्य प्रयोजनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) मोमदत विल्डर्स प्रा० लि०,
56, कम्यूनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री वजाज और
श्री दिनेश चन्दर वजाज,
ई-87, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कर करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यू-जी-11, उपर ग्राउड फ्लोर, 5, विकाजी कामा पलेस,
नई दिल्ली,।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकृति नई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/771

अतः भुक्ते, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) के धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यू-जे-के-8 है तथा जो 5, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली, भारतिय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने से इच्छा को किछु कार/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाए से सूचना को लिए

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

(1) श्री मोम दन बिल्डर्स (प्रा०) लि०,
56, इम्पुनिटी नेक्टर, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आमता सुनील चौपड़ा,
निवासो-एच-एस-3, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोओसक नं० 8, ऊपर ग्राउन्ड फ्लोर, 5 बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 गिनम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/
772—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू-जी-के-9 है तथा जो 5, बिकाजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कायलिय अर्जन रेंज-3, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सोम दत्त चिन्मय (प्रा०) लि०,
56, कम्प्यूनिटा सेंटर, ईस्ट आफ कौलाण,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० एम० अहलावत, और
श्रीमती सावित्री अहलावत,
फ्लैट नं० 404, बी-ब्लॉक, सोम विहार,
आर० के० पुरम,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोप्रोसक नं० यूजीके-9, ऊपर आउन्ड फ्लोर, 5,
बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, ताबादो-56 वर्ग फिट।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 9-9-1985

गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/773—

—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० ए-64, प्रात नगर है तथा जो को-ओपरेटिव हाऊस, बिल्डिंग सोसायटी, लि०, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मा. प्रमला देवी,
685, मोहल्ला सात महल, तेलीवाड़ा,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री डा. एम. एम. इमाम मन्ड
श्रीमती रमा चन्दन,
383, अमर प्रियार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-64, तादाद-150 वर्ग गज, प्रात नगर
को-ओपरेटिव हाऊस, मोसायटी बिल्डिंग लि०, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/

774-अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 401, युनिट "जी" है तथा जो 5 कोश्यला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिपादित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कांम्यला एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा श्री विवेक कपूर ट्रस्ट,

11/4, बी, पूमा रोड़, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार गर्ग,

20, बाबर रोड़, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, युनिट 'जी' दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, कोश्यला पार्क, होज खास, नई दिल्ली, तादादी—1500 वर्ग फिट ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए.क्यू०/3/37-ईई/1-85/774--

अतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-245 है तथा जो मरवोदया इनफ्लेव, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप में की गई नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश बन्मल,
किणन गंज, पिलकवा, उत्तर प्रदेश,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गिला देवी जैन पत्नी

(2) श्रीमती गिला देवी जैन पत्नी

श्री ए० के० जैन,

3916, जैन भवन, नजदीक जगत मिनेमा,

दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री० नं० डी-245, मरवोदया इनफ्लेव, नई दिल्ली,
तोदादी-1100 वर्ग फीट।

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1985

मोहर :

प्रकरण आर्क.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मानाम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/प.सू०/3/37-ईई/1-85/775-—

अतः मुझे, मुनीम चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 102, प्लॉट नं० 22, जई तथा जो न्यू-
मिंट्री सेंटर, युसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), आयकर
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम
1961, के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्रा का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कट बनें के अन्तरक के
अन्तरण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी मात्रा या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) मैसर्स अनोट प्रापर्टीज एन्ड
इंजिनीयर्स लि०, 102-103,
राजा हाऊस, 30-31, नेहरू पलेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) हेमन्त चौपड़ा,
बी-47, अमर कार्लोनी,
लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, तादादी-344 वर्ग फिट, पहली मंजिल,
(बिल्डिंग का निर्माण होना है) प्लॉट नं० 22, न्यूमिंट्री
सेंटर, युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

मुनीम चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/776

—अतः मुझे, सुनील चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 204, प्लॉट नं० 21 है तथा जो युसुफ सराय, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मसर्स साकेत प्रॉपर्टीज (प्रा०) लि०,
सी-538, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली,
(अन्तरक)

(2) श्री विवेक जैन 2. श्री सुरेन्द्र कुमार जैन
निवासी-36, अशांक पार्क,
न्यू रोड, नई दिल्ली, (3) मास्टरमोनु
कुमार (4) मास्टर तनुज कुमार यू/जी श्री
सुरेन्द्र कुमार, निवासी-के-15,
एन-डी-एस-ई-2, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 204, तादादी-378 वर्ग फिट, प्लॉट नं०-21,
युसुफ सराय, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली।

सुनील चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/3/37-ईई/1-85/

777—प्रतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 201, प्लॉट नं० 21 है तथा जो युमुफ सराय, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतीश सूद,

एच-9, साऊथ एक्सटेन्शन, पार्क-6, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश नाथ सूद,

निवासी-एच-9, साऊथ एक्सटेन्शन, पार्क-1,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया था है।

अनुसूची

50% भाग, प्लॉट नं० 201, तादादी-214.50 वर्ग फिट, प्लॉट नं० 21, युमुफ सराय, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली-6।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1/85/

778—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़मकी संख्या 312, शिवांक हाऊस, नं०-1 है तथा जो ए/2, मीलन सिनेमा कमर्शियल काम्प्लेक्स, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० विकास चन्द्र कश्यप,
जे-212, साकेत, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद शहीद पुत्र श्री अब्दुल माजिद,
निवासी-7664, सुरेश नगर,
बारी मजिद रोड, सदर बाजार,
दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

312, शिवांक हाऊस नं० - 1, ए/2, मीलन सिनेमा,
कमर्शियल काम्प्लेक्स, नई दिल्ली, तादादी-320 वर्ग फिट,।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पी० एन० भल्ला,
30/2, पान दरवा, चार बाग, लखनऊ ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) श्रीमती स्नेह शर्मा पन्ती
श्री श्री० पी० शर्मा,
सी-14, आनन्द विहार, दिल्ली,

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/779

—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या सी-219, है तथा जो आनन्द विहार
दिल्ली 4 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख
जनवरी 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दाखिल में करी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बसन्त रिसीडेंटल प्लॉट नं० सी- 219, आनन्द विहार,
दिल्ली ।सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेशा सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई1-85/780,

—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2-ए है तथा जो बी-5,
राजेन्द्रा पार्क, पुसा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम
1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संदर्भ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठा नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
विधि के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

(1) मैसर्स अणोका बिल्डर्स एन्ड

कन्स्ट्रक्शंस,

ई-2/6, झन्डेवाला एम्सटेन्सन,
नई दिल्ली 1.

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार श्रावजा,

17/4, नरसिंह पुरम स्ट्रीट, माउन्ट रोड़,
मद्रास 1.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के विश्व
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या उसके बाद की अवधि में सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वर्षोत्पादकों के पास
स्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2-ए, ग्राउन्ड फ्लोर, बी-5, राजेन्द्रा पार्क,
पुसा रोड़, नई दिल्ली 1.

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली; नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहूर :

प्रकाश मार्क. टी. एम. एच. —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/37-ईई/1-85/781।

—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 701-ए है तथा जो 6, बिका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जगह की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सम्बन्ध में कभी करने या उससे बचने में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जगह या किसी धन या अन्य वास्तुओं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-मार्फ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

49—296 GI/85

(1) अन्सल प्रोपर्टीज एन्ड इन्वेंट्रीज,
(प्रा०) लि०, 115, अन्सल भवन, 16,
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रनजीता चन्दा,
15, गुरुद्वारा रकाब गंज, रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701-ए, 6, बिका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिनांक, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महापञ्च आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/

782—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 701 है तथा जो बिका जी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में प्रकट करने का उद्देश्य उक्त के सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविष्टि के लिए;

(1) अन्वेल प्रोपर्टीज एन्ड इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि०
115, अन्वेल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रुनिता चन्द्रा,
15, गुरुद्वारा रकाब गंज रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, 6, बिका जी कामा पलेस, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं. आई० ए० सं०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
783—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गाँव नं० 158, है तथा जो बिल्डिंग
नं० 9, बिका जो कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अर्जन तारीख
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की अवत उक्त अधि
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चरनजीत कौर और,
श्रीमती गूलविन्दर कौर,
आर०-211, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सोम दत्त बिल्डर्स (प्रा०) लि०,
56, कंप्यूनिटी सेन्टर, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ लाएंगे, जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

सुनील चोपड़ा

गाँव नं० 158, बिल्डिंग नं० 9, बिका जो कामा पलेस,
नई दिल्ली, तारिख-166 वर्ष फा०।

सुनील चोपड़ा
पत्रम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3-37ईई-1-85/
784—शत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 3 और 4, है तथा जो 2-ए
विकासी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है और इससे,
उपरोक्त प्रसूचियों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता आधिकारों के अधिनियम, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारत का आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है तथा अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनिता) के अन्तर्गत अन्तरण के लिए दिये पाये गये
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
वास्तविक रूप में कार्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० कैलाश नाथ एन्ड एसोसिएट्स,
1006, कंचनजंगा, 18, वाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर वैभव आनन्द,
सी०-19, चिराग इनक्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
मिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
किसी व्यक्ति द्वारा;

सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
उन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो ओपन कार पार्किंग स्पेस नं० 3 और 4, प्रोजेक्ट
कमिश्नियल कॉम्प्लेक्स, ए-एल-पी-एस, 2-ए, विकासी
कामा पलेस, नई दिल्ली

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-85

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एचयू०/3/37ईई/1-85

785---प्रतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त अधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थानर उम्मीद, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 610 गगनदीप, है तथा जो 12, राजेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें अपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिवार के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन व अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती गिना देवी,
3-4, पुता रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री ए. दुग्गल और
श्री प्रदीप मेहरा,
29-ए, एच-आई-जी फ्लैट, राजौरी गार्डन
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्, व्यक्तिगत या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में छिप-वह किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहृतवाक्यी के पक्ष कि सब में किए जा सकेंगे।

समाप्तिः-- इसमें प्रवृत्त पक्षों और पक्षों को, जो उक्त अधिनियम, के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी बर्ष होगा जो उस बन्धाय में विवादा होता है।

अनुसूची

610, गगनदीप 4 छोटी मंजिल, 12, राजेन्द्रा पलेस,
नई दिल्ली-8, तादादः 395 वर्ग फीट।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

प्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम

तारीख : 9-9-85

मोहर :

प्रारूप शाह, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
786-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के० पी०/3/39 है तथा जो प्रीतम पुरा,
दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961, के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुल प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी
(अन्तरिनिगी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उमड़े बर्तन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री खराती लाल लाम्बा,
पुत्र स्व० एम० एल० लाम्बा,
निवासी-ए०-1/243-बी०, लारेंस रोड, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री अन्तराम चावला,
पुत्र श्री नानक चन्द चावला,
निवासी-8845, सिदीपुरा,।
दिल्ली।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से लिए
कार्यवाहियां करत हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० के० पी०/3/39 प्रीतम पुरा, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-85
मोहर :

प्ररूप आर्क. टी. एन. एस. -----

- (1) अशोक बिल्डर्स,
ई/2/6, झन्डेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/
787—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-4/15 है तथा जो झन्डेवालान एक्स-
टेंशन नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें न्याय्य अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) (1) श्री एम० के० पुरी
पुत्र स्व० श्री गुरदास राम पुरी।
(2) श्रीमती ऊषा पुरी
पत्नी श्री एफ० सी० पुरी।
(3) श्री मनोज पुरी
पुत्र श्री एफ० सी० पुरी
निवासी ए-24, प्रह्लाद मार्केट, करोल
बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कमरा और एक बाथ रूम, रूम नं० बी०, दूसरी
मंजिल, ई-4/15, झन्डेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-85
मोहर :

असम आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/

788—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आश्वासन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 702-ए है तथा जो 6, बिकाजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन तारीख जनवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्थात् :—

(1) अन्सल प्रोपर्टीज एन्ड इंडस्ट्रिज (प्रा०) लि०
115, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग
नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) कुमारी उदिता चन्द्रा,
15, गुस्ठारा रकाव गंज रोड,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 702-ए 6, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली,
तादादी-220 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर

प्रकाशित तारीख: 26.10.85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यपालक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/789—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 206, 5/67 है तथा जो पदम सिंह रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, जैसे व्ययमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) कर्तव्य से हुई किसी बाधा की वजह से उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के कर्तव्य को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मै० पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
6/47924 चांदनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० गंगा ट्रेडिंग कम्पनी,
47/5, ओल्ड राजेन्द्रा नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीवां रहूँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सुभाषित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताओं के साथ निहित से किए गए कर्तव्य।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुसूची

फ्लैट नं० 206, पहली मंजिल, पाल मोहन हाउस, 5/67, पदम सिंह रोड करौल बाग, नई दिल्ली, तादादी-103 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-85
मोहर:

शब्द 'आय' का अर्थ है—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/
790—अन: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या 205, पाल मोहन एपार्टमेंट है तथा जो 3,
एन-डब्ल्यू-ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
कार्यालय, अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
जनवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अनधिकृत की गयी है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाका गवा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के
सार्वजनिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अन्तरण में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० वे० मलिक,
25/55, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० रिशी पाल प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०
704, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्रा प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पाल मोहन एपार्टमेंट, 3, एन-डब्ल्यू-ए, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली, तादादी-825 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एर. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/1/37ईई/1-85/
791—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकार का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 204, 5एन-डब्ल्यू-ए, है तथा जो पंजाबी
बाग, ग्राम मादीपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1961 के अधीन तारीख जनवरी, 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में हितवा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री देवी सीधलानी,
सी०-112, किली नगर,
नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) मै० पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
6/4792, चाँदनी चौक, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

204, 5एन-डब्ल्यू-ए, पंजाबी बाग, ग्राम मादीपुर
नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-85
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देशा सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/
792—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० जे० ए० 1 जी० 6 जी०, 101-
103 है तथा जो 5 जी०, 25 जी० और 42 जी०, 60/
25, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तारीख 9—

(1) राज राहुल कन्दुकटर्म और विल्डर्स (प्रा०) लि०
एन० 42-ए०, कनाट पलेस,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र जैना,
पी०-फ्लैट सागर अपार्टमेंट, 6-तिलक मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० ए०-1 जी०-6 जी०, 101/103/5 जी०,
25 जी० और 42 जी०, ग्राउंड फ्लोर, 60/26, प्रभात
मार्ग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली तादाद्री-1150 वर्ग
फीट।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/
822--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजूरा 9/45 है तथा जो बिका जी कामा
पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (आर इमसे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई
दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
जनवरी-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं लिया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) मै० निरन्कारी काकरी हाउस,
3/2656, बेडन पुरा, करौल बाग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० भाटिया,
बी० 1/61, सफदरजंग इनक्लेब,
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9/45, उपर ग्राउंड फ्लोर 9, बिकाजी कामा पलेस, नई
दिल्ली, तादासी 184 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 9-9-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) कौशल्या एजुकेशन ट्रस्ट,
अपोना, मधुबन, करनाल (हरियाणा)
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/3/37ईई/3-85/

840—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 202 यूनिट 'एच' है तथा जो 6, कौशल्या
पार्क होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री राहुल जैन और,
श्रीमती अन्जली जैन,
2, पापना विहार, विलंगटन केश,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अन्तरिकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, यूनिट 'एच' पहली मंजिल, 6, कौशल्या
पार्क, होज खास, नई दिल्ली, नादादी 1385 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-85

मोहर :

प्रकट अर्जें टी एन एच. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रतिपक्ष अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/

1-85/848—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 38/2087 है तथा जो नाईवाला करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख
जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सावित्व से कमी करने या उससे बचने में दृष्टि
का लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
में, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टि का लिए

(1) श्री खैराती नाल,
ए० पी०-22, जालीमार बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मे० प्रफैक्ट आटो स्पेयर (रिजी०)
1542/29, नाईवाला करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी कार्यवाही

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को ले लिखी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी
नए व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

38/2087, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी
प्लॉट फ्लोर, 36.62 वर्ग मीटर, तादादी पहली मंजिल
19.12, वर्ग मीटर।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुर
प, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37ईई/1-85/

7-85—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 201-301 और 401 है तथा जो
1, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन तारीख जनवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तिर्वा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे. मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० निहा दिध कन्सट्रक्शन

1, राजेन्द्रा प्लेस,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्रा गुप्ता,

18, मन्दल लेन, बंगाली मार्केट,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ट्राक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 201, 301 और 401, दूसरी मंजिल,
तीसरी मंजिल, चौथी मंजिल, बिल्डिंग अन्डर कन्सट्रक्शन
1, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० रेंज 3/37ईई/
1-85/8-25/1021—अनः मुजे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2/33 है तथा जो आजाद अपार्टमेंट,
अर्गविद मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए उत्तरदायी भी गृहीत है और पक्ष यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सन्तुष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्ध हो पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में अतिरिक्त रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
51-296 GI/85

(1) श्रीमती आर० खन्ना,
डी०-9, हांग खात, नई दिल्ली-16
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता भट्टाचार्य,
बी-2/33, आजाद अपार्टमेंट, अर्गविद मार्ग,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

औ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुरोध

बी-2/33, आजाद अपार्टमेंट, अर्गविद मार्ग, नई दिल्ली

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

तारीख : 13-9-85

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-85/
581-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी० 58 है तथा जो गुजरातवाला
टाऊन, भाग-1 दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच 'ऐसे अन्तरण' के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण न हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मूखता के लिए
बाधक/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूखता के
लिए;

अतः अब उक्त अधि-
नियम, में उक्त अधिनियम
के अधीन निर्धारित

(1) श्री कृष्ण लाल छावड़ा,
पुत्र श्री जानु राम,
निवासी ए० जी० 587, जानीवार बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री यशवन्त कुमार,
पुत्र श्री चन्दर लाल,
(2) श्रीमती मन्जु लता,
पत्नी श्री नन्द लाल,
(3) श्रीमती अनिता रानी,
पत्नी श्री विजय कुमार,
(4) श्री मनोज कुमार,
सुपुत्र श्री सुन्दर लाल,
निवासी 51-ई०, कमला नगर दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कांशप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी०-58, गुजरातवाला टाऊन, भाग-1,
दिल्ली, तादावी 241.67 वर्ग गज।

के० वासुदेवन
नजम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

ख : 16-9-85

प्रारूप आर्.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 मिनम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/9625/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 3, 692/693 पूना सतारा रोड, आवकर पट्टील पम्प के सामने, पूना (क्षेत्रफल 5758 चौ० फुट) तथा जो पूना में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महाश्वर आचार्य आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरको और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दर्शाया गया है जो यथा नीचे किया गया है।—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम के धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :—

(1) शालिनी गोविन्द गोखले,
1 धरती अपार्टमेंट्स, लेन नं० 10,
प्रभात रोड, पूना। (अन्तरित)

(2) डॉ० डॉ० वाफलकर,
मेसर्स वाफलकर कन्सल्टिंग,
33, महावीर नगर सांगली। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख/37ईई/9625 84-85 जो जनवरी माह 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 13-9-1985

साहब :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th September 1985

No. A.32014/1/81-Admn.II.—The services of Shri S. Ramakrishnan, Senior Investigator of National Buildings Organisation and at present working as Junior Research Officer (R&A) in the Commission's office are hereby replaced at the disposal of National Buildings Organisation, New Delhi w.e.f. the afternoon of the 30th September, 1985.

2. Shri Ramakrishnan has been granted 43 days earned leave w.e.f. 30-9-1985 to 11-11-1985. On the expiry of his leave, Shri Ramakrishnan should report for duty to the Deputy Director (Inf.), National Buildings Organisation, Nirman Bhavan, New Delhi.

M. P. JAIN,
Under Secy. (Admn.)
For Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi, the 2nd September 1985

No. 38014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. B. Gupta, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st August, 1985 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013/1/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri A. S. Jat, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st Aug., 1985 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

The 19th September, 1985

No. A-19014/9/82-Adm.I.—Shri D. Lakshman Rao, an officer of CES, presently on deputation as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission is relieved of his duties w.e.f. 19-9-85 (AN) on completion of his tenure.

Shri Rao has been granted 42 days earned leave w.e.f. 20-9-85 to 31-10-85. On the expiry of the leave Shri Rao will report for duty to the Director General (Works), CPWD Nirman Bhavan, New Delhi.

M. P. JAIN,
Under Secy. (Personnel Adm.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110 0001 the 16th September 1985

No. A-19013/2/81-Adm.I.—The services of Shri R. Natarajan, an Officer of IA & AS, presently on deputation as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi with effect from the forenoon of 16th September, 1985, on completion of his tenure.

D. KAILASA PRASAD
Dy. Secy. (Adm.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th September 1985

No. 4E-PRS-315.—On attaining the age of superannuation, Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant and officiating Section officer in this commission is retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th September 1985.

K. L. MAHOTRA
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi-110 003, the 4th October 1985

No. A-19021/5/82-Ad.V.—The services of Shri R. Ganapathiappan, Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, EOW Madras Branch are placed at the disposal of Madras Refineries Ltd. Madras with effect from the afternoon of 31st August, 1985 to join as Vigilance Officer on immediate absorption basis.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT.

New Delhi-110003, the 30th September 1985

No. 3/24/85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Kaul, IPS (Raj : 1956) as Director (Trg.) in the Bureau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 18th September, 1985 in the pay scale of Rs. 2500-2750 until further orders.

S. K. MAILLIK
Director General

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 27th September 1985

No. A.12012/1/81-Admn.II.—In further continuation of this Directorate's notification of even number dated 6-8-84 and 18-3-85, the Director, Police Telecommunications is pleased to appoint Shri Jai Chand, Senior Technical Assistant of Directorate of Coordination (Police Wireless) as Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a further period of six months w.e.f. 3rd May 1985 forenoon or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier.

The 30th September 1985

No. A.12012/1/84-Admn.II.—Consequent upon his appointment to the post of Extra Assistant Director vide Office Order Part II (No. 206/85) dated 11-9-85, Shri R. C. Mitra has assumed the charge of the post of E.A.D. (Group 'B' Gazetted) with effect from 11-9-85 in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis upto 3-11-1985, A.N. or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

B. K. DUBE,
Director Police Telecommunication

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 27th September 1985

No. O.II.4/85-Adm-3.—Shri Rattan Singh, Subedar Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 9th September, 1985.

No. O.II-6/85-Adm-3.—Shri S. S. Nayyar, Subedar Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi, with effect from the forenoon of 23rd September, 1985.

The 4th October 1985

No. O.II-902/77-85-Adm-3.—Shri V. P. Manocha, Section Officer of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accts)/Audit Officer in the P&AO, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1985.

ISHAN LAL,
Dir. (Adm.)

New Delhi-110003, the 1st October 1985

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 7-8-85 (F.N.) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 6-5-85 (F.N.) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 3rd October 1985

No. D.I-30/85-Estt.-1.—The services of the undermentioned Dy. Ss. P. of CRPF are placed at the disposal of C.I.S.F., on deputation basis, with effect from the dates shown against their names :—

1. Shri Virendra Singh, 27 Bn—20-8-85 (F.N.).
2. Shri Sant Ram, 35 Bn—22-8-85 (F.N.).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI,
Asstt. Dir. (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 3rd October 1985

No. 11/1/85-Ad. I.—The President is pleased to appoint by promotion, the undermentioned Investigators working in the offices mentioned against their names in column 4 below, as Assistant Director of Census Operations (Technical) (Group-A-Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300, on purely a temporary and ad hoc basis, from the date(s) as mentioned against their names in column 3 below upto 28-2-86 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier, and post them to the offices shown against their names in column 5 below :—

Sl. No.	Name of the Officer	Date of appointment	Office in which working	Office in which posted
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	M.V. Rao	25-6-85 (FN)	Office of the Registrar General, India, New Delhi.	Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad.
2.	Rajendra Prasad	30-7-85 (FN)	Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna.	Office of the Director of census Operations, Bihar, Patna.
3.	A.V. Arakeri	2-8-85 (FN)	Office of the Registrar General, New Delhi.	Office of the Registrar General India, New Delhi.

2. The above mentioned *ad hoc* appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on *ad hoc* basis shall not count for

the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid *ad hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

The 7th October 1985

No. 10/44/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Jain, Accounts Officer in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director in the same office by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 3rd October, 1985 for a period not exceeding 3 years or until further orders, whichever is earlier.

2. His headquarters shall be at New Delhi.

V. S. VERMA,
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 11th September 1985

No. ESG-1-17/12677.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint Shri M. L.

DIRECTORATE GENERAL,
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th September 1985

No. E.16013(1)/3/81-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to State cadre, Shri A. Ghatak, IPS (WB : 59) relinquished the charge of the post of Deputy Inspector General, CISF, Eastern Zone, Calcutta with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

Sd/- ILLEGIBLE

DIRECTOR GENERAL, CISF

New Delhi-110003, the 3rd October 1985

No. E-28013/2/84-Pers.II/1473.—Consequent on his retirement on superannuation, Shri A. D. Kakkar, IPS Mha. 1972) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General, Directorate General, Central Industrial Security Force (MHA), New Delhi on 30-9-1985 (A.N.).

SUNIL KRISHNA,
Asstt. Inspector General (Pers.)

Sonawane, Sectional Officer as Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 11th September 1985 (F.N.).

He will be on probation for a period of 2 years, or till his retirement whichever is earlier.

No. ESG-1-17/12679.—Consequent on the expiry of the deputation period Shri M. L. Sonawane has relinquished the charge of office of the Purchase Officer, Currency Note Press, Nasik Road with effect from 11th September 1985 (F.N.).

S. D. IDGUNJI,
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 27th September 1985

F. No. BNP/C/S/85.—In continuation of this Office's Notification of even No. dated 20-2-85 and 19-5-85, the *ad hoc* appointments of the following officers are hereby extended upto date 24-7-1985 or till the appointment

is made on a regular basis in accordance with the Recruitment Rules, whichever is earlier on the same terms and conditions.

Sl. No.	Name of Officers	Post against which appointed on adhoc basis
1	2	3
S/Shri		
1.	Ram Briksh (SC)	Assistant Engineer (Mech.)
2.	R.N. Thakur (SC)	Assistant Engineer (Air-Cond.)
3.	K.K. Garg	Assistant Engineer (Civil)
4.	A.K. Chouhan (SC)	Assistant Engineer (Elect.)

M. V. CHAR,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)
ORISSA

Bhubaneswar, the 30th September 1985

E.O. No. 41.—The Accountant General (A&E), Orissa is pleased to appoint Shri N. Srinivas Rao, Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 2-9-85 F.N. until further orders in accordance with the provisions of the I.A. & A.D. (Administrative Officer, Accounts Officer and Audit Officer) Recruitment Rules, 1969. This promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of his seniors.

K. S. MENON,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CGDA

New Delhi-110066, the 27th September 1985

No. AN-1/1909/5/L.—Shri MAN MOHAN SINGH, IDAS, who attained the age of 58 years on 7-9-85 (his date of birth being 8-9-27) will be struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 30-9-85 (AN) or retirement from service and will be transferred to the Pension Establishment with effect from 1-10-85 (FN).

No. AN-1/1930/5/L.—Shri K. L. MAKIN, IDAS who attained the age of 58 years on 5-6-85 (his date of birth being 6-6-27) has struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 30-6-85 (AN) and has accordingly been transferred to the Pension Establishment with effect from 1-7-86 (FN).

CORRIGENDUM

The 30th September 1985

No. AN/II/2603/85.—In this Department Notification No. AN/II/2603/84 dated 15-2-84 published in the Gazette of India Part-III Section-I dated 10-3-84 regarding appointment of Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity, the following amendment is made :—

Against Srl. No. 4—Shri S. Krishnamurthy.

For 1-4-82,
Read 1-4-81.

Against Srl. No. 5—Shri R. D. Goel,
For 1-4-82,
Read 1-4-81.

Against Srl. No. 6—R. C. Bhardwaj,
For 1-4-82,
Read 1-4-81.

Against Srl. No. 84—Shri Balwant Singh,
For 1-4-83
Read 1-4-82.

A. K. GHOSH
Addl. C.G.D.A. (AN).

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE GENERAL, FACTORY ADVICE SERVICE
AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 30th September 1985

No. 33/2/85-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri V. B. Ahire as Administrative Officer, Regional Labour Institute, Madras under the DGFASLI Bombay in an officiating capacity with effect from 9-9-85 (F.N.) until further orders.

The 3rd October 1985

No. 5/3/85-Estt.—The Deputy Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay and Head of Department is pleased to appoint Shri Tarun Kumar Ghosh to the post of Assistant Director (Artist and Layout Expert) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute Organisation in a substantive capacity with effect from 7-1-85.

S. B. HEGDE PATIL,
Dy. Director General & Head of Deptt.

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
KANDLA FREE TRADE ZONE

Gandhidham-Kutch-370 230, the 3rd October 1985

No. FTZ/Admn./7/2/79/15733.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch hereby appoints Shri N. Sreeramachandran, Appraiser, Madras Custom House, Madras as Appraiser, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/600-E.III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 16th September, 1985 for a period of one year in the first instance.

T. C. A. RANGADURAI
Development Commissioner,
Kandla Free Trade Zone.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th September 1985

No. A-19018(95)/75-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Scientist/Engineer 'SE' in the Department of Electronics, New Delhi, Shri R. B. Kokane, relinquished charge of the post of Deputy Director (Electronics) at Small Industries Service Institute, Bombay, on the afternoon of 17th August, 1985.

No. A-19018(782)/85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Subhash Choudhary as Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at Extension Centre, Tinsukhia under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 17-6-85 until further orders.

The 1st October 1985

No. 12(331)/62-Admn.(G).—On reversion from the post of Director (Gr. II) (Leather/Footwear), Small Industries Service Institute, Kanpur, Shri D. B. Ka assumed charge of the post of Deputy Director (Leather/Footwear) in the same Institute of the forenoon of 30th August, 1985.

No. 12(617)/69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri O. K. Gupta, Asstt. Director (Gr. II) (Mechanical) Small Industries Service Institute, Allahabad as Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at the same Institute with effect from the forenoon of 7-6-1985 until further orders.

No. 12(690)/71-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Faculty-cum-Administrative for training Centre, Narendrapur under the National Insurance Company Ltd. Calcutta, Shri N. K. Mazumdar relinquished charge of the post of Deputy Director (Industrial Management Training) in this office on the afternoon of 14-6-85.

No. A-19018(266)/76-Admn.(G).—Consequent on his completion of the tenure of deputation in Small Industry Development Organisation Shri Amalendu Mukherjee, relinquished charge of the post of Accounts Officer at Small Industries Service Institute, Calcutta on the forenoon of 1-7-1985.

C. C. ROY,
Dy. Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 23rd September 1985

No. A-1/1(1169).—The President has been pleased to appoint Shri B. K. Dana, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Directorate of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. I) on regular basis in the same office with effect from the forenoon of 23rd August, 1985.

Shri Dana will be on probation for two years with effect from 23-3-1985 (FN).

The 30th September 1985

No. A-1/1(1183).—Shri B. S. Kachwaha, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General is retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1985, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH,
Dy. Director (Administration,
for Director General of Supplies & Disposals.

ISPAT KHAN AUR KOILA MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 27th September 1985

No. 14101C/A-32013(AO)/84/19A.—Shri B. N. Paul, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26-8-85 until further orders.

No. 9515B/A-32013(AO)/85/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India have been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri N. G. Chaudhury—12-8-85 (FN).	
2.	Shri U.R. Mazumdar—28-8-85 (FN).	

A. KUSHARI,
Director Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th October 1985

No. A. 190121780/83-Estt.A.—Shri R. R. Shende, has relinquish the charge of the post of Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines, on the afternoon of 13th September, 1985 sequel to his selection as Assistant Works Manager Chemist in Indian Ordnance Factories Board, Department of Defence Production, Ministry of Defence, Dhandara.

P. P. WADHI,
Administrative Officer,
for Controller General,
Indian Bureau of Mines.

Nagpur, the 27th September 1985

No. A. 19011(354)/84-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Partha Pratim Chakrabarti to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th September, 1985 until further orders.

The 1st October 1985

No. A-19012(184)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. N. Sen, Survey Officer on adhoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Survey Officer on regular basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

No. A-19012(185)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Gurdev Singh, Map and Drawing Officer on adhoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Map and Drawing Officer on regular basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

G. C. SHARMA,
Assistant Administrative Officer,
for Controller General
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th September 1985

No. A. 12026/3/85-M(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Mrs. A. Chatterjee to the post of Deputy Nursing Superintendent at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry on a regular basis in a temporary capacity with effect from the 9th July, 1985.

P. K. GHAI,
Dy. Director Administration (C&B).

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 24th September 1985

No. F.2-4/79-Fstt.(I).—Consequent on the resignation of the post of Special Officer (Project) as Assistant Administrative Officer w.e.f. 9-9-1985, Shri N. C. Jain who was officiating as Special Officer (Project), on ad-hoc basis has relinquished charge of the said post with effect from the forenoon of 9th September 1985.

2. On the recommendations of the Departmental Promotion Committee Group 'B' Shri N. C. Jain, a permanent Superintendent (Grade I) is promoted to the post of Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) in the scale of pay Rs. 650-1200 in the Directorate of Extension, Depart-

ment of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture and Rural Development with effect from forenoon of 9th September, 1985 and until further orders.

R. G. BANERJEE,
Director of Administration.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd October 1985

No. A. 19023/2/85-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri S. P. Shinde, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Gr. I) in this Directorate w.e.f. 12-8-85 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

Consequent on his selection to the post of Marketing Officer, Shri Shinde relinquished the charge of post of Assistant Marketing Officer in the afternoon of 5-8-85.

J. KRISHNA,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

RECRUITMENT SECTION

Bombay-400 085, the 23rd September 1985

No. PPA/80(5)/84-R.III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. Janardhanan, permanent Assistant Security Officer in this Research Centre and officiating as a Security Officer on ad-hoc basis in the Directorate of Estate Management Department of Atomic Energy as Security Officer on regular basis in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of August 29 1985 until further orders.

M. D. GADGIL,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 19th September 1985

No. NAPP/Rectt/11(6)/84-S/10979.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri T. M. Govindan Kutty, a temporary Assistant Accountant in NAPP to officiate on ad-hoc basis as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of May 16, 1985 until further orders or till a regular incumbent is posted, whichever is earlier.

No. NAPP/Rectt/11(6)/84-S/10980.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri M. K. Suresha,

a temporary Assistant Accountant in NAPP to officiate on ad hoc basis as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 10, 1985 until further orders or till a regular incumbent is posted, whichever is earlier.

R. K. BAILI,
Administrative Officer-III

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 27th September 1985

No. Ref. 05012/R4/OP/3616.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, Assistant Accountant, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on adhoc basis w.e.f. April 29, 1985 (FN) to June 5, 1985 (AN) vice Shri S. Raman, Assistant Accounts Officer granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd October, 1985

No. A 32014/7/84EC (—) —The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants (at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Technical Officer in the pay Scale of Rs. 650-1200/- on regular basis with effect from the date shown against each and until further order :

Sl. No.	Name	Date of appointment on regular basis
1	2	3
	S/Shri	
1.	Sampuran Singh	1-12-84
2.	R.P. Gaindher	1-6-85
3.	S.K. Nanda	1-7-85
4.	P.S. Dholkia	1-7-85
5.	T.M. Sainuddin	1-7-85

V. JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE CUSTOMS

Kanpur, the 25th September 1985

No. 4/85.—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, the following Inspectors (Senior grade), Central Excise assumed/took-over the charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B' on the dates and places mentioned against each :—

Sl. No.	Name of the officer	Place of posting	Date of assumption of charge on promotion
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	P.N. Jaiswar	Hdqs. Office Kanpur	9-1-85
2.	M.L. Kureel	Bareilly Division	5-2-85

1	2	3	4
3. Ram Prakash	.	Farrukhabad Division	28-2-85
4. Jagrbop Ram	.	Kanpur-I Division	2-4-85
5. Jhaboo Ram	.	Kanpur-I Division	4-4-85
6. A.N. Sharma	.	Kanpur-II Division	8-4-85
7. Asharfi Lal	.	Kanpur-II Division	13-5-85 (A.N.)
8. C.P. Sonkar	.	Farrukhabad Division	3-6-85
9. R.M. Sahai	.	Hdqrs. Office Kanpur	2-8-85
10. K. N. Dixit	.	Hdqrs. Office Kanpur	6-8-85
11. S.R. Pawar	.	Hdqrs. Office Kanpur	30-8-85

No. 5/85—The following Group 'B' officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each :

Sl. No.	Name of officer and post held at the time of retirement	Date of retirement
S/Shri		
1. Nathani Ram	Supdt. Gr. 'B' Kanpur-II Divn.	30-3-85 (31-3-85 being holiday)
2. C.P. Singh	Do. Sitapur Divn.	30-4-85
3. Harcharan Singh	Do. Agra Divn.	31-5-85
4. J.P. Sharma	Do. Agra Divn.	31-7-85
5. L.P. Sahu	Do. Hdqrs. Office, Kanpur.	31-7-85

No. 6/85—The following Group 'B' Officers in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer Examiner of Accounts, Central Excise Collectorate Kanpur, retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. Name of the officer	Date of retirement.
1	2
S/Shri	
1. R.L. Bhatia	30-4-85
2. R.S. Sinha	31-5-85
3. Ganpat Sahai	28-6-85
	29 & 30-6-85 being holidays)

G.S. MAINGI
Collector
Central Excise, Kanpur

Vadodara, the 27th September 1985

No. 8/1985.—Shri V. K. Upadhyay, Assistant Collector of Central Excise and Customs, Divn. III, (Group 'A') Vadodara will attain the age of 58 years on 16-9-1985. He shall accordingly retire on superannuation pension in the A.N. of 30-9-1985.

A. M. SINHA,
Collector
Central Excise & Customs
Vadodara

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 3rd October 1985

No. A-19012/1096/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Awadesh Sharma, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 9-5-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012/1121/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. C. Das, Senior Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and adhoc basis with effect from the forenoon of 13th September, 1985 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 7th October 1985

No. A-19012/1112/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Mohd. Anwar Ahmad, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a purely temporary and adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-5-1985 for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA,
Under Secretary
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 30th July 1985

No. 85-RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'WESTERN RAILWAY' that the Over Head Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the date specified against the section. On and from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all the times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said Over Head Lines.

Section & Date

Mathura-Bayana (Km 1243 to 1168)—14-09-1985.

No. 85-RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'CENTRAL RAILWAY' that the Over Head Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the date specified against the section below. On and from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

Section & Date

Bhandai-Gwalior (km 1332 to 1221/29-30)—31-07-1985.

A. N. WANCHOO,
Secretary, Railway Board

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Garden Cities & Home Crafts Limited.*

Calcutta, the 17th September 1985

No. 14311/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Garden Cities & Home Crafts Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
BBG Engineering Industries Private Limited.*

Calcutta, the 17th September 1985

No. 2668/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the BBG Engineering Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE,
Addl. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Behar Construction Private Limited.*

Patna, the 27th September 1985

No. (668)560/-4231.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Behar Construction Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dr. Singh's Institute of Pathology & Blood Banking Private
Limited.*

Patna, the 27th September 1985

No. (1286)560/4184.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Dr. Singh's Institute of Pathology & Blood Banking Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Albit India Private Limited.*

Patna, the 30th September 1985

No. (1079) 560/4222.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Albit India Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Katyal Industries Private Limited.*

Patna, the 30th September 1985

No. (70)560/4225.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s Katyal Industries Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kathar Credit & Investment Company Private Limited.*

Patna, the 30th September 1985

No. (1078)560/4228.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Kathar Credit & Investment Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bhartiya Publishers Limited.*

Patna, the 3rd October 1985

No. 448/560/4339.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s Bhartiya Publishers Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shree Banshi Industries Limited.*

Patna, the 3rd October 1985

No. 598/560/4342.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s Shree Banshi Industries Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Spark Press Private Limited.*

Patna, the 3rd October 1985

No. 449/560/4346.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s Spark Press Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Life Saving & Finance Company Private Limited.*

Patna, the 5th October 1985

No. (1155) 560/4219.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956 the name of the Life Savings & Finance Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI,
Registrar of Companies, Bihar
Patna

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies
Andhra Pradesh
Hyderabad

DIRECTORATE OF O&M SERVICES

(INCOME TAX)

New Delhi-110002, the 30th September 1985

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sruji Packaging Private Limited.*

Hyderabad, the 1st October 1985

No. 3827/TA.III|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Sruji Packaging Private Limited,

F. No. 36|4|82-AD|DOMS|4280.—On his attaining the age of Superannuation, Shri Parmeshwari Sahai, Superintendent in the Directorate of Inspection (IT & Audit) and presently working on deputation as Additional Assistant Director in this Directorate relinquished the charge of Additional Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services (Income Tax), New Delhi on the afternoon of 30th September, 1985.

S. M. CHICKERMANE,
Director

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, Koregaon Park,
PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/12339/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. B in Bungalow No. 30 in Monsson Lake Cottages Co-operative Housing Society, I.N.S. Shivaji Road, Near Lonavla Lake, Raiwoods, Lonavla situated at Lonavla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn Range, Pune on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Trivedi Estates & Constructions Pvt Ltd.,
514 Raheka Centre, Plot No. 214,
Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

- (2) Mr. Raju Hari Haran,
Maya Plot No. 533,
17th Road, Khar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. B in Bungalow No. 30 in Monsson Lake Cottages Co-operative Housing Society, I.N.S. Shivaji Road, Near Lonavla Lake, Raiwoods, Lonavla. (Area 1100 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 12339/1984-85 in the month of January, 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
106/107, Koregaon Park,
PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/511/37EE/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Villa No. 15 of Azalea Gardens, situated at Village Sansari Devlali Camp on S. No. 210/C/1 and 210/C/2 situated at Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Habitat India,
Developers and Builders
Mehar Building, Shivajinagar,
Nasik.

(Transferor)

(2) Rusi Cawasji Trombaywalla,
Mrs. H. R. Trombaywalla,
Miss K. R. Trombaywalla,
Rehana Manzil 2nd floor,
Mahim, Lady Jamshedji Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 15 of Azalea Gardens, situated at Village Sansari Devlali Camp on S. No. 210/C/1 and 210/C/2. (Area 1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune, under document No. 511/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Poona

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/23/22/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104 (First floor) Renuka Griha Nirman Sanstha Ltd. Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73, Dharampeth Extn. Shivaji Nagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the u/s 269AB (1)(b) of II Act, 1961 in this office at Nagpur on 5-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd.,
119, Daga Layout,
North Ambajhari Road, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Rupchand Meghraj Goplani
Plot No. 28, Vidya Nagar,
Yavatmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 (First floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd. Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73, Shivaji Nagar, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date : 3-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/21/22/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, first floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan, Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73, Shivaji Nagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the u/s 269AB (1)(b) of I.T. Act, 1961 in Nagpur on 5-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd.,
119, Daga Layout,
North Ambajhari Road, Nagpur. (Transferor)
- (2) Smt. Vanita Vanmali Borker
19, Daga Layout, North Ambajhari Road,
Nagpur. (Transferee)
- (3) Shri Marotrao M. Pimple,
212, Gandhi Nagar,
Nagpur. Person interested in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 First floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd., Plot No. 174, Circle No. 20 Ward No. 73, Shivaji Nagar, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date: 3-9-1985

Seal

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE
NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/24/22/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old House, Plot No. 131 Nazul Sheet No. 81-C, Amaravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the u/s 269 AB(1)(b) of I.T. Act, 1961 in this office at Amaravati on 2-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Karulabi Murlidharji Jitgodia
Sau, Tarabai Dwarakadasji Agarwal,
Inside Jawahargate, Amaravati.

(Transferor)

(2) 1. Pannalal Choutmalji Chandak
2. Balkishan Pannalalji Chandak
3. Omprakash Pannalalji Chandak
Inside Jawahargate, Amaravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old House on Nazul Plot No. 131, Sheet No. 81-C Amaravati.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date : 3-9-1985
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA**

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. AR-47/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 105/1 situated at Ultadanga Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 480D(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Calcutta on 2-1-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

53—296GI/85

- (1) 1. Sri Niloy Pyne
2. Smt. Dipali Pyne,
both of 1, St. George's Gate Road,
Calcutta-22.
3. Smt. Debika Mullick
of 87, Chittaranjan Avenue,
Calcutta.
4. Shri Dilip Kumar Dutta,
12, Kapalitola Lane,
Calcutta.

(Transferor)

- (2) M/s. Ardialoy Investment Co. Ltd.,
of 4, Middleton Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of land measuring 9 Bighas 16 cottahs 15 chittacks 32 Sft. together with Factory Sheds, Office Buildings, Shop rooms, godowns, Staff quarters Labour quarters and other structures situated at 105/1, Ultadanga Main Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. J 49 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 105/1 situated at Ultadanga Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 2-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Niloy Pyne.
2. Smt. Dipali Pyne
both of 1, St. George Gate Road,
Calcutta-22.
3. Smt. Debika Mullick
of 87B Chittaranjan Avenue,
Calcutta.
4. Sri Dilip Kumar Dutta
of 12, Kapalitola Lane,
Calcutta.

(Transferor)

- (2) Ms. Alrub Investment Company Ltd.
of 4, Middleton Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 share of land measuring 9 Bigha, 16 cottahs 15 chittacks 32 Sft. together with Factory Shed, Office Building, Shop rooms godowns, stall quarters, Labour Quarters and other structures situated at 105/1, Ultadanga Main Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. T 48 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Mrs. Kalpana Roy,
Mr. Avjit Roy &
Mrs. Eva Gupta.

(Transferor)

(2) Machino Techno (Sales) Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-3/ 85-86/Sl. 1054 IAC/Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 21/1, situated at Darga Road,
P.S. Beniapukur, Calcutta-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
R.A. Calcutta No. I-1377 dated 29-1-1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Asbestos shed—land area—18 Cottahs, 6 chittacks 42 Sft.—
Lot No. D—of premises No. 21/1, Darga Road, Mouza—
Tiljala—P.S. Beniapukur—Calcutta-17, Registered before the
Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-1377 dated
29-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Musst. Sayeda Begum.

(Transferor)

(2) M/s. ACMF Construction Co. (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1985

Ref. No. TR-18/85-86/Sl.1065 IAC/Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5, situated at Lower Range, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under registration No. I-60 dated 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 5 Cottahs 10 Chittacks 9 Sft. of land together with a one storied building thereon at premises No. 5, Lower Range, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-60 dated 3-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kalpana Rani Jalui.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur &
Sri Attar Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires late;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

Ref. No. C. A. 133/85-86[Sl. 1066][I.A.C.]Acq R-I[Cal—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Rs. 1,00,000 and bearing No.
61B, situate at Park Street, Calcutta-16
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 133 dated 12-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that flat No 4-D measuring 1421 Sft. on the 4th floor
of 'Neelem' at 61B, Park Street, Calcutta-16. Registered before
the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I,
Calcutta vide serial No. C.A. 133 dated 12-2-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th September 1985

Ref. No. TR-28/85-86/SI.1067/J.A.C./Acq.I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. No 37, situated at Imdad Ali Lane Calcutta-16, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal. under registration No. I-797 dated 17-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Tulip Products Co. (Transferor)
(2) Faran Construction Company. (Transferee)
(3) Transferor (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one storeyed building—land area 6 Cottahs 8 chittacks and 4½ sft. at 37 Imdad Ali Lane Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurances of Calcutta vide Deed No. I-797 dated 17-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. AR-20/85-86/SI. 1052/LA.C/Acq R-I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
No. 176 situated at Acharya Jagadish hCandra Bose Road,
Calcutta,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
No. 176 situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
at R.A., Calcutta under registration No. I-661 dated 15-1-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—

- (1) Smt. Champaklata Dutta &
Smt. Depali Dutta,
(Transferor)
(2) Sri Sandip Mehta &
Sri Ashwin Mehta
(Transferee)

Object.ons, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire first floor in the premises No. 176, Acharya
Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta. Registered before
the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-661
Dated 15-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemehr 1985

Ref. No. TH-22/856/Cl. 1053/IA.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
No. 84, situate at Muzaffar Ahmed Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
at RA., Cal. under registration No. I-883 dated 18-1-85,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely:—

- | | |
|--|---|
| (1) Sunil Baran Chowdhury. | (Transferor) |
| (2) Md. Mojahid Shamim &
Md. Arshad Shamim. | (Transferee) |
| (3) Mrs. Akhtar Jahan &
Mr. K. D. Silva | (Person(s) in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of
and in all that two storeyed dwelling house measuring 7
Cottahs & 25 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed
Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assuran-
ces, Calcutta vide Deed No. I-883 dated 18-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sunil Baran Chowdhury. (Transferor)
 (2) Md. Anjum Shamim & Md. Khalid Shamim (Transferee)
 (3) Mrs. Akhtar Jahan & Mr. K. D. Silva
 (Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. AR-23/85-86[Sl. 1054]/I.A.C./Acq. R-I/Cal—
 Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000 and bearing No. No. 84 situated at Muzaffar Ahmed Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal. under registration No. I-884 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottahs 24 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide Deed No. I-884 dated 18-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

54—296G1/85

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta; the 11th Septemehr 1985

Ref. No. TR-24/85-86/Sl. 1055 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. No. 84, situated at Mazaffar Ahmed Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal, under registration No. I-885 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--|---|
| (1) Sunil Baran Chowdhury. | (Transferor) |
| (2) Md. Shamim Iraqi | (Transferee) |
| (3) Mrs. Akhtar Jahan &
Mr. K. D. Silva | (Person(s) in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottabs 24 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I1885 dated 18-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. TR-25/85-86/SI. 1056 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000 and bearing No. No. 84, situated at Mazaffar Ahmed Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal. under registration No. I-886 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|--|---|
| (1) Sunil Baran Chowdhury. | (Transferor) |
| (2) Md. Rashid Shamim & Md. Shahid Shamim. | (Transferee) |
| (3) Mrs. Akhtar Jahan & Mr. K. D. Silva | (Person(s) in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottahs 24 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-886 dated 18-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta. the 11th Septemebr 1985

Ref. No. TR-29/8586/SI. 1057/I.A.C./Acq. R.I/Cal--
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Rs. 1,00,000 and bearing No.
No. 210, situated at Jamunala! Bazar Street, Calcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
at RA., Calcutta, under registration No. I-832 dated 17-1-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

- (1) Sri Basudeo Mandelia (Transferor)
(2) Basudeo Mandelia Family Trust. (Transferee)
(3) Tenants (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that $\frac{1}{2}$ share in undivided 10% share of the vendor in
the premises No. 210, Jamunala! Bazar Street Calcutta con-
taining 14 Cottahs and 1 Chittack of land together with six
stories brick built building thereon. Registered before the Re-
gistrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-832 dated
17-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Purbasa Nirman Udyog Private Ltd.
(Transferor)
- (2) Shri Mahender Lall &
Smt| Maya Lall
- (3) Vendor
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemehr 1985

Ref. No. TR-32/85-86/SI. 1058/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3A, situated at Dr U N Brahmachari Saraini, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No I-1014 dated 21-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that flat No. G/B-measuring 910 sft and a car parking space No. 1 on ground floor at 3A, Dr. U.N. Brahmachari Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-1014 dated 21-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Azimganj Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jhunjhunwalla Janakalyan Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. C.A. 118/85-86[Sl. 1059/I.A.C./Acq R-I|Cal—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing

No 7, situated at Camac Street, Calcutta-700017

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered with the Competent
Authority under section 269AB of the said Act read with
rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registra-
tion

No. C.A. 118 dated 3-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 137.45 sq mts approx. on Second floor of 7, amc
I.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 118
Street Calcutta-17 Registered before the Competent Authority

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Azimganj Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Jhunjhunwalla Jankalyan Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A.119/85-86[Sl. 1060 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-700 017,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered with the Competent Au-
thority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 119 dated 3-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

All that 149.48 Sq. mts. approx space on Second floor of
7, Camac Street, Calcutta-700 017. Registered before the
Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta
vide Serial No. C.A. 119 dated 3-1-85.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, name—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Azimganj Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Jhunjhunwalla Jankalyan Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A. 120/85-86/Sl. 1061 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-700 017
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent Au-
thority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 120 dated 3-1-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

All that 136.41 Sq. mts. approx. space on Second floor of
7, Camac Street, Calcutta-700 017. Registered before the
Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta
vide Serial No. C.A. 120 dated 3-1-85.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM IT-1**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A. 122/85-86/Sl. 1062 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

No. 1/1, situated at Lord Sinha Road, Calcutta
(and more or less as shown in the map annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent Authority
u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 122 dated 11-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—
55—296G1/85

- (1) Smt. Leela Ramnathan
(2) Shri Gopiram Sharma and
Smt. Geeta Devi Sharma

(Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4D in Natraj Building at 1/1, Lord Sinha
Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority,
I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A.
122 dated 11-1-85.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Sent

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Pari Enterprises

(Transferor)

(2) Tej Karan Baid & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A. 124/85-86[Sl. 1063 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/1A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 124 dated 19-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that apartment No. G-4 at ground floor at premises No. 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-700 017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 124 dated 19-1-85.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmad Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Pashupati Co-opp. Housing Society Ltd

(Transferor)

(2) Mr. G. C. Makhija

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta-16, the 10th September 1985

Ref. No. 1882/Acq.R-III/85-86.—

Whereas, I, SK. NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 62/71B situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 37EE/Acq.R-III/534 dated 13-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed flat. As per only Form No 37EE without copy of any agreement. Registered before IAC., Acqn Range-I, Cal. Vide No. 37EE/Acq.R-III/534 dated 13-1-1985.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1881/Acq.R-III/85-86.—

Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,

being the Commissioner under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing

No. 82/3A situated at Bidhan Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Cal. on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari and
Gopa Rani Devi

(Transferor)

(2) 1. Maniklal Mukherjee
2. Santana Mukherjee
3. Sunil Kr. Mukherjee
4. Ashish Mukherjee
5. Sova Mukherjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that the house property in the premises of 82/3A Bidhan Sarani, Calcutta registered under the Deeds Nos. I-759, I/760, I/761, 1762 and 1763 (five) all of dated 16-1-1985.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Ramendra Ch. Karmakar
(2) 1. Shri Kanchan D. Singhi
2. Smt. Manju D. Singhi
3. Shri Raj Karan Singhi
4. Shri Tej Karan Singhi
- (Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1880/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/5th portion of house Property registered vide Deed No. I-1093 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Patel Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Hemendra Ch. Karmakar
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kanchan D. Singhi
2. Smt. Manju D. Singhi
3. Shri Raj Karan Singhi
4. Shri Tej Karan Singhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1879/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/5th portion of house Property registered vide Deed No. 1-1094 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Samarendra Chandra Karmakar

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanchan D. Singh
2. Smt. Manju D. Singh
3. Shri Raj Karan Singh
4. Shri Tej Karan Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1878/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/5th portion of house Property registered vide Deed No. I-1095 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-9-1985
Sd/-

FORM ITN—

(1) Shri Nripendra Ch. Karmakar

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanchan D. Singhi

2. Shri M. N. D. Singhi

3. Shri Raj Karan Singhi

4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1877/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/5th portion of house Property registered vide Deed No. I-1096 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1876/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
56—296GI/85

(1) Shri Sailendra Nath Karmakar

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanchan D. Singhi
2. Smt. Manju D. Singhi
3. Shri Raj Karan Singhi
4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/5th portion of house property registered vide Deed No. I-1097 dated 21-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. 1875/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-82 situated at Lake Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------|--------------|
| (1) Shri Amalendu Kar | (Transferor) |
| (2) Shri Rash Behari Das | |
| Shri Ranjit Kr. Das | |
| Shri Rewati Ranjan Das | |
| Shri Rashmoy Das | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K—1Ch—25 Sqft.
Area : Gr. Floor : 2900 sqft.
1st Floor : 1000 sqft.
Registered Vide Deed No. I-1053 dated January, 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Biswanath Dey,

(Transferor)

(2) Dr. Hedgowar Smarak Samity,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1985

Ref. No. 1874/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9B situated at Abhedananda Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred with the Competent Authority u/s 269 AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income tax Rules 1962 under Registration at R.A. Cal under registration No. 1885 dated on 15-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant plot of land measuring 5K-8ch-30Sft Registered vide Deed No. I-682 dated 15-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-9-1985
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri V. C. Sood,

(Transferor)

(2) Mrs. Namita Saraf,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1985

Ref. No. 1873/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 25 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

No. 37EE/Acq.R-III/549 dated 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share in the free hold land situated in the suburbs of Calcutta at 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Registered in the office of IAC., Acq. R-III, Calcutta vide No. 37EE/Acq. R-II/549 dated 8-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Monika Ghoshal.

(Transferor)

(2) Shri Suniti Kumar Chatterjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1985

Ref. No. 1872/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20A situated at Charu Chandra Place (East), Calcutta-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. I-1261 dated 28-1-1985
Area : 1150 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Dinesh M Shah,
& Shri Rakesh M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nigma Private Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1871/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39/1 situated at Lansdown Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under registration No. 37EE/Acq. R-III/538 on 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

All that flat No. B-5 on the fifth Floor in the premises of 39/1, Lansdown Road, Calcutta measuring 1660 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Rekha Majumder.

(Transferor)

(2) Sowbha Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1870/Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14/144 situated at Gulf Club Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering Officer at Calcutta on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

As per Deed No. I-874 dated 18-1-1985.
Land measuring 3K 5ch 10 S.ft.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ramalal Bose.

(Transferor)

(2) Rabin Kumar Basu

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1869/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 27/G situated at Gopi Mohan Dutta, Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. I-1259 dated 25-1-1985 partly 3 storeyed brick built building together with land measuring 3K—12ch. and 30 s ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1868[Acq.R-III]85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11 situated at Abdul Rasul Avenue, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering Officer under registration No. 37FE[Acq.R-III]537 dated 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

57—296GI/85

- (1) 1. Pankaj Kr. Pareksh,
2. Jagmohan Lakhota,
3. Indra Devi Lakhota,
4. Sarla Devi Kankani,
5. Raj Kumar Kankani.

(Transferor)

- (2) Sri Ashok Kumar Poddar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2251 sft. being portion of premises No. 11, Abdul Rasul Avenue, Calcutta Register before IAC., Acq. R-III, Calcutta, vide No. 37EE[Acq.R-III]537 dated 14-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Papat & Kotecha Property.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devendra K. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1985

Ref. No. 1867/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13 situated at Crooked Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 No. 37-EE/Acq. R-III/545 dated 8-1-1985 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Room No. 506 being premises No. 13, Crooked Lane, Calcutta, measuring 806 sq. ft. registered before IAC., Acq R-III/545, dated 8-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. 1866/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.58/14/8 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 at Calcutta on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Smt. Afta Chowdhury and
Raj Kali Ray. | (Transferor) |
| (2) Smt. Madhusree Das and
Kumari Sarmistha Roy Chowdhury. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2/3rd share of undivided 5K 2ch. 10 sft. of land together with structure registered vide Deed No. 1-625 dated 30-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Satyam Projects.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Sarla Devi Mundhra.
2. Smt. Suman Mundhra.
3. Smt. Sashi Mundhra.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. 1865/Acq.R-III/85-86.—Whereas, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act, read of the Registering Officer No. 37EH/Acq R-III/542 dated 25-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 1 DE measuring 2484 sq.ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-9-1985
Sent :

FORM INS—

(1) Jijush Umesh Benegal.

(Transferor)

(2) Suzuki (India) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. 1864/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, havin a fair market value exceeding Rs.
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 135 J situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road,
Calcutta(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act, read of the Registering
Officer

at Calcutta on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 measuring 700 sqt. in the premises of 135J,
Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta was registered vide
Deed No. 1-1239 dated 25-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

C. R. No. 62/47689/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. 134/9, D. Nos. 29-130 & 29-131 situated at Beedhi Majalu Road, Puttur Town, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the Competent Authority u/s 269AB in his office at Puttur on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri K. Shashidhara Rao,
Rajajinagar,
Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri K. Sathish Shetty,
S/o. Sectharam Shetty,
Kombetter Puttur,
S. K. Dist.
- (3) 1. Mr. K. Prabhakara Rao,
No. 29—130, Beedhi
Majalu Road, Puttur Town S.K.
2. Mr. M. K. Probhakara Raod,
No. 29—131, Beedhi Majalu Road, Puttur Town,
S.K. (Transferee)
- (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 9/85-86 dated 2-4-85)
Property bearing No. S. 134/9, Door Nos. 29—130 & 29-131, Beedhi Majalu Road, Puttur Town.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46804/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 44 Sy. No. 10/2 situated at Gandhinagar Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at [with the competent authority under Section 269AB, in his office at Gandhinagar on 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. S. Srinivasa,
No. 57, 1 Main Road,
Seshadripuram,
Bangalore-20. (Transferor)
- (2) Mohd. Mukhtar Ahmed,
No. 6, E No. 12, Pension Mohalla,
Broadway Road Cros. Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 629/84-85 dated 21-1-85)
Site No. 44 Sy. No. 10/2, Gangenahalli, Bangalore Site area 30'x50'.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

C. R. No. 62/45967/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/2, situated at Hutchins Road, V Cross, Bangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 15-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri J. J. Mouisse,
No. 2/2, Hutchins,
Road, V Cross, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri Vincent Thomas,
2, Mr. Jagan V. Thomas,
No. 10/2, Venkataraman
Layout, Maruthisevanagar,
Bangalore. Transferee(s)
- (3) Transferor. (Persons in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3073/84-85 dated 15-1-85).
Property bearing No. 2/2, Hutchins Road, V Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

C. R. No. 62/45974/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. RS. 1682/2A, 1683/2A, TS No. 10/2A, 9/2A situated at Kasaba Bazaar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office i with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Janab Abdul Khada Mohd.
Opp. Jamma Masjid,
Byudoor, DK.
- (2) Mrs. Aisha,
Kudioti,
Mangalore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1659/84-85 dated 24-1-85)
Property bearing No. RS/682/2A, 1683/2A, TS No. 10/2A, 9/2A, Kasaba Bazaar Village Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

58—296G/85

Date : 2-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

- (1) 1. K. S. Kamala,
2. S. Suresh,
3. S. Subash,
4. S. Sateesh,
5. Km. S. Sunitha—No. 40, V Cross,
6. Smt. Sudha, No. 71, 71' Road|Prakashnagar,
6. Smt. Sudha, No. 71, 81 Road|Prakashnagar,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shri G. N. Raja Kumar,
No. 162, H. G. H. Layout,
III Main Road
Gangnahalli,
Bangalore.

(Transferee)

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

C. R. No. 62/46457/84-85[ACQ]B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 80, situated at P&T Colony, Gangnahathi, Bangalore.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred with the competent authority under
Section 269AB, in his office
at Gandhinagar on Feb. 1985
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957) :

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3481/84-85 dated Feb. 85)
House site No. 80, P&T Colony, Gangnahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 2-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

C.R. No. 62/46283/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RS. 447/1, TS. 188-1, situated at Attavar Village, M'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office at M'lore on 11-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Zohra,
W/o T. Mohd. Haji
Rosario Church Road,
Mangalore
(Transferor)
- (2) K. Abdul Rasheed,
Old Kent Road, Mangalore.
C/o M/s Zeenath International Supplies,
D. No. 20/18/1115, Mohamedi House, Rosario
Church Cross, Road, Mangalore
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1766/84-85 dated 11-2-85).

Property No. RS 447/1, TS. 188-1, situated at Attavar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-9-1985
Seal:

FORM ITNS

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560001 the 5th September 1985

C.R. No. 62/46822/84-85/ACQ/B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 84-B, situated at Kankanady Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office i M'lore on 28-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Aisanna,
Pakaladka
Kankanady,
M'lore.

(Transferor)

(2) Shri Mhod. Anwar
CPC Compound,
Kutroli Managalore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 15/84-85 dated 28-2-85).
Property No. 84-B, Kankanady Village, M'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/46329/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 4/1 (Portion), situated at John Armstrong Road, Richards Town, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office

Shivajinagar on 8-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Ahmed Hussain,
No. 40, Lavelle Road,
Richmond Road,
B'lore.

(Transferor)

- (2) Shri Thomas J. D'Souza,
repd. by Mr. V. V. John,
No. 27/4, Damodara Mudaliar Road, Ulsoor,
B'lore-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3400/84-85 dated 8-2-1985).
Portion of premises bearing No. 4/1, John Armstrong Road,
Richards Town, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-9-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/46328/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4/1 (Portion), situated at John Armstrong Road, Richards Town, B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office Shivajinagar on 8-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Ahmed Hussain,
No. 40, Lavelle Road,
Richmond Road,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Thomas J. D'Souza,
repd. by Mr. V. V. John,
No. 27/4, Damodara Mudaliar Road, Ulsoor,
B'lore-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3399/84-85 dated 8-2-15
Portion of premises bearing No. 4/1, John Armstrong Road,
Richards Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 3-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th September 1985

C.R. No. 62/46016/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24/1, situated at 16th 'A' Main Road, IV Block, Jayanagar, B'lore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office, Jayanagar on 3-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shrimati V. S. Padmavathi,
No. 13, 80 feet Road,
Rajajinagar,
B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri M. R. R. Shetty,
No. 46, XV Cross,
III Block, Jayanagar,
B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3933/84-85 dated 3-1-1985).
Property bearing No. 24/1, 16th 'A' Main Road, IV Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th September 1985

C.R. No. 62/46015/84-85/ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24/1, situated at 16th 'A' Main Road, IV Block, Jayanagar Bangalore-11, has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office Jayanagar on 3-1-1985, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Jayanagar on 3-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati V. S. Umadevi,
"Atreya" No. 498
Rajajinagar II Stage,
B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri M.R.R. Shetty,
No. 46, XV Cross,
III Block, Jayanagar,
B'lore-11,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3932/84-85 dated 5-1-1985).
Property bearing No. 24/1, 16th 'A' Main Road, IV Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th September 1985

C.R. No. 62/45998/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 40/2, situated at Patalamagudi Road, Basavanagudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under Section 269AB, in his office at Basavanagudi on 19-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
59—296GI/85

- (1) Shri B. S. Jayudev,
No. 40/2, Patalamagudi Road,
Basavanagudi,
Bangalore-4. (Transferor)
- (2) Mrs. Ancesa Khatoon,
No. 30, Naugappa Road,
Shanthinagar,
Bangalore-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4220/84-85 dated 19-1-1985)
Property bearing No. 40/2, Patalamagudi Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th September 1985

C.R. No. 62/46017/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, situated at 37th cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-II (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under Section 269AB, in his office at Jayanagar on 5-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Teela P. Parikh,
Alembic Glass Colony,
Quarters, White Field,
Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagat Singh Baid,
2. Sri Kiran Singh Baid,
3. Sri Anand Singh Baid,
No. 59, Jamunafal Bajaj Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3969/84-85 dated 5-1-85)
Property bearing No. 5, 37th cross, VIII Block, Jayanagar,
Bangalore-II.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rukkmiamammal and 6 others,
Jageer Ammapalayam,
Salem.

(Transferor)

(2) Smt. K. Yashotha,
W/o E. N. Kaliannan,
111, Greenways Road,
Fairlands, Salem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P. No. 7/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S. No. 197/2, Jageer Ammapalayam, situated at Salem,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Suramangalam (Doc. No. 97/85) in January 1985,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land : S. No. 197/2, Jageer Ammapalayam
Village, Salem.
(S.R.O. Suramangalam.—Doc. No. 97/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 18/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. Survey Nos. 62/1 and 59/8 Thathamapatti Village,
Salem, with a Farm House,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Salem East (Doc. No. 81/85) in January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Easwaran,
Thathamapatti Village,
Salem Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Natesa Gounder,
Rackipatti,
Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);Land and building : Survey Nos. 62/1 and 59/8, Thatham-
patti Village, Salem with a Farm House.
(S.R.O. Salem East—Doc. No. 81/85).K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons namely :—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 20/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 48, Kailasampalayampatti, Tiruchengodu Taluk, Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 161/85) in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. A. Sakunthala,
No. 8, A. K. F. Street,
Tiruchengodu Town,
Salem Dist.

(Transferor)

- (2) Shri A. S. Appavoo Mudaliar,
D. No. 5, Pavadi Street, No. 8,
Tiruchengodu Town,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—48, Kailasampalayampatti Tiruchengodu Taluk, Salem District.
(S.R.O. Tiruchengodu—Doc. No. 161/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 21, ran/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 158/2, A.K.F. Road, Tiruchengodu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 162/85) in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. A. Sakuntala
W/o K. V. A. Annamalai
Door No. 5, A.K.F. Street,
Tiruchengodu Town. (Transferor)
- (2) Shri N. Nuchimuthu (Minor)
Guardian and Mother, Jayalakshmi,
22, Salem Road,
Tiruchengodu Town. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Survey No. 158 2, A.K.F. Road, Tiruchengodu.

(S.R.O. Tiruchengodu—Doc. No. 162/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

- (1) Shri M. Marappan and others,
Putiampatti,
Sankagiri Taluk,
Salem Dist.

(Transferor)

- (2) M/s. Tan India Watte Extracts Co. Ltd.,
No. 21, Gandhiapuram Main Road,
Post Box No. 191,
Komarapalayam-638 183.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 24/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Survey Nos. 207/2 and 207/3 situated at Sowthapuram
Village (and more fully described in the schedule annexed
hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sankagiri (Doc. No. 22/85) in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Vacant land : Survey Nos. 207/2 and 207/3, Sowtha-
puram Village.

(S.R.O. Sankagiri—Doc. No. 22/85).

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 26/January/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. T.S. No. 179 situated at Salem Town,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Todagapatty (Doc. No. 19/85) in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Dr. K. R. G. Srinivasan,
S/o K. R. Govinda Chettiar,
D. No. 46, Mariamman Koil St.,
Gugai, Salem Town. (Transferor)
- (2) Sri T. Nagappan,
S/o Danapalan,
D. No. 29, Narasingapuram St.,
Gugai, Salem Town. (Transferee) 7
- (3) Builder. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at IIIrd Ward T.S. No. 179, Salem
Town.
S.R. Tadagapatty Doct. No. 19/85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM 11NS

(1) Shri S. G. S. Sahibji,
244, Kamarajar Road,
Athur Town, Salem.

(Transferor)

(2) Shri K. P. Gopalakrishnan,
36, Gandhi Nagar,
Athur Town,
Salem.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
(INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 27/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 00 000/- and being
No. Rice Mill at No. 388, Dr. Varadaraju's Naidu Street,
Jothi Nagar, Athur, Salem Dist.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Athur (Doc. No. 42/85) in January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building (Rice Mill)—388, Dr. Varadarajulu
Naidu Street, Jothi Nagar, Athur Salem.

(S.R. Athur—Doc. No. 42/85).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

1—296 GI/85

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 38/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door Nos. 30/59D1, 30/59D2, 30/59B and 30/59C, Yercaud Village situated at Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under of the Competent Authority at Yercaud (Doc. No. 12/85) in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tharyan Mathews and other
Glanarose Bungalow,
Komma Khadu,
Yercaud.

(Transferor)

(2) (i) Shri M. Lakshmanan,
1st Avenue,
Indra Nagar,
Madras-20.
(iii) Smt. N. Vijayaalakshmi,
W/o A.V. Nityanandam,
No. 3, I Main Road,
Indra Nagar, Adyar,
Madras-20

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Door Nos. 30/59D1, 30/59D2, 30/59B and 30/59C, Yercaud Village, Salem District.
(S.R.R. Yercaud—Doc. No. 12/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 40/January/85.—Whereas, I, **K. VENUGOPALA RAJU**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 106/2 situated at Namakkal Village and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Namakkal (Doct. No. 40/85) on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri A. Subbaraya Gounder & Others,
Sengapalli,
Kathapalli Village,
Namakkal Taluk,
Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Kaliannan,
S/o Sengoda Gounder,
Makkal Pudur,
Kolathuptatty Post,
Namakkal Taluk,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Namakkal Village, Salem Dist. (Survey No. 106/2)
J.S.R.II, Namakkal, Doct. No. 40/85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 41/January/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 106/2 situated at Namakkal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doct. No. 41/85) on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Subbaraya Gounder & Others,
Kathapalli Village,
Namakkal Taluk,
Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri Nalli Gounder,
S. o Chellappa Gounder,
Kathapalli Village,
Namakkal Taluk,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant Site at Namakkal Village (Survey No. 106/2) Salem Dist.

J. S. R. II, Namakkal. Doct No. 41/85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 12-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

(1) Shri S. O. Basia,
S/o. Usman Khan,
27, Nedumaran Nagar,
Dharmapuri.

(Transferor,

(2) M/s. Dharmapuri Paper Mills Pvt. Ltd.
Kottaiannai,
Kelavalli Post,
Kambainallur,
Dharmapuri Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(17 of 1922) or the said Act or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land (Dry) at Kelavalli Village, Dharmapuri
Dist. (S. Nos. 384, 387/1, 388, 398/1, 391 and 392).

S. R. Barur. Doct. No. 20/85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 43/January/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 19 situated at Denkanikotta Village, Dharmapuri Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Denkanikottai (Doct. No. 138/85) on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

(1) Sri Thankachen K. Erinjen,
S/o. Kurvappan,
No. 19, Melkottai,
Denkanikottai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Chandravalli,
W/o. Rajaram Naidu,
Kajee Sahib Street,
Denkanikottai,
Dharmapuri Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Denkanikottai Village, Dharmapuri District.

S. R. Denkanikottai. Doct. No. 138/85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
MADRAS-600 006

Date : 12-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 46/January/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. T.S. No. 7/1-A, Block 17, ward "C", Periyeri Village,
Salem Town.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
J. S. R. I/Madras North (Doc No. 120/85) on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely:—

(1) Shri B. Jagdeesh,
14, Rajaji Road,
Salem Town.

(Transferor)

(2) Steel Dealers Association,
Madras Private Limited,
133, Rosappa Chetty St.,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land : T.S. No. 7/1-A, Block 17, ward "C"
Periyeri Village Salem Town.

(J. S. R. I/Madras North - Doc. No. 120/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 46/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property have a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 7/1C & 7 2A, Block 17, Ward "C", Periyer
Village, Salem Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at
J.S.R. I/Madras North (Doc. No. 119/85) on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said in-
strument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

(1) Shri B. Ravi ankar Bapu,
14, Rajaji Road,
Salem Town.

(Transferor)

(2) Steel Dealers Association Madras (P) Ltd.,
133, Rasappa Chetty Street,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land - T. S. No. 7/1C & 7/2A, Block 17, ward "C",
Periyeri Village, Salem Town.

(J. S. R. I/Madras North - Doc. No. 119/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
MADRAS-600 006

Date : 12-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 12th September 1985

Ref. No. 47/January/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 1, Thanja Murugappa Chetty St., situated at Park Town, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet—(Doc. No. 110/85) in Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
61—296 GI/85

(1) Sri Y. Jagannathan,
S/o Y. Venkatarayalu Naidu,
No. 18, Subba Rao Avenue,
Madras-600 034.

(Transferor)

(2) M/s. Khivraj Motors Limited,
No. 623, Mount Road,
Madras-600 006.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1, Thanja Murugappa Chetty St., Park Town, Madras.

J.S.R., Madras North Doc. No. 23/85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date : 12-9-85

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 71/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 242, Kilpauk Garden Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peraiyem—(Doc. No. 110/85) in Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. D. Ravi Shanker & 3 others,
242, Kilpauk Garden,
Madrass-10.

(Transferor)

(2) Mrs. Tahir Unnissa Begum,
53, Taylors Road,
Madrass-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land—Door No. 242, Kilpauk Garden Road, Madras-10.

(S.R.O. Peraiyem—Doc. No. 110/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 12-9-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

MADRAS, the 12th September 1985

Ref. No. 74/Jan./85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1882 situated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 88/85) in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri R. Bhaktavatsalam,
S/o M. Rajamanickam,
Plot No. 1882, Arignar Anna Nagar,
Madras-600 040. (Transferor)
- (2) Sri C. S. Rayalu,
S/o Subbiah,
J-55, Anna Nagar East,
Madras-102. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1882, Anna Nagar, Madras-40.

S.R. Anna Nagar (Doct. No. 88/85.)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 12-9-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 91/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 81, Moore Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Madras North (Doc. No. 148/85) on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the fair market value and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act to the following person namely:—

- (1) Sh. K. Venkataraman Achar
81, Moore Street,
Madras-1. (Transferor)
- (2) (i) Sh. A. Mohamed Sulaiman
(ii) Sh. A. Abdul Aleem
78, South Street,
Chakkarapalli, Ayyampet,
Papanasam Taluk, Thanjavur District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—No. 81, Moore Street, Madras-1.
(J.S.R. I, Madras North—Doc. No. 148/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 12-9-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 92/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 44, Arumugha Mudali Street, situated at Madras-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doc. No. 49/85) in Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. D. Amirthalingam & others
44, Arumugha Mudali Street,
Madras-21. (Transferor)
- (2) Smt. K. Vasanthi Bhat,
4, Ramaswami Street,
Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building—No. 44, Arumugha Mudali Street,
Madras-21.

(S.R.O. Royapuram—Doc. No. 49/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 12-9-85
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

MADRAS, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 48/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2892, Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at J.S.R. I/Madras North (Doc. No. 24/85) on Jan. 85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Y. Jagannathan,
18, Subba Rao Avenue,
Madras-34.

(Transferor)

- (2) Sh. Vimalchand Chordia (minor)
Father & Guardian: Sh. Prafulchand Chordia,
607, Mount Road,
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 2892, Anna Nagar, Madras-40.

(S.R.O. J.S.R. I/Madras North—Doc. No. 24/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 10-9-85
Seal:

FORM TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 49/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1690, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I/Madras (Doc. No. 25/85) on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Y. Jagannathan,
18, Subba Rao Avenue,
Madras-34.

(Transferor)

- (2) Pushapchand Chordia (minor),
Father & Guardian Sainikraj Chordia,
607, Mouni Road,
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—Plot No. 1690, Anna Nagar, Madras.
(S.R.O. J.S.R. I/Madras North—Doc. No. 25/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM No. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras, the 29th August 1985

Ref. No. F. No. 51 Jan/85:—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 31, III Line Beach Road, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II Madras North (Doc. No. 114/85) on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Prabhavathi Jain,
42, Rasappa Chetty Street,
Madras-3.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Saneh Latha Hirawat
2. Smt. Suresh Hirawat,
103, Angappa Naicken Street,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 31, III Line Beach Road,
Madras-1.
(J.S.R. II Madras North—Doc. No. 114/85)

K. VENUGOPALA RAJU

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date : 29-8-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras, the 29th August 1985

Ref. No. F. No. 56/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
5, Thambu Naicken Street, Madras-79
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sowcarpet (Doc. No. 3/85) on Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons :

62—296 GI/85

w

(1) Shri C. S. Vishnu,
5, Thambu Naicken Street,
Madras-79.

(Transferor)

(2) Shri T. Mahaveerchand Bothra,
99, Govindappa Naicken Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 5, Thambu Naicken Street,
Madras-79.

(S.R.O. Sowcarpet—Doc. No. 3/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madras

Date : 29-8-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600005

Madras, the 29th August 1985

Ref. No. 59/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
20, Kalathi Pillai Street, Madras-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at
Sowcarpet (Doc. No. 48/85) on Jan, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property or aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor or transferee under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been so
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Smt. Sumitra Gothi,
7, Mahaveer Colony,
E. V. K. Sampath Road,
Madras-7. (Transferor)
- (2) Shri Kewalchand Ostwal,
Smt. Amrao Devi,
118, Mint Street,
Madras-79. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 20, Kalathi Pillai Street,
Madras-1.

(S.R.O. Sowcarpet—Doc. No. 48/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Madras

Date : 29-8-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 31st July 1985

Ref. No. 65/1/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat 3 H. B., III Floor, 913, P. H. Road, Madras-600 010, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Periamet (Doc. No. 69/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) (i) Shri M. L. Patwari,
(ii) Miss Raksha Shah,
(iii) Shri Rewat Chand,
(iv) Smt. Sua Devi,
82, Narayana Mudaly Street, Madras-1.
(Transferor)

(2) Shri K. M. Periakaruppan,
P. K. N. House,
Viswanathapuram,
Ramachandrapuram Post,
Pudukkottai District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 3 H. B., III Floor, 913, P. H. Road, Madras-600 010.
S. R. O. Periamet. Doc No. 69/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
MADRAS-600 006

Date : 31-7-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Sri K. Bapanaiah,
8 Gandhi Avenue,
Parawalkam,
Madras-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

(2) 1. Mohdcoob Basha,
2. S. Basheer Ahamed,
3. Dinshat Unnisha,
24, Thiruvengada Street,
Periamet,
Madras-3.

(Transferee)

Madras-600 006, the 29th August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. No. 66/Jan./85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

17, Sami Pillai Street, Choolai, Madras-7.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Periamet (Doc. No. 78/85) on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) 1. any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 17, Sami Pillai Street, Choolai,
Madras-7,
(S. R. O. Periamet - Doc. No. 78/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 68/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 105, Door No. 15, Marshalls Road, situated at Egmore with 1/16th undivided share in the land, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 85/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savithri Tarachand,
Flat No. B-18, Swiss Apartments,
3, Jerniah Road, Vepery,
Madras-7.

(Transferor)

- (2) Smt. D. Zeenath,
Flat No 1, Triphi Building,
15, Marshalls Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Flat No. 105, Door No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras, with 1/16th undivided share in the land.

(S. R. O. Periamet, Doc. No. 85/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 72/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1074, Arignar Anna Nagar Scheme, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 68/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Peter Kao,
1074, West Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

(2) Smt. P. S. Sumathi Devi,
No. 9, 8th Lane, G. A. Road,
Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Plot No. 1074, Arignar Anna Nagar, Scheme, Madras.
(S. R. O. Anna Nagar. Doc. No. 68/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. S. Chezhiyan,
10A, West Mada Street,
Madras-15.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Verghese,
AK. 31, Arignar Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 75/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 30/1, 31/1 & 32/1 (Part) situated at Mullam Village
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc. No. 103/85 in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the Object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of
forty five days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of thirty
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within forty five days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Vacant Land S. No. 30/1, 31/1 & 32/1 (Part) Mullam
Village.

(S. R. O. Anna Nagar, Doc. No. 103/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985.

Ref. No. F. No. 79/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3912, Arignar Anna Nagar, Madras-40 situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 153/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamala Nayar and 3 others
11th Main Road,
Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri A. P. Rajendran,
K-56, Anna Nagar,
Madras-102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—Plot No. 3912, Arignar Anna Nagar
Madras-40.

(S. R. O. Anna Nagar—Doc. No. 153/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Venkatachalam,
No. 20, Chettiar Street,
Pattukottai,
Thanjavoor Dist.

(Transferor)

(2) (1) Shri A. R. Balakrishnan,
(2) Smt. Rajalakshmi,
107, D. 1, Main Road,
Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 80/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 4713, Anna Nagar, Madras-40 (Naduvakarai)
situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc. No. 178/85) on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

63—296 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Plot No. 4713, Anna Nagar, Madras-40
(Naduvakkarai).

(S. R. O. Anna Nagar — Document No. 178/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1985

Ref. No. F. No. 83/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 'F' together with 1/6th undivided share in the land
at Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc. No. 228/85) on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri L. K. Markandeyan,
Plot No. 799,
Anna Nagar,
Madras-40

(Transferor)

(2) Shri S. Balasubramani,
53, Block 'C' Anna Nagar,
Madras-600102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'F' together with 1/6th undivided share in the
land at Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40.

S. R. O. Anna Nagar—Doc. No. 228/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 22-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1985

Ref. No. 84/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. "E" in Plot No. 799 situated at Anna Nagar, Madras-40 together with 1/6th undivided share in the land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 229/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri L. K. Markandeyan,
Plot No. 799,
Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

- (2) Smt S. Selvakumar,
53, Block 'C' Anna Nagar
Madras-600 102,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. "E" in Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40 together with 1/6th undivided share in the land.

(S. R. O. Anna Nagar—Doc. No. 229/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 22-8-1985
Seal :

FORM IINS—

(1) Smt. M. Andalammal,
F-77, Anna Nagar,
Madras-102.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. N. Chandra Prabha,
81, 8th Cross Street,
Shenoy Nagar,
Madras-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 85/Jan/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat 'B' Plot No. 269, R. S. Nos. 45, 3, 4/4-A situated at
Periakudal Village.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 224/85).
on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building : Flat 'B', Plot No. 269, R. S. Nos. 45,
3, 4/4-A, Periakudal Village.
S. R. O. Anna Nagar— Doc. No. 244/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5845.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Phagwara
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at
Phagwara on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Hari Om Nanda S/o Kharaiti Lal
R/o 95-C, Model Town, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh Hayer S/o Hakam Singh,
Smt. Nirmal Kaur, W/o Shri Balwant Singh,
R/o Gaahawar, Teh. Phillaur,
Now 95-C, Model Town, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publications of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale
deed No. 2099 of 20-3-85 of the Registering Authority,
Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ret. No. A.P. No. 5846.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by virtue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shrimati Rita Bhalla w/o Sh. Sunil Bhalla
r/o 55-New Vijay Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) 1. Shrimati Kartar Singh Bhasin, S/o Beant Singh
2. Smt Varinder Kaur w/o Sat Pal Singh
3. Ravinder Kaur, W/o Surinder Pal Singh
4. Charanjit Kaur, W/o Harinder Pal Singh,
5. Satwant Kaur, w/o Jagmohan Singh
6. Surrinder Kaur w/o Davinder Pal Singh
R/o BIV 90, Prabhat Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 55 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar and Persons as mentioned in the registering deed No. 4245 dated 1/85 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Kumari Seema Gupta D/o Sh. J. K. Gupta,
R/o 425-L, Model Town, Jalandhar.
(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh S/o Amar Singh and
Smt. Avtar Kaur W/o Jarnail Singh
r/o 23-New Model Town, Jalandhar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. A.P. No. 5847.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
R. 1,00,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Plot No. 312 situated in Guru Teg Bahadur Nagar,
Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed
No. 4058 of January, 85 of the Registering Authority,
Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5848 and 5849.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Dr. Om Parkash Tokhi s/o Sadhu Ram
r/o V. Dhanowali Teh. Jalandhar Mukhtar-am
Sh. Ram Tirath, S/o Salig Ram
r/o 493 Krishan Nagar, Jalandhar (R.D. No. 4069)
and Sh. Rakesh Uppal l/o Ram Tirath
r/o as above (4070).

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Lal Tokhi s/o Sh. Sadhu Ram
r/o V. Dhanowali Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No: 11 & 12 situated in Master Tara Singh Nagar,
Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale
deeds No. 4069 and 4070 of dated January, 1985 of the
Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5850.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar Circle Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

64—296 GI/85

- (1) Shrimati Satya Devi Wd/o Sh. G. D. Madhar through General Attorney Sh. Mahesh Anand S/O Late B. R. Anand, 293-Lajpat Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Swaran Ram S/O Gurdas Ram and Gurmej Kaur w/o Swaran Ram r/o Village Malian Khurd Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 203 situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4124 of January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5851.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Hari Parkash S/o Lekh Raj
R/o 179-R, Model Town, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Harijit Singh S/o Harbans Singh &
Harpal Singh s/o Rawel Singh and Jarnail Singh
s/o Gurdial Singh
r/o 326-Lajpat Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 179 R. Model Town, Jalandhar and
persons as mentioned in the registered sale deed No. 4330 of
dated January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th September 1985

Ref. No. RAC. No 350/85-86.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

Site situated at Mindi Village, Ramanagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at
Visakhapatnam on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Etl Gouala Symala Rao, S/o Rama Rao,
D. No. 7-207, Mindi Village,
Ramanagar, Visakhapatnam-12.

(Transferor)

- (2) Smt. Pinnamaraju Suryavathi,
W/o. Srinivasa Raju & others,
Mindi Village, Ramanagar,
Visakhapatnam-12.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site total area 1032 sq. yds. situated at Mindi village
(Opposite to B.H.P.V. gate), Ramanagar, Visakhapatnam re-
gistered by the SRO, Visakhapatnam vide Document No.
3531/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 351/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Kesarapalli, near Gannavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registraring Officer at Gannavaram on 1/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Raja Venkata Gopala Krishna Apparao
S/o R. V. Murali Gopala Krishna Apparao
Zamindar, Nuzvidu, Krishna Dist. (Transferor)
- (2) Sri Chinta Ravikumar,
S/o Dr. Chinta Rangadhama Rao,
Gannavaram, Krishna Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet agricultural lands situated at Kesarapalli village, near Gannavaram Tq., Krishna Dist., total Acres 12.86 cents registered by SRO, Gannavaram vide Document No. 44/1985.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. 352/85-85.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the Said Act) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land situated at Kesarapalli, Gannavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Gannavaram on 1/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (1) Sri Raja Venkata Ramakrishna Apparao, Bahadur,
S/o R. V. Muraligopal Apparao Jamindar,
Nuzuvadu, Krishna Dist. (Transferor)
- (2) Smt. Chinta Bhanumathi,
W/o Dr. Ch. Rangadhama Rao,
Gannavaram, Krishna Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Wet agricultural lands in R. Sy. No. 162/2 admeasuring
Ac. 17.31 cents situated at Kesarapalli village, Gannavaram
Tq., Krishna Dist. registered by the SRO, Gannavaram vide
Document No. 43/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM NO. LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 353/85-86.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-
and bearing No. :

Flat situated at Aruna builders, Mogalrajpuram
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Vijayawada on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) M/s. Aruna Builders, rep : by its Mg. Partner
Sri V. S. P. Raju,
Mogalrajpuram, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri Madella Venkata Ramana
S/o Ram Narasimha Sastry,
A Flat in M/s. Arun Builders, Mogalrajpuram,
Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein an
are defined in Chapter XAX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in M/s. Aruna Builders, total area 900 sq. ft.
Mogalrajpuram, Vijayawada registered by the SRO, Vijaya-
wada vide Document No. 30/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 354/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Mogalrajpuram, Arun Builders (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Arun Builders, rep : by its Mg. Partner
Sri V. S. P. Raju
Mogalrajpuram, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sr Maganti Satyanarayana Murthy,
S/o Chidambaram,
Gen. Manager, M/s. Petro Chemical Ltd.,
Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in the premises of M/s. Aruna Builders, (total area 900 sq. ft. Ground floor, Mogalrajpuram, Vijayawada registered by SRO, Vijayawada vide Document No. 565/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 355/85-86.—Whereas, I

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Mogalrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Aruna Builders, Rep: by its partner
Sri V. S. Panduranga Raju,
Mogalrajpuram, Vijayawada. (Transferor)
- (2) 1. Dr. A. Dwarakanath, Civil Asst. Surgeon,
Govt. Hospital, Tanuku.
2. Mrs. Drawakanath, Tanuku, W.G. Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. EG-2 in Block No. 1 (East), total area 835 sq. ft. ground floor, Mogalrajpuram, Arun Builders, Vijayawada registered by SRO, Vijayawada vide Document No. 525/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Pahimunnisa, alias : Dildar Begum,
W/o Dr. Meerhirukkath Ali Saheb,
Main Bazar, Eluru, WG. Dist. (Transferor)
- (2) Sri Kada Kanaka Subramanva Charyulu & his sons,
Main Bazar, Eluru. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 356/85-86.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Daba situated at Main Bazar, Eluru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Eluru on 1/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

65—296 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 3A/58, Daba tiled, & tin shed (total area 283
sq. yds) situated at Main Bazar, Eluru, W.G. Dist., registered
by SRO, Eluru vide Document No. 161/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 357/85-86.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House & site situated at Innispet, Rajahmundry (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sri Nanduri Sai Ramamurthy,
S/o Prasada Rao & Others,
Latchipet, Vijayaada. (Transferor)
- (2) Smt. Bulusu Kasi Annapurnamma,
W/o Sitarama Sastry,
Innispet, Rajahmundry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 6-8-7, (admeasuring 500 sq. yds.) Innispet, Rajahmundry registered by the SRO, Rajahmundry vide Document No. 268/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 358/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Land situated at Vijayarai, Eluru Tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Eluru in January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Jaira Chandra Bhuj,
S/o Narasi & Others,
Billipara, West Bombay.

(Transferor)

- (2) Sri K. Raghavendra Rao,
Cine Director,
Mahalingapuram,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 47.55 cents situated at Vijayarai, Eluru Tq.,
W. G. Dist., registered by the SRO, Eluru vide Document
No. 305/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 359/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Daba situated at Santhapet, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as not deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Vizianagaram in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ravada Gopala Krishna,
(Retd.) Captain,
S/o Subbana,
H. No. 4-2-54, Kotha Agraharam, Santhapet,
Vizianagaram. (Transferor)
- (2) Smt. Mangalagiri Yethirajamma,
W/o Gopalakrishna,
6-1-13, Haji Shariff St.,
Vizianagaram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building D, No. 4-2-54, New Agraharam, Kothapet, Vizianagaram total area 325 sq. yds. registered by SRO, Vizianagaram, vide Document No. 432/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 326/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Maharanipet, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Paramount Constructions,
Rep : by its partner
Smt. B. Luxmi,
W/o Prabhat Kumar,
Dasapalla Hills,
Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Dr. Ch. Hariprasad,
S/o Ch. Venkatappaiah,
15-12-5, Maharanipet,
Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat on I Floor in D. No. 16-1-16, Maharanipet, Visakhapatnam registered by the SRO, Vizag vide Document No. 960/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 325/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Maharanipet, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Vizag in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Paramount Constructions,
Rep : by its partner
Smt. B. Laxmi,
W/o Prabhat Kumar,
D. No. 16-1-16,
Dachapalla Hills,
Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. M. Manorama,
Flat No. 6 on II Floor,
D. No. 16-1-16, Maharani pet,
Visakhapatnam.

THE SCHEDULE

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 2nd Floor in H. No. 16-1-16, Maharanipet, Visakhapatnam registered by the SRO, Visakhapatnam vide Document No. 965/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th September 1985

Ref. No. RAC. No. 324/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant site situated at Waltair ward, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Appan Venkata Ramakrishna Kumar,
S/o Suryanarayana,
Ambica Bagh,
Vishakhapatnam. (Transferor)
- (2) M/s. T. Gayatri Engineering Co. (P) Ltd.,
Rep : by its Managing Director
Sri T. Subba Rami Reddy,
Road No. 1, Banjara Hills,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 1742 sq. yards TS. No. 1011 near : Panduranga beach in Waltair Ward of Visakhapatnam registered by the SRO, Vizag vide Document No. 5626/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 327/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Vijaya apartments, Ameerpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, at pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vijaya Builders,
H. No. 7-1-70/B/1, NCH Road,
Dharam Karan Road,
Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Y. Laxmi Kantam,
601, Vijaya apartments,
NCH Road, Dharam Karan Road,
Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, in Vijaya apartments at NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1200 sq. ft. in premises H. No. 7-1-70/B/1, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 765/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 328/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Gitanjali apartments, West Marredpally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
66—296 GI/85

- (1) Miss. Kamlesh,
225/A, West Marredpally Road,
Secunderabad. (Transferor)
- (2) Mrs. Saradambal,
Flat No. 5, Gitanjali Apartments,
West Marredpally,
Secunderabad-26. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Gitanjali apartments, Secunderabad measuring 1500 sq. ft., registered by the SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 192/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 329/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Tirumala Towers, Hyderabad.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Khairatabad in 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Tirumala Towers Construction,
rep : by its Managing Partner
Sri M. S. Chandraian,
1-1-593/C, Gandhinagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Dr. P. G. Krishnamurthy,
2. Smt. Perali Indira
W/o Dr. P. G. Krishnamurthy,
H. No. 5-5-106, Khaleelwadi,
Nizamabad, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, C-Block, Tirumala Towers, I Floor, M. No.
1-4-1011, Gokonda X Road, Hyderabad registered by the
SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 115/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 330/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agril. lands situated at Inderguda, Ootpally Village
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
R. R. Dist. on 1/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely

(1) 1. Sri Adam S/o Sri Abdul Rahim,
2. Shri Ebrahim S/o Sri Bapu,
H. No. 11-1-305, Agapura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Md. Nauman Suleman,
S/o Sukman Gilletwala & Others,
H. No. 20-3-278, Hussaini Alam,
Hyderabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands (grape garden) Ac. 7-17 guntas at
Inderguda hamlet, Ootpally Village, R. R. Dist. registered by
the SRO, R R Dist., Hyderabad vide Document No.
511/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC, No. 331/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
Flat situated at Banjara Sadan, Himayat Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Khairatabad in 1/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Zannab Khatoon,
W/o Mr. Ifthekar Mehdi Khan
GPA : Sri Ali Khwaja,
"Banjara Castle",
Road No. 12,
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Venkata Visweswara Sastry,
S/o late Sri Padmanabha Rao,
B-42/F/1, Vijayanagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 'Banjara Sadan', 3rd floor, H. No. 3-6-782,
Himayatnagar, Hyderabad registered by the SRO, Khairata-
bad, Hyderabad vide Document No. 136/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 332/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Banja a Sadan, Himayat Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of pay income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Zannab Khatoon,
GPA : Sri Ali Khwaja,
No. 1 Banjara Castle,
Road No. 12,
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Indian Bank Employees' Union (A.P.),
C/o Indian Bank,
rep : by its President
Sri SVL Narasimha Sarma,
Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ground floor, 'Banjara Sadan', H. No. 3-6-782, Himayatnagar, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 137/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM FNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 353/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Skylark Apartments, Bashirbagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the said property, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Progressive Builders,
Rep. : by its Managing Partner Sri Quadeer Sultan,
H. No. 3-6-309, K. B. Layl Street,
Bashirbagh, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Chander K. Vepa,
W/o Sri K. Vepa, Flat No. 33, B-Block,
3-6-309, Skylark Apartments,
Bashirbagh, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, B-Block, H. No. 3-6-309, Skylark Apartments, Bashirbagh, Hyderabad registered by SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 78/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 334/85-86.—Whereas, I,
M JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

Flat situated at Ramakrishna-Sharada Apartments
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Chikkadpally in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s United Construction Co.,
H. No. 3-6-286, Himayatnagar, Urdu Gally,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. N. Murthy,
Quarter No. IC-346,
Bokaro Steel City,
Dhanbad District, (Bihar),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Ramakrishna-Sharada Apart-
ments, M. No. 3-6-223, Urdu Gally, Hyderguda, Hyderabad
registered by the SRO Chikkadpally, Hyderabad vide Docu-
ment No. 24/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 335/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Nandanam Construction Co.,
Rep. : by its Managing Partner
Sri P. Sivakumar Reddy, M. No. 5-8-42,
Fateh Sultan Lane, Nampally,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Soundaryamma,
W/o Sri K. Chandrasekhar Reddy,
Flat No. B-306, Nandanam Apartments,
M. No. 5-8-42, Nampally,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-306, M. No. 5-8-42, Nandanam Apartments, Nampally, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 627/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 336/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Poonam Apartments, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely:—
67—296 GI/85

(1) Smt. Suman Lata Sanghi,
W/o late S. S. Sanghi,
H. No. 5-9-58, Basheer Bagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Murli Parmanand,
S/o Lalchand Parmanand,
By his GPA : Kishanchand Sanghi,
Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B2/F6 in 3rd Floor at H. No. 5-8-512/517/C, Poonam Apartments, Chirag Ali Lane, Hyderabad registered by SRO, Hyderabad vide Document No. 218/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 337/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Mathrusri Apartments, Hyderguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Mathrusri Engineers & Builders (P) Ltd.,
Rep. : by its Chairman & Director,
Sr. M. V. Subba Rao,
H. No. 3-5-873, Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. E. Suseela Devi,
W/o Venkata Ramana Rao,
D-202, Mathrusri Apartments,
H. No. 3-5-873, Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. D-202, in 2nd Floor, Mathrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 26/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 338/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at ground floor, Nallakunta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Prakash Sadri,
H.No. 2-1-494, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. V. A. S. Prakasa Rao,
Andhra Bank,
Pittalavari Palem,
Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 (500 sq. ft.) at H. No. 2-1-513/3, Nallakunta, Ground Floor, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 82/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 339/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Lands situated at Ravalkole, Medchal Tq.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Medchal in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Sri Uppala Narasaiah.
(1) 2. Sri Uppala Kumaraswamy,
Ravalkole Village,
Medchal Tq., RR District. (Transferor)
(2) M/s Mogul Estates,
Rep. : By its Managing Partner
Sri Arif Mirza, Flat No. 501,
Sterling Apartments, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands total area Acres 52.53 Guntas at Ravalkole
village, Medchal Tq., RR District, registered by the SRO,
Medchal vide Document No. 822/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal .

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 340/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises situated at Anasuya Complex, Himayatnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s SJB Builders,
Rep.: by its partners 1. Sri K. Jayaprakash and Bharat Veer,
M. No. 3-6-10, Anasuya Commercial Complex,
Himayat Nagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s Syma Enterprises,
Rep.: by its partners 1. Smt. Marzia Abbos and 2. Sy. Begum,
H. No. 1-2-53, Domulguda,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises Nos. 101 & 103, Anasuya Commercial Complex, I Floor, H. No. 3-6-10, Himayatnagar, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1198/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 341/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Nandanam Construction Co.,
Rep. : by its Managing Partner,
Sri P. Sivakumar Reddy,
M. No. 5-8-42, Fateh Sultan Lane, Nampally,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. K. Vasantha,
W/o late K. Rajareddy,
C/o Flat No. B-102, Nandanam Apartments,
H. No. 5-8-42, Nampally Road,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-605/65 in 6th Floor of Block C, Nandanam Towers, in H. No. 5-8-42, Fateh Sultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1253/85

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 342/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Nandanam Construction Co.,
Rep. : by its Mg. Partner Sri P. Svakumar Reddy,
H. No. 5-8-42, Fateh Sultan Lane,
Nampally, Hyderabad.
(Transferor)
- (1) 1. Sri Bhupender Singh Chabda and
2. Smt. Surjeet Kaur Chabla W/o Bhupender Singh,
Flat No. C-701/67, M. No. 5-8-42,
Nandanam Apartments,
Nampally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C-701/67, in 7th Floor M. No. 5-8-42, Nandanam Apartments, Nampally Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1254/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. 343/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Prakash Apartments, Nallakunta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Prakash Sadre,
Prop.: Prakash Apartments,
H. No. 2-1-494, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Nagarathnam,
W/o V. L. Narayana,
M-6 Met Quarters, Airport,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 in 2nd Floor, at H. No. 2-1-513/3, "Prakash Apartments", Nallakunta, Hyderabad registered by SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 178/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri. Harishchand S/o Wadhmal,
4, Jawahar Nagar Colony,
P. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kanna Raju, S/o K. Narsiah,
H. No. 2-2-53, Pan Bazar,
Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC. No. 344/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot situated at Sardar Patel Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Marredpally in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 66, admeasuring 266.5 sq. yds, situated at H. No.
2-11-30, (156 to 159), Sardar Patel Road, (Cantonment),
Secunderabad, registered by the SRO, Marredpally, Secunde-
rabad vide Document No. 112/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

10-9-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC. No. 345/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated at Sardar Patel Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Marredpally in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Harish Chand S/o Sri Wadhmal,
4, Jawahar Nagar Colony,
P. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kanna Venkatesh S/o K. Narsaiah,
II. No. 2-2-53, Pan Bazar,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 65, admeasuring 266.5 sq. yards situated at H. No. 2-14-30 and 156 to 159, Sardar Patel Road, (Cantonment), Secunderabad registered by the SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 113/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1985

(1) Sri Chandrakanth,
12-13-284, Road No. 9,
Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Pradeep,
12-13-245, Road No. 5,
Tarnaka, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
Publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

Ref. No. RAC. No. 346/85-86.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot situated at Tarnaka, Lallaguda village
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Marredpally in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land in Survey Nos. 182/10 & 183/14 admeasuring
864 sq. yds situated at Tarnaka, Lallaguda village, Secundera-
bad registered by SRO, Marredpally, Secunderabad vide
Document No. 152/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC. No. 347/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jagiven Enterprises,
Rep : by Sri Gurdeep Singh
S/o Shri Dilip Singh,
H. No. 1-2-593/52, Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Veda Kumari,
Flat No. 6,
in H. No. 1-2-593/52,
Domalguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, **within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in premises H. No. 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 413/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1985

Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. RAC. No. 348/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Gaganmahal Road, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Eskay Associates,
Rep : by its partner Sri V. V. Kamat,
1-2-24, Gaganmahal Road,
Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Prabhakar Rao
S/o. Shri G. Venkateswara Rao,
1-2-593/17, Gagan Mahal Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat No. 203 admeasuring 985 sq. ft. at Gaganmahal Road, Domalguda, Hyderabad registered by SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 102/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. RAC. No. 349/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shed situated at Industrial Estate, Sanath Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Engineering Laboratories & Works (P) Ltd.,
Rep : by Sri R. Satyanarayana,
3-4-874, Barkatpura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Bhavya Engineering Co.,
Rep : by Sri Pranav V. Bhatia,
H. No. 6-3-345/3,
Road No. 1, Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial shed bearing No. C-30 in Sanath Nagar, Industrial Estate, Hyderabad measuring 1253.5 sq. yds. with 2993 s.ft. plinth area registered by SRO, Hyderabad vide Document No. 604/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl.5874.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Qr. LIG No. 303 situated at Padmanabhpur, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prahlad Rambhai Kote
S/o Shri R. W. Kote,
Bhilai,
Qr. No. 20-A, Street No. 31,
Bhilai Nagar.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwati Prasad Dewangan
S/o Shri Ayodhya Prasad Dewangan,
R/o L.I.C. Branch Office,
Bhilai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. L.I.G. No. 303 is situated at Padmanabhpur, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mill-
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS.— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5875.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Newly constructed house on plot No. 5 (Kh. No. 438/5), situated at New Shanti Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harikumari
W/o Shri R. S. Sharma,
Lecturer,
Girls Government Degree College,
Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Hemandkumar
S/o Shri J. P. Tewari,
R/o Chhotapara,
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Newly constructed house on plot No. 5 (Kh. No. 438/5) is situated at New Shantinagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl.]5876.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House on plot No. 443 situated at A-sector, Shahpura, Arera colony, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69—296 GI/85

- (1) Smt. Pushpa Hemnani
W/o Shri Ashok Memnani,
R/o LIG 103 Kotra Sultanabad,
Bhopal.

(Transferor)

- (2) Smt. Sashibala Chouksey,
W/o Shri J. P. Chouksey,
R/o 21E, Railway Colony,
Dwarka (Gujrat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 443-A Sector, is situated at Shahpura, Arera Colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5877.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Qr. MIG No. 178 situated at A-sector, Shahpura, Arera
colony, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bhopal in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Sanjay Kumar Mehta
S/o Shri N. K. Mehta,
Bapna colony,
21, Berasal Road, Bhopal
Thro' Gen. power of attorney,
Shri Shailendra Kumar
S/o Shri Rama Shanker Tripathi,
Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri Rama Shanker Tripathi
S/o Late Shri Budhsen Tripathi,
R/o Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing MIG No. 178 is situated in A-Sector, Shah-
pura, Arera colony, Bhopal. This is the immovable property
which has been described in form No. 37-G duly verified by
the transferee.

S. C. SHARMA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mill
Bhopal.

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5878.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 131/4 situated at Maharana Pratap Nagar, Zone-II Major shopping Centre, Habibganj Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. C. Joshi
S/o Shri B. D. Joshi,
R/o 139/1, Professor colony,
Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri Siddique Mohd. Khan
S/o Shri Abdul Samad Khan
C/o Shri Mohd. Sahid Khan,
Danish Grah Nirman Society
Near Kanji Miya Tent House,
Gali No. 2, Itwara,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 131/4 is situated at Maharana Pratap Nagar, Zone-II, Major Shopping Centre, Habibganj, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5879.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow on plot No. 53-A, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surjeet Kaur
W/o Shri Surjeet Singh Kohli,
53-A, Idgah Hills,
Bhopal (MP).

(Transferor)

(2) Shri Rameshchand Khatri
S/o Late Shri Lekhrajmal Khatri,
50-B, Ridge Road,
Idgah Hills,
Bhopal.

(Transferee) &

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungalow on plot No. 53-A, is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5880.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Out House Quarters No. 1013/1 to 1013/8 with plot No. 6/3, Block No. 4, situated at North Civil Lines, Near Napier Town Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Zoharabai
Wd/o Shri Nanabai,
1008/9, Napier Town,
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Dhirajlal Mehta
S/o Shri Morarji Mehta,
48, Narmada Road,
C/o Rajul constructions,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out House Quarters No. 1013/1 to 1013/8 with plot No. 6/3 (Block No. 4) is situated at North Civil Lines next to the locality of Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5881.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Double storeyed, building No. 6 situated at Martand Chowk
Hindu colony, Indore
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Indore in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dr. Dattatraya Aathle
S/o Shri Bhairaji Aathle,
2. Vansji and Kumar Dattatraya Aathle,
6, Marthand Chowk,
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ashirwad Trading Co.
Firm—136, Devi Ahilya Marg, Indore
Partners—Sh. Gopaldas S/o Madanlal Agrawal
(ii) Sh. Satishkumar S/o Madanlal Agrawal
(iii) Smt. Shashikala W/o Shyamkumar Agrawal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6 is situated at Martand Chowk, Hindu colony
Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5882.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 61/2 situated at Vill. Pipliya Kunwar, Dist. Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madanlal
S/o Shri Ambaram Tamboli,
R/o Vill. Pipliya Kunwar,
Teh. and Dist. Indore. (Transferor)
- (2) Shri Rameshchandra
S/o Shri Babulal Baheti (HUF),
Thro' Karta Dr. Ramesh B. Baheti
S/o Seth Sh. Babulalji Baheti,
R/o 22, Old Palasia,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 61/2 is situated at Vill. Pipliya Kunwar, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 29-8-1985
Seal :

FORM NO. 1/T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5883.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 56, 61/1 situated at Vill. Pipliya Kunwar, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri. Manoharlal S/o Ambaram Tamboli,
R/o Vill. Pipliya Kunwar, Teh. & Dist. Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Kailash N. Garg, (HUF)
Thro' Shri Kailash Chandra Garg
S/o Sh. Narainlalji Garg,
R/o 22, Old Palasia, Indore.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 56 & 61/1 is situated at vill. Pipliya Kunwar, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 3-9-85

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5884.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1-A situated at Indrapuri colony, Indore (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
70—296 GI/85

- (1) 1. Shri Sardar Kundansingh Bhullar,
S/o Sardar Ujagarsingh Bhullar,
1-A, Indrapuri Colony, Indore.
2. Sardar Harjinder Singh Bhullar,
S/o Sardar Kundan Singh Bhullar,
1-A, Indrapuri Colony, Indore.
Transferee(S)
- (2) 1. Smt. Laxmidevi W/o Shri Ashok Kumar Gupta,
R/o 24 Lodhi Mohalla, Indore.
2. Sh. Ashok Kumar Gupta
S/o Kashi Prasad Gupta,
R/o 24, Lodhi Mohalla, Indore.
(Transferor(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing No. 1-A is situated at Indrapuri Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37G-duly verified by the transferee.

(Strike off where not applicable)

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 4-9-85,

Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acq n/Bpl/5885.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
House No. 168 on plot situated at Shrinagar Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Indore in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Chandrakant S/o Shri Mahadev Sukanthnagar,
R/o 241 Shreenagar Colony, Indore.
(Transferor)

(2) Smt. Mohini Kunwar W/o Shri Hirendra Singh,
R/o MH. No. 52, Bank Colony,
Amoopnagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 168 on plot situated at Shrinagar Colony,
Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 4-9-8
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Shubhangi Nandkarni
W/o Sh. Jivaji Mangesh Nadkarni,
R/o 5/2, Y. N. Road, Indore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
RHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

(2) 1. Smt. Vijayawati Garg W/o Sh. Ram Chandrajji Garg,
2. Smt. Chandrakantabai Garg
Wd/o late Mohanlalji Garg,
R/o 16/1 Shakkar Bazar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5886.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Plot No. 1 & 2 Jai Builders Colony Scheme No. 2 situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at plot No. 1 & 2 Joy Builders Colony Scheme No. 2 is situated at Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-85.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5887.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 108 & House built thereon situated at Shrinagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Ist of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rajendra Singh Mehta,
S/o Sh. Dutesinghji Mehta,
R/o L. S. Smnagar, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Sitarant Khot S/o Sh. Namdey Khot
2. Rajesh Khot S/o Shri Vijay Kumar Khot,
R/o 15, Tukojirao Hospital Compound, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at plot No. 1 & 2 Joy Building Colony Scheme No. 2 is situated at Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 4-9-85.
Seal :

FORM NO. 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5888.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

M.H. No. C-1, Sitabagh Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

and is in violation with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Km. Shakuntla Shinde
D/o Shri Martand Rao Shinde
R/o C-1, Sitabagh Colony,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Virendra Dutt Gyani,
S/o Shri Vishnu Dutt Gyani,
R/o M. G Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.H. No. C-1 is situated at Sitabagh Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37 G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 3-9-85.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5889.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing M.H. No. C-1, Sitabagh Colony situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Miss Shakuntala Shinde
D/o Sh. Martand Rao Shinde,
R/o C-1, Sitabagh Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Suman Gyani W/o Sh. Virendra Dutta Gyani,
R/o M. G. Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.H. No. C-1 is situated at Sitabagh Colony, Indore. It is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 3-9-85.
Seal:

FORM ITNS: ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5890.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 141/1 to 161 situated at Vill. Kabir Khedi, Development Scheme No. 54, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kashibai W/o Shri Narayan
2. Mangal,
3. Shriram,
4. Ram Prasad S/o Narayan
5. Siddhai W/o Salagram
6. Sawat
7. Bhareshwar S/o Salagram
8. Ramesh,
9. Ramesh,
10. Someshwar S/o Nagi,
11. Brijlal S/o Fattaji,
R/o Vill. Kabir Khedi, Indore. (Transferor)
- (2) M/s Nyayik Karamchari Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dist. Court Premises, M.G. Road, Indore Thro' Dinkar Rao Upadhya. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 142/1 to 161 is situated at Vill. Kabir Khedi, Development Scheme No. 54, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 3-9-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5891.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 1/171/1 (New No. 27) situated at Station Road,
Subhash Marg, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Ujjain in Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Daishanlal S/o Sh. Amichandji Dabur,
R/o Kanchanbagh, Indore.
(Transferor)
- (2) M/s Ramkrishna Enterprises, Indore
Thro' Partner : Pradip Kumar Jaiswal
S/o Sh. Bholaramji Jaiswal,
R/o 53/4, Peshamwala Compound, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1/171/1 (New No. 27) is situated at Station
Road, Navcen Nam Subhash Marg, Ujjain

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 3-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5892.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1/171 (Backside thereof) New No. 23 situated at Station Road, Subhash Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71—296 GI/85

- (1) Smt. Satyawati Bai W/o Darshanlalji Dabar Arora
R/o Mohalla Kanchan Bag, Indore.

(Transferor)

- (2) M/s Ramkrishna Enterprises, Indore
Thro' Partner : Pradip Kumar Jaiswal
S/o Sh. Bhopalramji Jaiswal,
R/o Reshamwala Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Backside of House bearing No. 1/171 (New No. 28) is situated at Station Road, Subhash Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 3-9-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5893.—Whereas, I, S. C. SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House on plot No. B, Block No. 1 situated at Palasia-II C (New Palasia), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Anilkumar S/o Shri Motiramji
2. Sunilkumar S/o Shri Motiramji
3. Ajit Kumar S/o Shri Motiramji
Thro' father Shri Motiramji S/o Shri Radheymal,
R/o 19, Old Palasia, Indore. Transfeor(s)
- (2) M/s Javeri Constructions (P) Ltd.,
1/15, New Palasia, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. B, Block No. 1, is situated at Palasia II 'C' (New Palasia) Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 16-9-85.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5894.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One house, two wells & land Kh. No. 10, 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 & 52 situated at Vill. Palda, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhupendra Kumar B. Sethi,
Kamal Villa, Dewas Road, Ujjain (MP)
(Transferor)
- (2) Shri Laxminarayan S/o Pannalal,
68, Ushaganj, Main Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house, two wells and agricultural land Kh. No. 10, 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 & 52 are situated at Vill Palda.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 16-9-85.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5895.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 20 situated at Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Venugopal an S/o Shri Gopalji
2. Smt. Usha W/o Shri Venugopaln
R/o Road Transport Corporation Godwon,
Dewas Naka, Niranjapur,
Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Kamla S/o Shri Gurudas Rangnani
R/o 29, Ambar Building,
8th floor, 13/2, Mahatmagandhi Marg,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20 is situated at Palasia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 16-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5896.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 17, Block No. 10, 11 (Mun. Old No. 19—New No. 22) situated at Yeshwant Niwas Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Km. Vijayakumari
D/o Late Major Mohansinghi,
At present : Smt. Vijaykumar Deo
W/o Shri Prabhakar Deo,
2, M/s Kasturi Kanga Estate,
2 Street, Madras-86
Through General Power of Attorney
Smt. Bhanu Kumari
W/o Shri Arshad Rashid,
Rashid Kothi,
22, Yashwant Niwas Road,
Indore.

Transferor(s)

- (2) 1. Shri Dwarka Prasad Sureka,
2. Rameshchandra Sureka,
3. Sureshchandra Sureka,
4. Narendrakumar Sureka,
All Ss/o Radheyshyamji Sureka,
R/o 110, Kothari Market,
Indore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires last;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Block No. 10 & 11 (Old No. 10—New No. 22) is situated at Yeshwant Niwas Road, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Acquisition Range,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 16-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. AC/Acq/Bpl/5897.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 30 and house thereon situated at Kesar Bagh Road, Indira Gandhi Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jamnadas S/o Shivdayalji Sahu,
R/o Hemsan Colony 11,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Pradhep Kumar
2. Kamlesh Kumar
Ss/o Manakchandji Jain,
Smt. Manakbai
W/o Manakchandji Jain,
R/o 9/3, Mahesh Nagar,
Indore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 and house thereon is situated at Kesar Bagh, Indira Gandhi Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 16-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5898.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Open land with servant quarters situated at Near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Sarlakumari,
W/o Vardhamanji Dafaria,
Ritu Van, Rambagh,
Ratlam.

(Transferee)

- (2) Mohd. Hussain
S/o Shri Najmuddin Pakawala
2. Yunus Ali
S/o Shri Najmuddin Pakawala
3. Shabbir Hussain
S/o Shri Najmuddin Pakawala
4. Ishaq Ali
S/o Shri Najmuddin Pakawala
R/o Tahirpura,
Ratlam.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land with servant quarters is situated near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date : 4-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5899.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Land with servant quarters situated at Near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sarla Kumari
W/o Shri Vardhamanji Dafaria,
Ritu Van, Rambagh,
Ratlam. (Transferee)
- (2) Smt. Zarinabai W/o Najmuddin,
Pakawala, Tahirpura,
Ratlam. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Openland of 25,983 sq. ft. with servant quarters is situated near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5902.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 16 Kh. No. 92/7 P.H. No. 79 situated at Kasari Dih, Teh. Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

72-296 GI/85

(1) Shri Dinanath Bhattacharya
S/o Shri Ambikacharan,
R/o 1-A, Street No. 65,
6-Bhilai Nagar,
Dist Durg.

(Transferor)

(2) Shri Chitaraman Chatterjee
S/o late S. C. Chatterjee
R/o Qr. No. 4-A, Street No. 3,
Sector-10, Bhilai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Kh. No. 92/7 (P.H. No. 79) is situated at Kasaradih, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/AcqnlBpl/5904.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Village Bimlara, Katni
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Katni on Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. M. P. Lime Works,
784, Napier Town, Jabalpur
Jabalpur
Partners, Shri Enududdin &
Smt. Aparna Begum,
(Transferor)
- (2) Shri Sunil Mishra s/o
Shri J. P. Mishra
R/o Pavarkar Ward, Nai Basti,
Katni.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Village Bimlara, Katni. This is the
immovable property which has been described in form No.
37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5905.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Village Bhimtara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. M. P. Lime Works,
184, Napier Town, Jazalpur,
Partners : Shri Anedodin &
Smt. Aparaj Begum,

(Transferor)

(2) Shri Jamna Prasad Mishra &
Jagmohan Prasad Mishra,
S/o Shri Manakji,
Katni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 25/1A & 26/1 is situated at Vill. Bhimtara, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5913.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agriculture land Kh. No. 2 situated at Village Dewda, Teh. Jagdalpur, Dist. Bastar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on January, 1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pratap Kothari
S/o Gangaram Kothari
Village Sauarpal, Jagdalpur-Teh.
Dist. Bastar (M.P.). (Transferor)
- (2) Bastar Sewak Mandal,
Jagdalpur
Through President :
Shri Joseph Kuthiauck,
Jagdalpur,
Dist. Bastar (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2 is situated at Village Dewda, Teh. Jagdalpur, Dist. Bastar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5914.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Ratanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Bongarsingh
S/o Shri Bhorji Panwar,
Ratanpur Road, Phanda Development Block,
Teh. Huzur.

(Transferor)

- (2) Shri B. K. Dave
Shri J. S. Dave,
R/o Babariya Phatak, Hata,
Dist. Damoh.
2. Shri Santosh Pandey,
Teh. Hata,
Dist. Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Ratanpur Road, Phanda. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building,
Near Central India Floor, 1st,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITIN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5915.—Whereas, 1, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural land Kh. No. 3 of 16.23 acres situated at Village Souarpal, Deorda, Teh. Jagdalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the name of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ballavdas Kothari
Village Souarpal, Teh. Jagdalpur,
Dist. Bastar (Deorda). (Transferor)
- (2) Bastar Sewak Mandal,
Jagdalpur
Through President :
Shri Joseph Kuthunekal,
Jagdalpur, Dist. Bastar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 3 is situated at Village Souarpal, Deorda, Teh. Jagdalpur, Dist. Bastar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5916.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 700/9 on Plot No. 7, Modi Housing Co-operative Society Ltd., situated at Gwari Ghat (Tagore Nagar), Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhopal on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to by the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Chayarani Debi
W/o Shri S. B. Roy,
2. Smt. Kamla Bhattacharya
W/o Shri Bhattacharya
3. Smt. Subharanshu Bikas Roy S/o Sh. S. B. Roy
4. Smt. Svangshu S/o Sh. S. B. Roy,
R/o Tagore Nagar, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Col. P. C. Banerjee
Hospital, Bareilly).
S/o late J. N. Banerjee
Military Hospital, Jabalpur
(At present : Sainik Aspal Military (Military Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 700/9 on plot No. 7 is situated at Modi Co-op. Housing Society, Rampur Katanga, Tagore Nagar, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5917.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land No. 320/1 Area 4.31 Acre Khata No. 350 situated at Village Amagird Tehsil Burhanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Vithal
(2) Bhika
(3) Champa Lal
(4) Nirmala Bai
(5) Jasoda Bai
S/o Smt. Patiram
(6) Smt. Drapoti Bai
W/o Smt. Patiram Mahajan
R/o Alamganj, Burhanpur. Transferor(s)
- (2) (1) Shri Keat Johar
S/o Shri Ismail Bhai Masoori
R/o Itwara, Burhanpur.
(2) Shri Rattanlal Maheshwari Sanwara,
Burhanpur.
(3) Shri Yashwant
S/o Marakchand Solanki
R/o Budhwara, Burhanpur
(4) Shri Ishwardas Thakurdas Merchants,
Budhwara, Burhanpur
(5) Shri Chandulal Kantilal Solanki,
Budhwara Burhanpur
(6) Smt. Chaya Devi
W/o Shri Ishwar Dass Burhanpur.
(7) Shri Madhusudan Ghanshyamdas Sanwara,
Burhanpur.
(8) Shri Ram Swroon
S/o Chandmal Chowdhary Sanwar,
Burhanpur.
(9) Shri Karam Rattanlal Maheshwari, Sanwara,
Burhanpur. Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land at village Amagird Tehsil Burhanpur having kh. No. 320/1/Area 4.31 acres at Khata No. 350.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills,
BHOPAL.

Date : 13-9-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5925.—Whereas, I, **S. C. SHARMA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 18 situated at Vyayamshala, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on January 1985. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or are to be transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

73—296 GI/85

(1) Smt. Rukman Bai
W/o Madansinghji Neema Mahajan,
R/o 18, Vyayamshala,
Ujjain

Transferee(s)

(2) Shri Jagdish S/o Devichand,
2. Premlalta
S/o Devichand
W/o Jagdishchandji
R/o Khatri Wada,
Ujjain

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18 (Tribble storeyed) is situated at Vyayamshala, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills,
BHOPAL

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5926.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Part of House Mun. No. 43 situated at Mohalla Kotgali 5, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madanlal
s/o Shri Motilalji,
R/o Gudri Bazar,
s/o Shri Motilalji,
Ujjain

(Transferee)

(2) Shri Dineshchandra
S/o Shri Radharaman Pandya
R/o Freeganj,
Ujjain

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house Municipal No. 43 is situated at Mohalla Kotgali No. 5, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5927.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Municipal No. 46/1 situated at University Road No. 1, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ujjain on January 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohd. Idris
S/o Mohd. Ishaq,
R/o 349, Kaliyadeh Gate
Ujjain
Sarfraj Hussain
S/o Mohd Ishaq,
R/o 349, Kaliyadeh Gate
Ujjain

(Transferor)

(2) Shri Rameshchand
S/o Babooram Ji Arya,
R/o Kartik Chowk,
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal House No. 46/1 is situated at University Marg No. 1 Ujjain. This is the Immovable property which has been described in form No 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5928.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 1081 ka Bhag situated at Mauja Tikari, Distt. Betul, M.P. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in January, 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagannath Pd. Verma
S/o Ramdeen Verma,
R/o Tikari,
Teh. & distt. Betul M.P. (Transferor)
- (2) Shri Narendranath Bhargava
S/o Shri Bholanath Bhargava,
R/o Betul,
Teh. & distt. Betul M.P. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Part of Land Kh. No. 1081 is situated at Mauja Tikari Distt. Betul, M.P. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5929.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House situated at Shinde Ki Chaoni, M.D.B. Road, Laskar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. G. Datye,
M.L.B. Road,
Lashkar,
Gwalior,

(Transferor)

(2) Dr Uday Bhouslo
M.L.B. Road,
Lashkar,
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House is situated at Shinde Kil Chaoni, M.L.B. Road, Laskar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./B21/5930.—Whereas, I,

S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House MIG-E-7 situated at Rishi Nagar Colony,

Dewas Road, Ujjain.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at Petlaved (Jhabua) in Jan. 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Rameshwar
S/o Mangilal Garg,
K o Gonda Chowki,
Ujjain.

(Transferor)

- (2) Smt. Pushpa
W/o Sh. Prakashchandji Mandal
R/o Patni Bazar,
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respect persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. MIG E-7 is situated at Rishi Nagar
Colony, Dewas Road, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
BHOPAL

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5931.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 159, 161, situated at Vill. Sarwar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patlavad at Jhabua in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagirath
2. Ratanlal
S/o Lalchand Mehta Jain
R/o Bamniya Pargana,
Petlavad, Dist. Jhabua.

Transferor (s)

(2) 1. Shri Subhashchand
2. Rajendra Kumar
S/o Lakhmichand Nimja Jain,
R/o Karvad,
(Present Address : Jhaveri Bazar, Bombay)

3. Ashok Kumar
S/o Lakhmichand Nimja Jain,
Karvad,
Teh. Petlavad,
Dist. Jhabua.

4. Dharmendra Kumar
S/o Lakhmichand Nimja Jain,
R/o Karvad,
(Presently at 64, Jhaveri Bazar,
Bombay).

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 159, 161 is situated at Village Sanwar (P.H. No. 1) Teh. Pargana Petlavad, Dist. Jhabua. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
BHOPAL

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5932.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing
Land Kh. No. 100, 102, 103, 104, 151, 226, 300 & 65 situat-
ed at Vill. Sanwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at Petlavad (Jhabua) in Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Vajechandra
2. Bhagirath
3. Rattanlal
S/o Lalchand Mehta Jain
R/o Bamniya Pargana,
Petlavad, Dist. Jhabua.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Subhashchandra Lakhmichand
2. Rajendra Kumar
S/o Lakhmichand Nimja Jain,
R/o Karvad,
Presently at 64, Jhaveri Bazar,
3. Ashok Kumar
S/o Lakhmichand Nimja Jain,
Karvad,
Teh. Petlavad,
Dist. Jhabua. (M.P.).
4. Dharmendra Kumar Lakhmichand Nimja Jain,
R/s Karvad
(Presently at 64, Jhaveri),
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 65, 100, 102, 103, 104, 151, 226 & 300 is
situated at Vill. Sanwar, Dist. Jhabua. This is the immov-
able property which has been described in form No. 37-G
duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
BHOPAL

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM 112B

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq[Bpl.]5933.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000/- and bearing House No. 44 (part of) situated at Mahatma Gandhi Marg, ward No. 11, Sanawad—Teh., Block Barwah Dist. Khargone (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sanawad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

74—296 GI/85

- (1) Shri Amraji
S/o Sitaram Gujar
2. Jagannath
S/o Sitaram Gujar
3. Gopilal
S/o Sitaram Gujar
4. Gabru
S/o Sitaram Gujar
5. Gyanibai
Wd/o Sitaram Gujar
6. Sujanbai
Wd/o Sitaram Gujar
R/s Khedi, Teh. Badwah, Dist. Khargone.
(Transferor)
- (2) Harisharsha
S/o Maganlalsaji Lad Mahajan Karta of HUF,
R/o Khedi, Teh. Badwah, Dist. Khargone.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44 part (thereof) is situated at Block Barwah, Teh. Sanawad, Dist. Khargone. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5934.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 400 situated at Bhavani Marg, Ward No. 9, Sanawad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sanawad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Sohanlal Kashiram,
Bhavani Marg, House No. 400,
Sanawad.

(transferor)

- (2) 1. Shri Babulal
Gopalji Gujar
2. Sunderlal
S/o Babulalji Gujar
3. Kadwaji
S/o Babulalji Gujar
4. Inderlal Babulal Through Guardian &
Karta Smt. Godavaribai
W/o Babulal Gujar,
All R/o Tasgaon Tappa,
Teh. Sanawad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 400 is situated at Bhavani Marg, Sanawad. This is the immovable which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5935.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Land Kh. No. 131/3 situated at Vill. Revati, Teh. Sanwar,
Teh. Sanwar, Dist. Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Sanwar in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Anjulabai
W/o Kanhaiyalalji Soni,
R/o 65, Narsing Bazar,
Teh. & Dist. Indore,

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar
S/o Mangilalji Kala,
D/o Khategaon, Dist. Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 131/3 is situated at Vill. Revati, Teh. &
Dist. Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anil Kumar Thakral,
Director Saumati Metals Ltd.,
Lalwani Press Road, Bhopal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Oramco Chemicals (P) Ltd.,
5, Rambag, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5936.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 172 situated at Vill. Pityara, Badnawar, Dist. Dhar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Badnawar on Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 172 is situated at Vill. Pityara, Badnawar, Dist. Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Bhuri Bai Wd/o Gangaram Kulmi,
R/o Vill. Ekalduna (Digtan), Dist. Dhar.
(Transferor)
- (2) Indore leather (P) Ltd.,
Foreign Liquor Unit
Thro' Director, Shri M. M. Novetiya, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5937.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Village Ekalduna (Digthan), Dist. Dhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhar on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at situated at Village Ekalduna (Digtan), Dist. Dhar.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5938.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House bearing No. 157 (1) situated at Jawahar Marg, Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thansukhal S/o Soubhagmalji Talati,
Saraswati Bhavan, Freeganj, Ujjain. (Transferor)
- (2) Smt. Raisabano W/o Zakir Hussainji,
Khatija Manzil Station Road, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 157(1) is situated at Jawahar Marg, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Jagdeesh Chandia S/o Shri Moolchandji
Atoliya, R/o 52, Shradhhanand Marg
(Chhaoni), Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Hemlata W/o Shri Gulabchand Shah
R/o 132, Snehnagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5939.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Nai Bhumi Plot No. 92 ka plat situated at Agarwal
Nagar, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(Nai Bhumi) Plot of plot No. 92, is situated at Agarwal
Nagar, Indore. This is the immovable property which has
been described in form No. 37-G, duly verified by the trans-
feree.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS

BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5940.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 4 situated at Shri Ram Nagar Colony, Kesharbagh
Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Indore on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal S/o Shri Harishanker Mishra,
9, Lad Colony, Indore. (Transferor)
(2) Smt. Sarladevi W/o Shri Rajendrakumar Gandhi,
R/o 4/3, North Raj Mohalla, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, is situated at Shri Ramnagar Colony, Kesarbagh
Road, Indore.

S. C. SHARMA/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5941.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3 situated at Sheth Apartment, Kailash Park
Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Indore on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Vallabhdas Maganlal Sheth,
C/o Bank of Baroda, Main Branch, Baroda.
(Transferor)
(2) Smt. Shakuntala W/o Shri Krishnakanth Sheth,
Sheth Apartment, Kailash park Colony, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, Sheth Apartment, is situated at Kailash Park
Colony, Indore. This is the immovable property, which
has been described in Form No. 37-G, duly verified by the
assessee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
75—296 GI/85

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vallabhdas S/o Shri Maganlal Sheth,
R/o Bank of Baroda Main Branch, Baroda.
(Gujarat).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING
T. T. NAGAR, BHOPAL

(2) Shri Keertikand S/o Shri Vithaldas Sheth,
7-C, Sheth Apartments, Kailash park Colony,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/5942.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4 situated at Plot No. 7-C, Sheth Apartments,
Kailash Park, Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Indore on January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of that said,
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, Plot No. 7-C, Sheth Apartments, Kailashpark
Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, the following
persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Jairam S/o Ramaji, Vill. Bicholi Hapsi,
Near Kanadia, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Maharaja Bhartendra Singh
S/o late H. H. Yashodhar Singh of Kilchipur—
Now at 100/2, Saket Nagar, Indore. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE
4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING
T. T. NAGAR, BHOPAL**

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5945.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 72, 73 situated at Vill. Bicholi Hapsi, Near Kanadia Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 72 & 73 is situated at Vill. Bicholi Hapsi, near Kanadia, Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING
T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5946.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 144 and the house thereon situated at Vishnupuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manoharlal S/o Shri Govindramji Bab'ani
R/o 144, Vishnupuri Colony, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Harvinder Kaur W/o Paramjit Singh
R/o 960, Khatiwala Tank, Indore.
2. Mecipal Singh S/o Gurudayal Singh,
R/o 44-B, Premnagar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 144, and the house thereon is situated at Vishnupuri Annex colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-9-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING
T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5947.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 38 & double storeyed building situated at Katju
colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Indore in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

- (1) Shri Manoharlal S/o Vyavaharimalji
Narayandas S/o Vyavaharimalji
R/o Sindhu Nagar, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Ghanshyamdas S/o Shrichandji &
Kamlabai W/o Shri Ghanshyamdasji
R/o H No. 36, Katju, Colony, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 38, the double storeyed building thereon is situa-
ted at Katju Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sunita Chopra W/o Shri Indramohan Chopra,
R/o 10/2, Ushaganj, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gangadevi W/o Shri Madanmohan Pathak,
Datia (MP).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING

T. T. NAGAR, BHOPAL
Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5948.—Whereas, I,

S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 72 situated at Janki Nagar Extension, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 72 is situated at Janki Nagar, Extn., Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING
T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5949.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 196 & the godown thereon situated at Transport Nagar, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. S. Transport Co.,
196/1, Transport Nagar, Indore,
Thro' Prop. Gurmit Singh S/o Balwant Singh
R/o 162, M. Khatiwala Tank, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Amina W/o Taher Ali
(Prop. of M/s. Amina Transport Nagar)
R/o 1601, Transport Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 196 & the godown thereon is situated at Transport Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5950.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. House No. 12B situated at Vishnupuri Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. Chandansingh S/o Bhag Singh,
R/o 128, Vishnupuri Annex, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Rochi Bai W/o Chimanlal &
Shri Chimanlal S/o Tahaldas Karamchandani,
47, Kumavanpura, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing, to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12B is situated at Vishnupuri Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5951.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. House bearing No. 7, situated at Pipali Bazar, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

76—296 GI/85

- (1) Smt. Sushila Rani Gupta W/o Ramdayalji Gupta Sudarshan S/o late Shri Ramdaya ji Gupta R/o 10/4, Manoramaganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Kamalkumar S/o Shankerlal Soni, Manishkumar S/o Kamalkumar, 62, Mahavir Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 7 is situated at Pipali Bazar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5952.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 9, situated at New Dewas Road, Ahilya Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 12.9.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Kashibai W/o Gangadhar Verma,
R/o House No. 68, New Dewas Road, Indore.
(Transferor)

(2) Sri Dulipkumar S/o Kantilalji
Balant Kumar S/o Babulji,
R/o 86, Valabh Nagar, Indore,
C/o Hind Medical Store, Indore,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 is situated at New Dewas Road, Ahilya Matu Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5953.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 37/3 situated at Mohanpura, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Abdul Majid S/o Mubd. Isaq,
37/4, Mohanpura, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Jabbir Hussain S/o Abed Ali,
Bohla Bazar, Khushal Gach, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 37/3 is situated at Mohanpura, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5954.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 365 situated at Vishnupuri Annex Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Swarna Singh S/o Jagirsingh,
R/o H. No. 24, Nanda Nagar, Road No. 1,
Indore. (Transferor)
- (1) Shri Pyarasingh S/o Dilipsingh,
Karnal Singh S/o Dilipsingh and
Baljitsingh S/o Hoshiar Singh,
R/o 13, Janki Nagar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 365 is situated at Vishnupuri Annex Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5955.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at Indrapuri Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shivshanker Sharma S/o Shri Rajendra Sharma, Thro General power of attorney Shri Tarachand S/o Budharamji Tuteja, 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Jogendra Kaur W/o Gyansingh & Shri Gyansingh S/o Bhagatsingh, R/o 77, Pratap Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 is situated at Indrapuri Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5956.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 7-B & n use hereon bearing No. 123/1 situated at Labariya Bheru, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

and, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manjit Singh S/o Jaswantsingh,
R/o 123/1, Labariya Bheru, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Hakimuddin S/o Nazar Hussain
Iqbal Hussain S/o Nazar Hussain
R/o Babariya Bheru, Dhar Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7-B and the bearing No. 123/1 thereon situated at Labariya Bheru, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq'n/Bpl./5957.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
House No. 97 situated at Jairampur Colony,
Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Indore in January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Khuram S/o Moolchandji Somani,
R/o 97, Jairampur Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Lata Devi W/o Sureshkumar Chawla,
R/o 55-MIG Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 97 is situated at Jairampur Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 4-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq n/Bpl./5958.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 58 (ground floor) situated at Agarwal Nagar, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pragati Construction Co.
Thro Partner : Sanatkumar Ka'yanmal Badjatya
R/o 146, Jaora compound, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Sarladevi W/o Shri Ramesh Kumarji Tiwari
R/o 58, New Agarwal Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58 and the flat No. 1 (Ground floor) built thereon is situated at Agarwal Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM. I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Badjatya Construction Co.,
25, Jaora Compound Indore,

(Transferor)

(2) Smt. Bhawati Bansal W/o Satya Prakash Bansal
Badjatya Apartment, 106, Scheme No. 47,
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. LAC/AcqN/Bpl./5959.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 106 and the flat No. 106 built thereon (1st floor) situated at Scheme No. 47, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 106 and the flat No. 3 (1st floor) built thereon is situated at Scheme No. 47, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :—

77—291GI/85

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5960.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 46 and the house built thereon situated at Rajmahal Colony (Extension), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hastanand S/o. Shri Vatumalji Jetvani,
45, Rajmahal Extn., Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Abha Yadav W/o Shri Jagdish Prasad Yadav,
Vill. Khidkiya, Dist. Hoshangabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46 and the house built thereon is situated at Rajmahal colony (Extension), Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s Vrindavan Apartments 'Thro' Partner
Shri Balkrishna Agrawal S/o Ehri Doulatram
Agrawal, R/o 158, Saket Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Nira H. Lal W/o Shri H. S. Lal,
R/o 43, Saket Nagar, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5961.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as
the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
House situated at
No. Plot No. 779 and the house No. 6 thereon
situated at Manishpuri Colony, Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
Indore in January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 779-B and the flat No. 6 thereon situated at 6,
Manishpuri Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date: 11-9-1985
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. LAC/Acq/Bpl/5962.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 44/1042
situated at Khasgi Road, land behind Datt Mandir, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Gwalior on Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Dinanath Shadija
S/o Hemandas Shadija,
R/o Chhatra Bazar,
Lashkar, Gwalior,

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar
S/o Shri Srichandji
R/o Datt Mandir, Khasgi Road,
Lashkar, Gwalior,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44/1042, Khasgi Road, Datt Mandir ke pichhe,
Gali, Gwalior. This is the immovable property which has
been described in form No. 37-G, duly verified by the trans-
feree.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5827.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ground floor & the floor at 277 M at 247, Saket Nagar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sohanlata
W/o Sh. Mahgal Sen Bajaj and
Shri Kiran Bajaj
Shri Mangal Sen Bajaj,
71, Patrakar colony, Indore. (Transferor)
- (2) Master Nitin Minor Son Dr. K. R. Tekchandani,
3, Amber Buld. 13/2, M. G. Road,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (Ground floor & the floor) is situated at 247, Saket Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Aayakar Bhawan, Hoshangabad Rd.,
Bhopal

Date : 12-8-1985

Seal -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5828.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and property No.
1st floor at H. No. 247, Saket Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Section 269-AB of the said Act
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transac-
tion of which has been deemed to have been registered
under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the
Competent Authority at
Bhopal on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Sohanlat
W/o Sh. Mahgal Sen Bajaj and
Shri Kiran Bajaj,
71, Patrakar colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Rukmani Tekchandani,
3, Amber Bld. 13/2, M. G. Road,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Building) 1st floor at H. No. 247 is situated at Saket
Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Aayakar Bhawan, Hoshangabad Rd.,
Bhopal

Date : 12-8-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R.N.T. Marg, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Bharatkumar Vijayakumar Khajanchi,
Khandhi Niwas, Amraoti.
(Amraoti). (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M. P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5900.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 20 (Ground floor) Jhabua Tower, 170, R.N.T. Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 20 (Ground floor), Jhabua tower is situated at, 170, R.N.T. Marg, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal
"Ayakar Bhawan", Opp. Maida Mill
Hoshangabad Road,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5901.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 6-A (1st floor) Jhabua Towers, 170, R.N.T. Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R.N.T. Marg, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Jayant Gojal Phadke,
Vasudco, Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6-A (1st Floor), Jhabua tower is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
"Ayakar Bhawan", Opp. Maida Mill
Hoshangabad Road,
Bhopal

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M. P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5903.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 6-B (1st floor) Jhabua Towers, 170, RNT Marg, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78—296GI/85

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R.N.T., Marg, Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Bondra Mukherji, & Dr. D. Mukherji,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6-B (1st floor), Jhabua Towers, is situated at R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
"Ayakar Bhawan", Opp. Maida Mill
Hoshangabad Road.
Bhopal

Date : 5-9-1985

Seal :

FORM No. ITNS—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shyamsunder Malpani,
Indore,
(41/1, South Tukoganj)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5906.—

Whereas, I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a Fair Market Value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 1-A (1st floor) of Jhabua Towers, 170, RNT,
Marg, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Section 269-AB of the said Act,
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of
transaction of which has been deemed to have been registered
under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the
Competent Authority at
Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1-A on 1st floor of Jhabua Towers is situated at
170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5907.—
Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 5 (1st floor) of Jhabua towers, 170, RNT Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48 of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Krishna Devi Suganchand Agrawal,
91, Imli Bazar,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5 (1st floor) of Jhabua Towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN, .
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5908.—

Whereas, I. S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 17, 24 & 26-A (Ground floor) of Jhabua towers, 170, RNT Marg, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Kumar Gordhandas,
183, Vidhya Nagar,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, 24 & 26-A on ground floor of Jhabua towers is situated at 170 RNT Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5909.—

Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 21 on ground floor of Jhabua towers, 170, R. N. T. Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Jhamad,
45-A, Prem Nagar,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21 on ground floor of Jhabua towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Indranarayan Awasthi,
153, Radio Colony,
Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5910.—

Whereas, I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 10, on ground floor of Jhabua towers, 170, RNT,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Marg, Indore,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto)
has been transferred under Section 269-AB of the said Act,
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of
transaction of which has been deemed to have been registered
under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the
Competent Authority at
Bhopal on May 1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person:—namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 on ground floor of Jhabua towers is situated at
170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5911.—

Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 23rd/25 on Ground floor, Jhabua towers, 170, RNT Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal Anand,
S/o. Late Lala Dinanath Anand,
12, Yeshwant Colony,
Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 23rd/25 on ground floor of jhabua towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs. Madanmohan Bangia,
10, Sangam, 16, Little Gifts Road,
Malabar Hills, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5912.—

Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Act), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19 (Ground floor) Jhabua Towers, 170, RNT Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 19 on ground floor of Jhabua Towers, is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5918.—

Whereas, I. S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 3-A, (1st floor) Jhabua Tower, 170, R. N. T. Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

79--296G1/85

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrawalibai,
315, North Rajmohalla,
Indore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3-A on 1st floor of Jhabua Tower is situated at 170, RNT Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ameetkumar,
S/o. Anilkumar,
315, North Raj Mohalla,
Indore.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5920.—

Whereas, I. S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 7 on 1st floor of Jhabua Tower, 170, RNT Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Office No. 7 on 1st floor of Jhabua Tower, is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM IIS

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)

(2) Smt. Sandhya
W/o. Maheshkumar,
12, Shastri Market,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5921.—

Whereas, I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 4-B on 1st floor of Jhabua Towers, 170, RNT
Marg, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Section 269-AB of the said Act,
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of
transaction of which has been deemed to have been registered
under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the
Competent Authority at
Bhopal on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office No. 4-B on 1st floor of Jhabua Towers is situated at
170, R.N.T. Marg, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sandeep Kumar
S/o. Sunil Kumar,
315, North Raj Mohalla,
Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5922.—

Whereas, I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 4-A (1st floor) of Jhabua Towers, 170, RNT Marg,
Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Section 269-AB of the said Act,
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of
transaction of which has been deemed to have been registered
under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the
Competent Authority at
Bhopal on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 4-A on 1st floor of Jhabua Towers is situated at
170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5923.—

Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land Rambagh, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarla Kumari W/o Shri Vardhaman Dafaria,
R/o Rituvan, Rambagh, Ratlam.

(Transferor)

(2) (1) Mohammed Hussain
(2) Yunusali
(3) Shabbir Hussain
(4) Ishaqali,All minors Through their natural guardian,
father Najmuddin Abbasbhai Pakawala,
Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Rambagh, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37EE duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5924.—

Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Servant quarters near Mun. Street No. 18, Rambagh, Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :

(1) Smt. Sarla Kumar W/o. Shri Vardhaman Dafaria,
R/o. Ritu Van, Rambagh, Ratlam. (Transferor)

(2) Smt. Zarinabai
W/o. Najmuddin Pakawala,
R/o. Taherpura, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with servants quarters is situated near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date : 5-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/643.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing A single storey built house on plot No. K-21, mg. 311 situated at sq. yds. situated at Kailash Colony, New Delhi-48 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parkash Kumari w/o Sh. Kartar Singh Chander, Resident of K-21, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Neena Seth, w/o Sh. Satish Seth, R/o G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storey built house on Plot No. K-21, measuring 311 sq. yards situated at Kailash Colony, New Delhi 48.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. J. C. Malhotra,
1-346, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Aarohi Apartments (P) Ltd.,
E-207, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/644.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-78, Greater
Kailash-II, mg. 501 sq. yds. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-78, Greater Kailash-II, New Delhi, mea-
suring 501 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/645.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the "said Act") have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S-439,
Greater Kailash-I, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
80—296GI/85

- (1) Mrs. Swaroop Kaur w/o Harbans Singh Baxi,
R/o 131, Palika Bazar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Dany Diary and Food Engineers Pvt. Ltd.,
Dehradun Road, Saharanpur, through its Director
Mrs. Nargis Malik.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second Floor (Barsati floor) of Property No. S-439,
Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/647.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. F. and Basement floor of property No. S-170, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 45% of 300 sq. yds. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b) the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Seema Aggarwal
D/o Sh. S. P. Aggarwal
R/o E-482, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferor)

- (2) Mrs. Parminder Berry
W/o Sh. P. R. Berry,
Master Pankaj Berry & Master Neeraj Berry,
R/o 328, Lajpat Nagar, Jullunder,
(Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground Floor & Basement Floor of property No. S-170, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 45% of 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/1/85/648.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3, Block No. A, area 200 sq. yds. situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shiv Prahlaad Singh
S/o Sh. Dewari Singh,
R/o House No. 112, Hari Nagar (Tihar)
D. D. A. Flats, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Kumar
S/o Shri Satpal Vir,
Smt. Kiran Devi
W/o Sh. Pawan Kumar,
R/o 168, III-C, Nehru Nagar,
Gaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 3, Block No. A, area 200 sq. yds. situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi-48.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/649.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. II-F/63, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Swarup Dua
II-E/49, Lajpat Nagar,
New Delhi.
(2) Smt. Bimla Rani
W/o late Ajit Singh
R/o II-F/63, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

II-F/63, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ret. No. IAC/Acq.1/SR-III/1-85/650.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
property No. A./464, Defence Colony, New Delhi, mg. 226
sq. yds.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Lal
S/o Sh. Thakur Dass
R/o C-160, Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Harbans Kaur
W/o S. Gurnam Singh Kaloty,
R/o C-1 & 3, Karbala Colony,
Lodhi Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring No. A/464, Defence Colony, New
Delhi, measuring 226 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/652.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Property No. F-607, Greater Kailash-II, mg. 100 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. H. L. Sekhari
S/o Sh. M. L. Sekhari,
as Karta of M/s. H. L. Sekhari HUF.
R/o 217, D.D. A. Flats, Haus Khas,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Saroj Sabarwal.
W/o Sh. Inder Raj Sabarwal,
R/o S-405, Greater Kailash-I,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat on the Second Floor in the rear portion of property No. F-607, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 1100 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/653.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 46, NH-IV, Part-IV, National Park, situated at Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 200 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Harbans Kaur Narula
W/o late Ram Singh Narula
R/o 9914, Parda Street,
Nawab Ganj, Pul Bangash,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Mehta
S/o Atam Prakash
R/o D-196, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46, NH-IV, Part-IV, measuring 200 sq. yds.
National Park, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Bhagwati Builders,
E-588, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Rani Dang,
W/o Late Lachhman Dass,
R/o 16-National Park,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/654.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Second floor of property No. E-101, Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 1350 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor flat of Property No. E-101, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 1350 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/655.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24 storeyed bldg. No. D-42, in N.D.S.E.I, situated at New Delhi, mg. 143 sq. yds. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

81—296GI|85

(1) Mr. Sham Sunder Thukral,
Mrs. Manorma Thukral,
both R/o D-42, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi-49.

(Transferor)

(2) M/s. Ajantas Shilpalaya (P) Ltd.,
A-6, Ring Road, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storey bldg. No. D-42, in N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49, measuring 143 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/656.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 10, D-395, Defence Colony, mg. 354 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds an apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Kartar Singh
72/A, Jawahar Quarters,
New Begam Bridge,
Meerut, (Transferor)
- (2) Upper Ganges Sugar & Inds. Ltd.,
9/1, R. N. Mukherjee Road,
Calcutta. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. D-395, Defence Colony, New Delhi, ad-measuring 354 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/657.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Property No. E-605 Greater Kailash-II, mg. 969 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pradcep Shankar Bhatt and Ashish Shankar Bhatt Ss/o Amba Shankar Bhatt, through attorney Satish Seth R/o G-1/16, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sudhakar Sharma S/o Nandlal Sharma and Smt. Rupinder Sharma W/o Sudhakar Sharma, S-21, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Frist floor rear portion of property No. E-605, Greater Kailash-II New Delhi, measuring 696 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 13-9-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/659.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, Prithvi Raj Road, area 2.52 acres situated at New Delhi (area about 5000 sq. ft.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Urmilla Devi
6, Panch Sheil Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Rohit Tower Building Ltd.
28, Najafgarh Road, New Delhi-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6, Prithvi Raj Road, New Delhi Total area—2.52 acres.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. ACI/Acq I/SR-III/1-85/660.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. S.267, Greater Kailash-II, situated at New
Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
persons namely :—

- (1) Shri Ashok Vohra
8/1 South Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Pankaj Khushwaha
S/o S. S. Khushwaha,
R/o B-6/8, Local Shopping Centre, Safdarjung
Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Flat on First Floor Part of Property No. S-267 Greater
Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-85/661 —Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. A-253, Defence Colony, New Delhi situated at
New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
[transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Sh. Pritpal Singh S/o Shri Trilochan Singh,
57, Hemkunt, New Delhi.

(Transferor)

- (2) The India Assurance Co. Ltd.,
Gulab Bhawan, 6, Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No A-253, Defence Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I SR-III/1-85/662.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Govt. built property No. C-II/34, Lajpat Nagar, situated at New Delhi measuring 100 sq. vds.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal Soneja,
R/o 7/20, Daryaganj Delhi-2. (Transferor)
(2) Mohan Lal Shangari,
R/o C-II/34, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Govt. built property No. C-II/34 Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 13-9-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III, 1-85/663.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 4,00,000/- and bearing No.
M-114, Greater Kailash-II, New Delhi-48, mg. 505 sq. yds.
situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Niranjan Dass Sehgal
Shri Surinder Kumar Sehgal,
R/o H-40/C, Saket, New Delhi-17. (Transferor)
(2) Shri Gurcharan Singh Arora
Smt. Jagdish Arora R/o M-114, Greater Kailash-II
New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-114, Greater Kailash-II, New Delhi
(Second Floor), mg. 505 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 13-9-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/664.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. B/85-A, mg. 100 sq. yds, situated in Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

82—296GI/85

- (1) Sh. Surendra Kumar Taneja,
Sh. Shaan Sangeeta Taneja Ss/o Late Sh. Shri Dhan
and Smt. Shilpa Taneja.
& others R/o 389, Gagan Vihar, New Delhi.
(Transferee)

- (2) Shri Om Prakash Rakheja S/o Late Sh.
Kanahiya Lal R/o B/85-A, Kalkaji,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B/85-A, measuring 100 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 11-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/665.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 98, Block 'S' Gr. Kailash-II, mg. 300 sq. yds. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Gurbachan Singh Bhasin,
s/o Harnam Singh Bhasin,
r/o 9/6, Kalkaji Extn., New Delhi,
through general attorney Amarjeet Singh Bhasin.
(Transferor)
- (2) S/Shri Harbhajan Singh Narula,
s/o S. Mohinder Singh and
S. Gurvinder Singh Narula,
S/o S. Harbhajan Singh Narula,
r/o 29/6, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 98, Block 'S' measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/666.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. O-II/26, Lajpat Nagar, mg. 200 sq. yds, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) Property No. O-II/26, Lajpat Nagar, mg. 200 sq. yds. situated has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Ram Chand Bhatia,
s/o late Ghan Shyam Das,
r/o 6/21, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Thakurdas,
s/o Shri Gurdinomal Dadwani,
R/o 39/24, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. I-II/26, measuring 200 sq. yds, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/667.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. I-D/162, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbux Singh,
s/o Shri Pardhan Singh,
R/o I-D/162, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Gaba,
w/o Shri Ramesh Kumar Gaba,
f/o IA-211, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. I-D/162, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/670.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing G.F. (1st Portion) Property No. E-540, Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 950 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bhatia Apartments,
A-18, Kailash Colony, New Delhi,
through its partner Smt. Raj Kumar Bhatia. (Transferor)
- (2) Miss Parkash Kumari,
d/o late Shri Lakha Singh,
R/o E-540, Greater Kailash-II,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor (Grant Portion) residential Flat measuring 950 sq. ft. in property No. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/671.—Whereas, I, R. P. RAESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. I-B/109, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rati Bai,
W/o Late Shri Ishwar Dass,
R/o I-B/109, Lajpat Nagar,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sardar Ram Singh,
S. Labh Singh and
S. Joginder Singh,
all ss/o S. Gian Singh,
WZ-III, A/112, Vishnu Garden Extension,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. I-B/109, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/672.—Whereas, I,
R. P. RAESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingPlot No. E/106, Greater Kailash-II, mg. 251 sq. ft. situated
at New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in January 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Ratender Kaur,
w/o Shri Deepak Singh Khullar,
B/o W-19, Greater Kailash-I,
New Delhi-48.

(Transferor)

- (2) Shri Sunder Das Girdhar,
D/41, Amar Colony, Lajpat Nagar-III,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice or the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E/106, Greater Kailash-II, New Delhi, measur-
ing 251 sq. ft.

R. P. RAESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date: 9-9-1985

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III[1-85]672-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1546, Chitranjan Park, New Delhi mg. 233 sq. yd. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sukumar Bose
S/o Sh. B. K. Bose,
R/o 1546, Chitranjan Park,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Roychoudhury
W/o Sh. D. N. Roy Choudhury,
2, Sh. Arup Roy Choudhury,
R/o A-145, Lajpat Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1546 Chitranjan Park, New Delhi, mg. 233 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III/1-85/672-B.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. M-33, Greater Kailash-II, measuring 250 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
83—296G/85

- (1) Mrs. Bimla Kapoor
w/o Late Sh. Jagmohan Kapoor,
C-407, Oragati Vihar,
New Delhi-2.

(Transferor)

- (2) Mr. B. K. Bhuwania and
Mrs. Meena Bhuwania,
E-139, Masjid Moth,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-33, Greater Kailash-II measuring 250 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III/1-85/672-C.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs 100 000/- and bearing No.
J-1919 Chittranjan Park, New Delhi, mg. 233 sq. yds, situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is less than the fair market
value of the property and the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Sh. B. P. Mukherjee,
4 14, W.E.A. Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sant Talapatra,
J-1919, Chittranjan Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

J-1919, Chittranjan Park, New Delhi, mg. 233 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
are not to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New DelhiNow therefore in pursuance of Section 269D of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 11-9-1985
Seal :

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1451.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Space No. 415.19 Barakhamba Road, New Delhi, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Gautam Dev Sharma and
Mrs. Usha Sharma,
R/o F-71 Bhagat Singh Market,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 415, admeasuring 500 sq. ft. on 4th floor of proposed commercial multi-storied building Arunachal at 19, Barakhamba Road, New Delhi-1.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1449.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement B-14, 90, Nehru Place, New Delhi, mg. 424 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. A. Sidharth,
through its partner Mrs. Bala Batra,
R/o B-4, Mansarovar,
90, Nehru Place,
New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Saval and
Sh. C. L. Syal,
R/o E-275, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-14, measuring 424 sq. ft. in 'Mansarovar' 90, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

(1) Miss Rina Anand (Minor)
U/g. Dr. (M.S.) J. Anand,
R/o E-11, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. S. N. Sehgal
S/o Late Mr. J. N. Sehgal,
Mrs. Saraljit
W/o Mr. S. N. Sehgal,
Miss Shnika Sehgal (Minor),
Master Sumit Sehgal (Minor),
D-II/78 Kaka Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. IAC/Acq.I 37EE/1-85/1452.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing no.Flat No. 708, at 17, Tolstoy Marg, New Delhi, mg. 361 sq. ft.
situated at New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the Registering Officer atIAC/Acquisition Range-I,
New Delhi in January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 708, on 7th floor in 17, Tolstoy Marg, New Delhi,
measuring 361 sq. ft.R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-85/1454.—Whereas, I
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, situat-
ed at 4, Prihvi Raj Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on January 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Sh. Bijoyananda Patnaik,
3, Aurangzeb Road, New Delhi.
(Transferor)
(2) M/s. Decent Constructions & Properties (P) Ltd.
22, Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
30 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, 4,
Prihvi Raj Road, New Delhi, measuring 3071 sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/ 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1455.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 7, Block No. 2, 3, Aurangzeb Road, mg. 2535 sq. yd. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bijoyananda Patnaik,
3, Aurangzeb Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Tej Properties (P) Limited,
22, Barakhamba Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No. 2, Known as 3, Aurangzeb Road, 4, Prithvi Raj Road, New Delhi, mg. 2535 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Esaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-85

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1456.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C (B) BF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Indl. Area
situated at New Delhi, mg. 1042 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the Registering Officer at
IAC/Acquisition Range-I,
on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Sh. Zakaria Shahid Impex (P) Ltd.,
Zakaria House, Ferozshah St. Moradabad-244001.
(U.P.).
(Transferor)
- (2) Mohd. Zafar Nadeem Shamsi s/o
Sri Mohd. Shahid Shamsi, Zakaria House,
E-37, Kalandi Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Approx. area 1042.57 sq. ft. Basement No. 'C' BF-4, 15,
Ishwar Nagar, Okhla Industrial area, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-85

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1457.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C(GF-3) 15, Ishwar Nagar, Okhla, Ind. Area situated at Phase-III, New Delhi, measuring 1090.57 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Zakaria Shahid Impex (P) Ltd.
Zakaria House, Peerghiaib St.,
Moradabad-244001.
(U.P.) (Transferor)
- (2) Maryam Javed d/o Sh. M. S. Javed
C/o Zakaria House, F-37, Kalandi Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Approx. covered area of 1090.57 sq. ft. ground floor flat No. C GF-3, 15, Ishwar Nagar, Okhla Industrial area phase-III, New Delhi-49.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1458.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. GF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Indl. Area, mg. 1090 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at JAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Zakaria Shahid Impex (P) Ltd.,
Zakaria House, Peerghaib St; Moradabad-244001,
(U.P.) (Transferor)
- (2) Sh. Mohd. Ahmer Shamsi s/o
Sri Mohd. Abbas, Shamsi, Zakaria House,
E-37, Kalandi Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Approx. 1090.57 sq. ft. Ground Floor Flat No. 'C' GF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Indl., Area Phase-III, New Delhi-20.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Esaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/1/37EE/1-85/1459.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 16, Kundan House, Nehru Place, mg. 284 sq.ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gian Chand Ahuja s/o Late Sh. S. D. Ahuja, R/o E-9, Greater Kailash-I, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) Mrs. Sujata Dewan w/o Shri Surinder Kumar Dewan and Mrs. Roopa Dewan w/o Sh. Shiv Kumar Dewan, Both R/o A-346, Defence Colony, N. Delhi-24.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, measuring 284 sq. ft. on first floor, in Building No. 16, Kundan House, Nehru Place, New Delhi-19.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Stanislaus Johannes Barnard Gousalves,
R/o S-170, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Parkash Kumar
E-540, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/185-1461.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 925 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid has not been truly stated in the said instrument of sale exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Portion of ground floor at E-540, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 925 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Skipper Sales Pvt. Ltd., 22, Barakhamba Road,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss Simran Anand (Minor)
Late Lt. Col. R. S. Anand (Retd.)
E-11, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]1-85[37EE]1462.—Whereas I,
R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1324, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range I, on January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1324, at 89, Nehru Place, New Delhi, measur
150 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1464.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open Car Parking Space in 19, B. K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Kailash Nath and Associates
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001. (Transferor)
- (2) Mr. Sanjeev Trehan,
B-540, New Friends Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
to be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

One open car parking space in the Lower Basement of proposed multi-storeyed commercial building, ARUNA-CHAL, 19, Barakhamba Road, New Delhi

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Jai Chemicals,
14/1, Malhura Road, Faridabad. (Transferor)
- (2) M/s. Pearl Housing (India)
(P) Ltd., 204, Rohit House, Tolstoy Marg,
New Delhi-1. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.1/37FE/1-85/1465.—Whereas I,
R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 10-A, 16, Barakhamba Road, mg. 1000 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10-A (1001) DCM Building at 16, Barakhamba
Road, New Delhi-1, measuring 1000 sq. ft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1466.—Whereas, I
R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 259B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
No. Flat No. 10-D, DCM Bldg., 16, B K. Road, mg.
1000 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January '85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11
of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Puri Associates (P) Ltd.
A-29, ND-16, Phase-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Anand Apartments (P) Ltd.,
203, Puri House, Tolstoy Marg,
New Delhi-110001

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10-D, DCM Building at 16, Barakhamba Road,
New Delhi-1, measuring 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S. 187—

- (1) Shri Sarosh Pasricha,
G-3, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Rekha Vj w/o Sh. Ramesh K. Vij
and Masters Rajnesh Vij & Lalit Vij both ss/o Sh.
Ramesh K. Vij of A-5/1, Rana Pratap Bagh, Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1468.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-52, Himalaya House, 23, K.G. Marg, situated at New Delhi, mg. 1778 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B-52 on the 5th floor of Himalaya House, 23, K.G. Marg, New Delhi, mg. 1778 sq.ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
85—296GI/85

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS-

- (1) Mrs. Kusum Khanna, B/24, Sector-5,
Rourkela, ORISSA-769002. (Transferor)
- (2) Smt. Raman Kakkar & Sh. Rabinder Kumar
Kakkar, Kakkar cold storage, G.T. Road,
Jalandhar Cantt. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1469.—Whereas I,
R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 102, E-492, Gr. Kailash, New Delhi, mg.
1795 sq.ft. situated at New Delh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at JAC/Acq. Range-I, on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 102, E-492, Greater Kailash-II New Delhi,
measuring 1795 sq.ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Br'g. Stanley Gonsalves,
101, Bhatia Apartments, E-540, Gr. Kallash-II,
(Transferor)
- (2) M/s. Shree Dhar Carpets (P) Ltd.
21, Patel Nagar Colony, Varansi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-85/1470.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. I-605, Som Vihar, R. K. Puram, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat I-605, Som Vihar, Puram New Delhi, mg. 1430 sq. ft. approx.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1471.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1224, 12th floor at 89, Nehru Place, Mg. 150 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Harish Chander,
S/o. Sh. Datta Ram and Mrs. Santosh K. Chander,
W/o Sh. Harish Chander, Sector 9 H. No. 858,
R. K. Puram, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Covered area on 12th floor mg. 150 sq. ft. in 89, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Re^d. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1473.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing GF-2, Madhuban 55, Nehru Place, mg. 1330 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1) M/s. Nanda Bros. (Exp.) (P) Ltd., Flat No. 15-A, Shankar Market, New Delhi.
(Transferor)
- 2) Master Jatinder Kapoor (Minor), through Sh. M. L. Kapoor (n/g) Road No. 8, House No. 15, East Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GF-2, Madhuban, 55, Nehru Place, New Delhi, measuring 1330 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-85/1474.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Plot 36, Kailash Colony Extn, mg. 430 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I, in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jinandera Kumar Jain, 117, Bajaj House, 97, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Vinod Kumar, Mr. Manoj Kumar, N-2, (Market), Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, third floor, Elite House, 36, Zamrudpur Commercial Centre, Kailash Colony Extn., New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI
New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1475.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1105, 24, B. K. Road, New Delhi, mg. 640 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the Registering Officer at
IAC/Acquisition Range-I,
in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Sh. Charanjit Singh Sachdev Mrs. Renu Juneja,
R/o 20, Bungalow Road, Delhi-7.
(Transferor)
- (2) M/s. Jacks Home Products Ltd.,
1106, Ashoka Estate, 24-Barakhamba Road,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 1105, measuring 640 sq. ft. on 11th floor
of 'Ashoka Estate' 24-Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1476.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-6, Plot No. 36, Kailash Colony, mg. 327 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I, in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Elite Developers (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Indra Vohra,
E-143, Lajpat Nagar-I, New Delhi-24.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, in proposed Elite House, at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, Extension, Zamroodpur), New Delhi, measuring 327 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC[Acq. I]37EE/1-85/1477.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-2, Plot No. 36, Kailash Colony Extn. situated at New Delhi, measuring 420 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I, in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—
86—296CI/85

- (1) Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansari Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) Mrs. Chandra Kanta, W/o Sh. J. P. Channani,
C/o. M/s. Aidas Nebhomai, 3525, Qutab Road,
Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2, in proposed Elite House at Plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extension (Kamrood-pur), New Delhi, mg. 420 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-85/1478.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 4, E-578, G.K. II, New Delhi, mg. 368 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Raj Gupta,
E-578, Greater Kailash-II, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) M/s. Badrinath Seva Nidhi,
1-A, Love Lock Place, Calcutta-19.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 4, at E-578, Greater Kailash Part-II, New Delhi, measuring 368 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1479.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2-D, Ashoka Apartment-I, Vill. Deoli (Khanpur) situated at New Delhi mg. 487 sq. ft. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in favour of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

- (1) Mrs. Sarla Bhatia,
A-8, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49. (Transferor)
(2) Mrs. Bandana Datta, W/o. Ranjit Datta,
A 2/95/1, Safdarjung Enclave, New Delhi-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-D, Ashoka Apartments-I, 3rd floor, Deoli, Khanpur, New Delhi, measuring 487 sq. ft. (covered area).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1480.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1225, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan,
22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
(Transferee)
(2) Mrs. Mala Anand, W/o Sh. Justice A. S. Anand,
R/o Chief Justice of J&K High Court, Jammu.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1225, at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-85/1481.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 602, at 7, Tolstoy Marg, New Delhi, mg. 709 sq. ft.
situated at New Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85
for an apparent consideration which is less than the fair-
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Arun Kumar Vohra, S/o Maj. Gen.
S. P. Vohra, Mrs. Vanita Vohra, W/o Mr. Arun
Kumar Vohra, Master Ashish K. Vohra and Master
Amit K. Vohra, R/o B-8B, Westend Colony,
New Delhi-21.
(Transferor)
- (2) Mr. Vishvijit Prithvijit Singh,
S/o Sh. Raj Kumar Prithvijit Singh, 80, Lodhi
Estate, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in the Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Prakash Deep, 7, Tolstoy Marg,
New Delhi, mg. 709 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ret. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1482.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One B residential flat in West Tower, area 1600 sq. ft. situated at Nilgiri Apartments, 9, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in January, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kailash Nath and Associates,
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001. (Transferor)
- (2) Sh. Mukulp Bhargava,
A-11/A, South Extension Part-I,
New Delhi-49. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 'B' residential flat in West Tower, area 1600 sq. ft. approx on first floor in proposed multi-torreyed Group Housing Scheme Nilgiri apartments, 9, Barakhamba Road, New Delhi, and one open car parking space.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM 11NS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No: IAC/Acq. I/37EE/1-85/1483.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. M-6, at 89, Nehru Place, mg. 350 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Master Sandeep Goel, ulg, Mrs. Malti Goel, R/o. S 83, Pananama Park, New Delhi-17.
(Transferor)
(2) Mrs. Rita Mahajan, W/o. Mr. K. G. Gupta (alias Mahajan) 2 D, Pocket-III, Mayapuri Vihar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M-6, Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 350 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-9-1985
Sd/-

FORM NO. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1484.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Car Parking Space in 17, Tolstoy Marg, New Delhi situated
at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on January, 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
268/85

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. Surendra Devi Tulsian, W/o Sh. Prahlad Rai
Tulsian, R/o 983-Kuche Natwa, Chandni Chowk,
Delhi-6.
(Transferor)
- (2) Master Varun Jain, S/o Sh. Tarun Kumar Jain,
D-400, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Car parking space No. 2, Ground floor, Vandhna Building,
11-Tolstoy Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1485.—Whereas I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, Surya Kiran, K. G. Marg, mg. 760 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in January, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
87—296GI/85

- (1) Mrs. Rupinder Kaur, B-95, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
(2) Mr. Kulwant Singh, Master Kulbir Singh, B-95, Greater Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, Surya Kiran, K.G. Marg, New Delhi, measuring 760 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Elite Developers (P) Limited,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sukhish Pandit,
C-700, New Friends Colony,
New Delhi-65. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37BE/1-85/1486.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 203, Plot 36, Kailash Colony Extension, mg. 492
sq. feet, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in proposed Elite House at plot No. 36,
Community Centre, Kailash Colony Extn. (Zamroodpur),
New Delhi, measuring 492 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-9-1985.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I[37EE]1-85/1487.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, plot No. 36, Kailash Colony Extn., mg. 464 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Limited,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sakhish Pandi,
C-700, New Friends Colony,
New Delhi-65. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extn. (Zamroodpur), New Delhi, mg. 464 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC\Acq.I\37EE\1-85\1488.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Flat No. 201, plot No. 36, Kailash Colony Extn., mg. 430 sq. ft., situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC\Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Elite Developers (P) Limited,
115, Ansal Bhawan, 16. K. G. Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Sakhish Pandit,
C-700, New Friends Colony,
New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in proposed Elite House, at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extn., (Zamroodpur), New Delhi, mg. 430 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EF/1-85/1489.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Res. Flat on 5th floor, 34, Ferozshah Road, mg. 1600 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001. (Transferor)
- (2) M/s. Jivan Textiles Processors (P) Ltd.,
56, Bootawala Building, New Silk Market, Kalba
Devl, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Resdl. flat on the 5th floor, plinth area 1600 sq. ft. and one Car Parking Space in proposed multistoreyed Group Housing Scheme, ADISHWAR APARTMENTS at 34, Ferozshah Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/1-85/1490.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RTT-101(GF), Kalkaji Shopping Centre, mg. 72 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
~~and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. JAJENDRAS,
N-52-A, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Anil Chander,
O-33, Tara Apartment, near Kalkaji,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RTT-101 (Ground Floor) G-2, at Shopping Centre-cum-Community facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 72.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Ruchika Constructions (P) Ltd.,
15/4581, Darya Ganj, Aggarwal Road,
New Delhi-2.

(Transferor)

- (2) Sh. Shyam Kishore, Smt. Kamla Mehra, Sh. Par-
kash Kishore, Sh. Prem Kishore, Sh. Jagat Narain,
all R/o Tor Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE[1-85]1491.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

Booking of one commercial flat mg. 340 sq. ft. on 3rd floor
in the building under construction on plot No. A-19, Con-
naught circus, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of one commercial flat mg. 340 sq. ft. on 3rd
floor in the building under construction on plot No. A-19,
Connaught Circus, New Delhi-1.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1492.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Shop No. 5 on 49-50, Nehru Place, mg. 229 sq. ft., situated
at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Dr. K. V. Varkki,
E-326, Nirman Vihar,
Delhi-92.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Balasubramanyam,
A-3/129, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, First Floor, Red Rose Building, 49-50, Nehru
Place, New Delhi-19, measuring 229 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-
Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Skipper Sales Private Ltd.,
22, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Chand (HUF),
56, Ram Nagar,
New Delhi-110055.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1493.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1025, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq.
ft., situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1025 at 89, Nehru Place, New Delhi, measur-
ing 150 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

88—296GI/85

Date : 10-9-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-85/1494.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
Agr. land in vill. Satbari, mg. 10 Bighas and 13 biswas,
situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely:—

(1) Shri Chau Khan R/o Chandanhula,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sumita Mazumdar,
C-5/6, Safdarjang Development Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 10 Bighas 15 Biswas Satbari, Mehrauli,
New Delhi, Khasra No. 1053/2 (3-92), 1054 (3-12), 1055
(3-12),

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-9-1985,
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/1-85/1495.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing No.
Agr. land mg. 11 Bighas in vill. Satbari, Teh. Mehrauli,
situated at New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Chau Khand and Mazid,
village : Chandanhula, Teh. Mehrauli,
New Delhi. (Transferor)
(2) Miss Sumita Mazumdar,
C-5/6, Safdarjang Development Area,
New Delhi. (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in village Satbari mg. 11 Bighas, Khasra
No. 1056 (4-16), 1057 (4-16), 1058 (1-19).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 11-9-1985,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2520.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 13, Block J-4, Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopal Dass Anand
S/o Shri Nathu Ram,
R/o J-4/13, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar
S/o Shri M. R. Gulati,
R/o B-1/277, Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Bearing Plot No. 13 in Block-J-4, measuring 173 sq. yds., Rajouri Garden, Tatar Pur, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2521.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

No. D-16, Kh. No. 283, Ajay Enclave situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vishwa Nath Arora
S/o Shri D. N. Arora,
R/o K-19, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Som Nath Vij,
2. Shri Ramesh Kumar Vij,
3. Shri Suresh Kumar Vij,
S/o Late Shri Ishwar Dass Vij,
R/o D-16, Ajay Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storey House No. D-16, Kh. No. 283, measuring 200 sq. yds. of Ajay Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/11-85/2523.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/6, Tahar-II situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chanan Ram
S/o Shri Nanak Chand,
R/o B/25, Mahabir Nagar,
New Delhi,

Transferor)

(2) Shri Ved Parkash
S/o Shri Kundan Lal,
R/o 11/6, Tihar-II,
Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 11/6, measuring 100, sq. ft. Tihar-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2524.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 11/6, Tehar-II situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chanan Ram
S/o Shri Nanak Chand,
R/o B/25, Mahabir Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash
S/o Shri Kundan Lal,
R/o 11/6, Tehar-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 11/6, measuring 100 sq. yds. Tehar-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2525.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. V/215-A, Tatar Pur situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. S. Malhotra
S/o Shri Rattan Singh,
R/o V/215-A, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Sethi
W/o Shri Subhash Sethi,
R/o O-14, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. V/215-A, land measuring 220 sq. yds. of Vill. Tatar Pur, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Jal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2526.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 192, Block-J-3, Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sat Pal Kapoor
S/o Shri Veru Lal,
R/o 3-3/192, Rajouri Garden,
New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Satnam Kaur
W/o Shri Rajinder Singh Nanda,
R/o 1/106, Lajpat Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Built on Plot of No. 192, in Block J-3, Measuring 160 sq. yds. Rajouri Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2527.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. WZ-592-C, Kh. No. 357, Plot No. 10, Rishi Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tej Bhan
S/o Shri Sadhu Ram,
R/o QZ-592-C, Rishi Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gian Devi
W/o Shri Ram Parkash,
R/o WZ-2221-A, Raja Park,
Shakur Basti,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property No. WZ-592-C, Cons. Two Shops, three rooms, Kitchen, Baranda, measuring 120 sq. ft. Plot No. 10, Kh. No. 357, Rishi Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2528.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RA-21, Plot No. RA-21, Kh. No. 1601 & 1603 situated at Naraina, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Deep Chand
S/o Shri Her Chand Jullaha,
R/o WZ-21, Toder Pur,
Delhi.
2. Smt. Bharpai
W/o Shri Faqira,
R/o WZ-21, Toder Pur,
Delhi.
3. Smt. Sarita Devi,
R/o WZ-107, Todan Pur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Sharma
S/o Shri Seva Nath, and
Smt. Surekha Sharma
W/o Shri Satish Sharma,
R/o 281, Pahar Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. RA-21, Plot No. RA-21, measuring 200 sq. yds.
Kh. No. 1601 & 1603, Naraina, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2529.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Killa No. 5, 6/1 and 15 of Rect. No. 50, Killa No. 1, 10, 11/1, Rect. No. 51, Killa No. 47 of Rect. No. 79 situated at Bapraula, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (18 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj Kumar Saini,
Sh. Rakesh Kumar Saini,
S/o Sh. Mohinder Kumar Saini. (Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi
W/o Shri K. C. Kohli,
R/o R-50, Greater Kailash Part-I,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Bigha, 11 Bishwas Killa Nos. 5, 6/1, 15 of Rect. No. 50, Killa No. 1, 10, 11/1, Rect. No. 51, Killa No. 47 of Rect. No. 79 to exh. 4/5th share Bapraula, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2530.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. B-127, Naraina, Vihar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Joginder Singh
S/o Shri Balwant Singh,
Smt. Sharda Joginder
W/o Sh. Joginder Singh,
R/o 193, Jor Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bali Ram,
S/o Shri Chanya Mal and
Smt. Maya Devi
W/o Shri Bali Ram,
R/o B-47, Naraina Vihar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Measuring 300 sq. yds. Plot No. B-127, Naraina Vihar, Delhi and a house thereon.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2531.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rect. No. 6, Killa No. 19, Village Poosangi Pur situated at Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vinod Sherai
W/o Shri Tirloki Nath,
R/o BF 50, Janak Puri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Nath Adlakha
S/o Shri Thakur Dass,
R/o A-2/A/48, Janak Puri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/12, measuring 200 sq. ft. Rect. No. 6, Killa No. 19, Vill. Passangi Puri, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
1/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985

Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

(1) Miss Parkash Watt
D/o S. Teja Singh,
W/o Shri D. N. Malhotra,
R/o F. No. 8/521, Lodhi Colony,
Lodhi Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chhajju Ram
S/o Shri Sohan Lal,
R/o H. No. B-31, Multan Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.III/1-85/Sr.-II/2532.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-2, Kh. No. 3/1, 9, 10, 19, 20 situated at Vill. New Multan Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 200 sq. yards (30'×60') bearing Plot No. A-2, out of Kh. Nos. 3/1, 9, 10, 19, 20 situated in the New Multan Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2533.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. BL-17, Kh. No. 845-846, Vill. Tahar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) K. K. Chadha,
c/o Ram Lubhaya Chadha,
A-64, Hari Nagar Clock Tower,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Ragbir Singh,
Manjit Singh,
s/o Late Shri Sardar Singh,
r/o 61/7, Ashok Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. BL-17, measuring 200 sq. yds. Kh. No. 845-846, Village Tehar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2534.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. BL-52, Kh. No. 870, Vill. Tehar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

90—296GI/85

(1) Smt. Neelam Khurana,
w/o B. S. Khurana,
r/o J-11/42, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Kewal Krishan,
s/o Krishan Lal,
r/o 8922, Pal Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. BL-52, measuring 200 sq. yds. 870, of Village Tehar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985
[Seal :]

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-85/2535.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-43, Kh. No. 1651, Vill. Naraina, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sucharita Verma,
w/o Shri S. Verma,
r/o C-43, Inderpuri,
New Delhi-12.

(Transferor)

(2) Shri Bhushan Doera,
Shri Rajeev Kumar Doera and
Shri Arun Kumar Doera,
all sons of Shri. Brijender Bhushan,
All r/o 4/2602,, Beadon Pura, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; ..
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C-43, consisting one drawing room, 5 Bed Room, 3 combined toilet/bath room, Kitchen, Store, Garage, Plot measuring 500 sq. yds. Kh. No. 1651, Vill. Naraina, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date 10-9-1985
Real :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2536.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that movable property, having a fair market value ex Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 6, Kh. No. 452, Burari situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Roshan Lal,
s/o Mer Singh,
r/o B-15, Bhagwan Dass Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Bhagwan Dass,
Om Parkash,
Arjun Lal,
s/o Mer Singh Dass,
Sarita Devi W/o Sham Lal,
Smt. Rukmani w/o Kunj Behari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bigha, 4 Biswas, 2 Bighas, 13½ Biswas Min. 5 Bighas
7 Biswas, Plot No. 6, Kh. No. 452, Burari.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date 10-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2537.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. WZ-17, Plot No. 17, Kh. No. 394, Rani Bagh situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vimla Goel,
w/o Dharam Pal Goel,
R/o 1495 Rani Bagh, Shakur Basti,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Tej Bhan Sachdeva s/o Sadhu Ram,
592-G, Rishi Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. WZ-17, Consisting of One room and boundary wall Measuring 150 sq. yds. Plot No. 17, Kh. No. 394, Khewet No. 44/148, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date 10-9-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III/1-85/946,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XVI-1135, Gali No. 10-11, situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bidar Singh s/o Shri M. Henna Ram,
G. No. 10-11/o XVI-1135, Naiwala, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. B. L. Gupta & Sons, HUF,
through its Karat Shri B. L. Gupta,
2. Smt. Lila Wati,
3. Dharamvir,
4. Avtar Singh and Smt. Kainla Devi,
r/o B-37, Ashok Vihar, Phase-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XVI-1135, Gali No. 10-11, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi measuring 117 sq. yds. Khasra No. 1075.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Nishi Talwar,
r/o 493, Sainik Vihar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash,
r/o 16/8, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/248.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/8, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/12th Share of property No. 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985
Seal:—

FORM ITNS

(1) Smt. Nalini Kapoor,
r/o 7A/88, Moti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Parkash,
r/o, 16/8, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/949.—Whereas, P. UNIL CHOPRA, in the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/8, Karol Bagh, situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer, New Delhi in January, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/12th share of property No. 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/950.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/8, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yuv Raj Talwar,
r/o 493, Sanik Vihar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Om Parkash,
r/o 16/8, Karol Bagh,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th Share of property No. 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 13-9-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/951.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00 000/- and bearingNo. 16/8, Karol Bagh, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi on January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
91—296G1/85

(1) Smt. Renu Kapoor,
r/o 23, Chander Lok,
Delhi.

(Transferor)

(2) Om Parkash,
r/o 16/8, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th Share of property No. 16/8, Karol Bagh, New
Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. ICA/Acq III/SR-III/1-85,953.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs 100 000/- and bearing No. 5040 in block 'S' situated at Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Rakhi,
W/o Sant Karar Mal,
r/o Village Kardha,
District Bhandara, Maharashtra,
at present 16/23, WEA Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Dass,
Raj Kumar,
Krishan Lal and
Roshan Lal,
s/o Shri Narain Dass,
r/o 52/4577, Regharpura, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building H. No. 5040 in Block 'S', Khasra No 3289/719 and 3290/719 plot No 36 and 37 measuring 214 sq. yds. situated at Sant Nagar, (Bast Reghar), Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985
Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/954.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No E-15 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to have been disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) J. P. Properties,
Prop. Surinder Pal Singh,
F-62, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Dr (Mrs.) Devinder Pal,
2. Master Amit Pal Singh,
3. Miss Sumit Pal Kaur,
all r/o J-295, Saket, New Delhi.
4. Miss Priyanka Kalra,
5. Miss Monica Kalra,
6. Miss Shurat Kirti Kalra and
7. Mrs. Chander Kalra,
all r/o D-120, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P.O. No. E-15, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith the superstructure built thereon plot area 200 sq. yards.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR-III/1-85/955.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 11708, Ward No. 16, Gali No. 2-3, Block-U.K. Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S. Gurcharan Singh Mahendra,
s/o S. Sohan Singh and
Smt. Sudershan Kaur Mahendra,
w/o Shri S. Gurcharan Singh
both r/o 12/1, W.E.A. Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Goel,
w/o Shri Gian Chand and
Shri Atul Goel,
s/o Shri Gian Chand,
r/o H No. 3, Gali No. 1, Ram Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 11708, Ward No. 16, Gali No. 2-3, in Block 'U' measuring 75 sq. yds. Kh. Pot No. 3581/651/2 situated at Sat Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 13-9-1985

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85,960.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 449-450, New Rajinder Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Yogi Ram Nath,
Chela of Yogi Shiv Nath,
r/o Shri Shav Nath Yog Ashram,
Bander Wali Khui, Ramesh Nagar,
New Delhi-110015.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj Arora,
s/o late Shri Ram Lal Arora,
r/o H-338, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government built property alongwith lease-hold rights of land measuring about 127,666 sq. yds. bearing property No. 449-450, double storied quarters situated at New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM IIS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/961.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-62 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia and Sunil Bhatia all partners of Bhatia Apartments through their G.A. Smt. Raj Kumari, r/o W-41, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Masani, w/o Sai M. R. Masani, r/o C-44, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at K-62, Hauz Khan Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-PI, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/963.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 16/80 and 16/86 situated at Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashok Kumar,
s/o Sobh Raj,
A-50, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Rajpal,
s/o Asa Nand, 833, Joshi Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16/80, & 16/86, Block AC measuring about 111 sq. yds. at Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85 '964.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6011 situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (1/4th undivided share) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajiv Ohri,
6, Ishwar Nagar,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Manocha and Others,
60/11, Ramjas Road,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Block No. 60 Plot No. 11, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (1/4th undivided share of 634 sq. yds.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Sd/- :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/965.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60/11 situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (1/4th share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

92—296 GI/85

(1) Lt. Col. Ashok Ohri,
6, Ishwar Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar,
Smt. Sudesh Manocha,
Smt. Meenu Manocha,
Smt. Renu Manocha,
60/11, Ramjas Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

property bearing Plot No. 11, Block No. 60, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (1/4 undivided share).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/966.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 11, Block No. 68 situated at Ramjas Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Anil Ohri,
C-34, Greater Kailash-I,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Raj Kumar Smt. Sudesh Manocha,
Smt. Meenu Manocha & Smt. Renu Manocha,
60/11, Ramjas Road, Karol Bagh,
New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri R. K. Sethi and
Shri K. L. Malhotra,
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 11 Block No. 60, Ramjas Road,
New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/I-85/967.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60/11 situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sunil Ohri,
C-34, Greater Kailash,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Raj Kumar Smt. Sudesh Manocha,
Smt. Meenu Manocha & Smt. Renu Manocha,
60/11, Ramjas Road, Karol Bagh,
New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri R. K. Sethi and
Shri K. L. Malhotra,
60/11, Ramjas Road, New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 60, Plot No. 11, Ramjas Road, New Delhi
(1/4th undivided share of 634 sq. yds.)

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/1-85/969.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 96/B-7 Etn. situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rampat Estates Pvt. Ltd.,
G-56, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri G. L. Khurana
s/o late P. R. Khurana and
Smt. Sushma Khurana
w/o Shri G. L. Khurana
bo h r/o 1-301, Sarojini Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 96/B-7 Extension measuring 132.05 sq. mtrs.,
Safdarjung Residential Scheme, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/970.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing B-1/41 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Som Nath Mehta s/o
Shri Palamal Mehta
r/o 5485, Shorakothi, Paharganj,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amarjit Singh
s/o S. Ajit Singh Johar,
C-139, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed shatterred house built on 202 sq. yds. B-1/41, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE- 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/971.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-40 situated at NDSE Part-II, New Delhi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Inder Lal s/o Sardari Lal Bahri and (2) Vincerander Lal Bahri s/o Sardari Lal Bahri, r/o 5/5, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(1) (1) Girdhar Chand Jain s/o late Shri Sumer Chand Jain
(2) Rajiv Jain s/o Girdhar Chand Jain
(3) Sanjiv Jain s/o Shri Girdhar Chand Jain and
(4) Smt. Puspala Jain w/o Girdhar Chand Jain all r/o B-33, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. A-40, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi measuring 250 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
e-21 :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/974.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Qtr. No. 23/24, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jaiwanti Sobnani,
w/o late Sh. Pribhdass,
C-2A/16/203, Janak Puri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi w/o Sh. Goverdhan Lal,
23/24, Old Rajinder Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built quarter No. 23/24, Old Rajinder Nagar, New Delhi. Area measuring 88.1 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM NO. IT.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/975.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 166, Block A-1 situated at Safdarjang Development Residential Scheme, South, Delhi, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Gopal Goel
s/o late Lala Ram Saran Das
r/o 25/C, Poyd Street,
Calcutta-700016,

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi,
w/o Sh. Kewal Ram,
r/o 166, Block A-1, Safdarjang Residential Scheme,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 166, Block A-1, measuring 103 sq. yds. situated at Safdarjang Development Residential Scheme, South Delhi, New Delhi (1/2 share).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/1-85/976.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S-196, situated at Panchshila Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Diwan Chand Kalra,
55, Chirag Delhi,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Amrit Singh Shah,
C-110, Shakti Nagar Extension,
Delhi-52. (Transferee)
- (3) M/s. Gautam Enterprises.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house No. S-196, in Panchshila Park, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/1-85/977.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269A of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing T-10 situated at Green Park Extn, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. L. Puri,
2. Shri Naren Puri,
3. Smt. Kishna Puri,
r/o S 486, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Sheela Moghe
w/o Shri R. C. Moghe,
r/o Y-42, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in total land measuring 322 sq. yds., situated at T-10, Green Park Extn., New Delhi and portion of the Upper ground floor and one & 1/2 floor.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/SR-III/185/978.—Whereas, 1, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 3 situated at Anand Lok, Area of Village Masjid Moth, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (i) Sh. Joginder Singh Bindra s/o
Sh. Charan Singh Bindra,
r/o 1-3/43 A, Anand Lok, M. Brauli Road,
New Delhi and
Shri Mohan Lal Pal Singh Bindra s/o
Shri Charan Singh Bindra
r/o 9, Mangal Bldg.,
Behind State Bank, Ch. Chowk, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Inder Mohan Khaneja,
2. Smt. Karuna Khaneja,
3. Sh. Sumit Khaneja,
4. Master Amit Khaneja,
r/o B 223-C Greater Kallash-I,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3, measuring 793 sq. yds. situated in the layout plan of Anand Lok, area of village Masjid Moth, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 411, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/1-85/1413.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 4, Kh. No. 411, Hari Krishan Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sumitra Devi
d/o Sh. Tahel Chand
w/o Sh. Bihari Lal Nagpal
r/o H-15-C, Saket,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sneh Lata Jain
w/o Sh. Vijay Kumar Jain,
r/o 4580 E/1, Naveen Shahdara,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey Building, Area 202 sq. ft. Plot No. 14, Khasra No. 411, situated at Hari Krishan Nagar, Block-B, Andrun Hadud Committee Shadra, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Sent :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IACAq-III/SR-IV/1-85/1414.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F-14/60, Krishana Nagar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jhangi Ram,
s/o Sh. Kattan Chand,
Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sheela Rani Chugh,
w/o Suraj Parkash Chugh,
1X/2480, Kailash Nagar,
Delhi-51. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-14/6C, Krishana Nagar, area 55 sq. yds. Delhi-51.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-IV/1-85/1415.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 1948/824/3, Prop. No. 38, East Krishan Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Sunil Bhatnagar s/o
Sh. Rajender Kumar Bhatnagar
r/o H. No. D-5/10, Krishan Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Rajendara Kumar Bhatnagar,
s/o Sh. Bishan Lal Bhatnagar,
r/o D-5/10, Krishan Nagar,
Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Measuring area 166 sq. yds. property No. 38, bount of Khasra No. 1948/824/3, along with whole of the structure situated at East Krishan Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-IV/1-85/1416.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.J-1/10 Krishan Nagar, Vill. Ghaundli, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer
New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kusam Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar
2. Smt. Duman Sehgal w/o
Sh. Kanwal Narain Sehgal
3. Smt. Kamal Mehra w/o
Sh. Jawahar Krishan Mehra all r/o
A-23, Ringh Road, Lajpat Nagar, IV,
Part II, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Darshan Lal s/o Sh. Diwan Chand, r/o
A-1-12, Krishan Nagar, Delhi.
2. Sh. Prem Parkash s/o Sh. Pishori Lal
r/o 438, Theel Kurenja, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 60 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property, built on portion of plot No. J-1/10,
area 118/1/18, Sq. Yds. situated at Krishan Nagar, Vill.
Ghaundli, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC[Acq. III][SR-IV]1-85/1417.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-1/10 Area situated at Krishan Nagar, Villa Ghaundli, Illaga, Shahdara, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the regulation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kusum Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar,
2. Smt. Suman Sehgal w/o Sh. Kanwal Narain Sehgal,
3. Smt. Kamal Mehra w/o Shri Jawahar Krishan Mehra all r/o 23, Block-A, Ring Road, Lajpat Nagar, IV, Part-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Baldev Raj s/o Shri Jiwan Das, r/o A-4/9, Krishan Nagar, Delhi
(2) Yash Pal s/o Shri Ramji Dass R/o 6, South Anar Kali, Extn., Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property built on portion of Plot N. J-1/10, Area 118-1/18 sq. yds. situated at Krishan Nagar, Village Ghaundli, Illaga Shahdara, Delhi-51.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-IV/1-35/1418.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-1/10, Vill. Ghaundli, Krishan Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

94—296 GI/85

- (1) 1. Smt. Kusam Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar,
2. Smt. Suman Sehgal w/o Sh. Kanwal Narain Sahgal,
3. Smt. Kamal Mehra w/o Sh. Jawahar Krishan Mehra, r/o A-23, Ringh Road, Lajpat Nagar-IV, Part II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bharat Parkash Chopra
s/o Sh. Bal Kishan Chopra,
r/o A-1/12, Krishan Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property, built on Eastern portion of plot No. J-1/10, area 118-1/18, sq. yds. situated at Krishan Nagar, Vill. Ghaundli, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Asha Gubrailey w/o Shri D. C. Sharma,
Santosh Rastogi w/o Sh. K. R. Rastogi,
r/o C-7/5, Modal Town, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. N. K. Kaushik s/o Sh. R. N. Sharma,
R/o H-12, Chander Nagar, Delhi-151. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/1-85/1420.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 167-B, Block-G, Kh. No. 1076/5/2/921, Dilshad Colony, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Builtup bearing Plot No. 167-B, Block-G, land measuring 175 sq. yds., Part of Khasra No. 1076/5/2/921 situated at Vill. Jhilmil Tahirpur, Colony known as Dilshad colony, Delhi-32.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/1-85/1419.—Whereas I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. J-1/10, Krishan Nagar, situated at Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kusum Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar,
2. Smt. Suman Sehgal w/o Sh. Kanwal Narain Sehgal,
3. Smt. Kamal Mehra w/o
Shri Jawahar Krishan Mehra,
all r/o A-23, Ring Road, Lajpat Nagar,
IV, Part-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal s/o Sh. Jiwan Dass,
r/o 77, South Anar Kali, Extn.,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up Property, built on Western portion of plot No. J-1/10, area 118-1/18, sq. yds. situated at Krishan Nagar, Vill. Ghaundli, Delhi-51.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/744.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 302, 20, Yusuf Sarai, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

93—286GI/85

- (1) M/s. Oxford Engineers P. Ltd.
18/48, Commercial Complex,
Malcha Marg, Diplomatic Enclave, N. Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. A. Leela
Sector III/567, R. K. Puram,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in 'Oriental Apartments' 20-Yusaf Sarai, New Delhi. Area 404.51 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37E/1-85/745.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 311, 19-Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bombay Builders (India) (P.) Ltd.,
18/48, Commercial Complex, Malcha Marg,
Diplomatic Enclave, N. Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. S. Jatinder Singh,
14-New Double Storey Extn.,
Lijpat Nagar-IV, N. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, 3rd floor, in 'Oriental Apartment' 19-Yusaf Sarai, Community Centre, N. Delhi. Area 405.87 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/746.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 901, 6, Rajindra Place, Pusa Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chander Mohan Gupta,
s/o Sh. Arjun Dass Gupta,
1/9, East Patel, Nagar, N. Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sarla Aneja,
w/o late O. P. Aneja,
E-85, Kirti Nagar, N. Delhi. (Transferee)
- (3) M/s. Navapan India Ltd.
901, 6, Rajindra Place,
New Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 901, 6, Rajindra Place, Pusa Road, New Delhi-15,
Area 570 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-198
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/747.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 324, 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Ravindra Kumar s/o
Shri Laxman Swarup, 34, Nehru Bazar, Paharganj,
New Delhi-55. (Transferor)
- (2) Mr. Gurdeep Singh Bedi,
s/o T. S. Bedi, 209, Golf Links,
New Delhi-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 321, Third floor, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 320 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANEE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/748.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-31 Plot No. 1, Old Rohtak Road, situated at Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961)
in the Office of the

I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Roopa Construction (P) Ltd.,
G1-4, Ashoka Estate 24, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Vijay Laxmi Gupta,
w/o Sh. Gian Chand Gupta,
No. 6, Jor Bagh, Market, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Basement B-31, Plot No. 1, Old Rohtak Road, Delhi. Area
275 sq. ft.

Inspecting Assistant

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

(1) M/s. P. S. Jagpal & Sons (H.U.F.),
J-4, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shakte Chem,
1130, Rang Mahal, Delhi-6.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/1-85/750.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9 'B', K-84, Green Park, situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 9 'B' on IInd floor measuring 600 sq. ft. in the
under construction building at K-84, Green Park, N. Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

95—296 GI/85

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/751.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (the "said Act"), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 203, Plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi
in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer is agreed to between
the parties has not been fully stated in the said instrument
in conformity with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income or capital gain from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the said Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Kaushalya Educational Trust,
through Vivek Kapur presently at 11/4B,
Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Sharad Rao
204, Raja Ram Mohan Roy Road,
Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 203, unit I, at first floor, in building in plot No. 6,
Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/752.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi
in January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) M/s. Kaushalya Educational Trust through
Sh. Vivek Kapur, now at 11/48, Pusa Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Shyam Rao,
204, Raja Ram Mohan Roy Road,
Bombay-400004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati floor situated in building in plot No. 6, Kaushalya
Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 880 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/753.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 30, Masjid Moth, situated at New Delhi:(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi
in January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
at the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Anoop Malik
D-21, Panchsheel Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Anita Bhatia,
E-160, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
all have the same meaning as given in
at Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 30, Masjid Moth, CSC, New Delhi. Area 10.96
Mtr.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/754.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing
No. 101, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas
situated at New Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January 1985,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Surya Enterprises (P) Ltd.
L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15. (Transferor)
- (2) M/s Shanti 'India' P. Ltd.
29, Yashwant Place, Chanakyapuri,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, on first floor, One Kaushalya Park, Hauz
Khas, New Delhi, 1406 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/755.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-314, 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Amrit Sain &
Dr. (Ms) Kanwal Hazuria, E-14, Greater
Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. O. P. Bhalla & Mrs. S. Bhalla,
G-15, Jangpura Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-314, on 3rd floor in 3 Bhikaji Cama Place,
New Delhi. Area 294 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/756.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 202, R-1, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Karanjit Singh,
70, Regal Bldg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Nanda,
R/o Y-44, Hauz Khas,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, R-1, Hauz Khas, New Delhi, Area 872 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/757.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kaushalya Education Trust,
through its Shri Vivek Kapur, Trustee,
r/o Arpana, Madhuban, Karnal in the State of
Haryana.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Jain,
S/o Shri R. S. Jain, flat No. 101,
Ground floor, 5, Kaushalya Park, Hauz Khas,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati flat No. 402, admeasuring 698 sq. ft. along with staircase and terrace admeasuring 106 sq. ft. and 930 sq ft. respectively on the top floor of the building at 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/758.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 205, 15 Rajindra Place, New Delhi situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

96—296 GI/85

- (1) Smt. D. S. Gandhi,
W/o Shri S. N. Gandhi, r/o
E-1/166, Arora Colony, Bhogal-562016, M.P.
(Transferor)
- (2) Mr. Sanjay Chaudhary S/o Shadilal Chaudhary,
C-108, Rajendra Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, (321 sq. ft.) on 2nd floor, In Kirtimahar, 19, Rajindra Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/1-85/759.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingNo. B-408 at 5, Bhikaji Cama Place, situated at
New Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January 1985,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Farid Ahmad Siddiqui,
D-5/2, Vasant Vihar,
New Delhi-57.

(Transferor)

- (2) Smt. Shakuntla Dalal &
Shri Sandeep Dala S/o H-203, Sam Vihar,
R. K. Puram, New Delhi-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

B-408, at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66. Area
270 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Karanjit Singh,
12, Regal Bldg., Parliament Street,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Ramesh Chander Khurana,
H-56, Kirti Nagar,
New Delhi-15.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/760.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 402, R-I, Hauz Khas, situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ, III,
New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 402, R-I, Hauz Khas, New Delhi. Area 1000
sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—

94—286GI/85

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/761.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 007, 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Sarla Bhatia,
A-6, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi-49.

(Transferor)

- (2) Mr. Rohit Vohra, S/o Shri R. C. Vohra,
L-57, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 007, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.
Area 230.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Kaushalya Education Trust,
through its Trustee Shri Vivek Kapur,
R/o 11/4-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. J. B. Kuchhal,
r/o 108, Basant Enclave,
New Delhi-57.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. LAC/Acq.III/37EE/1-85/762.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
No. Unit 'B' Flat No. 102, Bldg. No. 6, Kaushalya Park,
situated at Hauz Khas, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January 1985,
to, an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

Basement of Unit 'B' (Flat 102) of building No. 6,
Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 830 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/763.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit A, Flat 101, Bldg. No. 6, Kaushalya Park, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kaushalya Educational Trust, through its Trustee Shri Vivek Kapur, R/o 11/4-5, Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) J. S. Kuchhal (HUF) through its Karta Lt. Col. J. B. Kuchhal R/o 108, Basant Enclave, New Delhi-57. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement of Unit A (Flat 101) of Building No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 685 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/764.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-58, Gujrat Co-operative Housing Society Ltd., situated at Delhi-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nitin Kumar Shah,
13/19, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Ban Patel,
E-47, Jawahar Park,
Luxmi Nagar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Residential Plot No. G-58, Gujrat Co-operative Housing Society Ltd., Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/765.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
H. No. 2, Rd. No. 25, Punjabi Bagh Extn.,
situated at New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Suprem Bansal,
r/o 1/15-B, Lajpat Nagar-II,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Dua,
r/o 457, Riabi Nagar,
Shakur Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 199.42 sq. ft. bearing House No. 2,
Road No. 25, situated in Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/766.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-8, Westend Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

97—296 GI/85

(1) Yashwant Kumar Sethi,
S/o Sh. Ramchandra Sethi,
R/o F-98, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sudershan Kumar Kohli &
Kum Kum Kohli,
R/o 14, Palam, Marg,
Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Premier Traders
D-8, Westend Colony,
New Delhi.

(Persons (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

D-8, Westend Colony, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Seal :
Date : 9-9-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/767.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 201, NWA, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rishi Pal Properties (P) Ltd.,
704, Pragati Tower,
Rajendra Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sadrar Ravinder Singh Sawhney,
J-162-A, Rajouri Garden,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 3 NWA, Punjabi Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Commandar G. S. Gupta and
Miss Sumati Gupta
R/o D-110, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Satya Gupta
W/o Cdr. G. S. Gupta and
Miss Sumati Gupta
d/o Cdr. G. S. Gupta,
R/o D-110, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/768.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement 5 situated at 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 5 in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/769.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
No. C-70, Panchshila Enclave,
situated at New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been duly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) S. K. Bhattacharyya,
-
- C/o Sh. P. R. Khanna,
-
- Partner Khanna & Annadhanam,
-
- Chartered Accountants,
-
- 706-606 Akash Dass, Barakhamba Road,
-
- New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) Sh. Jai Singh Mehta,
-
- C/o M/s. S. S. Kethari & Co.,
-
- 9-A, Atma Ram House,
-
- 1, Tolstey Marg,
-
- New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-70, Panchshila Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New DelhiDate : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No IAC/Acq.III/37EE/1-85/770.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kiosk UGK-11 situated at Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Som Datt Builders Pvt. Ltd.,
56, Community Centre,
East of Kailash,
New Delhi-65.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Bajaj &
Mr. Dinesh Chander Bajaj,
E-57, Anand Niketan,
New Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-11, on Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/771.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Kiosk No. UKG. 8
situated at on upper ground floor at 5, Bhikaji Cama Place,
New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Som Datt Builders Pvt. Ltd.,
56, Community Centre,
East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh Chandra,
HS-3, Kailash Colony,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Kiosk No. UKG-8 on Upper Ground floor at 5, Bhikaji
Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/772.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. UKG-9, situated at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Som Datt Builders Pvt. Ltd.,
56, Community Centre,
East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. K. S. Ahlwat &
Mrs. Savitri Ahlwat,
Flat No. 404, B-Block,
Som Vihar, R. K. Puram,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kiosk No. UKG-9 on Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi Approx. Area 56 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/773.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-64, Preet Nagar Co-op House building society Ltd., situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Bimala Devi,
685, Mohalla Sheesh Mahal,
Teliwara, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Nath Bansal &
Smt. Rama Bansal,
383, Gagan Vihar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. A-64, measuring 150 sq. yds in Preet Nagar Co-op House building society Ltd., Delhi 92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 11-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/774.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 401, Unit 'G' at 5, Kaushalya Park, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

98-296 GU/85

(1) Kaushalya Educational Trust through Sh. Vivek Kapur trustee presently at 11/4, B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Garg, 20, Babar Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Unit 'G' at IIrd floor at Building No. 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, N. Delhi, 1500 Sq. Ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Om Parkash Bansal,
Kishan Ganj,
Pilakua UP.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 411A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

(2) Smt. Seela Devi Jain,
W/o Sh. A. K. Jain,
3916, Jain Bhavan, Near Jagat Cinema,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/774-A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing No. D-243, Sarvodya Enclave situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

D-243, Sarvodya Enclave, New Delhi Approx. 1100 Sq.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Delhi/New Delhi
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/775.—Whereas, 1,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 102, Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai,
situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi-19.

(Transferor)

- (2) Hemant Chopra,
B-41, Amar Colony,
Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102, having approx. super area 344 sq. ft. on
1st Floor of building to be constructed on plot No. 22 Com-
munity Centre, Yusuf Sarai, New Delhi-16.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/776.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 204, Plot No. 21, Yusuf Sarai, Community Centre,
situated at New Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III,
New Delhi in January, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Saket Properties (P) Ltd.,
C-538, Defence Colony,
New Delhi-24.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Vivek Jain
2. Sh. Surinder K. Jain,
R/o 36, Ashok Park,
New Rohtak Road, N. Delhi.
3. Mast. Monu Kumar
4. Mast. Tanuj Kumar U/G
Sh. S. Kumar,
K-15, N.D.S.E.-II,
New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as give
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Area 378 sq. ft. at Plot No. 21, Yusuf Sarai,
Community Centre, New Delhi-16.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM 11NS

(1) Mr. Satish Sood,
H-9, South Extension, Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Kailash Nath Sood,
H-9, South Extension,
Part-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq-III/37-EE/1-85/777.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

201, Plot No. 21, Yusuf Sarai Community Centre, situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi
in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property, as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument to
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

50% of flat No. 201, Area 214.50 sq. ft. Plot No. 21, Yusuf
Sarai Community Centre, New Delhi-16.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37-EE/1-85/778.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 312 Shivlok House No. I, A/2, Milan Cinema Comm. Complex, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Vikash C. Kasapay,
J-212, Saket,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Shahid,
S/o. Sh. Abdul Majid,
R/o. 7464, Quresh Nagar,
Bari Masjid Road,
Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

312, Shivlok House No. I, A/2, Milan Cinema Commercial Complex, New Delhi. Super Area 320 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/779.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-219, Anand Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. P. N. Bhalla,
30 2, Pan Dariba,
Char Bagh,
Lucknow.

(Transferor)

- (2) Smt. Sneha Sharma,
W/o. Sh. O. P. Sharma,
C-14, Anand Vihar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential Plot No. C-219, Anand Vihar, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashoka Builders & Constructors
E-2/6, Jhandewalan Extn., New Delhi-5.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raj Kumar Ahuja,
17/4, Narsingh Puri Street,
Mount Road, Madras-600 002.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37-EE/1-85/780.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2-A at ground floor, situated at B-5, Rajendra Park, Pusa Road, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2-A at ground floor, B-5, Rajendra Park, Pusa Road, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/781.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

Flat No. 701-A situated at 6 Bhikaji Cama Place, New
Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi
in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss Ranjita Chandra,
15, Gurdwara Rakab Ganj Road,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701-A in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Runita Chandra,
15, Gurudwara Rakab Gang Road,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/782.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
701 in Bhikaji Cama Place, New Delhi, situated at
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi
in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property/
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 701, in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/783.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 158, Bldg. No. 9 at Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Charanjit Kaur and Mrs. Gulvinder Kaur,
R-211, Greater Kailash-I,
Kailash-I,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre,
East of Kailash,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 158, in Bldg. No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, area Approx. 166 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/784.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 3 & 4, 2-A, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006 Kanchanjunga
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mast. Vaibhav Anand,
C-19, Chirag Enclave,
New Delhi-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two open Car Parking space No. 3 & 4, in the proposed commercial complex ALPS 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/785.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 610, Gagandeep, 12, Rajendra Place, situated at New Delhi-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Cinia Devi,
34, Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. A. Duggal & Mr. Pradeep Mehra,
29-A, MIG Plats Rajouri Garden,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

610, Gagandeep, 6th floor 12, Rajindra Place, N
Area 395 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/786.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. KP/339, situated at Pitampura, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kherati Lal Lamba,
S/o. Late Sh. M. L. Lamba,
R/o. A-1/243-B, Lawrence Road, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Sant Ram Chawla,
S/o. Sh. Nanak Chand Chawla,
R/o. 8845, Shidipura, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. N. KP/339, Pitampura, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/787.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing E-4/15, Jhandewalan Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Asoka Builders,
E/2/6, Jhandewalan Extn.,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. S. K. Puri,
S/o. Sh. Gurdas Puri,
2. Mrs. Usha Puri,
W/o. F. C. Puri,
Manoj Puri, S/o Mr. F. C. Puri,
A-24, Prahlad Market, K. Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room and one bathroom Room No. 8, on IInd floor at E-4/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/788.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
702-A, in 6, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi
in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.
115, Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss. Udit Chandra,
15, Gurudwara Rakab Ganj Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702-A, in 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi.
Area 220 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.
ETAOINETAOIN

Date : 9-9-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co.,
6/4792, Chandni Chowk,
Delhi-6.

(Transferor)

(2) M/s. Ganga Trading Co.,
47/5, Old Rajendra Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A Asaf Ali Road,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/789.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 206, 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 1st floor, Pal Mohan House, 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi-5 Area 103 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

100—296 GI/85,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. R. K. Malik,
25/55, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rishi Pal Properties (P) Ltd.,
704, Pragati Tower, 26, Rajendra Place,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/790.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

No. 205 Pal Mohan Apartments 3 NWA Punjabi Bagh,
situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

205, Pal Mohan Apartments, 3 NWA, Punjabi Bagh, New
Delhi-26 (Area 825 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date . 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi Shrivani
C-112, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pal Mohan Construction Co.,
6/4792, Chandni Chowk,
Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/791.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 204, 5 NWA, Fungal Bagh, situated at Village Madipur
New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

204, 5 NWA, Punjabi Bagh, Village Madipur New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this office notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/1-85/3-85/792.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RJA-IG-6G, 101-103, 15G, 26G & 42G, 60/26, N. Rohtak Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Raj Rahul Constructors & Builders Pvt. Ltd.,
N-52-A, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajender Jaina,
P-Flat Sagar Apartments,
6-Tilak Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJA-IG-6G, 101, 103, 15G & 42G, ground floor, 60/126, Prabhat Marg, New Rohtak Road, New Delhi 1150 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/1-85/822.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9/45, Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nirankari Crockery House,
3/2656, Readon Pura,
Karol Bagh, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Bhatia,
R/o 81/61, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-45/Upper Ground Floor, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi Area 184 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

101—296GI/85

Date : 9-9-1985

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/3-85/840.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 202, Unit H, Hauz Khas, 6, Kaushalya Park situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kaushalya Educational Trust,
Aparna, Madhuban,
Karnal (Haryana).

(Transferor)

(2) Mr. Rahul Jain &
Mrs. Anjali Jain,
2, Palika Vihar, Willington Cres.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Unit H. First Floor, 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, N. Delhi, Area 1385 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/3-85/848.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38/2087, Naiwala Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kharaiti Lal,
AP-22, Shalimar Bagh,
Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Perfect Auto Spares (Regd.)
1542/129, Naiwala, Karol Bagh,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38/2087, Naiwala Karol Bagh, New Delhi. Area Ground Floor—36.62 sq. mts. First floor—19.12 sq mts.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Neha Deep Construction,
1, Rajindra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Chandra Gupta,
18, Central Lane, Bengali Market,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. AC/Acq.III/37EE/1-85/7-85/985.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 201-301, & 401, 1, Rajindra Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Air conditioned space No. 201, 301, 401, on IInd floor, IIIrd floor & IV floor respectively in the building under construction at 1, Rajindra Place, N. Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 9-9 1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. R. Khanna, D-9,
Hauz Khas,
New Delhi-16.

(Transferor)

(2) Mrs. Geeta Bhattacharji,
B-11/33, Azad Apartment,
Aurobindo Marg,
New Delhi-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. AC/Acq.III/37EE/1-85/8-85/1021.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-11/33 situated at Azad Apartment, Aurobindo Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-11/33, Azad Apartment, Aurobindo Marg, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/R-II/37EE/1-85/581.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-58, Gujranwala Town Part-I Delhi 241.67 sq. yds., situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Lal Chhadara
S/o Shanu Ram
R/o A-G-587 Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

(2) (1) Shri Yashwant Kumar
S/o Sh. Sunder Lal
(2) Smt. Manju Lata
W/o Shri Nand Lal
(3) Smt. Anita Rani
W/o Vijay Kumar and
(4) Sh. Manoj Kumar
S/o Sh. Sunder Lal
R/o 51-E, Kamla Nagar,
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-58 Gujranwala Town Part-I, Delhi measuring 241.67 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 16-9-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/107, Koregaon Park,
PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9625/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub Plot No. 3 in lay out at 692/693 Pune Satara Road, Opp. Bhupkar Petrol Pump, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Mr. Shalini Govind Gokhale,
I hart Apartments,
Flat No. 10, Prabhat Road,
Pune.

(Transferor)

(2) Mr. D. D. Chaphalkar,
M/s. Chaphalkar Constructions,
33 Mahavirnagar, Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 3 in lay out at 692/693 Pune Satara Road, Opp. Bhupkar Petrol Pump, Pune. (Area 5758 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 9625/1984 85 in the month of Jan. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 13-9-1985

Seal :

